THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

एलओसी पर घुसपैठ कर रहे 2 आतंकवादी मारे गए
नौशेरा सेक्टर में देर रात एनकाउंटर

श्रीनगर, 9 सितंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के राजौरी में लाइन ऑफ कंट्रोल (एलओसी) पर घुसपैठ की कोशिश कर रहे आतंकवादियों को सेना ने मार गिराया। टेररिस्ट रविवार (8 सितंबर) की देर रात सीमा पार करने की कोशिश कर रहे थे। व्हाइट नाइट कॉर्प्स के मुताबिक सेना की तलाशी अभियान में एक और एम4 राइफल बरामद हुआ है। सर्च ऑपरेशन में अब तक 2 एके-47, 1 एम-4 राइफल, 1 पिस्तौल, 8 ग्रेनेड, गोला-बारूद, समेत की सामान बरामद किया जा चुका है।

वर्ष-29 अंक : 169 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) भाद्रपद शु.7 2081 मंगलवार, 10 सितंबर-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

पीएम ने अबू धाबी के क्राउन प्रिंस का स्वागत किया

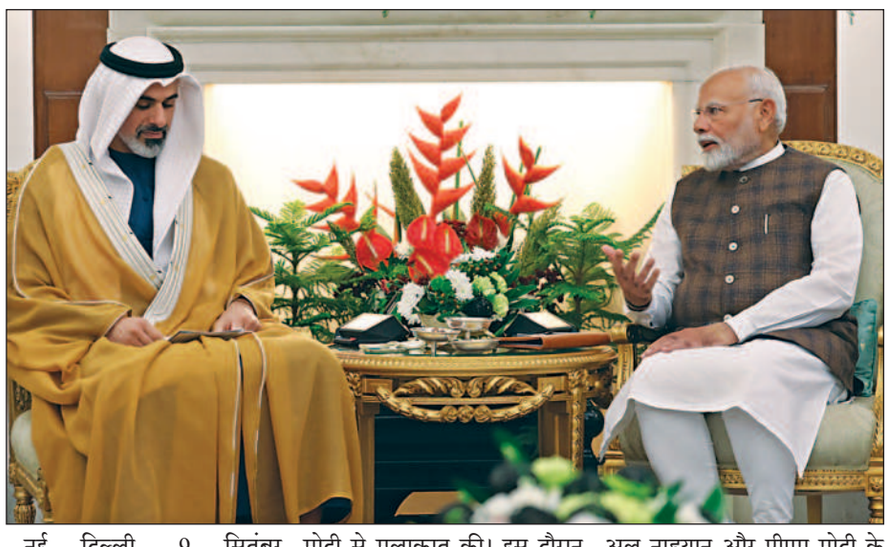

कई अहम मुद्दों पर की चर्चा

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। अबू धाबी के क्राउन प्रिंस शेख खालिद बिन जायद अल नाहयान दो दिवसीय भारत दौरे पर हैं। उन्होंने आज नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान पीएम मोदी ने गले लगाकर उनका स्वागत किया। रविवार को अल नाहयान दिल्ली पहुंचे, जहां केंद्रीय मंत्री पियूष गोयल ने उनका स्वागत किया। अपने दौरे के पहले दिन अल नाहयान और पीएम मोदी के बीच द्विपक्षीय सहयोग के व्यापक क्षेत्रों में बातचीत हुई। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जयसवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने कहा, एक करीबी दोस्त का गर्मजोशी से स्वागत। पीएम मोदी ने हैदराबाद हाउस में अबू धाबी के क्राउन प्रिंस महामहिम शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान का स्वागत किया।

अल नाहयान का पहला आधिकारिक भारत दौरा :

क्राउन प्रिंस के रूप में अल नाहयान का यह पहला आधिकारिक भारत दौरा है। सोमवार को वह राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से भी मुलाकात किया। इसके अलावा वह राजघाट में महात्मा गांधी को भी श्रद्धांजलि अर्पित किया। दिल्ली में अपने कार्यक्रम का समापन के बाद 10 सितंबर को अल नाहयान मुंबई के लिए रवाना होंगे। मुंबई में वह एक बिजनेस फोरम में हिस्सा लेंगे। इस कार्यक्रम में दोनों देशों के कई बिजनेस लीडर भी शामिल होंगे। मंत्रालय ने बताया कि भारत और अबू धाबी के बीच ऐतिहासिक रूप से करीब और मित्रवत संबंध रहे हैं। हाल के वर्षों में कई क्षेत्रों में भारत और यूएई के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी गहरी हुई है। जिनमें व्यापार, निवेश, राजनीतिक, संपर्क, उर्जा, तकनीक, शिक्षा और संस्कृति शामिल हैं। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने इस साल फरवरी में अबू धाबी का दौरा किया था। इस दौरान उन्होंने अबू धाबी के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के साथ दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की थी। उन्होंने आठ समझौतों पर हस्ताक्षर किए थे। इस दौरान भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा (आईएमईसी) के लिए एक अंतर-सरकारी ढांचा बनाने पर सहमति जताई थी।

69 हजार शिक्षक भर्ती की नई मेरिट लिस्ट पर रोक

> सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगाई > अब 23 सितंबर को होगी सुनवाई

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश 69,000 सहायक अध्यापक भर्ती मामले में सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने 16 अगस्त को आए इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस मनोज मिश्रा और जस्टिस जेबी पारदीवाला की बेंच ने कहा, हाईकोर्ट का आदेश निलंबित रहेगा। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार और दोनों पक्षों- अनुसूचित जाति व ओबीसी वर्ग के अभ्यर्थियों और कार्यरत शिक्षकों से कहा कि लिखित दलीलें पेश करें। हम इस पर फाइनल सुनवाई करेंगे। हाईकोर्ट के फैसले के अध्ययन के लिए समय चाहिए। अब अगली सुनवाई 23 सितंबर को होगी। याचिका परिषदीय विद्यालयों में 4 साल से नौकरी कर रहे शिक्षकों ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की थी। याचिकाकर्ताओं में शिक्षक राघवेंद्र प्रताप सिंह, रवि प्रकाश पांडेय, शिवम चौबे और रवि सक्सेना सहित अन्य शामिल हैं। इनकी तरफ से एडवोकेट गौरव बनर्जी, एस. मुरलीधर, मुकुल रोहतगी, पीए सुंदरम ने पैरवी की। राज्य सरकार का पक्ष सुप्रीम कोर्ट में यूपी की अपर महाधिवक्ता एश्वर्या भाटी ने रखा। 16 अगस्त को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 69,000 शिक्षकों की भर्ती की जून 2020 और जनवरी 2022 की मेरिट लिस्ट रद्द कर दी थी।

बेंच ने सरकार को सहायक शिक्षक भर्ती परीक्षा का रिजल्ट नए सिरे से जारी करने का भी आदेश दिया था। बेसिक शिक्षा विभाग को 3 महीने में नई चयन सूची जारी करनी थी। कोर्ट में शिक्षकों की भर्ती में 19 हजार सीटों पर आरक्षण घोटाला सामने आया था। ऐसे में बेंच ने आदेश दिया कि आरक्षण नियमावली 1981 और आरक्षण नियमावली 1994 का पालन करके नई लिस्ट बनाई जाए। इससे पहले लखनऊ हाईकोर्ट की सिंगल बेंच भी ये मान चुकी थी कि 69,000 शिक्षकों की भर्ती में 19,000 सीटों पर आरक्षण का घोटाला हुआ था।

कोलकाता रेप-मर्डर केस : सुप्रीम कोर्ट ने कहा-ड्यूटी पर तुरंत लौटें
डॉक्टर, जॉइन नहीं किया तो राज्य सरकार कार्रवाई करे

नई दिल्ली/कोलकाता, 9 सितंबर (एजेंसियां)। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में 9 अगस्त को ट्रेनी डॉक्टर के साथ हुए रेप-मर्डर केस में सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और मनोज मिश्रा की बेंच ने तीन मुद्दों- सीबीआई जांच रिपोर्ट, डॉक्टरों की हड़ताल और सीआईएसएफ जवानों की सुविधाओं पर सुनवाई की।

सीबीआई की स्टेटस रिपोर्ट में कई बातें सामने आईं। कोर्ट ने कहा कि, एफआईआर में 14 घंटे की देरी हुई है। वहीं कुछ जरूरी दस्तावेज भी गायब हैं। ऐसे में मामला गड़बड़ लगता है। कोर्ट ने राज्य सरकार को मिसिंग डॉक्यूमेंट कोर्ट में पेश करने का आदेश दिया। वहीं हड़ताल को लेकर कोर्ट ने डॉक्टरों से तुरंत काम पर लौटने को कहा है। सीजेआई ने कहा, अगर मंगलवार शाम 5 बजे तक डॉक्टर ड्यूटी पर नहीं लौटे तो उनके खिलाफ राज्य सरकार को कार्रवाई करने से नहीं रोका जा सकता। डॉक्टरों का पेशा ही मरीजों की सेवा करना है। उधर सीआईएसएफ जवानों की सुविधाओं पर कोर्ट ने राज्य के गृह सचिव को आदेश दिया कि सभी जवानों को रहने के लिए घर मुहैया कराया जाए। ये जवान अस्पताल की सुरक्षा के लिए आए हैं। उनको अतिरिक्त सुरक्षा उपकरण भी दिए जाएं। मामले में अगली सुनवाई 17 सितंबर को होगी।

केंद्र सरकार ने एमपॉक्स को लेकर राज्यों को जारी की एडवाइजरी

डब्ल्यूएचओ की चेतावनी के बाद उठाया कदम

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव अपूर्व चंद्रा ने एमपॉक्स से संबंधित विश्व स्वास्थ्य संगठन की तरफ से अंतर्राष्ट्रीय चिंता का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल (पीएचईआईसी) घोषित किए जाने के मद्देनजर राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को परामर्श जारी किया है। बता दें कि हाल ही में देश की राजधानी दिल्ली में एक संदिग्ध मरीज मिला है, जिसके बाद केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय अलर्ट हो गया है। वहीं केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सभी राज्यों को संदिग्ध एमपॉक्स मरीजों की जांच करने, संक्रमण की पुष्टि होने पर आइसोलेट करने और संक्रमण के जोखिम को कम करने के लिए संपर्क का पता लगाने की सलाह दी है।

अनावश्यक दहशत फैलाने से बचें :

केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव अपूर्व चंद्रा ने सोमवार को राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को भेजे पत्र में उनसे लोगों में अनावश्यक दहशत फैलाने से बचने को कहा। उन्होंने कहा, मौजूदा प्रकोप में भारत में एमपॉक्स का कोई नया मामला सामने नहीं आया है और संदिग्ध मामलों में से किसी भी नमूने में संक्रमण की पुष्टि नहीं हुई है। उन्होंने सतर्क रहने की जरूरत पर बल दिया। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय लगातार उभरती स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहा है। वहीं केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने दिल्ली में एमपॉक्स के संदिग्ध मरीज को लेकर जानकारी भी साझा की है।

उन्होंने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से विशेष रूप से स्वास्थ्य सुविधा स्तर पर सार्वजनिक स्वास्थ्य तैयारियों की समीक्षा करने, अस्पतालों में आइसोलेशन सुविधाओं की पहचान करने और ऐसी सुविधाओं में आवश्यक रसद और प्रशिक्षित मानव संसाधन की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने राज्य और जिला स्तर पर एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम (आईडीएसपी) के तहत निगरानी इकाइयों पर ध्यान केंद्रित करते हुए सभी प्रमुख हितधारकों के उन्मुखीकरण का भी आह्वान किया।

ममता बोलीं-रेप विक्टिम के पेरेंट्स को पैसा नहीं ऑफर किया
सीआईएसएफ की पूरी मदद कर रहे, हम पर आरोप लगाना भाजपा-लेफ्ट की साजिश

कोलकाता, 9 सितंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार (9 सितंबर) को ममता बनर्जी ने स्टेट सेक्रेट्रिएट नबन्ना में रिव्यू मीटिंग के दौरान कहा कि उन्होंने मृतक ट्रेनी डॉक्टर के माता-पिता को कभी पैसा ऑफर नहीं किया।

इसके अलावा उन्होंने केंद्र के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि हम सीआईएसएफ की सभी जरूरतें पूरी कर रहे हैं। हम पर आरोप लगाना केंद्र की भाजपा सरकार और लेफ्ट पार्टियों की साजिश है। हम आपको कुछ भी करने से नहीं रोक रहे हैं। दरअसल, रेप विक्टिम ट्रेनी डॉक्टर के माता-पिता ने कोलकाता पुलिस पर आरोप लगाया था कि उन्होंने बेटी का शव सौंपते वक्त उन्हें पैसा ऑफर किया था और कहा था कि हमने अपनी जिम्मेदारी पूरी कर दी है।

इसके बाद 3 सितंबर को केंद्र सरकार ने पश्चिम बंगाल सरकार के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अवमानना की याचिका लगाई थी। केंद्र का कहना था कि बंगाल सरकार आरजी कर अस्पताल की सुरक्षा में तैनात सीआईएसएफ जवानों को परिवहन और आवास की सुविधा उपलब्ध नहीं करा रही है। इसे लेकर आज सुप्रीम कोर्ट ने राज्य के गृह सचिव को आदेश दिया कि सभी जवानों को रहने के लिए घर मुहैया कराया जाए। ये जवान अस्पताल की सुरक्षा के लिए आए हैं।

राहुल बोले-सब कुछ मेड इन चाइना

** भारत में रोजगार की दिक्कत * पित्रोदा ने कहा-राहुल के पास विजन, वो पप्पू नहीं*

टेक्सास, 9 सितंबर (एजेंसियां)। राहुल गांधी विपक्ष के नेता के तौर पर पहली बार विदेश दौरे पर हैं। वे रविवार को अमेरिका के टेक्सास राज्य पहुंचे। यहां उन्होंने 2 कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। पहले उन्होंने डलास में भारतीय समुदाय के लोगों से मुलाकात की। इसके बाद राहुल गांधी ने सोमवार को यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास के छात्रों से भारतीय राजनीति, इकोनॉमी और भारत जोड़ो यात्रा समेत कई मुद्दों पर चर्चा की।

राहुल ने कहा, भारत में सब मेड इन चाइना है। चीन ने प्रोडक्शन पर ध्यान दिया है इसलिए चीन में रोजगार की दिक्कतें नहीं हैं। कार्यक्रम में इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने कहा, राहुल गांधी पप्पू नहीं है, वे पढ़े-लिखे हैं और किसी भी मुद्दे पर गहरी सोच रखने वाले स्ट्रैटजिस्ट हैं। कार्यक्रम में राहुल गांधी ने विपक्ष के नेता के तौर पर जिम्मेदारी, भारत के आर्थिक हालात, रोजगार समेत 6 मुद्दों पर अपनी राय रखी।

विपक्ष में अपने रोल पर... मेरा काम राजनीति में प्रेम लाना

मेरा रोल संसद में सरकार के खिलाफ बोलना और उन्हें तानाशाह बनने से रोकने तक सीमित नहीं है। मुझे लगता है कि मेरा रोल भारत की राजनीति में प्यार, सम्मान और विनम्रता लाना है। प्यार और सम्मान सिर्फ ताकतवर लोगों के

लिए नहीं, बल्कि उन सबके लिए जो देश को बनाने में जुटे हैं। अमेरिका की तरह भारत में भी कोई राज्य दूसरे से सुपीरियर (ताकतवर) नहीं है। कोई धर्म, भाषा किसी दूसरी भाषा से सुपीरियर नहीं है। लोगों के विचारों को उनकी जाति, भाषा, धर्म, परंपरा या फिर इतिहास की परवाह किए बिना जगह दी जानी चाहिए।

आरएसएस को लगता है भारत एक विचार पर बना है। हमें लगता है कि भारत कई विचारों से मिलकर बना है। चुनाव में लाखों को लगा कि प्रधानमंत्री संविधान पर हमला कर रहे हैं। इसलिए चुनाव के वक्त जब मैंने संविधान हाथ में उठाया तो लोग समझ गए कि भाजपा हमारी परंपरा, भाषा, राज्यों और हमारे इतिहास पर हमला कर रही है। मैंने संसद में अपने पहले भाषण में अभय मुद्रा का जिक्र किया। भाजपा को यह बर्दाश्त नहीं हुआ। वे इसे समझ नहीं पाए, लेकिन हम इसे समझाकर रहेंगी। चुनाव के बाद लोगों में भाजपा का डर खत्म हो गया।

संसद में अच्छे से सुनकर और समझकर जवाब देना होता है। वहां जंग जैसी स्थिति होती है। लड़ना पड़ता है। कभी जंग मजेदार होती है तो कभी सीरियस हो जाती है। यह शब्दों की जंग होती है। पार्लियामेंट में अलग-अलग नेता आते हैं। बिजनेसमैन भी आते हैं। सभी पक्षों को सुनना होता है।

भारत की राजनीति पर... बोलने से ज्यादा जरूरी सुनना

भारतीय राजनीति में सुनना, बोलने से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण है। सुनने का मतलब है खुद को दूसरे की जगह पर रखना। अगर कोई किसान मुझसे बात करता है तो मैं खुद को उनके रोजमर्रा के जीवन में शामिल करने की कोशिश करूंगा और समझूंगा कि वे क्या कहना चाह रहे हैं। सुनना बुनियादी बात होती है। इसके बाद किसी मुद्दे को गहराई से समझना होता है। हर एक मुद्दे को नहीं उठाना चाहिए। जिस मुद्दे को हम नहीं उठाना चाहते हैं, उसे भी अच्छी तरह से समझना चाहिए।

राम मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष नृत्य गोपालदास की तबीयत बिगड़ी

अयोध्या, 9 सितंबर (एजेंसियां)। अयोध्या राम मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपालदास महाराज की तबीयत बिगड़ गई है। रविवार शाम 6:30 बजे लखनऊ के मेदांता हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। उन्हें यूरिनरी और खाने की समस्या बताई जा रही है। महंत की उम्र इस समय 86 साल है। वह 24 अगस्त को अयोध्या से जन्माष्टमी मनाने मथुरा गए। वहां से इंदौर भी गए थे।

वापसी के दौरान तबीयत खराब होने पर ग्वालियर में भर्ती कराया गया। हालांकि, सुधार न होने के कारण मेदांता लखनऊ लाया गया। उनकी स्थिति गंभीर बताई जा रही है। एक्सपर्ट डॉक्टरों की टीम उनका ट्रीटमेंट कर रही है। मेदांता अस्पताल ने मेडिकल बुलेटिन में बताया कि पहले भी अस्वस्थ होने पर महंत नृत्य गोपालदास का मेदांता में इलाज हो चुका है। उनके बेहतर स्वास्थ्य के लिए अयोध्या स्थित उनके आश्रम मणिराम दास छावनी में एक कक्ष को आईसीयू की सुविधाओं से लैस भी किया गया है।

2020 में राम मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष बनाए गए :

नृत्य गोपालदास 2003 में श्रीराम जन्मभूमि न्यास के अध्यक्ष बनाए गए। राम मंदिर आंदोलन के महानायक महंत रामचंद्र दास परमहंस के निधन के बाद उन्हें यह पद दिया गया। इसके बाद साल 2020 में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट का अध्यक्ष बनाया गया। अध्यक्ष बनाए जाने के बाद इनकी सुरक्षा वाई से बढ़ाकर जेड कैटेगरी की कर दी गई। महंत श्रीकृष्ण जन्मभूमि न्यास के भी अध्यक्ष हैं। वे हर साल जन्माष्टमी समारोह के लिए मथुरा जाते हैं।

रक्षा मंत्रालय ने एचएएल के साथ किया समझौता
एसयू-30एमकेआई जेट के इंजन के लिए 26000 करोड़ रुपये की डील

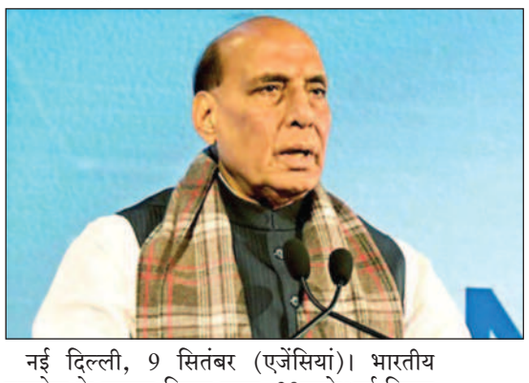

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय वायुसेना के मजबूत विमान एसयू-30एमकेआई विमान के लिए रक्षा मंत्रालय ने 240 एयरो-इंजन की खरीद के लिए सरकारी एयरोस्पेस प्रमुख हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के साथ 26,000 करोड़ रुपये का सौदा किया। जानकारी के मुताबिक एयरो-इंजन का निर्माण एचएएल के कोरापुट डिवीजन की तरफ से किया जाएगा और उम्मीद है कि यह एसयू-30 बेड़े की परिचालन क्षमता को बनाए रखने के लिए भारतीय वायु सेना की जरूरत को पूरा करेगा।

रक्षा सचिव, वायु सेना प्रमुख समेत अधिकारी रहे मौजूद :

एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि आत्मनिर्भर भारत पहल को बढ़ावा देते हुए रक्षा मंत्रालय ने 26,000 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से एसयू-30एमकेआई विमान के लिए 240 एएल-31एफपी एयरो इंजन के लिए एचएएल के साथ एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए।

रक्षा सचिव गिरिधर अरामने और वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वी आर चौधरी की उपस्थिति में मंत्रालय और एचएएल के वरिष्ठ अधिकारियों ने अनुबंध समझौते पर हस्ताक्षर किए।

एचएएल के कोरापुट डिवीजन में होगा इंजन का निर्माण :

जानकारी के मुताबिक इन इंजनों में 54 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री होगी, जो एयरो-इंजन के कुछ प्रमुख घटकों के स्वदेशीकरण के कारण बढ़ी है। इनका निर्माण हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के कोरापुट डिवीजन में किया जाएगा। सुखोई-30 एमकेआई लड़ाकू विमान भारतीय वायुसेना का सबसे शक्तिशाली और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण बेड़े में से एक है। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड की तरफ से इन एयरो-इंजनों की आपूर्ति भारतीय वायुसेना के बेड़े की आवश्यकताओं को पूरा करेगी, ताकि वो अपने निर्बाध संचालन को जारी रख सकें और देश की रक्षा तैयारियों को मजबूत कर सकें।

प्रज्ज्वल रेवन्ना ने दायर की जमानत याचिका
> 12 सितंबर को होगी अगली सुनवाई

बेंगलूरू, 9 सितंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक में जनता दल (सेक्यूलर) के निलंबित सांसद प्रज्ज्वल रेवन्ना ने जमानत याचिका दायर की। हाई कोर्ट ने आवेदन के साथ अन्य मामलों में उनकी दो जमानत याचिकाओं पर अगली सुनवाई के लिए12 सितंबर की तारीख तय की है। बता दें कि प्रज्ज्वल रेवन्ना पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के पोते हैं। उन पर कई महिलाओं से यौन शोषण का आरोप है। प्रज्ज्वल हासन लोकसभा सीट के सांसद थे। उन्होंने इस साल हासन से एनडीए उम्मीदवार के रूप में लोकसभा चुनाव लड़ा था, जिसमें उन्हें हार का सामना करना पड़ा। 26 अप्रैल को लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण से पहले सोशल मीडिया पर कई अश्लील वीडियो वायरल हुए थे। हासन में मतदान के ठीक एक दिन बाद, 27 अप्रैल को प्रज्ज्वल जर्मनी चले गए थे। सीबीआई ने उनके खिलाफ ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी किया है। एजेंसी के द्वारा प्रज्ज्वल के ठिकानों का पता लगाया जा रहा है। यौन शोषण और दुष्कर्म के मामले में विशेष अदालत ने हासन सांसद के खिलाफ 18 मई को गिरफ्तारी का वारंट जारी किया था। 31 मई को जैसे ही प्रज्ज्वल बेंगलूरू के कैंपेगौड़ा एयरपोर्ट पर पहुंचे, तो एसआईटी ने उन्हें हिरासत में ले लिया था। उनके खिलाफ पहली शिकायत उनके घर पर काम करने वाली घरेलू सहायिका के आरोप के आधार पर दर्ज की गई थी।

श्रीलंका ने तमिलनाडु के 14 मछुआरों को किया गिरफ्तार
स्टालिन ने केंद्र से लगाई रिहाई की गुहार

चेन्नई, 9 सितंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर को पत्र लिखकर राज्य के 14 मछुआरों को श्रीलंका की तरफ से गिरफ्तार किए जाने की जानकारी दी है। इस दौरान सीएम स्टालिन ने विदेश मंत्री से सभी मछुआरों और उनकी नावों की तत्काल रिहाई के लिए कदम उठाने की मांग की और द्वीप राष्ट्र की तरफ से उन पर लगाए गए भारी जुर्माने को माफ करवाने के लिए कदम उठाने का आग्रह किया है।

श्रीलंका की तरफ से मछुआरों की गिरफ्तारी में बढ़ोत्तरी :

मुख्यमंत्री स्टालिन ने कहा कि श्रीलंका के अधिकारियों की भारतीय मछुआरों को पकड़े जाने की घटनाओं में चिंताजनक बढ़ोत्तरी हुई है। उन्होंने 7 सितंबर को पुदुक्कोट्टई जिले से 14 मछुआरों की गिरफ्तारी और उनकी तीन मशीनीकृत मछली पकड़ने वाली नावों को जब्त करने की ओर केंद्र सरकार का ध्यान आकर्षित किया।

सितंबर तक 350 से ज्यादा मछुआरों की गिरफ्तारी :

सीएम स्टालिन ने कहा कि अकेले इस साल (7 सितंबर, 2024 तक) श्रीलंकाई नौसेना ने 350 मछुआरों और 49 मछली पकड़ने वाली नावों को पकड़ा है, जो पिछले छह वर्षों में सबसे अधिक है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर को लिखे अपने पत्र में, सीएम स्टालिन ने उनसे श्रीलंका की हिरासत में सभी मछुआरों और उनकी नावों की रिहाई सुनिश्चित करने के लिए 'तत्काल और ठोस कूटनीतिक प्रयास' करने का आग्रह किया।

'श्रीलंका अदालतें मछुआरों पर लगा रही भारी जुर्माना' :

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर देते हुए कि श्रीलंका की अदालतें मछुआरों पर भारी जुर्माना लगा रही हैं, जो उनकी क्षमता से कहीं अधिक है, उन्होंने मछुआरों पर लगाए गए जुर्माने को माफ करवाने के लिए केंद्र से हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया। वहीं अपने पिछले पत्र में, सीएम ने कहा कि उन्होंने पहले ही उल्लेख किया था कि दंड जैसे पहलुओं के कारण मछुआरों को अनिवार्य रूप से लंबे समय तक कारावास और उनके परिवारों के लिए संकट का सामना करना पड़ेगा।

आप-कांग्रेस का गठबंधन नहीं हुआ

आप ने 20 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी की कलायत से अनुराग ढांडा को टिकट

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा में आम आदमी पार्टी (आप) अकेले विधानसभा चुनाव लड़ेगी। पार्टी ने सोमवार को दोपहर बाद 20 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी कर दी है। आप की इस लिस्ट से साफ है कि अब वह इस चुनाव में कांग्रेस से गठबंधन नहीं करेगी। इससे पहले आप के हरियाणा अध्यक्ष सुशील गुप्ता ने भी कहा था कि अगर आज बात सिरे न चढ़ी तो पार्टी सभी 90 सीटों पर उम्मीदवार उतार देगी।

कांग्रेस और आप के बीच गठबंधन न होने की बड़ी वजह सीट शेयरिंग है। आप कांग्रेस से 10 सीटें मांग रही थी। यह सीटें पंजाब और दिल्ली के बॉर्डर से सटे जिलों में थी। आप का तर्क था कि दोनों जगह उनकी सरकार है, इसलिए उन्हें फायदा होगा। इसके उलट कांग्रेस सिर्फ 5 सीट देने पर अड़ी रही। कांग्रेस ने आप की दिल्ली-पंजाब बार्डर इलाकों की सीटों की मांग भी ठुकरा दी और शहरी क्षेत्रों में लड़ने के लिए कहा। राज्य में 90 विधानसभा सीटों पर सिंगल फेज में 5 अक्टूबर को वोट डाले जाएंगे। 8 अक्टूबर को नतीजे घोषित होंगे।

बाबरिया की बिगड़ी तबीयत, गठबंधन पर नहीं हुई मीटिंग

हरियाणा विधानसभा चुनाव में आप के साथ सीट शेयरिंग को लेकर कांग्रेस की ओर से पार्टी प्रभारी दीपक बाबरिया बातचीत कर रहे थे, लेकिन सुबह तड़के तबीयत बिगड़ जाने के बाद वह घर में आराम कर रहे हैं। डॉक्टरों ने भी सलाह दी है कि वह कोई भी फिजिकल एक्टिविटी न करें। ऐसे में सोमवार को आप के साथ कांग्रेस की कोई मीटिंग नहीं हो पाई।

हुड्डा-सुरजेवाला कर रहे थे विरोध

कांग्रेस के साथ आम आदमी पार्टी के गठबंधन का पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा और राज्यसभा सांसद रणदीप सुरजेवाला विरोध कर रहे थे। दोनों नेताओं का कहना था कि हरियाणा में इस समय कांग्रेस के पक्ष में माहौल है। बीजेपी को हराने के लिए हमें हर सीट पर मजबूत प्रत्याशी लड़ाने की जरूरत है। जिसके बाद राहुल गांधी ने गठबंधन के फैसले पर एक कमेटी का गठन किया था। कमेटी ने भी अपनी रिपोर्ट में गठबंधन नहीं करने करने की सलाह दी।

लोकसभा चुनाव में हुआ था गठबंधन

करीब 3 महीने पहले हरियाणा में आप और कांग्रेस ने इंडिया गठबंधन के तहत लोकसभा चुनाव लड़ा था। कांग्रेस ने 9 तो आप ने एक सीट कुरुक्षेत्र पर उम्मीदवार उतारा था। आप ने यहां से प्रदेश अध्यक्ष डॉ सुशील गुप्ता को उम्मीदवार बनाया था। वह बीजेपी के नवीन जिंदल से हार गए थे।

गणेश पंडाल पर पथराव के बाद जमकर हिंसा

सुबह आरोपियों के अवैध निर्माणों पर चला बुलडोजर, अब तक 33 गिरफ्तार

सूरत, 9 सितंबर (एजेंसियां)। गुजरात में सूरत के सैयदपुरा मोहल्ले में रविवार रात गणेश पंडाल पर पथराव करने वाले आरोपियों के खिलाफ सरकार ने कार्रवाई शुरु कर दी है। सोमवार दोपहर करीब 12 बजे इलाके में कई आरोपियों के अवैध निर्माणों पर बुलडोजर चलवा दिया गया। बता दें, रविवार देर रात 6 युवकों ने पंडाल पर पथराव किया था।

पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था। इसके बाद आरोपियों के घरवाले सैकड़ों लोगों के साथ प्रदर्शन करने लगे। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच पथराव शुरू हो गया। इलाके में देर रात तक जमकर हिंसा हुई। पुलिस ने लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले भी छोड़े। इस मामले में 28 लोगों को हिरासत में लिया गया है। सोमवार सुबह से स्थिति नियंत्रण में है। पुलिस की मौजूदगी में सुबह की आरती भी की गई। इलाके में करीब एक हजार पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक गिरफ्तार किए गए सभी लोग दूसरे धर्म के हैं। इनमें 2 नाबालिग भी हैं।

आप-कांग्रेस का गठबंधन क्यों टूटा

10 सीटें मांग रही थी आम आदमी पार्टी, 5 पर अड़ी कांग्रेस

चंडीगढ़, 9 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए इंडी अलाइंस में सीटों के बंटवारों पर सहमति नहीं बन पाई। इसके चलते अब कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) दोनों पार्टियां हरियाणा में अकेले चुनाव लड़ेंगी। ने 10 और समाजवादी पार्टी (एसपी) ने 3 सीटें हरियाणा में कांग्रेस से मांगी थीं। राज्य में गठबंधन को लेकर कांग्रेस-आप के बीच 3 मीटिंग हुईं। कांग्रेस ने आप को 4+1 का ऑफर दिया था। 2 मीटिंग के बाद सीट शेयरिंग पर सहमति नहीं बनी।

इसके बाद तीसरी मीटिंग में कांग्रेस ने एक और सीट का ऑफर दिया। हालांकि, दोनों पार्टी की तरफ से इसे लेकर सहमति नहीं बन पाई, जिसके कारण गठबंधन हो नहीं पाया। अब आप ने 20 कैंडिडेट घोषित कर दिए हैं। इससे पहले आज ही हरियाणा में आप के प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सुशील गुप्ता ने कहा था कि अभी तक हाईकमान ने गठबंधन के बारे में कुछ नहीं बताया है। अगर आज गठबंधन नहीं हुआ तो हम सभी 90 सीटों पर आप के उम्मीदवार उतार देंगे। जिसके बाद लिस्ट जारी कर दी गई। इंडी गठबंधन में अभी समाजवादी पार्टी के साथ सीट शेयरिंग को लेकर संशय है। सूत्रों का कहना है कि समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने 3 सीटों की सूची कांग्रेस को भेजी हैं, इन सीटों में पलवल जिले की हथीन, चरखी दादरी की दादरी और गुरुग्राम की सोहना सीट शामिल हैं।

'ममता बनर्जी ने सीबीआई को केवल 27 मिनट की सीसीटीवी फुटेज क्यों दी'

भाजपा ने मांगा इस्तीफा

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। कोलकाता के अस्पताल में एक डॉक्टर के साथ हुई जघन्य वारदात पर सुनवाई करते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने राज्य सरकार की कार्यप्रणाली पर गहरे प्रश्न उठाए हैं। अदालत ने कहा है कि इस मामले की जांच में गंभीर लापरवाही हुई है। अदालत ने इस मामले की जांच से जुड़ी एजेंसियों को पर्याप्त जानकारी न दिए जाने को लेकर भी कठोर टिप्पणी की है।

अदालत की टिप्पणी के संदर्भ में भाजपा ने कहा है कि अदालत की तल्ख प्रतिक्रिया से यह बात साफ हो गई है कि राज्य सरकार की ओर से इस मामले की लीपापोती करने की पूरी कोशिश की गई है। भाजपा ने कहा है कि इसके बाद अब ममता बनर्जी को अपने पद पर बने रहने का कोई अधिकार नहीं है। पार्टी ने ममता बनर्जी से तत्काल इस्तीफा देने की मांग की है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि ममता बनर्जी सरकार ने जांच एजेंसी को केवल 27 मिनट का सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध कराया है, जबकि मामले की पूरी जांच के लिए जांच एजेंसी को पूरी सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध कराई जानी चाहिए थी। इस मामले में पुलिस कमिश्नर की भूमिका पूरी तरह संदेह के घेरे में है। ऐसे में उन्हें तत्काल उनके पद से हटाया जाना चाहिए। पार्टी ने आशंका जताई है कि जिस दिन डॉक्टर के साथ दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटी थी, उस दिन इस मामले की लीपापोती के लिए साजिशें रची गई थीं। पार्टी की मांग है कि घटना की रात से लेकर अगले 24 घण्टे तक ममता बनर्जी और कोलकाता पुलिस कमिश्नर के बीच क्या बातचीत हुई है, यह सामने आना चाहिए। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी और पुलिस कमिश्नर के कॉल डिटेल की जांच की जानी चाहिए।

'जेल में बंद आरोपी किसी अन्य आपराधिक मामले में मांग सकता है अग्रिम जमानत'

सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने इस कानूनी सवाल पर विचार किया कि क्या जेल में बंद आरोपी को किसी अन्य आपराधिक मामले में गिरफ्तारी से पहले जमानत के लिए आवेदन करने का अधिकार है। 'नियमित जमानत के लिए आवेदन कर सकता है आरोपी' इसके बाद न्यायमूर्ति पारदीवाला ने पीठ के लिए फैसला सुनाते हुए कहा, जब तक आरोपी को उस अपराध के संबंध में गिरफ्तार नहीं किया जाता है, तब तक वह अग्रिम जमानत लेने का हकदार है और अगर उसे उस मामले में भी गिरफ्तार किया जाता है तो एकमात्र उपाय नियमित जमानत के लिए आवेदन करना है। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट का ये फैसला धनराज असवानी नाम के व्यक्ति की तरफ से साल 2023 में दायर याचिका पर आया, जिसमें यह सवाल उठाया गया था।

'मामले में ऐसा कोई अंतर्निहित प्रतिबंध नहीं है'

पीठ ने अपने फैसले में कहा कि, ऐसा कोई स्पष्ट या अंतर्निहित प्रतिबंध नहीं है जो सत्र न्यायालय या उच्च न्यायालय को किसी आरोपी को अग्रिम जमानत देने से रोकता हो, अगर वह किसी अन्य अपराध के संबंध में हिरासत में है। यह विधायिका की मंशा के खिलाफ होगा। न्यायालय ने कहा, एक मामले में हिरासत का यह प्रभाव नहीं होता कि दूसरे मामले में गिरफ्तारी की आशंका समाप्त हो जाती है।

केंद्र सरकार ने सांख्यिकी सर्वेक्षण के पैनल को किया भंग

जनगणना में देरी पर सदस्यों ने जताई थी चिंता

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की तरफ से सभी सांख्यिकीय सर्वेक्षणों की देखरेख के लिए गठित समिति को भंग कर दिया गया है। जानकारी के मुताबिक जनगणना में देरी को लेकर समिति के कुछ सदस्यों की तरफ से चिंता जताई जा रही थी। मंत्रालय की तरफ से पैनल के सदस्यों को लिखे गए पत्र में कहा गया है कि समिति की तरफ से किया गया कार्य हाल ही में गठित राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षणों के लिए संचालन समिति की तरफ से किए गए कार्य के समान है और इसलिए समिति को भंग किया जा रहा है।

कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर बोला हमला

वहीं कांग्रेस ने स्थायी समिति को कथित तौर पर भंग किए जाने को लेकर सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि ऐसा इसलिए किया गया क्योंकि इसके सदस्य बार-बार सवाल कर रहे थे कि 2021 में होने वाली दशकीय जनगणना अभी तक क्यों नहीं कराई गई है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में सवाल पूछते हुए निशाना साधा और लिखा, और किसलिए? सरकार से बार-बार सिर्फ यह पूछने के लिए कि 2021 में होने वाली दशकीय जनगणना अभी तक क्यों नहीं कराई गई। इस देरी के कारण कम से कम 10 करोड़ भारतीय राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013/प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत राशन लाभ समेत अन्य कई लाभों से वंचित हैं। बता दें कि 13 जुलाई, 2023 को सरकार ने दिसंबर 2019 में गठित आर्थिक सांख्यिकी पर स्थायी समिति के कवरेज के दायरे का नाम बदलने और विस्तार करने के बाद सांख्यिकी पर 14 सदस्यीय स्थायी समिति का गठन किया था।

जीएसटी परिषद ने कैंसर की दवाओं व नमकीन पर कर घटाया

वित्त मंत्री बोलीं-ऑनलाइन गेमिंग से राजस्व 412% बढ़ा

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। जीएसटी परिषद की 54वीं बैठक के बाद वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कैंसर की दवाओं व नमकीन पर जीएसटी दर घटाने का एलान किया। वित्त मंत्री सीतारमण ने प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि परिषद ने बैठक के दौरान कई फैसले लिए। वित्त मंत्री ने बताया कि सरकारी संबद्ध शैक्षणिक संस्थानों को जीएसटी से छूट देने का भी फैसला किया गया है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा कैंसर की दवाओं पर भी जीएसटी घटाया गया है। वित्त मंत्री ने कहा कि नमकीन पर जीएसटी दर भी संभावित रूप से कम की गई। वित्त मंत्री ने यह भी बताया कि वाणिज्यिक संपत्तियों को किराए पर देने को रिवर्स चार्ज मैकेनिज्म के तहत लाया गया जाएगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि कैंसर की दवाओं पर जीएसटी को 12% से

घटाकर 5% करने का उद्देश्य कैंसर के इलाज की कुल लागत को और कम करना है। जीएसटी परिषद ने चुनिंदा नमकीन पर कर को 18% से घटाकर 12% करने का फैसला किया है। सीतारमण के मुताबिक, छह महीने में ऑनलाइन गेमिंग रेवेन्यू 412% बढ़कर 6,909 करोड़ रुपये हो गया है। वित्त मंत्री ने बताया कि दरों को तर्कसंगत बनाने पर जीओएम को स्थिति रिपोर्ट प्रस्तुत करनी थी। दो स्थिति रिपोर्ट प्रस्तुत की गईं जिसमें एक रियल एस्टेट पर और दूसरी दरों के युक्तिकरण से जुड़ी थी। वित्त मंत्री ने कहा कि ऑनलाइन गेमिंग, कैसीनो की भी स्थिति भी परिषद् की बैठक के दौरान पेश की गई। उन्होंने कहा कि कसीनो राजस्व में 30% की वृद्धि हुई है। वित्त मंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य बीमा पर मंत्री समूह अक्तूबर के अंत तक रिपोर्ट पेश करेगा।

स्वास्थ्य बीमा पर जीएसटी हटाने का फैसला अक्तूबर तक टला

कयास लग रहे थे कि जीएसटी परिषद की बैठक के दौरान स्वास्थ्य बीमा पर जीएसटी हटाने का फैसला नहीं हुआ है। हालांकि, फिलहाल यह फैसला टल गया है। स्वास्थ्य बीमा पर दर के आकलन के लिए जीएसटी परिषद् ने मंत्रियों का एक समूह बनाया है। वित्त मंत्री ने कहा कि मंत्रियों का यह समूह अक्तूतर के अंत तक अपनी रिपोर्ट पेश करेगा। इसके अलावे जीएसटी परिषद ने धार्मिक यात्राओं के लिए हेलिकॉप्टर सेवाओं के परिचालन पर कर को घटाकर पांच प्रतिशत करने का फैसला किया है। उत्तराखंड के वित्त मंत्री प्रेम चंद अग्रवाल ने सोमवार को यह जानकारी दी। अग्रवाल ने यहां संवाददाताओं से कहा, "केदारनाथ, बद्रीनाथ जैसी धार्मिक यात्राओं पर श्रद्धालुओं को ले जाने वाली हेलिकॉप्टर सेवाओं पर कर को 18 प्रतिशत से घटाकर पांच प्रतिशत कर दिया गया है। पहले इस बारे में कोई स्पष्टता नहीं थी।

पिता पुलिस अफसर, पति गैंगस्टर-पत्नी बीजेपी उम्मीदवार

हरियाणा के पूर्व सीएम हुड्डा को देंगी टक्कर, बोलीं-पति अब अपराध में नहीं

रोहतक, 9 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा में भाजपा ने रोहतक की गढ़ी सांपला-किलोई विधानसभा सीट से जिला परिषद की चेयरपर्सन मंजू हुड्डा को उम्मीदवार बनाया है। यह वही सीट है, जहां से पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा चुनाव लड़ते हैं। मंजू हुड्डा पुलिस अफसर की बेटी हैं, और उनके पति गैंगस्टर रहे हैं। इसके कारण टिकट मिलने पर वह चर्चा में हैं। मंजू हुड्डा का कहना है कि उनके पिता दिवंगत प्रदीप यादव हरियाणा पुलिस में एएसआई के पद पर तैनात थे। उनकी एसआई पद पर पदोन्नति हो गई थी, लेकिन इससे पहले उनका देहांत हो गया।

लव कम अरेंज मैरिज की

मंजू हुड्डा बताती हैं कि उन्होंने रोहतक के धामड़ गांव निवासी राजेश हुड्डा उर्फ राजेश सरकारी के साथ लव कम अरेंज मैरिज की थी। शुरुआत में दोनों को प्यार हुआ। बाद में दोनों ने अपने परिवार वालों से बातचीत कर 2020 में अरेंज मैरिज की। इसके बाद से दोनों खुशी-खुशी अपना गृहस्थ जीवन चला रहे हैं।

राजेश सरकारी ने 13 साल की उम्र में किया था अपराध

मंजू हुड्डा के पति गैंगस्टर राजेश सरकारी के खिलाफ हत्या, हत्या का प्रयास, अपहरण, लूट सहित अन्य धाराओं के तहत केस दर्ज हैं। राजेश सरकार करीब 13-14 साल की उम्र में हत्या के केस में जेल गया था। इसके बाद वह अपराध के दलदल में फंसा। हत्या सहित अन्य आपराधिक मामलों में उसका नाम आया। इस कारण करीब 20 साल तक वह जेल में रहा। पति के आपराधिक बैकग्राउंड पर मंजू हुड्डा ने कहा, 'यह उनका (राजेश सरकारी) अतीत था। अब वह ऐसा कुछ नहीं करते। मुझे अपने पति से बहुत कुछ सीखने मिला है। गलत के खिलाफ आवाज उठाना मैंने उनसे ही सीखा है। जनता की बढ़-चढ़कर सेवा करना और मदद करना भी मैंने उनसे ही सीखा है।'

मंजू हुड्डा 2 साल पहले आई राजनीति में

मंजू हुड्डा ने डबल एमए और बीईडी तक पढ़ाई की है। वहीं, पीएचडी की पढ़ाई फिलहाल जारी है। उन्होंने 2 साल पहले राजनीति में कदम रखा था। उन्होंने रोहतक के वार्ड नंबर 5 से जिला परिषद का अपना पहला चुनाव लड़ा। जिसमें उन्हें 9333 वोट मिले और नजदीकी प्रतिद्वंद्वी अंजली को 6052 वोट मिले। मंजू हुड्डा ने 3281 वोट से जीत हासिल की। इसके बाद सर्वसम्मति से वह चेयरपर्सन भी चुनी गईं। चेयरपर्सन बनने के बाद उन्होंने भाजपा जॉइन कर ली।

रोचक खबरें

इटावा में मौजूद है 500 साल पुराना बरगद, 100 फीट तक फैल चुकी है शाखा, रोजाना लोगों का लगता है जमावड़ा

इटावा. उत्तर प्रदेश के इटावा मुख्यालय पर स्थित डॉ. राम मनोहर लोहिया पार्क में बरगद का बेहद पुराना विशाल पेड़ है. यह बरगद का पेड़ लगभग 500 साल पुराना है. यह पेड़ लाखों लोगों को शुद्ध हवा प्रदान कर रहा है. यह पेड़ करीब 100 फीट के दायरे में फैल चुका है. इसकी जड़े इतनी प्रभावी हो चुकी है कि करीब 100 मीटर के दायरे में निकल रही है. इटावा जिला उद्यान विभाग के निरीक्षक उदय चंद्र कौशल ने लोकल 18 को बताया कि डॉ. राम मनोहर लोहिया पार्क स्थित बरगद का पेड़ लगभग 500 साल पुराना माना जा रहा है. सुबह-शाम पार्क में टहलने आने वाले लोगों ने बताया कि बरगद का विशाल काय बरगद का पेड़ पार्क के लिए बेहद महत्वपूर्ण है. यह पेड़ लोगों को शुद्ध हवा मुहैया कराने में मददगार साबित हो रहा है. यहां सैकड़ों महिलाएं अपने बच्चे के साथ आमावस्या पर पूजा-अर्चना करने के लिए आजी है. इसके अलावा रोजाना हजारों लोग इस पेड़ के नीचे बैठकर स्वच्छ हवा पाते हैं.

इटावा-मैनपुरी मार्ग से गुजरने वाले सैकड़ों लोग इस पेड़ की छांव के नीचे बैठ करके ठंडक का आनंद लेते है. ऐसा माना जाता है कि यह बरगद का पेड़ इटावा का सबसे बड़ा और पुराना है. लोग इस पार्क को कंपनी बाग के नाम से भी जानते हैं. लेकिन, आधिकारिक रूप से 2012 में इस पार्क का नाम समाजवादी नेता डॉ.राम मनोहर लोहिया के नाम पर है. इस पार्क में प्रतिदिन 5000 की संख्या में लोग भ्रमण करने पहुंचते हैं. कई पर्यावरणीय संस्थाओं के लोग इस पेड़ की जानकारी लेने के लिए पार्क में आ चुके हैं. विभिन्न स्तर के लोग बरगद के ऐसे विशालकाय पेड़ को लेकर शोध भी कर रहे हैं. स्थानीय लोगों का ऐसा मानना है कि डॉ. राम मनोहर लोहिया पार्क स्थित यह बरगद का पेड़ इटावा का सबसे पुराना और ऐतिहासिक पेड़ है.

फिल्टर वाली फोटो देख कर ली शादी, बाद में पत्नी को देख नाराज हो गया पति, पुलिस तक पहुंचा मामला

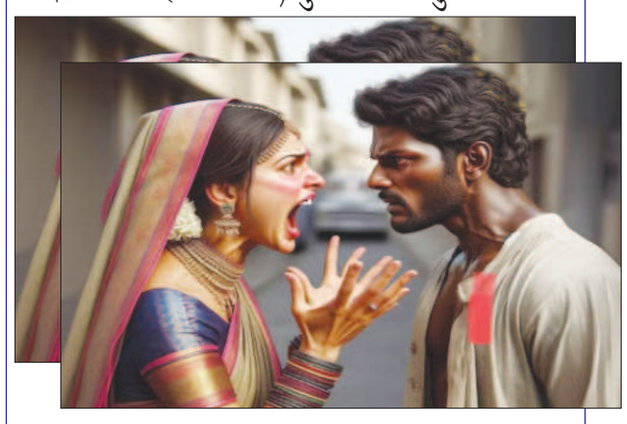

आगरा : आगरा पुलिस परामर्श केंद्र में एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है. आगरा में एक युवक ने फोटो देखकर लड़की पसंद की. जब लड़की दिखाई तो मेकअप में थी. शादी हुई तो भी मेकअप कर रखा था. शादी के बाद जब पत्नी को बिना मेकअप के देखा तो विवाद हो गया. विवाद इतना बढ़ा कि पुलिस की दहलीज़ तक पंहुच गया.

मोबाइल फिल्टर से खींच रखी थी तस्वीर

पति का कहना है कि शादी से पहले जब उसकी पत्नी फ़ोटो भेजती थी, तो मोबाइल फिल्टर लगाकर भेजती थी . फिल्टर भी कमाल का है. काले को गोरा और गोरे को काला कर देता है. शादी के कुछ दिन तक मेकअप भी करती थी, लेकिन जैसे जैसे दिन बीते मेकअप धुलकर सच्चाई सामने आ गयी. उसने आरोप लगाया कि उसके साथ धोखा हुआ है, पत्नी तो काली है. विवाद इतना बढ़ा कि पुलिस तक आ गया. शनिवार को परिवार परामर्श' में समझौता कराया गया.

साल 2023 में हुई थी शादी

सिकंदरा निवासी युवती की वर्ष 2023 में मथुरा निवासी युवक से शादी हुई थी. दो माह से युवती मायके में रह रही थी. शादी के कुछ दिन बाद ही पति से विवाद होना शुरू हो गया था. काउंसलिंग में खुलासा हुआ कि विवाद की वजह रंग है. दहेज नहीं है. काउंसलर ने युवक को समझाया. युवक पत्नी के साथ रहने को तैयार हो गया. वादा किया कि अब पत्नी को काला बोलकर परेशान नहीं करेगा.उससे झगड़ा नहीं करेगा.

अब तक कोई नहीं खोल पाया बिहार का ये गुप्त कमरा

यहां छुपा है अरबों का खजाना! खुलते ही तबाही आ सकती है

नालंदा-बिहार के नालंदा जिले के राजगीर में स्थित सोन भंडार गुफा में एक रहस्यमय खजाना छुपा हुआ है, जिसे हर्यक वंश के प्रथम राजा बिम्बिसार की पत्नी ने छिपाया था. इतिहासकारों के अनुसार, बिम्बिसार की पत्नी ने राजा के खजाने को जप्ती से बचाने के लिए इस गुफा में छिपाया था, जब बिम्बिसार को उनके पुत्र अजातशत्रु ने बंदी बना लिया था.

अब तक नहीं खुला ये गुप्त कमरा

सोन भंडार गुफा में दो मुख्य कमरे हैं. पहले कमरे का आकार 10.4 मीटर लंबा और 5.2 मीटर चौड़ा है, जिसमें खजाने की रक्षा के लिए सिपाही तैनात रहते थे. इस कमरे से एक और गुप्त कमरे तक पहुंचा जा सकता है, जिसे एक बड़ी चट्टान से ढका गया है. यह खजाना इस चट्टान के पीछे छिपा माना जाता है. लेकिन इसे खोलने में अब तक कोई सफल नहीं हो पाया है. बताया जाता है कि शंखलिपी में छिपी भाषा से ही इसे डिकोड किया जा सकता है. वहीं स्थानीय कर्मचारी लोकल 18 को बताते हैं कि सरकार इसका संरक्षण इसलिए करती है, क्योंकि अगर इसकी खुदाई की गई या गुफा तोड़ा गया, तो 50 कोश तक ज्वालामुखी फटेगा और उससे राजगीर तबाह हो जाएगा.ब्रिटिशों ने भी इस रहस्यमयी खजाने तक पहुंचने के प्रयास किया था. तोप के गोले का उपयोग करके इस कमरे को खोलने की कोशिश की गई, लेकिन वे असफल रहे. आज भी गुफा पर गोले के निशान देखे जा सकते हैं. गुफा की दीवार पर शंख लिपि में कुछ लिखा हुआ है, जो खजाने के रहस्यों को उजागर करने का संकेत माना जाता है.

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सुविचार

किसी मनुष्य का स्वभाव ही उसे विश्वसनीय बनाता है, न कि उसकी सम्पत्ति।

चार करोड़ के यूटीआई धोखाधड़ी का पर्दाफाश

राजस्थान के रहने वाले गिरोह के 13 सदस्य गिरफ्तार

1.72 लाख नकद और 50 लाख के इलेक्ट्रॉनिक सामान जब्त

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद की शमशाबाद सीसीएस पुलिस ने साइबराबाद कमिश्नरेट की केपीएचबी पुलिस, माधापुर और नरसिंगी पुलिस की मदद से राजस्थान से 13 सदस्यों के एक गिरोह को पकड़ा। यह गिरोह कई हाई-टेक यूपीआई धोखाधड़ी और धोखाधड़ी योजनाओं में शामिल था, जिसने एक प्रतिष्ठित व्यापारिक प्रतिष्ठान को लगभग 4.00 करोड़ का चूना लगाया। पुलिस ने 1.72 लाख नकद और 50 लाख के इलेक्ट्रॉनिक सामान जब्त किए। साइबराबाद, हैदराबाद और राचकोंडा कमिश्नरेट के साथ-साथ तेलंगाना राज्य के अन्य महानगरीय शहरों के अंतर्गत विभिन्न पुलिस स्टेशनों में धोखाधड़ी के कई मामले दर्ज किए गए, जिनमें प्रसिद्ध व्यापारिक प्रतिष्ठान था और कुल मिलाकर 4.00 करोड़ से अधिक का नुकसान हुआ। प्रतिष्ठान से सूचना मिलने पर शमशाबाद सीसीएस पुलिस और केपीएचबी पुलिस, माधापुर और नरसिंगी पुलिस ने जांच शुरू की। उन्हें पता चला कि राजस्थान के लोग शोरूम में जाकर महंगे इलेक्ट्रॉनिक्स खरीद रहे थे। गिरोह के तरीके में शोरूम के यूपीआई स्कैनर को राजस्थान में एक साथी के साथ साझा करना शामिल था, जो शोरूम में पैसे ट्रांसफर करता था। सामान की डिलीवरी लेने के बाद, साथी बैंक में चार्जबैक शिकायत दर्ज कराता था, जिससे लेनदेन उलट जाता था और पैसा गिरोह के खाते में वापस आ जाता था। राजस्थान के 20-25 साल की उम्र के 13 से ज़्यादा सदस्यों वाला यह गिरोह समूहों में काम करता था। कुछ सदस्य हैदराबाद में रहते थे, जबकि उनके साथी राजस्थान में रहते थे। हैदराबाद में रहने वाले सदस्य प्रतिष्ठित इलेक्ट्रॉनिक्स के शोरूम में जाकर महंगे इलेक्ट्रॉनिक सामान खरीदते थे और शोरूम का क्यूआर कोड राजस्थान में अपने साथियों को भेजते थे, जो यूपीआई के जरिए पैसे ट्रांसफर करते थे। सामान मिलने के बाद, वे उन्हें बेच देते थे और मुनाफा आपस में बाँट लेते थे। जिस सहयोगी ने पैसे ट्रांसफर किए, उसने बाद में धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज कराई, जिसमें चार्जबैक का अनुरोध किया गया, जिसके परिणामस्वरूप राशि वापस कर दी गई। पुलिस उपायुक्त, साइबराबाद के. नरसिम्हा ने बताया कि गिरफ्तार किए गए गिरोह के सदस्यों में सोमराज, सुनील, लाखराम, शरवन, सोमराज, शिवलाल, रमेश, श्रवण, पप्पू राम, श्रवण, राकेश, रमेश, अशोक कुमार शामिल हैं। आरोपियों के कबूलनामे के आधार पर, पुलिस ने 1.62 लाख नकद और 50 लाख के इलेक्ट्रॉनिक सामान जब्त किए, जो धोखाधड़ी का हिस्सा थे। इन मामलों में सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है और उन्हें न्यायिक रिमांड के लिए न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

एसीपी सीसीएस शशांक रेड्डी और कलिंग राव के मार्गदर्शन में और डीसीपी क्राइम के. नरसिम्हा की देखरेख में साइबराबाद के पुलिस आयुक्त अविनाश मोहंती के निर्देशन में एम. पवन (पुलिस निरीक्षक), डीआई केपीएचबी, डीआई नरसिंगी और डीआई माधापुर के नेतृत्व में शमशाबाद सीसीएस टीम ने आरोपियों को गिरफ्तार किया और चोरी की गई संपत्ति बरामद की। टीम को उनके सराहनीय कार्य के लिए सराहना और उचित पुरस्कार दिया गया है।

18 सितंबर से दूसरे वर्ष की डीएलएड परीक्षाएं

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। डिप्लोमा इन एलीमेंट्री एजुकेशन की द्वितीय वर्ष की सैद्धांतिक परीक्षाएं तेलंगाना राज्य में 18 से 24 सितंबर के बीच सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक आयोजित की जाएंगी। पात्र उम्मीदवारों के लिए हॉल टिकट वेबसाइट पर डाउनलोड के लिए उपलब्ध हैं और उम्मीदवार सोमवार से इसे डाउनलोड कर सकते हैं।

अधिसूचना में सरकारी परीक्षा निदेशक ने अभ्यर्थियों से आग्रह किया है कि वे किसी भी भ्रम से बचने के लिए परीक्षा केंद्रों का स्थान और केंद्र तक पहुंचने के लिए उपलब्ध परिवहन सुविधाओं के बारे में जानने के लिए एक दिन पहले अपने परीक्षा केंद्रों पर जाएं। अभ्यर्थियों को परीक्षा के सभी दिनों में सुबह 8.30 बजे तक परीक्षा केंद्र पर उपस्थित होना चाहिए और उन्हें परीक्षा केंद्रों में कोई भी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और मोबाइल फोन ले जाने की अनुमति नहीं होगी।

कानून-व्यवस्था में सुधार करना सर्वोच्च प्राथमिकता : सीवी आनंद

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी सीवी आनंद ने दिसंबर 2021 से अक्टूबर 2023 तक के कार्यकाल के बाद दूसरी बार हैदराबाद शहर के पुलिस आयुक्त के रूप में पदभार ग्रहण किया। अपने कार्यालय में मीडिया से बातचीत करते हुए, सीपी आनंद ने अपने तत्काल फोकस क्षेत्रों को रेखांकित किया, जिसमें गणेश प्रतिमा विसर्जन, मिलाद उत्सव का शांतिपूर्ण समापन सुनिश्चित करना और संबंधित व्यवस्थाओं और कार्य योजना की गहन समीक्षा करना शामिल है। सीपी आनंद ने कहा, शहर में अन्य सभी कार्यक्रमों के लिए पुलिस बंदोबस्त को आमतौर पर क्वार्टर फाइनल और सेमीफाइनल माना जाता है। गणेश बंदोबस्त फाइनल है और

मुझे यकीन है कि सभी अधिकारी इस अवसर पर खरे उतरेंगे। उन्होंने कहा, यातायात की भीड़ को कम करना, नशीले पदार्थों के खतरे को नियंत्रित करने के लिए एच-न्यू ऑपरेशन को तेज करना और प्रभावी पुलिसिंग और अपराध नियंत्रण उपायों के माध्यम से कानून और व्यवस्था में सुधार करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। पिछले कार्यकाल के दौरान, श्री आनंद को कई महत्वपूर्ण आईटी पहल (डी-सीएएमओ, फिट कॉप इत्यादि) और सुधारों की श्रृंखला शुरू करने का श्रेय दिया गया। सीसीसी की स्थापना, सिटी पुलिस का पुनर्गठन, एच-न्यू, महिला इंस्पेक्टरों को एसएचओ के रूप में नियुक्त करना और कई अन्य प्रभावी पुलिसिंग उपाय श्री आनंद ने किए थे। इस अवसर पर विक्रम सिंह मान, एडिशनल सीपी (एल एंड ओ), विश्वप्रसाद, एडिशनल सीपी (ट्रैफिक), परिमाला हननूतन, डीआईजी- आईसीसीसी, गजराव भूपाल, संयुक्त सीपी (प्रशासन) और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

केटीआर ने हाई कोर्ट के फैसले का किया स्वागत

दलबदलू विधायकों की अयोग्यता पर आया फैसला

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने तेलंगाना उच्च न्यायालय के उस फैसले का स्वागत किया है जिसमें विधानसभा अध्यक्ष को अगले चार सप्ताह के भीतर दलबदलू विधायकों की अयोग्यता पर कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने इस फैसले को कांग्रेस पार्टी के मुंह पर तमाचा करार दिया, जिसने पार्टी में दलबदल पर दोहरा मापदंड अपनाया है।

सोमवार को एक बयान में रामा राव ने कहा कि कांग्रेस ने चुनावों के दौरान सख्त दलबदल विरोधी कानून बनाने का वादा किया था, लेकिन तेलंगाना में दलबदल को बढ़ावा दिया, जिससे लोकतांत्रिक प्रक्रिया कमजोर हुई। उन्होंने पार्टी दलबदल पर सुप्रीम कोर्ट के पहले के फैसले का हवाला देते हुए कहा कि शीर्ष अदालत ने पहले ही फैसला सुनाया था कि ऐसी शिकायतों पर तीन महीने के भीतर फैसला किया जाना चाहिए। हालांकि, बीआरएस द्वारा इस मुद्दे को उठाने के बावजूद, विधानसभा अध्यक्ष ने कार्रवाई शुरू करने में विफल रहे, जिससे बीआरएस को न्यायिक हस्तक्षेप की मांग करनी पड़ी।

16वें केंद्रीय वित्त आयोग की बैठक में विभिन्न राजनीतिक दलों व व्यापारी संगठनों ने भाग लिया

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय वित्त आयोग के अध्यक्ष के नेतृत्व में पांच सदस्यीय टीम ने आज प्रजा भवन में विभिन्न संगठनों, राजनीतिक दलों, स्थानीय संगठनों, व्यापारिक और वाणिज्यिक संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ व्यापक बैठक की। आज वित्त समिति के अध्यक्ष डॉ. अरविंद पनगढ़िया, सदस्य अजय नारायण झा, एनी जॉर्ज मैथ्यू, डॉ. नगर निगमों और नगर पालिकाओं के महापौरों और अध्यक्षों के साथ बैठक की अध्यक्षता मनोज पांडा, सौम्य कांति घोष, एसोसिएशन के सचिव ऋत्विक पांडे ने की। बाद में ग्राम पंचायतों के पूर्व सरपंचों, जेडीपीटीसी, सांसदों, राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष सिरिसिला राजैया और समुदाय के सदस्यों के साथ अधिकारियों की बैठक हुई। अलीफ, फिक्की, सी.आई. जैसी ट्रेडिंग कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की गई। शाम को विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों में सिरिसिल्ला राजैया, कांग्रेस से टी राममोहन रेड्डी, इटेला राजेंद्र, कासम वेंकटेश्वरलू, भाजपा से प्रकाश रेड्डी, बीआरएस से टी हरीश राव पल्ला राजेश्वर रेड्डी, विवेकानंद, सीपीएम से नंदयाला नरसिम्हा रेड्डी, टीडीपी से सामा भूपाल रेड्डी, एन दुर्गाप्रसाद, बीएसपी के जनथकुमार, बी ईश्वर, एमआईएम के अकबरुद्दीन ओवैसी, सैयद अमीन जाफरी, बलाला, आम आदमी पार्टी के सुधाकर, बुर्रा रेनू गौड़, अब्बास अहमद और अन्य ने भाग लिया।

पंडाल में पंचायत कर्मचारी की करंट लगने से मौत

मेदक, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। गणेश चतुर्थी उत्सव यहां उस समय दुखद हो गया जब हवेलीघनपुर मंडल के राजापेट गांव में सोमवार सुबह गणेश पंडाल के पास झाड़ू लगाने के काम में लगे एक पंचायत कर्मचारी की बिजली का करंट लगने से मौत हो गई। पीड़ित का नाम दसारी पोचैया (60) था।

पोचैया पंडाल के पास झाड़ू लगाते समय पंडाल से जुड़े बिजली के तार को छू गए। उसे बिजली का झटका लगा और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना से पूरा गांव सदमे में है। मामला दर्ज कर लिया गया है और शव को पोस्टमार्टम के लिए मेदक के सरकारी अस्पताल भेज दिया गया है।

लक्ष्मण ने विधायकों के दलबदल पर हाईकोर्ट के निर्देशों का किया स्वागत

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के राज्यसभा सदस्य के लक्ष्मण ने कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए विधायकों दानम नागेंद्र, कड़ियम श्रीहरि और तेलम वेंकट राव के खिलाफ बीआरएस द्वारा दायर अयोग्यता याचिकाओं पर उच्च न्यायालय के निर्देशों का स्वागत किया। सोमवार को हाईकोर्ट के आदेश पर प्रतिक्रिया देते हुए लक्ष्मण ने कहा कि उनकी पार्टी हाईकोर्ट द्वारा विधानसभा सचिव को दिए गए निर्देश का स्वागत करती है कि वे लंबित अयोग्यता याचिकाओं को तुरंत स्पीकर के समक्ष रखें और चार सप्ताह के भीतर उन पर निर्णय लेने के लिए समय-सारिणी प्राप्त करें। उन्होंने दावा किया कि भाजपा कभी भी दलबदल को बढ़ावा नहीं देती है और हमेशा नेताओं से पार्टी में शामिल होने से पहले विधायक पद से इस्तीफा देने के लिए कहती है।

उन्होंने कहा कि पार्टी के चुनाव चिह्न पर जीतना और पद से इस्तीफा दिए बिना दूसरी पार्टी में शामिल होना शर्मनाक है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार सिर्फ़ एक वोट से हारी थी। हमने सत्ता हथियाने के लिए कभी खरीद-फरोख्त की कोशिश नहीं की। भाजपा एक सिद्धांतवादी पार्टी है। चुनावी वादों को पूरा करने में विफल रहने के लिए कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला करते हुए वरिष्ठ भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने फसल ऋण माफी और अन्य गारंटियों को लागू करने में अपनी सरकार की विफलता से लोगों का ध्यान हटाने के लिए हैदराबाद आपदा प्रतिक्रिया और संपत्ति संरक्षण एजेंसी हाइड्रा को लाया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने फसल ऋण माफी को आंशिक रूप से लागू करके किसानों को धोखा दिया है।

सड़क दुर्घटना में 2 की मौत

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिले के शादनगर में सोमवार तड़के एक भीषण सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। यह दुर्घटना उस समय घटित हुई जब बाइक सवार लोग सड़क पर खड़े एक ट्रक से टकरा गए। दोनों को गंभीर चोटें आईं और उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

भारी बारिश के दौरान पटरियों पर दरारों का पता लगाने वाले कर्मचारी सम्मानित

पिछले 2 वर्षों के प्रदर्शन और उपलब्धियों पर पुस्तिका जारी की गई

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने हाल ही में भारी बारिश के दौरान पटरियों पर दरारों का समय पर पता लगाने और एक बड़ी दुर्घटना को टालने के लिए छह कर्मचारियों को योग्यता प्रमाण पत्र पुरस्कार प्रदान किए, साथ ही प्रदर्शन और उपलब्धियां (2022-23, 2023-24) उत्कृष्टता के दो शानदार वर्ष पर पुस्तिका भी जारी की और रेल निलयम, सिकंदराबाद में सुरक्षा पर समीक्षा बैठक आयोजित की। बैठक में एससीआर के अतिरिक्त महाप्रबंधक नीरज अग्रवाल ने भी सभी प्रमुख विभागाध्यक्षों के साथ भाग लिया।

सभी छह मंडलों यानी सिकंदराबाद, हैदराबाद, विजयवाड़ा, गुंतकल, गुंटूर और नांदेड़ के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए समीक्षा बैठक में शामिल हुए। महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने हाल ही में हुई भारी बारिश के दौरान पटरियों पर दरारों का समय पर पता लगाकर ट्रेन संचालन में सुरक्षा सुनिश्चित करने और बड़ी दुर्घटना को टालने के लिए अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए पूर्ण समर्पण और सतर्कता के लिए जी मोहन, ट्रैकमैन/नेकोंडा, बी जगदीश, ट्रैकमैन/महबूबाबाद, के कृष्णा, ट्रैकमैन/महबूबाबाद, बी जैलसिंह, ब्रिज मैन/महबूबाबाद, वी सैदा नाइक, जेई/पीडब्लू/महबूबाबाद, पी राजा मौली, एसएसई/पीडब्लू/महबूबाबाद को योग्यता प्रमाण पत्र प्रदान किया। पुस्तिका विमोचन के दौरान महाप्रबंधक ने बताया कि एससीआर ने 2022-23 के दौरान 18,976.51 करोड़ रुपये का अब तक का सर्वाधिक सकल मूल राजस्व हासिल किया है और अगले ही वित्तीय वर्ष 2023-24 में 20,339.36 करोड़ रुपये की कमाई करके इसे पार कर लिया है। उन्होंने यह भी कहा कि इस अवधि के दौरान कुल 1465 रूट किलोमीटर की दूरी के लिए दक्षिण मध्य रेलवे जोन में प्रतिष्ठित अत्याधुनिक स्वदेशी रूप से विकसित स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली कवच तैनात की गई है। महाप्रबंधक ने कहा कि एससीआर को कई पुरस्कार और प्रमाणपत्र प्राप्त हुए हैं, जो न केवल खुशी और गर्व के क्षणों को भरते हैं बल्कि कर्मचारियों के बीच नैतिक बढ़ावा भी देते हैं।

उन्होंने कहा कि जिस तरह से जोन महान दृष्टि के साथ आगे बढ़ रहा है और प्रत्येक कर्मचारी संगठन में अपनी शक्ति का योगदान दे रहा है, निश्चित रूप से विकास पथ पर निरंतर प्रगति में एक बड़ा प्रभाव पैदा करने वाला है। महाप्रबंधक ने दक्षिण मध्य रेलवे की उपलब्धियों को व्यापक तरीके से प्रदर्शित करने के लिए बहुमुखी पुस्तिका लाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

'बाइकर' अवतार में भगवान गणेश ने फैलाई सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। गणेश चतुर्थी के मौके पर हम भगवान गणेश को देश भर में स्थापित मूर्तियों के रूप में विभिन्न अवतारों में देखते हैं। एक खेल स्टार से लेकर एक आईटी कर्मचारी तक, भगवान गणेश को अतीत में कई अवतारों में देखा गया है, क्योंकि मूर्तियां अक्सर अपने डिजाइन के साथ रचनात्मक होती हैं। हैदराबाद में एक खास तरह की घटना में भगवान गणेश मोटरसाइकिल पर सवार होकर 'बाइकर' के रूप में नजर आए। बजरंग यूथ एसोसिएशन द्वारा शहर के राजेंद्रनगर के बुडवेल इलाके के बंसीलाल नगर में स्थापित 'बाइकर' गणेश की मूर्ति को पूरी तरह से सवारी के सामान में सजे हुए देखा जा सकता है, एक हाथ में हेलमेट और दूसरे हाथ से भक्तों को आशीर्वाद देते हुए।

एसोसिएशन के ममीदी किशोर कुमार, जो मोटरसाइकिल के शौकीन और यूट्यूबर भी हैं, कहते हैं कि 'बाइकर' गणेश के पीछे का विचार सड़क सुरक्षा के बारे में जागरूकता फैलाना था। किशोर ने कहा कि हम सड़क सुरक्षा पर एक संदेश फैलाना चाहते थे, इसलिए हमने भगवान गणेश की मूर्ति को कस्टम-मेड करवाने का फैसला किया। उन्होंने कहा कि राइडिंग गियर बनाने वाली कंपनी राइनॉक्स ने हमें राइडिंग सूट मुहैया कराया, जब हमने उनसे अपने विचार के बारे में पूछा। कस्टमाइज्ड मूर्ति बनाने वाले कारीगर ने भी यह सुनिश्चित करने के लिए बहुत मेहनत की है कि मूर्ति बाइकर जैसी दिखे।

किशोर ने कहा कि दोपहिया वाहन चालकों को हमेशा हेलमेट पहनना चाहिए। उन्होंने पंडाल में सुरक्षा संबंधी पोस्टर भी लगाए हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि भगवान का आशीर्वाद लेने वाले प्रत्येक भक्त को जीवन रक्षक सुरक्षा उपायों की जानकारी भी मिल सके। पंडाल में प्रवेश करते ही, मूर्ति के पीछे एक पोस्टर दिखाई देता है, जिस पर लिखा है कि हर कोई इतना भाग्यशाली नहीं होता कि उसे मेरे जैसा सिर मिले, इसलिए हेलमेट अवश्य पहनें! पंडाल में लगे अन्य पोस्टरों में भगवान गणेश को मोटरसाइकिल पर सवार होकर कैलाश पर्वत की ओर जाते हुए देखा जा सकता है। हम दोपहिया वाहन चालकों से जुड़ी घातक सड़क दुर्घटनाओं की संख्या में वृद्धि देख रहे हैं, बजरंग युवा संघ द्वारा गणेश प्रतिमा के माध्यम से दिया गया संदेश अनूठा और अत्यंत आवश्यक प्रतीत होता है।

जैनूर घटना : आरोपियों के लिए मांगी मौत की सजा

मावला मंडल केंद्र पर दिया धरना

आदिलाबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आदिवासी महिला संगठन आदिवासी महिला संघम ने जैनूर मंडल की एक आदिवासी महिला के साथ बलात्कार और हत्या के प्रयास के मामले में फास्ट ट्रैक कोर्ट के माध्यम से मामले की सुनवाई कर आरोपियों को मौत की सजा देने की मांग की है।

संगठन के सदस्यों ने सोमवार को यहां मावला मंडल केंद्र पर धरना दिया। आदिवासी महिला संघम की जिला संयोजक गोडम रेणुका ने आरोप लगाया कि एक खास समुदाय के लोग आदिवासी महिलाओं के खिलाफ यौन उत्पीड़न में लिप्त हैं। वह जैनूर घटना के आरोपियों के खिलाफ मृत्युदंड की मांग कर रही हैं और मामले की सुनवाई 15-20 दिनों में होनी चाहिए।

आंदोलनकारियों ने पुलिस से संघर्ष के लिए जिम्मेदार निर्दोष आदिवासियों की गिरफ्तारी रोकने की मांग की तथा आदिवासी महिला को बेहतर गुणवत्ता वाली चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने तथा उसके परिवार को सहायता प्रदान करने की मांग की। संगठन की सहसंयोजक उयिका इंद्रा, मावला मंडल अध्यक्ष कुमराम शांताबाई, मावला मंडल महासचिव माडवी अनुसूया उपस्थित थे।

'उस्मानिया' में आज भी चलते हैं निज़ाम युग के पंखे

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। निजाम काल के प्राचीन पंखे ऐतिहासिक उस्मानिया विश्वविद्यालय के कला महाविद्यालय में ताज़गी भरी हवा प्रदान करते हैं। हालांकि, कॉलेज में ऐसे करीब 5 पंखे हैं, लेकिन इनमें से केवल दो ही चालू हैं, जो कॉलेज के पारंपरिक माहौल में पुरानी यादों का एक स्पर्श जोड़ते हैं। इंडिया इलेक्ट्रिक वर्क्स लिमिटेड, कलकत्ता द्वारा डिजाइन और निर्मित इन प्राचीन पंखों का वजन कम से कम 20 किलोग्राम है और इनका आरपीएम 200 है। कॉलेज प्राधिकारियों के अनुसार, पंखे 1940 के दशक में ठीक किये गये थे जब आर्ट्स कॉलेज भवन का उद्घाटन हुआ था। कॉलेज की अधिकांश कक्षाएं, जो कभी इन पुराने पंखों से सुसज्जित थीं, उम्र बढ़ने और कॉलेज भवन में पानी के रिसाव से उत्पन्न विद्युत समस्याओं के कारण जीर्ण-शीर्ण हो गईं।

आर्ट्स कॉलेज के सूत्रों ने बताया कि अब हम इस तरह के पंखे नहीं खरीद सकते और न ही उनकी मरम्मत कर सकते हैं। दो पंखे अभी काम करने की स्थिति में हैं और बाकी अलग रखे हुए हैं। ब्लेड एल्युमिनियम से बने हैं। पंखे की तरह ही रेगुलेटर भी मौजूदा पंखे से बहुत बड़ा है। ऐतिहासिक कॉलेज में कक्षाओं को शानदार लुक देने के लिए कुछ विभागों ने उन्हें आधुनिक और ऊर्जा कुशल पंखों से बदल दिया। एक संकाय सदस्य ने कहा कि निज़ाम के जमाने के ये पंखे आज भी गर्म मौसम में ठंडी हवा देते हैं। आर्ट्स कॉलेज की विंटेज अपील में निज़ाम युग की मूल सागौन की बेंचें भी शामिल हैं, जो कॉलेज के गौरवशाली अतीत से एक ठोस संबंध पेश करती हैं जबकि कॉलेज में लगभग 2,000 ऐसी बेंचें हैं, लगभग 100-150 क्षतिग्रस्त हो गई हैं और उन्हें तुरंत मरम्मत की आवश्यकता है। अधिकारियों ने कहा कि हमें इन दिनों इस तरह की लकड़ी की बेंचें नहीं मिल पा रही हैं। इन बेंचों की मरम्मत भी अब बहुत महंगा सौदा है।

सीएम योगी बोले : साढ़े सात साल में उत्तर प्रदेश ने विकास और निवेश के नए युग में किया प्रवेश

लखनऊ, 9 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नोएडा में स्थापित हो रहे आइकिया स्टोर का वर्चुअल माध्यम से शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि साढ़े सात वर्ष में उत्तर प्रदेश ने देश-दुनिया के निवेशकों का विश्वास अर्जित किया है। आइकिया इंडिया उन्हीं निवेशकों में से एक है। आइकिया इंडिया द्वारा उत्तर प्रदेश में 5500 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव पर धन्यवाद ज्ञापित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश भारत के अंदर अब इन्वेस्टमेंट का ड्रीम डेटिनेशन बन गया है। उन्होंने कहा कि पिछले साढ़े सात साल में उत्तर प्रदेश ने विकास और निवेश के नए युग में प्रवेश किया है।

9 हजार से अधिक युवाओं को प्राप्त होगा रोजगार

सीएम योगी ने कहा कि इंग्का सेंटर्स की इस नई परियोजना में आइकिया रिटेल स्टोर, होटल, ऑफिस स्पेस और शॉपिंग सेंटर खोला जाएगा। इसके माध्यम से 9 हजार से अधिक युवाओं को रोजगार प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि 2017 के बाद से इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट, निवेश की नई संभावनाओं के विकास, स्किल डेवलपमेंट और परंपरागत उत्पादों के प्रोत्साहन में उत्तर प्रदेश ने अनेक कार्यक्रम प्रारंभ किए हैं, आज उसके परिणाम हम सबके सामने है। सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश की ओडीओपी योजना देश की अभिनव योजना बन गई है। साथ ही बेहतरीन कानून व्यवस्था से उत्तर प्रदेश ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में देश में अग्रणी है।

भारत की अर्थव्यवस्था में 9.2 प्रतिशत का योगदान दे रहा उत्तर प्रदेश

सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश भारत की आबादी का सबसे बड़ा राज्य है, जो वर्तमान में भारत की अर्थव्यवस्था में 9.2 प्रतिशत का योगदान दे रहा है। आज उत्तर प्रदेश देश में दूसरे नंबर की अर्थव्यवस्था वाला राज्य है, जो तेजी के साथ भारत के विकास के ग्रोथ इंजन के रुप में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि 2017 में उत्तर प्रदेश ने अपनी औद्योगिक विकास नीति बनाई थी, उस समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हम लोगों का मार्गदर्शन करते हुए कहा था कि इन्वेस्टमेंट को एम्प्लॉयमेंट के साथ जोड़ना चाहिए। आइकिया इंडिया के स्टोर का शिलान्यास उसी का परिणाम है। सीएम योगी ने कहा कि देश की सबसे बड़ी और प्रतिभावान युवा आबादी उत्तर प्रदेश में निवास करती है। विगत साढ़े सात वर्ष में उत्तर प्रदेश की बेरोजगारी दर घटी है। 27 अलग-अलग सेक्टर की सेक्टोरियल पॉलिसी के साथ उत्तर प्रदेश भारत के विकास में अपना योगदान दे रहा है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश का नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना अथॉरिटी का क्षेत्र इस वर्ष के अंत में पब्लिक ट्रांसपोर्ट की सुविधाओं के साथ ही भारत के सबसे बड़े नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के साथ जुड़ जाएगा। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र लॉजिस्टिक की दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। ईस्टर्न और वेस्टर्न डेडीकेटेड फ्रेट कॉरिडोर का जंक्शन इसी क्षेत्र के गौतमबुद्धनगर जनपद में पड़ेगा। उत्तर प्रदेश अनलिमिटेड पोटेंशियल का प्रदेश है, इसकी संभावनाओं का लाभ भारत और अंतरराष्ट्रीय समुदाय के हित में है। कार्यक्रम में स्वीडन के अंबेसडर यॉन थेस्लेफ, उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी', एमएसएमई मंत्री राकेश सचान, औद्योगिक विकास के राज्यमंत्री जसवंत सैनी, मुख्य सचिव मनोज सिंह, आईकिया इंडिया के सीईओ सुजैन पुल्वरर आदि मौजूद रहे।

आजम परिवार को राहत

हमसफर रिजॉर्ट मामले में डॉ. तजीन फात्मा बरी

बिजली चोरी केस की रामपुर कोर्ट में सुनवाई

रामपुर, 9 सितंबर (एजेंसियां)। हमसफर रिजॉर्ट में बिजली चोरी के मामले में सपा नेता आजम खां की पत्नी डॉ. तजीन फात्मा को कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने बिजली चोरी की एवज में जमा कराए गए 32 लाख रुपये के शमन शुल्क के आधार पर उनको बरी कर दिया। सपा नेता आजम खां की पत्नी और डॉ. तजीन फात्मा के खिलाफ शहर कोतवाली में पांच सितंबर 2019 में रिपोर्ट दर्ज की गई थी।

आरोप था कि डॉ. तजीन फात्मा के हमसफर रिजॉर्ट में चोरी से बिजली का उपयोग होते हुए पाया गया था। इस मामले में उस वक्त डूंगरपुर बिजलीघर के जेई राहुल रंजन ने यह रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने इस मामले में विवेचना के बाद कोर्ट में चार्जशीट दाखिल कर दी थी। इसके बाद इस मामले की सुनवाई एमपी-एमएलए सेशन कोर्ट में चल रही है। मामले में पांच सितंबर को डॉ. तजीन फात्मा ने अपने अधिवक्ता नासिर सुल्तान के माध्यम से एक अर्जी दाखिल की थी, जिसमें कहा था कि उनके द्वारा 32 लाख का शमन शुल्क जमा किया गया था। इसी आधार पर केस को खत्म किया जाए, जिस पर बिजली विभाग की ओर से आपत्ति दाखिल की गई थी। तजीन फात्मा के अधिवक्ता नासिर सुल्तान ने बताया कि कोर्ट में विद्युत अधिनियम की धारा 152 (2) के तहत प्रार्थना दिया गया था, जिस पर सुनवाई के बाद इसे मंजूर कर लिया गया। अब डा. तंजीन फात्मा को कोर्ट ने बरी कर दिया है। सुनवाई के दौरान डा. तजीन फात्मा कोर्ट में भी पेश हुईं।

विवादों में घिरा है हमसफर रिजॉर्ट

सपा नेता आजम खां की पत्नी डॉ. तजीन फात्मा का हमसफर रिजॉर्ट शुरू से ही विवादों में घिरा रहा। वर्ष 2019 में जब सपा नेता आजम खां की मुश्किलें बढ़नी शुरू हुईं तो विरोधियों के निशाने पर उनका रिजॉर्ट भी आ गया था। पहले रिजॉर्ट में नहर विभाग की जमीन होने की बात कही गई, इसके बाद खाद के गड्ढे होने की बात कही गई। इस बीच यहां पर बिजली चोरी का मामला प्रकाश में आया। रिजॉर्ट में दो दफा प्रशासन की जेसीबी भी चल चुकी है।

होटल में जिस्मफरोशी : 13 लड़कियों की हालत देख पुलिस ने बंद किया कैमरा

बिहार में बड़े रैकेट का खुलासा

बेगूसराय, 9 सितंबर (एजेंसियां)। बेगूसराय में पुलिस ने एक होटल में छापेमारी कर 13 युवती एवं 12 युवक को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई नगर थाने के पुलिस ने सुभाष चौक स्थित एक निजी होटल से की है। पुलिस का कहना है कि एक निजी होटल में जिस्मफरोशी का धंधा चल रहा था। इसकी जानकारी नगर थाना पुलिस को लगी। सूचना मिलते ही नगर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और छापेमारी अभियान चलाते हुए होटल से 13 लड़की एवं 12 लड़कों को हिरासत में लिया है। पुलिस ने उनके पास से कुछ आपत्तिजनक सामान भी बरामद किया है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच पड़ताल में जुटी हुई है।

होटल में चल रहा था जिस्मफरोशी का धंधा

बताया जाता है कि कई महीने तिरुपति होटल में अभी तरीके से जिस्मफरोशी का धंधा चल रहा था। इस मामले में सदर डीएसपी सुबोध कुमार ने बताया है कि गुप्त सूचना मिली थी कि संदिग्ध अवस्था में कुछ युवक और युवतियों को होटल में आते-जाते देखा गया है। इसी सूचना के आधार पर छापेमारी की गई है, जिसके बाद वहां युवक और युवतियों को आपत्तिजनक हालत में बरामद किया गया। पुलिस उन सभी को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

सड़क हादसे ने ली दो लोगों की जान

जौनपुर, 9 सितंबर (एजेंसियां)। जौनपुर के गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के चोरसंड गांव स्थित लीलहा नहर पुल के पास सोमवार की शाम तेज रफ़्तार कार डिवाइडर पर चढ़ गई, जिसमें चालक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया जबकि एक महिला ने सदर अस्पताल में दम तोड़ दिया। वाहन में बैठे एक अन्य लोगो को चोट आई। सूचना पर मौके पर पहुंचे चौकी इंचार्ज अरविंद यादव कार्यवाही में जुट गए। मृतका राबिया पत्नी अब्दुल सलाम निवासी शेखवाड़ा जनपद जौनपुर थाना जाफराबाद बलिया के उभाव थाना क्षेत्र के रामगरा गांव के रहने वाले सुनील यादव कार लेकर जौनपुर की तरफ आ रहे थे। आजमगढ़ शहर से उसी कार में इस्तियाख निवासी काजी अहमद नूर थाना जफराबाद (जौनपुर) और राबिया पत्नी स्व. अब्दुल सलाम निवासी शेखवाड़ा थाना जफराबाद (जौनपुर) भी बैठ गए।

नीतीश ने पटना में पुल और फोरलेन का किया हवाई सर्वेक्षण

410 करोड़ की योजनाओं का उद्घाटन-शिलान्यास किया

पटना, 9 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को एक महत्वपूर्ण दौरे पर पटना जिले का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने बख्तियारपुर (करजान)-ताजपुर (समस्तीपुर) पुल और बख्तियारपुर-मोकामा फोरलेन पथ का हवाई सर्वेक्षण किया। इसके साथ ही, मुख्यमंत्री ने पटना जिले में विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी किया। साथ ही मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्माण कार्य की गति बढ़ाने और परियोजनाओं को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए।

सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि इस फोरलेन के शुरू होने से पटना से बख्तियारपुर होकर मोकामा, बरौनी, बेगूसराय और लखीसराय की यात्रा में सुगमता आएगी। इससे समय की बचत होगी और ईंधन की लागत भी कम होगी। बख्तियारपुर-ताजपुर पुल के निर्माण से उत्तर और दक्षिण बिहार के बीच एक नया संपर्क स्थापित होगा, जिससे यात्रा की दूरी 60 किलोमीटर कम हो जाएगी। साथ ही उत्तर बिहार जाने वाले वाहनों को पटना से गुजरने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

मुख्यमंत्री ने बेलछी पहुंचकर प्रखंड सह अंचल कार्यालय सह आवासीय भवन का शिलापट्ट अनावरण कर उद्घाटन किया। इसके अलावा, उन्होंने पटना जिले में 17.78 करोड़ रुपये की लागत से बनाए गए मॉडल थाना भवनों, 11 हजार 285 मुख्यमंत्री ग्रामीण सोलर स्ट्रीट लाइट, 122 पुस्तकालय, 21 सामुदायिक भवन, 122 पशु शेड, नौ प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन इकाइयों, ग्रामीण हाट और आंगनबाड़ी केंद्र भवनों का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने पटना जिले में 88.97 करोड़ रुपये की लागत से 11 मॉडल थाना भवन और 17 पुलिस भवनों का शिलान्यास भी किया। इसके साथ ही उन्होंने राजकीय अंबेडकर अनुसूचित जाति +2 आवासीय विद्यालय, 20 ग्राम संगठन भवन, 900 नए पशु शेड, 1911 सोकपिट, और 103 छत वर्षा जल संचयन संरचनाओं का शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने ग्रामीण आवास योजना के लाभुकों को एक लाख 20 हजार रुपये का सांकेतिक चेक और जीविका समूहों को 55 करोड़ 30 लाख रुपये का सांकेतिक चेक प्रदान किया। इसके साथ ही उन्होंने धनरुआ और नौबतपुर जीविका भवन की चाबी जीविका दीदियों को सौंपी।

मुख्यमंत्री ने हाथीदह, मोकामा में एनएच-31 के फोर बाई सिक्स लेन औंटा-सिमरिया परियोजना का निरीक्षण किया और निर्माण कार्य की तेजी से पूर्ण करने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि बेगूसराय की ओर 10 किलोमीटर एलिवेटेड रोड के निर्माण के लिए केंद्र सरकार को पत्र लिखा जाए, ताकि वाहनों की संख्या अधिक होने से जाम की समस्या उत्पन्न न हो।

अनुदान के लिए एफआईआर कराने वाले पूर्व एडीजीसी ने किया पद का दुरुपयोग

प्रमुख सचिव को जांच का आदेश

प्रयागराज, 9 सितंबर (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने झांसी के पूर्व जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी (एडीजीसी) संतोष कुमार दोहरे के खिलाफ प्रमुख सचिव गृह, झांसी के डीएम और एसएसपी को जांच कर रिपोर्ट पेश करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने पाया कि उन्होंने पद का दुरुपयोग कर दलित उत्पीड़न के 12 मुकदमे दर्ज कराए और नौ में 21 लाख रुपये अनुदान राशि हासिल की। वहीं, झांसी, कन्नौज और कानपुर नगर के समाज कल्याण अधिकारियों की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है।

यह आदेश न्यायमूर्ति विवेक कुमार बिरला, न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देशवाल की खंडपीठ ने झांसी की समाज कल्याण अधिकारी ललिता यादव, कन्नौज के सुनील कुमार और कानपुर नगर के समाज कल्याण अधिकारी विपिन यादव की ओर से एफआईआर को रद्द करने व गिरफ्तारी पर रोक लगाने की मांग वाली याचिका पर दिया है।

मामला झांसी के सीपरी बाजार थाना क्षेत्र का है। 11 जून 2024 को पंचवटी कॉलोनी निवासी अधिवक्ता संतोष कुमार दोहरे ने अनुदान राशि में धोखाधड़ी करने के आरोप में दो तत्कालीन समाज कल्याण अधिकारी समेत वर्तमान समाज कल्याण अधिकारी ललिता यादव के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। आरोप लगाया था कि उनकी ओर से दलित उत्पीड़न के दर्ज तीन मामलों में आरोप पत्र लगने के बाद मिलने वाली पूरी अनुदान राशि उन्हें अदा नहीं की गई। तत्कालीन समाज कल्याण अधिकारी सुनील कुमार , विपिन यादव, मौजूदा समाज कल्याण अधिकारियों और लिपिकों ने अनुदान का गबन किया है।

तीनों अधिकारियों की दलील...

तीनों अधिकारियों ने एफआईआर को चुनौती देते हुए दलील दी कि शिकायतकर्ता अनुदान राशि पाने के लिए दलित उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज करवाने का आदी है। वर्ष 2014 से 2023 के बीच कई के खिलाफ 12 मुकदमे दर्ज करवा चुके हैं। अब तक नौ मुकदमे में 27 लाख से ज्यादा अनुदान राशि हासिल की है। यह सभी मुकदमे इन्होंने सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी के पद का दुरुपयोग कर दर्ज कराया है।

सपा विधायक के आवास पर युवती ने की खुदकुशी

भदोही, 9 सितंबर (एजेंसियां)। सपा विधायक जाहिद बेग के आवास पर एक 18 वर्षीय युवती ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। युवती विधायक के आवास पर तीसरी मंजिल के एक कमरे में रहती थी। इस घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमार्टम के दौरान विडियोग्राफी की भी व्यवस्था की गई है ताकि पूरी प्रक्रिया की निष्पक्ष जांच हो सके। इसके लिए दो डॉक्टरों की एक पैनल बनाई गई है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम की रिपोर्ट आने के बाद ही घटना के असल कारणों का पता चल सकेगा।

सुल्तानपुर डकैती कांड : पुलिस ने मुख्य आरोपी विपिन सिंह के भाइयों को उठाया, चार दिन से नहीं पहुंचे घर

लखनऊ, 9 सितंबर (एजेंसियां)। सुल्तानपुर डकैती कांड में पूछताछ कर रही पुलिस टीम ने वारदात के मुख्य आरोपी विपिन सिंह के भाइयों विवेक सिंह व विमल सिंह को पूछताछ के लिए उठा लिया। दोनों चार दिनों से घर नहीं पहुंचे हैं। परिजनों ने इसे लेकर हाईकोर्ट में याचिका दी है जिस पर अमेठी व सुल्तानपुर के एसपी को कोर्ट ने तलब किया है।

इसके पहले, रविवार को रायबरेली जिला कारागार में सुल्तानपुर पुलिस और अयोध्या की एसओजी टीम प्रभारी ने मास्टरमाइंड विपिन सिंह से पूछताछ की और फिर उसे लेकर निकल गए।

पुलिस को मिले अहम सुराग, छापा मारने की तैयारी

सूत्र बता रहे हैं कि पुलिस टीम को सोने की बरामदगी के अहम सुराग मिले हैं। साथ ही मास्टमाइंड के परिवार के सदस्यों और जानने पहचाने वालों की भी सूची तैयार कर ली गई है। जिनके घरों पर भी छापा मारा जाएगा। वहीं, सूत्र यह भी बता रहे हैं कि कुर्की की कार्रवाई को लेकर भी तैयारी हो रही है।

मंगेश यादव के घर पहुंचे अजय राय बोले-हाईकोर्ट के सिटिंग जज से कराई जाए न्यायिक जांच

जौनपुर, 9 सितंबर (एजेंसियां)। सुल्तानपुर में पुलिस एनकाउंटर में मारे गए मंगेश यादव के घर पर सोमवार को कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय पहुंचे। उन्होंने मंगेश के परिजनों से मिलकर सांत्वना व हर संभव मदद का आश्वासन दिया। कांग्रेस नेता अजय राय ने घटना की हाईकोर्ट के सिटिंग जज से निष्पक्ष न्यायिक जांच की मांग की। वहीं उन्होंने पुलिस पर एनकाउंटर की आड़ में हत्या का आरोप लगाया। मंगेश की मां एवं पिता को सांत्वना देते हुए हर संभव मदद करने की बात कही। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सत्ता के विरोधियों को मरवाया जा रहा है। प्रदेश में अराजकता का माहौल है। इस दौरान पूर्व विधायक नदीम जावेद, अनिल यादव, हुकुम सिंह, देवराज पांडे, प्रभात विक्रम सिंह, राकेश सिंह, संदीप सोनकर, रामकुमार यादव, कमलेश यादव, जगदीश यादव आदि मौजूद रहे।

ट्रेन को पलटाने की साजिश में एफआईआर

कानपुर, 9 सितंबर (एजेंसियां)। कानपुर-कासगंज रेल पथ के बर्राजपुर-उत्तरीपुरा में मध्य प्रयागराज से भिवानी जा रही कालिंदी एक्सप्रेस को पलटाने की साजिश में रेलपथ पर एलपीजी सिलिंडर व अन्य ज्वलनशील पदार्थ रखने के मामले में सोमवार सुबह करीब 11 बजे एटीएस के आईजी नीलाब्जा चौधरी ने अपनी विशेषज्ञों की टीम के साथ मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की। मौके पर मौजूद मिले एडीसीपी विजेंद्र द्विवेदी और सहायक पुलिस आयुक्त अजय त्रिवेदी से मामले के अन्य पहलुओं पर जांच के आदेश दिए।

एटीएस के आईजी नीलाब्जा चौधरी ने बताया कि मौके पर रविवार रात एक गैस सिलिंडर सहित, एक कांच की बोतल जिसमें पेट्रोलियम भरा पाया गया है, पास ही मिले एक थैले में भी कई ज्वलनशील पदार्थ मिले हैं। फोरेंसिक टीम भी पूरे मामले की जांच कर रही है। कई पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच की जा रही है।

देश में मंकीपॉक्स के मरीज मिलने के बाद एयरपोर्ट प्रशासन अलर्ट

आने-जाने वाले लोगों की होगी जांच

गया, 9 सितंबर (एजेंसियां)। देश में मंकीपॉक्स के मरीज मिलने के बाद जिला प्रशासन और गया एयरपोर्ट प्रशासन अलर्ट हो गए हैं। मंकीपॉक्स को लेकर गया एयरपोर्ट में यात्रियों की स्कीनिंग के लिए स्वास्थ्य विभाग की टीम को तैनात किया गया है। इस टीम में एक डॉक्टर, एक पारामेडिकल स्टाफ तथा एक नर्स शामिल हैं।

मंकीपॉक्स संक्रमण के लेकर स्वास्थ्य विभाग डीपीएम नीलेश कुमार का कहना है कि एयरपोर्ट पर विशेषकर स्वास्थ्य विभाग की टीम तैनात की गयी है। गया एयरपोर्ट पर हेल्थ शिविर लगाया गया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने मंकी पॉक्स को पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी बताया है। इसके मद्देनजर गया एयरपोर्ट पर आने वाले यात्रियों की जरूरी जांच की जायेगी। मंकीपॉक्स को लेकर सिविल सर्जन ने भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के निदेशक को आवश्यक दिशा-निर्देश का अनुपालन करने के संबंध में कहा गया है।

21 दिनों का ट्रैवल हिस्ट्री का लेना है विवरण

विश्व स्वास्थ्य संगठन के सर्विलांस मेडिकल ऑफिसर डॉ. कुणाल ने बताया कि गया एयरपोर्ट पर आने वाले अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की बीते 21 दिनों की यात्रा इतिहास का विवरण लिया जाएगा। यात्रा इतिहास में यह देखा जाना है कि यात्री ने मंकीपॉक्स के एंडेमिक जोन में यात्रा किया है अथवा नहीं। साथ ही यात्री का ट्रैवल सेल्फ डिक्लारेशन फॉर्म भरा जायेगा। अगर कोई संदिग्ध मामला पाया जाता है तो अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल में उसे आइसोलेशन में रखा जायेगा। मंकीपॉक्स एक वायरल जूनोटिक बीमारी है, जो मुख्यतः मध्य पश्चिमी अफ्रीका में सामने आया है। यहां से यह कई अन्य देशों में फैला है। इस वर्ष अगस्त माह में मंकी पॉक्स के मामले दक्षिण अफ्रीका, केन्या, रवांडा, युगांडा, कांगो गणराज्य, बुरुंडी, मध्य अफ्रीका, कांगो, कैमेरून, नाइजीरिया, आइवरी कॉस्ट, लेबेरिया में आये हैं। इन देशों से मंकीपॉक्स के मामले स्वीडन तथा पाकिस्तान में भी पहुंचे हैं। भारत के केरल में मंकी पाक्स का एक मामला रिपोर्ट किया गया है। भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के द्वारा जारी एडवाइजरी के मुताबिक त्वचा पर चकते, बुखार और सूजे हुए लिम्फ नोड तथा सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द या थकावट, गले में खरास और खांसी इसके लक्षण हैं। यह अपने आप ठीक होने वाली बीमारी है। यानि इसके लक्षण अपने आप ठीक हो जाते हैं। संक्रमण से बचने के लिए चकते या अल्सर को एंटीसेप्टिक घोल से साफ करना चाहिए। रोगी को अस्पताल के आइसोलेशन रूम में या घर में ही हवादार कमरे में रखना चाहिए।

रेणुका हत्याकांड में अभिनेता दर्शन और आरोपियों की बढ़ीं मुश्किलें

12 तक बढ़ाई गई न्यायिक हिरासत

बंगलूरू, 9 सितंबर (एजेंसियां)। बंगलूरू के चर्चित रेणुकास्वामी हत्याकांड में कन्नड़ अभिनेता दर्शन थुगुदीपा और उसकी दोस्त पवित्रा गौड़ा की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। अब यहां की एक अदालत ने दर्शन और पवित्रा सहित अन्य आरोपियों की न्यायिक हिरासत 12 सितंबर तक बढ़ा दी है।

3,991 पन्नों की प्राथमिक चार्जशीट दायर दर्शन और पवित्रा सहित सभी 17 आरोपियों को राज्य भर की विभिन्न जेलों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए 24वें अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश किया गया। इससे पहले पुलिस ने पिछले हफ्ते 3,991 पन्नों की प्राथमिक चार्जशीट दायर की थी। इसमें कई बड़े चौंकाने वाले खुलासे किए गए थे। बता दें, 11 जून को दर्शन को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था, तब से ही वह जेल में बंद हैं। वहीं, पवित्रा भी जेल में बंद हैं। दर्शन फिलहाल बेल्लारी जेल में बंद है। उन्हें अदालत की अनुमति लेकर परप्पना अग्रहारा केंद्रीय कारागार से यहां भेजा गया था। अदालत ने हत्या मामले में अन्य आरोपियों को राज्य की विभिन्न जेलों में स्थानांतरित करने की भी अनुमति दी थी।

कौन हैं अन्य आरोपी ?

आरोपी पवन, राघवेंद्र और नंदीश अब मैसूर जेल में बंद हैं। वहीं जगदीश और लक्ष्मण शिवमोगा जेल में, धनराज धारवाड़ जेल में, विनय विजयपुरा जेल में, नागराज कलबुर्गी/गुलबर्गा जेल में और प्रदोष बेलगावी जेल में बंद हैं। तीन अन्य आरोपी पवित्रा गौड़ा. अनुकुमार और दीपक अभी भी यहां परप्पाना अग्रहारा केंद्रीय कारागार में बंद हैं। चार आरोपियों रवि, कार्तिक, निखिल और केशवमूर्ति को पहले तुमकुर जेल में स्थानांतरित कर दिया गया था और वे अभी भी वहीं बंद हैं। दर्शन को जेल में विशेष सुविधाए जाने की प्रारंभिक जांच के बाद परप्पाना अग्रहारा जेल के मुख्य अधीक्षक समेत नौ जेल अधिकारियों को उनकी 'चूक' के चलते निलंबित कर दिया गया था। इसके अलावा, जेल अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के तहत दर्शन के खिलाफ तीन प्राथमिकी दर्ज की गई थीं।

यह है पूरा मामला

पुलिस सूत्रों के अनुसार, 33 वर्षीय रेणुकास्वामी अभिनेता दर्शन के बहुत बड़े फैन थे। उसने दर्शन की दोस्त पवित्रा गौड़ा को अश्लील मैसेज भेजे थे। इसे देखकर दर्शन को गुस्सा आया और यही गुस्सा रेणुकास्वामी की हत्या का कारण बना। उसका शव सुमनहल्ली में एक अपार्टमेंट के पास एक नाले में मिला था। आठ जून को फैन क्लब का हिस्सा रहे आरोपियों में से एक राघवेंद्र ने रेणुकास्वामी को यह कहकर बुलाया कि अभिनेता उससे मिलना चाहते हैं और वहां आने पर उसकी हत्या कर दी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार, चित्रदुर्ग के मूल निवासी रेणुकास्वामी की मौत गंभीर चोट लगने और खून बहने की वजह से हुई है।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट के मुताबिक, रेणुकास्वामी चित्रदुर्ग का रहने वाला था। कई चोटों के कारण उसकी मौत हुई। पुलिस सूत्रों ने कहा कि रेणुकास्वामी की हत्या के मामले में पवित्रा भी एक आरोपी हैं। उन्होंने दावा किया जांच में यह साबित हो गया है कि उन्होंने रेणुकास्वामी की हत्या के लिए उकसाया और साजिश रची तथा अपराध में शामिल हुई।

पीड़ित को बेरहमी से पीटा गया था

रेणुकास्वामी की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से पता चला था कि उन्हें बेरहमी से पीटा गया था। उनको प्रताड़ित करने के लिए बिजली के झटके दिए गए थे। उनके शरीर पर कई चोट के निशान थे। एक कान गायब था और अंडकोष फटे हुए थे। ये सारे सबूत इस बात की गवाही देते हैं कि रेणुकास्वामी को बुरी तरह मारा पीटा गया था, जिससे उनकी मौत हो गई। इसके बाद आरोपियों ने उनकी लाश को ठिकाने लगा दिया था।

कपड़ों पर खून, बिजली के झटके और 230 सबूत...

इस मामले में पुलिस ने बुधवार को चार्जशीट दाखिल की थी। इसमें चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। कन्नड़ अभिनेता दर्शन थुगुदीपा के कपड़ों और अभिनेत्री पवित्रा गौड़ा की जूती पर खून के धब्बे पाए गए थे। पुलिस ने चश्मदीदों के बयान सहित करीब 230 सबूतों को दर्ज करने वाली चार्जशीट पेश की है। बता दें, 11 जून को दर्शन को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था, तब से ही वह जेल में बंद हैं। वहीं, पवित्रा भी जेल में हैं।

क्राइम सीन से ली गई तस्वीर भी शामिल

कोर्ट में पेश की गई चार्जशीट में पुलिस ने दर्शन और पवित्रा सहित 17 आरोपियों के कपड़ों पर खून के धब्बों की फोरेंसिक रिपोर्ट सहित 200 से अधिक परिस्थितिजन्य साक्ष्यों का हवाला दिया है। इसमें क्राइम सीन से ली गई एक तस्वीर भी शामिल है, जिसमें रेणुकास्वामी को बचने के लिए विनती करते हुए देखा जा सकता है। हैरानी की बात ये है कि पवित्रा ने खुद जूती से रेणुकास्वामी की पिटाई की थी। वहीं, दर्शन के कपड़ों पर खून के धब्बे पाए गए थे।

'हमने एक हफ्ते के भीतर 13 लाख का आंकड़ा छू लिया'

भाजपा सदस्यता अभियान पर बोले सीएम सरमा

गुवाहटी, 9 सितंबर (एजेंसियां)। भाजपा का सदस्यता अभियान शुरू हो चुका है। पहले चरण का अभियान 2 सितंबर से 25 सितंबर और दूसरे चरण का अभियान एक अक्तूबर से 15 अक्तूबर तक चलेगा। इस अभियान पर असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने प्रतिक्रिया दी। सीएम सरमा ने बताया कि एक हफ्ते के भीतर उन्होंने 13 लाख पार्टी सदस्यता के आंकड़े को छूने के साथ असम देश का पहला राज्य बन गया है।

असम के सीएम ने कहा, एक हफ्ते के भीतर हमने 13 लाख पार्टी सदस्यता का आंकड़ा छू लिया है। देश के पांच राज्यों में असम पहले स्थान पर है। यह सदस्यता अभियान 25 सितंबर तक जारी रहेगा। आज मैंने इस सदस्यता अभियान की स्थिति रिपोर्ट का जायजा लेने के लिए गुवाहटी में भाजपा प्रदेश कार्यालय का दौरा किया। असम कांग्रेस की बैठक और राज्य की 80 विधानसभा सीटों पर कांग्रेस की तैयारी को लेकर उन्होंने कहा, मेरी आशीर्वाद और शुभकामनाएं उनके साथ है। सभी पार्टी को इसमें कदम उठाना चाहिए, किसी के लिए रोक नहीं है। भाजपा ने सदस्यता के लिए टोल फ्री नंबर और बारकोड जारी कर दिया है। इस नंबर पर मिस कॉल करके कोई भी भाजपा का सदस्य बन सकता है। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दो सितंबर को अपनी सदस्यता का नवीनीकरण कर भाजपा के 2024 सदस्यता अभियान की शुरुआत की थी। इस बीच केंद्रीय मंत्री और भाजपा के प्रमुख जेपी नड्डा ने पांच सितंबर को पार्टी के सदस्यता अभियान के तहत दिल्ली में पार्टी के वरिष्ठ नेता मुरली मनोहर जोशी को भाजपा सदस्यता प्रमाण-पत्र सौंपा। इससे पहले भाजपा प्रमुख ने पार्टी महासचिव दुष्यंत कुमार गौतम के साथ इस अभियान के तहत दिल्ली में पार्टी के वरिष्ठ नेता लालाकृष्ण आडवाणी को भी भाजपा सदस्यता प्रमाण-पत्र सौंपा था।

मणिपुर में ड्रोन हमलों के विरोध में छात्रों का प्रदर्शन

राज्यपाल-डीजीपी के इस्तीफे की मांग; बीती रात हजारों लोगों ने राजभवन-सीएम हाउस तक मार्च किया

इंफाल, 9 सितंबर (एजेंसियां)। मणिपुर के इंफाल मेंड्रोन हमलों के विरोध में सोमवार (9 सितंबर) को भी प्रदर्शन हुए। इसमें कई स्कूल-कॉलेज के छात्रों ने राजभवन तक रैली निकाली। इस दौरान छात्रों ने पुलिस डीआईजी, सुरक्षा सलाहकार, और राज्यपाल के इस्तीफे की मांग की। साथ ही छात्रों ने नैतिक आधार पर 50 विधायकों के इस्तीफे की मांग की।

8 सितंबर की रात हजारों लोगों ने इंफाल की सड़कों पर प्रदर्शन किया

मणिपुर में बढ़ती हिंसा को लेकर 8 सितंबर को हजारों लोग सड़क पर प्रदर्शन के लिए निकले। किशमपट के टिडिम रोड पर 3 किलोमीटर तक मार्च के बाद प्रदर्शनकारी राजभवन और सीएम हाउस तक पहुंच गए। इसके बाद पुलिस और सुरक्षाबलों ने उन्हें बैरिकेड लगाकर रोका। कई राउंड आंसू गैस के गोले भी दागे। प्रदर्शनकारी सड़क पर बैठकर नारेबाजी करने लगे। उन्होंने कहा- ड्रोन हमलों को रोकने में राज्य सरकार और पुलिस विफल रही है। डीजीपी को पद से हटाना चाहिए। मणिपुर में मई 2023 से कुकी और मैतेई समुदाय के बीच हिंसा जारी है। बीते 7 दिनों से हिंसा बढ़ गई है। इसमें 8 लोगों की मौत हुई है। 15 से ज्यादा घायल हैं। हाल ही में मणिपुर में ड्रोन से भी हमले हुए हैं। इनमें 2 लोगों की मौत हुई है।

मणिपुर में हिंसा की ताजा घटनाएं

1 सितंबर- हिंसा में पहली बार ड्रोन से हमला : एक सितंबर को राज्य में पहली बार ड्रोन हमला देखने को मिला। इंफाल वेस्ट जिले के कोत्रुक गांव में उग्रवादियों ने पहाड़ी के ऊपरी इलाके से कोत्रुक और कडांगबांड घाटी के निचले इलाकों में फायरिंग की और ड्रोन से हमला किया। इसमें 2 लोगों की मौत और 9 घायल हुए।

3 सितंबर- सेजम चिरांग गांव में ड्रोन अटैकः इंफाल जिले के सेजम चिरांग गांव में उग्रवादियों ने ड्रोन अटैक किए। इसमें एक महिला समेत 3 लोग घायल हो गए। उग्रवादियों ने रिहायशी इलाके में ड्रोन से 3 विस्फोटक गिराए, जो छत को तोड़ते हुए घरों के अंदर फटे। उग्रवादियों ने पहाड़ी की चोटी से गोलीबारी भी की।

6 सितंबर- पूर्व सीएम के घर रॉकेट से हमलाः मणिपुर बिष्णुपुर जिला स्थित मोइरांग में पूर्व मुख्यमंत्री मैरेम्बम कोइरेंग के घर पर हमला हुआ था। कुकी उग्रवादियों ने रॉकेट बम फेंका। इस हमले में 1 एक बुजुर्ग की मौत हो गई, जबकि 5 लोग घायल हो गए। मैरेम्बम कोइरेंग राज्य के पहले मुख्यमंत्री थे।

7 सितंबर- जिरिबाम में दो हमले, 5 की मौतः पहली घटना जिला हेडक्वार्टर से करीब 7 की.मी. दूर हुई। यहां संदिग्ध पहाड़ी उग्रवादियों ने एक घर में घुसकर बुजुर्ग को सोते समय गोली मार दी। वे घर में अकेले रहते थे। दूसरी घटना में कुकी और मैतेई लोगों के बीच गोलीबारी हुई। इसमें 4 लोगों की मौत हुई।

एनआईए का खुलासा-मुस्लिम युवाओं को डार्क वेब-क्रिप्टो के जरिए आईएस में भर्ती की हुई साजिश

बैंगलुरू, 9 सितंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने रामेश्वरम कैफे विस्फोट मामले में चार आरोपियों के खिलाफ जो आरोपपत्र दायर किया है, उसमें अहम खुलासा हुआ है। मुस्लिम युवाओं को गुमराह कर उन्हें वैश्विक आतंकी संगठन 'आईएसआईएस' में शामिल करने के लिए बड़ी साजिश रची जा रही थी। सुरक्षा एवं जांच एजेंसियों से बचने के लिए ये आतंकी डार्क वेब, क्रिप्टो मुद्रा व टेलीग्राम की मदद ले रहे थे। एनआईए ने सोमवार को हाई - प्रोफाइल बंगलूरू रामेश्वरम कैफे विस्फोट मामले में चार आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया है। इन आरोपियों में मुसाविर हुसैन शाजिब, अब्दुल मथीन अहमद ताहा, माज मुनीर अहमद और मुजम्मिल शरीफ शामिल हैं। इनके खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए), विस्फोटक पदार्थ अधिनियम और पीडीएलपी अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत आरोप पत्र दायर किया गया है।

संजय राउत ने अजित पवार पर किया हमला

अब पछतावा करने से बारामती नहीं जीत पाएंगे

मुंबई, 9 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में इस साल के अंत क विधानसभा चुनाव होने हैं। इससे पहले एनसीपी नेता और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने बारामती से चुनाव नहीं लड़ने के संकेत दिए हैं। इस पर उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना के सांसद संजय राउत ने चुटकी ली। उन्होंने कहा कि अजित पवार को अपने कुछ राजनीतिक कामों पर पछतावा करने का कोई मतलब नहीं है। साथ ही दावा किया कि एनसीपी नेता आगामी विधानसभा चुनाव में अपने गृह क्षेत्र बारामती से हार जाएंगे।

क्या बोले थे अजित पवार ?

दरअसल, अजित पवार ने हाल ही में सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया था कि उन्होंने 2024 के लोकसभा चुनावों में अपनी चचेरी बहन और एनसीपी (एसपी) नेता सुप्रिया सुले, जो उनके चाचा शरद पवार की बेटी हैं, के खिलाफ अपनी पत्नी सुनेत्रा को मैदान में उतारकर गलती की थी और कहा था कि राजनीति घर में नहीं घुसनी चाहिए। अजित पिछले साल एनसीपी के कुछ अन्य नेताओं के साथ राज्य में शिवसेना-भाजपा सरकार में शामिल हो गए थे, जिससे शरद पवार द्वारा स्थापित पार्टी में विभाजन हो गया था।

सन 1991 से बारामती से विधायक

अजित पवार ने रविवार को कहा था कि वह एक विधायक के रूप में अपने द्वारा किए गए विकास के कामों से संतुष्ट हैं। उन्होंने आगे कहा था कि बारामती के लोगों को एक बार उनके अलावा कोई विधायक मिलना चाहिए ताकि वे तुलना कर सकें। बता दें, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी प्रमुख सन् 1991 से बारामती से विधायक हैं। 2019 के विधानसभा चुनावों में, उन्होंने भाजपा के गोपीचंद पडलकर के खिलाफ 1.65 लाख मतों के रिकॉर्ड अंतर से जीत हासिल की थी।

'पश्चाताप करने का कोई मतलब नहीं'

राज्य में अगले महीने विधानसभा चुनाव होने हैं। इस बीच, उपमुख्यमंत्री के बयान के बारे में पूछे जाने पर संजय राउत ने कहा, 'उन्होंने जो अपने चाचा शरद पवार और उनकी पार्टी के साथ किया है उसके बारे में अब पश्चाताप करने का कोई मतलब नहीं है। अजित पवार निश्चित रूप से बारामती विधानसभा चुनाव हारेंगे।' राज्यसभा सांसद ने दावा किया कि अजित पवार ने एनसीपी और पवार परिवार में फूट डाल दी। यहां तक कि उन्होंने उनकी (शरद पवार की) पार्टी और चुनाव चिह्न भी छीन लिया।

दिल्ली हाईकोर्ट ने शराब घोटाला मामले में दो और आरोपियों को दी जमानत

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के कथित शराब घोटाला मामले में साउथ ग्रुप से जुड़े लिकर कारोबारी समीर महेंद्रू को बड़ी राहत मिली है। दिल्ली हाईकोर्ट ने मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े केस में समीर महेंद्रू और आप के वॉलिंटियर चनप्रीत सिंह को जमानत दे दी है। इन दोनों आरोपियों को उस टाइम जमानत मिली है जब हाल ही में पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया, के कविता और विजय नायर भी इसी केस में जेल से बाहर आ चुके हैं।

समीर महेंद्रू और आप के वॉलिंटियर की तरफ से दायर जमानत याचिकाओं पर फैसला सुनाते हुए दिल्ली हाईकोर्ट की जस्टिस नीना बंसल कृष्णा ने कहा कि जमानत दी जाती है। सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय ने कहा था कि इसमें बदलाव करके बिजनेसमैन को गलत तरीके से फायदा पहुंचाया गया था। इतना ही नहीं बदले में उनसे रिश्वत भी ली गई। आम आदमी पार्टी के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार ने इस नीति को 17 सितंबर 2021 को लागू की थी और भ्रष्टाचार के आरोप लगने के बाद सितंबर 2022 में वापस ले लिया था।

ईडी ने क्या लगाए थे आरोप

बता दें कि प्रवर्तन निदेशालय ने इस साल 12 अप्रैल को ही चनप्रीत को अरेस्ट किया था। चनप्रीत पर आरोप लगाया गया था कि उसने गोवा के विधानसभा चुनाव के दौरान आम आदमी पार्टी के कैश फंड्स को मैनेज किया। वहीं, समीर महेंद्रू को 28 सितंबर 2022 को ही गिरफ्तार किया गया था। प्रवर्तन निदेशालय का यह आरोप है कि साउथ ग्रुप ने आम आदमी पार्टी को 100 करोड़ रुपये की रिश्वत दी थी। ईडी ने यह भी दावा किया कि रिश्वत के द्वारा ली गई इस रकम में से 45 करोड़ रुपये का इस्तेमाल गोवा विधानसभा चुनाव के दौरान किया गया था। 672 दिन बाद आप नेता विजय नायर को शराब घोटाले में मिली जमानत, क्या केजरीवाल की बेल का भी रास्ता होगा साफ?

समीर महेंद्रू को शराब घोटाले से ज्यादा फायदा हुआ

अभियोजन पक्ष का यह भी आरोप है कि महेंद्रू को इस शराब घोटाले में सबसे ज्यादा फायदा हुआ। वह ना सिर्फ एक कंपनी को चला रहे थे बल्कि होलसेल और कुछ रिटेल लाइसेंस भी दिए गए। बता दें कि दिल्ली के कथित शराब घोटाले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भी आरोपी हैं। सुप्रीम कोर्ट ने उनकी जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित रखा हुआ है।

द्रौपदी वाले बयान से भाजपा का किनारा

प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बड़ोली बोले-यह बृजभूषण का व्यक्तिगत बयान

जींद, 9 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा भाजपा के अध्यक्ष मोहनलाल बड़ोली सोमवार को उचाना कलां विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी देवेंद्र अत्री का नामांकन पत्र दाखिल करवाने पहुंचे। नामांकन के बाद पत्रकारों से बातचीत में मोहनलाल बड़ोली ने कहा कि देवेंद्र अत्री युवा हैं और उचाना कलां विधानसभा क्षेत्र से भारी मतों से जीत दर्ज करेंगे। बृजभूषण द्वारा द्रौपदी का नाम लेकर दिए बयान पर बड़ोली ने कहा कि यह बृजभूषण का व्यक्तिगत बयान है, इससे पार्टी का कोई लेना देना नहीं है। उचाना कलां विधानसभा सीट राजघरानों की सीट होने पर बड़ोली बोले कि ऐसा कुछ नहीं है। यहां के लोग अब दुष्यंत चौटाला और बीरेंद्र सिंह को हराकर उचाना के सेवक के रुप में देवेंद्र अत्री को मौका देंगे। दुष्यंत चौटाला द्वारा भाजपा के हारने के बयान पर मोहनलाल बड़ोली ने कहा कि दुष्यंत चौटाला कुछ भी बोल सकते हैं।

महाराष्ट्र विधानसभा का चुनाव लड़ेंगे पूर्व एआईएमआईएम सांसद जलील

ओवैसी ने चार अन्य नामों का किया एलान

संभाजीनगर, 9 सितंबर (एजेंसियां)। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने सोमवार को कहा कि औरंगाबाद के पूर्व लोकसभा सांसद इम्तियाज जलील आगामी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में उम्मीदवार होंगे। ओवैसी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में अपनी पार्टी के चार उम्मीदवारों का एलान किया। इनमें विधायक मुफ्ती इस्माइल, शाह फारूक अनवर, फारूक शबदी और रईस लश्करिया शामिल हैं।

मुफ्ती इस्माइल मालेगांव सेंट्रल सीट से विधायक हैं, जबकि अनवर धुले शहर के विधायक हैं। लश्करियां एआईएमआईएम के मुंबई इकाई के प्रमुख हैं। इम्तियाज जलील के चुनाव क्षेत्र की घोषणा नहीं की गई है। उन्हें 2024 के लोकसभा चुनाव में शिवसेना के संदीपन भुमरे से हार का सामना करना पड़ा था। वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर उन्होंने कहा कि अजित पवार की अगुवाई वाली राकांपा को इसका विरोध करना चाहिए। ओवैसी ने कहा, अजित पवार कहते हैं कि उन्होंने भाजपा के साथ हाथ मिलाया है, लेकिन धर्मनिरपेक्षता को नहीं छोड़ा है। अगर ऐसा है तो उन्हें नरेंद्र मोदी सरकार के इस विधेयक का विरोध करना चाहिए। यह विधेयक वक्फ जमीन से जुड़े फैसलों में कलेक्टर को ज्यादा ताकत देता है यह विधेयक संविधान विरोधी है। ओवैसी ने कहा कि मोदी सरकार की ओर पेश किया गया वक्फ संशोधन विधेयक 2024 संविधान के अनुच्छेद 25, 26 और 29 का उल्लंघन है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह विधेयक समानता के अधिकार का उल्लंघन करता है और इसका एकमात्र मकसद मुसलमानों से वक्फ संपत्तियों को छीनना है। उन्होंने कहा कि हिंदू बंदोबस्ती अधिनियम, गुरुद्वारा प्रबंधक समिति या ईसाइयों के लिए कभी ऐसा विधेयक पेश नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि यह विधेयक भारतीय नागरिकों के मौलिक अधिकारों पर हमला है।

शशि थरूर ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया, मानहानि मामले में मांगी राहत

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर विवादास्पद टिप्पणी मामे में कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। दरअसल, थरूर पर इस टिप्पणी को लेकर मानहानि का मुकदमा दर्ज हुआ है। हाल ही में इस मामले में राहत के लिए थरूर ने दिल्ली हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। हालांकि, कोर्ट ने उनकी याचिका को ठुकरा दिया था।

थरूर की तरफ से पीएम मोदी पर कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणी की गई थी। इस मामले में चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ के नेतृत्व वाली बेंच ने चार बजे तक सुनवाई चलाने की सामान्य परंपरा को तोड़ते हुए शाम छह बजे तक सुनवाई की। बेंच से एक वकील ने अनुरोध किया कि याचिका पर मंगलवार को सुनवाई की जाए, क्योंकि कांग्रेस नेता को उसी दिन निजी मानहानि शिकायत के संबंध में दिल्ली की एक अदालत में पेश होना पड़ेगा।

अमित शाह और शरद पवार ने किए लालबागचा राजा के दर्शन

शिंदे-फडणवीस से भी उनके घर पर मिले केंद्रीय गृह मंत्री

मुंबई, 9 सितंबर (एजेंसियां)। गणेश चतुर्थी के साथ महाराष्ट्र में सात सितंबर से 10 दिवसीय गणेश उत्सव की शुरुआत हो गई। वैसे तो यह उत्सव पूरे भारतवर्ष में मनाया जाता है, लेकिन यह महाराष्ट्र का प्रमुख त्योहार है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और राकांपा-एसपी प्रमुख शरद पवार ने सोमवार को मुंबई के मशहूर लालबागचा राजा पंडाल का दौरा किया। उन्होंने यहां पूजा-अर्चना भी की। इस दौरान महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े भी अमित शाह के साथ मौजूद थे।

अमित शाह ने महाराष्ट्र के सीएम-डिप्टी सीएम से की मुलाकात

अमित शाह ने बांद्रा पश्चिम गणेश का भी दौरा किया। इससे पहले सोमवार की सुबह अमित शाह ने सीएम शिंदे और देवेंद्र फडणवीस से मुंबई के आधिकारिक आवास में मुलाकात की। उनके आवास पर भगवान गणेश की मूर्ति की स्थापना से पहले वहां पूजा अर्चना में भी शामिल हुए। मुंबई में आज अमित शाह का दूसरा दिन है। रविवार की रात को उन्होंने सीएम शिंदे और डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार के साथ बैठक की।

शरद पवार ने किया लालबागचा पंडाल का दौरा

राकांपा-एसपी प्रमुख शरद पवार ने भी अपने दामाद सदानंद सुले और पोती रेवती के साथ लालबागचा राजा पंडाल का दौरा किया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट भी किया। पवार ने कहा, मुंबई के गणेश उत्सव की धूम गिरगांव में गांव में देखी जा सकती है। मैंने पूरे मन से अपने परिवार के सदस्यों के साथ लालबागचा राजा पंडाल का दौरा किया। मैंने किसानों और आम लोगों के हितों के लिए लड़ने की शक्ति मांगी है।

भाजपा एमएलसी प्रवीण दरेकर ने शरद पवार के लालबागचा की यात्रा को दिखावा कहा। उन्होंने दावा किया कि पवार ने कितने वर्षों बाद इस मंदिर का दौरा किया और वो भी राजनीतिक कारणों के वजह से।

उनका पंडाल में जाना दिखावा था। पवार ने उन कार्यक्रमों में भाग लिया था जहां हिंदू देवताओं का अपमान किया गया था लेकिन उन्होंने कभी उनका प्रतिवाद नहीं किया। बता दें कि महाराष्ट्र में इस साल नवंबर में विधानसभा चुनाव होने वाला है।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 10 सितंबर- 2024

370 बना चुनावी मुद्दा

नामांकन भरने के साथ ही जम्मू- कश्मीर में चुनाव प्रचार ने रंगत पकडना शुरू कर दिया है। यहां भाजपा जहां अकेले चुनाव लड रही है तो वहीं नेशनल कान्फ्रेंस और कांग्रेस का चुनाव पूर्व गठबंधन हो चुका है। इसके अलावा कुछ निर्दलीय भी अपनी सुविधानुसार बीजेपी और कांग्रेस के साथ होने का दावा कर रहे हैं। जानकारों के अनुसार भाजपा का हिंदू बहुल जम्मू रीजन में बहुत अच्छा प्रभाव है तो कश्मीर घाटी में उसका अपेक्षित असर नहीं दिखाई दे रहा है। कश्मीर घाटी में नेशनल कान्फ्रेंस का ज़ोर पहले से ही काफी है। ऐसे में नेशनल कान्फ्रेंस ने कांग्रेस से समझौता इसीलिए किया है क्योंकि जम्मू रीजन कांग्रेस का भी काफी प्रभाव है। ऐसे में यदि जम्मू से कुछ सीटें कांग्रेस की झोली में आ जाती है तो दोनों मिल कर वहां अपनी सरकार बना सकते हैं। इस केंद्र शासित प्रदेश के चुनाव में सबसे बड़ा मुद्दा अनुच्छेद 370 ही है। भाजपा चुनाव प्रचार के दौरान अनुच्छेद 370 हटाने का श्रेय ले रही है। उसका कहना है कि यह अनुच्छेद अब इतिहास हो चुका है। इसकी वापसी कभी भी संभव नहीं है। दूसरी ओर कश्मीर घाटी के लोगों की भावनाओं को भुनाने के लिए नेशनल कान्फ्रेंस खुले आम कह रही है कि वह अनुच्छेद 370 को फिर से लागू करवाएगी। जबकि हकीकत यह है कि इसे हटाना उसके बस की बात नहीं है। यह काम केंद्र सरकार ही कर सकती है। राज्य स्तर पर इसकी कोई संभावना नहीं है। जम्मू रीजन के हिंदू मतदाताओं को भाजपा का यह मुद्दा पसंद आ रहा है। बता दें कि नेशनल कान्फ्रेंस ने लम्बे समय तक कश्मीर पर राज किया है। इसके मुखिया अब्दुल्ला परिवार की यह तीसरी पीढ़ी चल रही है। शेख अब्दुल्ला, के बाद फारुक अबद्ल्ला और उमर अबदुल्ला इस पार्टी के कर्ता-धर्ता रहे हैं। इस परिवार के पहले कश्मीर में कर्णसिंह के पिता महाराज हरिसिंह का राज था। महाराज हरिसिंह पर कई आरोप लगाकर शेख़ अब्दुल्ला ने यहाँ राज किया था। शेख़ अब्दुल्ला के लम्बे कार्यकाल के बाद उनके बेटे फ़ारुख अब्दुल्ला ने लम्बे समय तक सत्ता का नेतृत्व किया और बाद में उनके बेटे उमर अब्दुल्ला ने भी। उमर अब्दुल्ला इस वक्त अफ़ज़ल विवाद में घिर चुके हैं। क्योंकि उन्होंने कह दिया कि अफ़ज़ल को फाँसी देना गलत था। चूँकि अफ़ज़ल संसद पर हमले का ज़िम्मेदार था, इसलिए भाजपा ने इस मुद्दे पर साफ़ कहा है कि नेशनल कान्फ्रेंस आतंकवादियों से मिली हुई है या उनकी तरफ़दारी कर रही है और कांग्रेस उसके साथ खडी है। ऐसे में मतदाताओं को तय करना है कि वे देश प्रेमियों के साथ हैं या देशद्रोहियों के साथ? बहरहाल, अनुच्छेद 370 हटने के बाद यहाँ पहली बार हुए लोकसभा चुनाव में पचास प्रतिशत से ऊपर मतदान हुआ था जो अच्छा संकेत है। वर्ना इससे पहले तो तीस प्रतिशत मतदान को भी अच्छा माना जाता रहा है। अब खुले वातावरण में विधानसभा का चुनाव हो रहा है तो अच्छी वोटिंग की उम्मीद की जा रही है।

आधी आबादी से बर्बरता की संस्कृति

जयप्रकाश जय

पीड़ितों को नियंत्रित, प्रताड़ित और उन्हें चिह्नित करने के लिए मानव तस्कर शरीर पर 'दास' गोदना, बिजली के झटके देने वाले उपकरण और प्लास्टिक के कंगन इस्तेमाल कर रहे हैं। प्लास्टिक के कंगन, दरअसल उन पुरुषों की संख्या दर्शाते हैं, जिनके साथ यौन सम्बन्ध के लिए उन्हें मजबूर किया जाता है। कई देश पीड़ितों को आवश्यक सुरक्षा नहीं प्रदान कर पाते हैं। इसलिये वे कानून प्रवर्तन में सहयोग करने से हिचकते हैं। अन्य लोग डरते हैं कि उनके अवैध तस्कर, उन्हें या उनके परिवारों को नुक़सान पहुँचा सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया में तो, एक मामले में, यौन शोषण के शिकार लोगों के, सोने के कमरे के एक वीडियो में कोई फर्नीचर नहीं दिखा, जिससे अभियोजन पक्ष की इस बात की पुष्टि होती थी कि पीड़ितों को ग़ुलामी के हालात में रखा जाता है। यह महत्वपूर्ण है कि क़ानून प्रवर्तन अधिकारी, न केवल महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्र करने के तरीक़ों को समझें, बल्कि यह भी जानें कि उन्हें कैसे सम्भाला जाए। किर्गिस्तान में बाल विवाह और दुल्हनों के अपहरण की प्रथाएँ अब भी जारी हैं। अधिकतर मामले, देश के दक्षिण में तीन प्रमुख रूढ़िवादी क्षेत्रों में केन्द्रित हैं- ओश, जलाबाद और बटकेन। वहां हर साल सात से नौ हज़ार लड़कियों की छोटी उम्र में शादी हो जाती है, और 13 से 17 साल की लगभग 500 लड़कियाँ माँ बन जाती हैं। लड़कियाँ अब भी अला कचू जैसी प्रथाओं का शिकार हो रही हैं, जिसका किर्गिज़ भाषा में शाब्दिक अर्थ है, उठाकर भाग जाओ, यानि, उनको अगवा कर जबरन शादी करा दी जाती है। इन प्रथाओं के बीच बलात्कार की संस्कृति निरन्तर जारी रहने को आंशिक रूप से, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में धर्म के बढ़ते प्रभाव, बेरोज़गारी और ग़रीबी के परिप्रेक्ष्य में समझा जा सकता है। ऐसी महिलाएं बाद के जीवन में, जब घरेलू हिंसा बर्दाश्त नहीं कर पाती हैं, मदद के लिए सरकारी और सामाजिक संगठनों, संस्थाओं की शरण में पहुंचती हैं। किर्गिज़ समाज में पुरुषों के पालन-पोषण के तरीक़ों में बचपन से ही बदलाव लाने की लम्बे समय से ज़रूरत रही है। हाल ही में, अन्तरराष्ट्रीय संगठनों की सहायता से, ग़ैर सरकारी संगठनों और सरकारी एजेंसियों की निवारक कार्रवाई के कारण, कम उम्र में विवाह के मामलों की संख्या में गिरावट आई है। एक अध्ययन बताता है, अक्सर लोकलाज वश शारीरिक हिंसा का सामना करने वाली दो में से एक महिला मदद मांगने में झिझकती है। सामाजिक कलंक और परिवार-समुदाय से समर्थन की कमी भी उसे हतोत्साहित करने वाले कारक होते हैं। इस तरह की हिंसा के संपर्क में अक्सर लंबे समय तक रहना पड़ता है और इससे पीड़िताओं का स्वास्थ्य भी काफी खराब हो जाता है। दवाओं के सेवन का जोखिम बढ़ जाता है। ऐसी पीड़िताओं में अक्सर आत्महत्या के विचार भी आते रहते हैं। पीड़ित की वित्तीय स्वतंत्रता भी छिन जाती है। दो साल पहले, ऐसे ही हालात से दुखी मोजाम्बिक की महिलाओं को मापुटो की सड़कों पर अपनी आवाज़ बुलंद करनी पड़ी थी। लैंगिक समानता के एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय संगठनों का नागरिक समाज के साथ मिलकर काम करना अब बहुत जरूरी हो चला है। ऐसी हिंसा का महिलाओं की सुरक्षा पर दूरगामी प्रभाव पड़ता है। भारत में, 'घरेलू हिंसा महिला संरक्षण अधिनियम 2005' विवाहिता को ससुराल में रहने का अधिकार सुनिश्चित करता है। यह अधिनियम महिला को हिंसा-मुक्त घर में रहने की सुरक्षा प्रदान करता है। हालांकि इस अधिनियम में दीवानी और आपराधिक प्रावधान हैं, लेकिन एक महिला पीड़ित 60 दिनों के भीतर तत्काल दीवानी उपचार प्राप्त कर सकती है। पीड़ित महिलाएँ इस अधिनियम के तहत किसी भी पुरुष वयस्क अपराधी के खिलाफ मामला दर्ज कर सकती हैं, जो उसके साथ घरेलू संबंध में है। वे अपने मामले में उपचार प्राप्त करने के लिए पति और पुरुष साथी के अन्य रिश्तेदारों को भी प्रतिवादी के रूप में शामिल कर सकती हैं। पीड़ित महिलाओं की मदद के लिए सरकारी संरक्षण अधिकारी नियुक्त किए गए हैं, लेकिन समाज में जिस रफ्तार से महिलाओं के उत्पीड़न में तेजी आ रही है, यह अधिनियम भी कुल मिलाकर किसी काम का नज़र नहीं आता है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट से पता चलता है कि भारत में महिलाओं के खिलाफ अपराधों में भारी वृद्धि हुई है। हर घंटे लगभग 51 एफआईआर दर्ज हो रहे हैं। प्रति लाख आबादी पर महिलाओं के खिलाफ अपराधों की दर 66.4 है। महिलाओं के खिलाफ अधिकांश अपराध पति या उसके रिश्तेदारों द्वारा क्रूरता के होते हैं। आईपीसी के तहत चार्जशीट दाखिल करने की दर 96 प्रतिशत, केरल में सबसे अधिक है, पुडुचेरी 91.3 प्रतिशत के साथ दूसरे और पश्चिम बंगाल 90.6 प्रतिशत के साथ तीसरे स्थान पर है। संयुक्त राष्ट्र की एक ताज़ा रिपोर्ट के मुताबिक, दुनिया भर में 12 वर्ष तक की लड़कियों का जबरन या धोखे से विवाह ऐसे लोगों के साथ कराया जा रहा है, जो यौन सम्बन्धों और घरेलू कार्य के लिए उनका शोषण करते हैं। यह ऐसी पहली रिपोर्ट है, जिसमें इस मुद्दे को वैश्विक स्तर पर उन अन्तरराष्ट्रीय क़ानूनी दायित्वों के नज़रिये से देखा गया है, जिनके निर्वहन की ज़िम्मेदारी देशों पर है। विवाह के उद्देश्य से तस्करी के अधिकांश मामले लड़कियों के होते हैं, जिनमें से ज्यादातर पीड़ित-वंचित परिवारों से सम्बन्ध रखती हैं। वैवाहिक एजेंसियों और दलालों द्वारा वधुओं को भी अगवा कर लिया जाता है। पीड़ितों की सहमति हासिल करने के लिये उन पर दबाव डाला जाता है और धोखाधड़ी, उपहार, शोषण सहित हथकण्डे अपनाकर उनको हिंसा, दुर्व्यवहार, आवाजाही की पाबन्दियों और अपने अभिभावकों व मित्रों से अलग रहने के लिये मजबूर किया जाता है। पीड़ितों को शिकार बनाने की शुरुआत से लेकर उन्हें तयशुदा स्थान पर भेजे जाने तक. तस्करी के अन्य रूपों की तरह, बेहद कम संख्या में ही मामले पुलिस तक पहुँच पाते हैं और कम ही लोगों को सज़ा मिल पाती है। यूएन एजेंसी ने उम्मीद जताई है कि सरकारों द्वारा इस रिपोर्ट का उपयोग राष्ट्रीय जवाबी कार्रवाई को विकसित करने में किया जायेगा। समाज में, पुरुषों के दिल दिमाग में गहरे बैठी इस घृणा और जुगुप्सा के तमाम सबूत मौजूद हैं। यौन उत्पीड़न आत्मघातकारी और अपमानजनक होता है।

यह किसी भी पीड़िता के लिए सबसे ज़्यादा परेशान करने वाला भयावह अनुभव रहता है, जो आत्म-घृणा, आत्म-दोष और गुस्से से भर देता है, और ये सब पोस्ट-ट्रॉमेटिक सिंड्रोम डिसऑर्डर (पीटीएसडी) की वज़ह बनता है। मसलन, हिंसक पोर्नोग्राफी, उत्तेजक संगीत, कामुकता को प्रोत्साहित करने वाले टीवी शो, फूहड़ता से सराबोर फिल्में आदि। यह सब, अब बहुत ही डरावना हो चुका है। बलात्कार की संस्कृति को एक ऐसे सामाजिक वातावरण के रूप में परिभाषित किया जाता है जिसमें यौन आक्रामकता को बिना रोक-टोक प्रोत्साहित किया जाता है। अंतरराष्ट्रीय माफिया गठजोड़ से इंटरनेट पर धड़ल्ले से सारी कानून व्यवस्थाओं को धता बताते हुए, पूरे देश-समाज की आंखों में धूल झोककर बहुतायत में बाल पोर्नोग्राफ़ी की वैतरिणी बहाई जा रही है। उनके दर्शकों की एक बड़ी संख्या है। छोटे बच्चों के शारीरिक शोषण से जुड़ी ग्राफ़िक छवियां जैसे पूरे यूनिवर्स को ठेंगा दिखा रही हैं। कई एक स्टडी और अपराधशास्त्रीय समीक्षाओं में सामने आ चुका है कि इंटरनेट पर अपमानजनक छवियों के बेख़ौफ प्रसारण में संलिप्त, ऑनलाइन पीडोफिलिक नेटवर्क के पेशेवरों पर न्याय एजेंसियों का भी कोई नियंत्र नज़र नहीं आता है।

शेष अगले अंक में...

क्यों युवा और कारोबारी कर रहे खुदकुशी

आर.के. सिन्हा

बीते सालों की तरह इस बार भी सारे देश ने 5 सितंबर को गर्मजोशी से अध्यापक दिवस मनाया। सोशल मीडिया पर तो अध्यापकों का उनके राष्ट्र निर्माण में योगदान के लिए विशेष रूप से आभार व्यक्त किया जा रहा था। पर अब सुधी अध्यापकों, मनोचिकित्सकों और अन्य जागरूक नागरिकों को यह भी सोचना होगा कि नौजवानों का एक बड़ा वर्ग निराशा और नाकामयाबी की स्थितियों में अपनी जीवनलीला खत्म करने पर क्यों आमादा है। अब शायद ही कोई दिन ऐसा गुजरता हो जब अखबारों में किसी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने वाले युवा के खुदकुशी करने संबंधी दिल दहलाने वाला समाचार ना छपता हो। यह बेहद गंभीर मसला है और इस पर सारे देश को सोचना होगा। इसी तरह से आजकल बिजनेस में घाटा होने के कारण भी आत्म हत्या करने वालों की तादाद लगातार बढ़ती ही चली जा रही है। अभी कुछ दिन पहले एक साइकिल बनाने वाली मशहूर कंपनी के अरबपति मालिक ने भी खुदकुशी कर ली थी। पिछले साल 6 दिसंबर को लोकसभा में बताया गया था कि देश में 2019 से 2021 के बीच 35,000 से ज़्यादा छात्रों ने आत्महत्या की। छात्रों के खुदकुशी करने के मामले 2019 में 10,335 से बढ़कर 2020 में 12,526 और 2021 में 13,089 हो गए। इसमें कोई शक नहीं है किसी भी हालत में किसी खास परीक्षा में सफल होने के लिए माता-पिता, अध्यापकों और समाज का भारी दबाव और अपेक्षाएं छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य पर घातक प्रभाव डाल रही हैं। राजस्थान का एक शहर है कोटा। यहां पर हर साल एक अनुमान के मुताबिक, हजारों नहीं लाखों छात्र - छात्राएँ देश के शीर्ष कॉलेजों में से एक में प्रवेश पाने की उम्मीद में कोटा पहुंचते हैं। इनके जीवन का एक ही लक्ष्य होता है कि किसी तरह से IIT/NIT या मेडिकल की प्रवेश परीक्षा को क्रैक कर लिया जाए। आप कोटा या फिर देश के किसी भी अन्य शहर में चले जाइये जहां पर मेडिकल और इंजीनियरिंग कॉलेजों के साथ-साथ सिविल सेवाओं वगैरह के लिए कोचिंग संस्थान चल रहे हैं। वहां पर छात्र अत्यधिक दबाव और असफलता के डर से मनोवैज्ञानिक रूप से बहुत कष्ट की स्थिति में हैं। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के पूर्व अध्यक्ष डॉ.विनय अग्रवाल कहते हैं कि हमें खुदकुशी के बढ़ते मामलों पर सिर्फ चिंता ही व्यक्त नहीं करनी। हमें इसे रोकना ही होगा। हमने युवाओं, कारोबारियों और अन्य लोगों के आत्म हत्या करने के कारणों और इस समस्या के हल तलाशने के लिए विश्व आत्महत्या निवारण दिवस (12 सितंबर) को राजधानी दिल्ली में एक महत्वपूर्ण सेमिनार का भी आयोजन किया है, जहां पर मनोचिकित्सक, पत्रकार और सोशल वर्कर अपने अनुभवों के आधार पर अपने पेपर पढ़ेंगे। उन निष्कर्षों के बाद हम आगे की रणनीति बनाएँगे। कुछ कोचिंग सेंटर चलाने वाले भी इस तरह के प्रयास तो कर रहे हैं ताकि छात्र बहुत दबाव में न रहें। राजधानी के एक कोचिंग सेंटर के प्रमुख ने बताया कि हम छात्रों की लगातार काउंसलिंग भी करते रहते हैं। उनके अभिभावकों के भी संपर्क में रहते हैं। कहा जाता है कि भारत में दुनिया भर में सबसे अधिक युवा आत्महत्या दर है। इस बीच, राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के अनुसार, 2020 में हर 42 मिनट में एक छात्र ने अपनी जान दे दी। यह आंकड़ा सच में डराता है। देखिए, नौजवानों को बिल्कुल रीलेक्स माहौल देना होगा माता-पिता और उनके अध्यापकों को , ताकि वे बिना किसी दबाव में पढ़ें या जो भी करना चाहते हैं, करें। हरियाणा के सोनीपत में सेंट स्टीफंस कैम्ब्रिज स्कूल चलाने वाली दिल्ली ब्रदरहुड सोसायटी (डीबीएस) के अध्यक्ष और सोशल वर्कर ब्रदर सोलोमन जॉर्ज कहते हैं कि हम पूरी तरह से सुनिश्चित करते हैं कि हमारे स्कूल या सेंट स्टीफंस कॉलेज में पढ़ने वाले बच्चे बिना किसी दबाव में पढ़े-लिखे। हम अपने अध्यापकों की भी क्लास लेते हैं कि किसी भी बच्चे के साथ कक्षा में उसकी जाति न पूछी जाए और या न ही उसके पिता की आय। कुछ गैर-जिम्मेदार अध्यापक अपने विद्यार्थियों से इस तरह के गैर-जरूरी सवाल पूछते हैं। फिर वे एक ही कक्षा में पढ़ने वाले बच्चों की एक-दूसरे से तुलना भी करने लगते हैं। इस कारण वे जाने-अनजाने एक बच्चे को बहुत सारे बच्चों को कमजोर साबित कर देते है। जाहिर है, इस वजह से उस छात्र पर बहुत नकारात्मक असर पड़ता है जो कमतर साबित कर दिया गया होता है। इसी तरह के बच्चे कई बार निराशा और अवसाद में डूब जाते हैं। देखिए बच्चे को पालना एक बीस वर्षीय प्लान है। कौन नहीं चाहता कि उसका बच्चा समाज में ऊंचा मुकाम हासिल करे, शोहरत-नाम कमाए? पर इन सबके लिए ज़रूरी है कि बच्चे को उसकी काबिलियत और पसंद के अनुसार मनचाहा करियर चुनने की आज़ादी भी दी जाए। यह एक कड़वा सच है कि हमारे समाज में सफलता का पैमाना अच्छी नौकरी, बड़ा घर और तमाम दूसरी सुख-सुविधाएं ही मानी जाती है।अफसोस कि हम भविष्य के चक्कर में अपने बच्चों को आत्महत्या जैसे कदम उठाने पर मजबूर करने लगे हैं। ब्रदर सोलोमन जॉर्ज कहते हैं कि हम अपने यहां बच्चों को इस बात के लिए तैयार करते हैं कि वे कठिन परिस्थितियों का भी सामना करें। असफलता से हार मान लेने से जीवन नहीं चलता। यह तो कायरता है। महान कवि पद्मभूषण डॉ० गोपाल दस नीरज की पंक्तियाँ याद आ रही हैं, " छुप- छुप अश्रु बहाने वालों , जीवन व्यर्थ लुटाने वालों , इक सपने के मर जाने से , जीवन नहीं मरा करता हैं।" सफलता और असफलता का चक्र तो चला करता है । उसे स्वीकार करने में ही भला है । जैसा किमैंने ऊपर जिक्र किया कि बीते दिनों एक अरबपति बिजनेसमैन ने राजधानी के अपने भव्य बंगले में गोली मारकर सुसाइड कर लिया है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है। कहा जा रहा है कि बिजनेस में नुकसान होने के कारण ही साइकिल बनाने वाली कंपनी के मालिक ने आत्महत्या की। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों से पता चला है कि 2020 में, जब कोविड- की लहर ने व्यापार को तबाह कर दिया था, तब 11,716 व्यापारियों ने आत्महत्या की थी, जो 2019 की तुलना में 29% अधिक थी, जब 9,052 व्यापारियों ने अपनी जान ले ली थी। कर्नाटक में 2020 में व्यवसायियों द्वारा आत्महत्या से सबसे अधिक मौतें (1,772) दर्ज की गईं - जो 2019 से 103% अधिक है, जब राज्य में 875 व्यवसायियों ने अपनी जान ले ली थी।महाराष्ट्र में 1,610 व्यवसायियों ने आत्महत्या की, जो पिछले वर्ष से 25% अधिक है, और तमिलनाडु में 1,447 की मृत्यु हुई, जो 2019 से 36% अधिक है। यह सबको पता है कि भारत के व्यवसायी समुदाय का बड़ा हिस्सा सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों से जुड़ा है,जो बड़े झटकों को सहन नहीं कर पाता है। इसके चलते कई कारोबारियों ने कर्ज में डूबने या बिजनेस में नुकसान के कारण आत्महत्या कर ली। लब्बो लुआब यह है कि भारत में युवाओं और कारोबारियों के साथ - साथ अन्य लोगों के आत्महत्या की बढ़ती घटनाओं को भी प्रभावी ढंग से रोकना ही होगा।

आत्महत्या नहीं है किसी भी समस्या का हल

योगेश कुमार गोयल

दुनियाभर में तेजी से बढ़ती आत्महत्या की प्रवृत्ति पर रोक लगाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 10 सितम्बर को विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के सहयोग से 'विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस' मनाया जाता है। इस दिवस की शुरुआत 'इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर सुसाइड प्रिवेंशन' (आईएएसपी) द्वारा 2003 में की गई थी। इन दिन एक पीले रंग के रिबन को प्रतीक के रूप में पहना जाता है, जो इस बात को फैलाने में मदद करने के लिए पहना जाता है कि आत्महत्या की रोकथाम के बारे में बोलने से लोगों की जान बचाई जा सकती है। इस दिवस को मनाने का प्रमुख उद्देश्य आत्महत्या करने वाले व्यक्ति के व्यवहार पर शोध करना, जागरुकता फैलाना और डेटा एकत्रित करना है। दरअसल डब्ल्यूएचओ के मुताबिक दुनिया में हर 40 सैकेंड में एक व्यक्ति आत्महत्या करता है यानी प्रतिवर्ष दुनियाभर में करीब आठ लाख लोग आत्महत्या के जरिये अपनी जीवनलीला खत्म कर डालते हैं, जिनमें से बड़ी संख्या में आत्महत्या के मामले 15 से 29 वर्ष के लोगों में होते हैं जबकि आत्महत्या का प्रयास करने वालों का आंकड़ा इससे बहुत ज्यादा है। प्रतिवर्ष विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस की एक थीम निर्धारित की जाती है। आत्महत्या रोकथाम दिवस की 2024 की थीम है 'आत्महत्या पर कहानी बदलना'। इस थीम का उद्देश्य आत्महत्याओं को रोकने के लिए कलंक को कम करने और खुली बातचीत को प्रोत्साहित करने के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। लोगों में अवसाद निरन्तर बढ़ रहा है, जिसके चलते ऐसे कुछ व्यक्ति आत्महत्या जैसा हृदयविदारक कदम उठा बैठते हैं। लोगों में जीवन से निराश होकर आत्महत्या की बढ़ती दुष्प्रवृत्ति गंभीर चिंता का सबब बन रही है। डब्ल्यूएचओ के आंकड़ों के अनुसार दुनियाभर में 79 फीसदी आत्महत्या निम्न और मध्यवर्ग वाले देशों के लोग करते हैं और इसमें बड़ी संख्या ऐसे युवाओं की होती है, जिनके कंधों पर किसी भी देश का भविष्य टिका होता है। हालांकि बीते वर्षों में दुनियाभर में खुदकुशी की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं लेकिन भारत में आत्महत्याओं का आंकड़ा काफी चिंताजनक है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) ने वर्ष 2022 में भारत में आत्महत्या के मामलों को लेकर जारी अपनी रिपोर्ट में बताया था कि वर्ष 2022 में भारत में कुल 170924 लोगों ने आत्महत्याएं की जबकि 2021 में भारत में 164033 लोगों ने आत्महत्या की थी। एनसीआरबी के मुताबिक आत्महत्या की घटनाओं के पीछे पेशेवर या कैरियर संबंधी समस्याएं, अलगाव की भावना, दुर्व्यवहार, हिंसा, पारिवारिक समस्याएं, मानसिक विकार, शराब की लत, वित्तीय नुकसान, पुराने दर्द इत्यादि मुख्य कारण हैं। आज छात्र अपनी शिक्षा एवं भविष्य को लेकर गहरे असमंजस में हैं। किसी को कैरियर या नौकरी की चिंता सता रही है तो कोई वित्तीय संकट से जूझ रहा है। तनाव के दौर में निजी रिश्तों में भी खटास बढ़ी है और आमजन में नकारात्मक विचारों का बढ़ता प्रवाह तथा उपरोक्त चिंताएं कई बार अवसाद का रूप ले लेती हैं, जिसके चलते कुछ लोग परेशानियों से निजात पाने के लिए आत्महत्या का खतरनाक रास्ता चुन लेते हैं। जब कोई व्यक्ति ज्यादा बुरी मानसिक स्थिति से गुजरता है तो एकाएक अवसाद में चला जाता है और इसी अवसाद के कारण ऐसे कुछ लोग आत्महत्या कर लेते हैं, जिसका उनके परिवार के साथ-साथ समाज पर भी बहुत नकारात्मक असर पड़ता है। विशेषज्ञों के मुताबिक अवसाद और तनाव के कारण ही लोगों में आत्महत्या की प्रवृत्ति बढ़ रही है और जब व्यक्ति को परेशानियों से बाहर निकलने का कोई मार्ग नजर आता, ऐसे में वह आत्महत्या जैसा हृदयविदारक कदम उठा बैठता है। हालांकि जिन लोगों का मनोबल मजबूत होता है, वे प्रायः विकट परिस्थितियों से उबर भी जाते हैं लेकिन अवसाद के शिकार कुछ लोग विषम परिस्थितियों से लड़ने के बजाय हालात के समक्ष घुटने टेक स्वयं को मौत के हवाले कर देते हैं। मनोचिकित्सकों के अनुसार आत्महत्या करना काफी गंभीर समस्या है और आत्महत्या करने के पीछे अधिकांशतः अवसाद को ही जिम्मेदार ठराया जाता है, जो ऐसे करीब 90 फीसदी मामलों का प्रमुख कारण भी है लेकिन सभी आत्महत्याओं के लिए अवसाद को ही पूरी तरह जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। उनके मुताबिक आत्महत्या करने का विचार किसी इंसान के अंदर तब पनपता है, जब वह किसी मुश्किल से बाहर नहीं निकल पाता। मनुष्य जीवन को संसार में सबसे अनमोल माना गया है क्योंकि हमारा यह जीवन एकमात्र ऐसी चीज है, जिसे हम दोबारा नहीं पा सकते। बहरहाल, यदि कभी जरूरत से ज्यादा तनाव अथवा किसी मानसिक बीमारी का अहसास हो तो तुरंत किसी मनोचिकित्सक से मिलकर अपनी परेशानियों के बारे में खुलकर बात करें। केन्द्र सरकार द्वारा अगस्त 2020 में एक मेंटल हैल्थ रिहैबिलिटेशन हेल्पलाइन (किरण हेल्पलाइन) नंबर भी जारी किया गया था, जिस पर कॉल करके ऐसी स्थिति में मदद या काउंसलिंग की मांग की जा सकती है।

शर्मनाक - हैवानों के निशाने पर हैं स्कूली बच्चियां!

मनोज कुमार अग्रवाल

देश भर में अलग अलग स्थानों पर शिक्षा के पावन स्थलों में मासूम बच्चियों को येन केन प्रकारेण दरिंदगी का शिकार बनाने की घटनाओं की झड़ी लगी है।प.बंगाल आरजीकर रेप मर्डर की आग अभी ठंडी नहीं हुई है लेकिन हैवानियत जारी है हुगली जिले के हरिपाल में नौवीं कक्षा की छात्रा अर्द्धनग्न हालत में सड़क पर बेहोश मिली है वहीं कुलतली में भी एक छात्रा के साथ छेड़छाड़ की गई जब वह ट्यूशन से घर लौट रही थी। वहीं नोएडा के सेक्टर 12 से एक 6 साल की स्कूली छात्रा के साथ छेड़छाड़ का मामला सामने आया है. बच्ची के पिता की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. बच्ची ने घर आकर पिता को बताया कि अंकल ने उसे बैड टच किया था. उधर उत्तराखंड के सितारगंज में एक चार वर्षीय मासूम से तीन नाबालिग ने सामुहिक दुष्कर्म किया है। मासूम से गैंगरेप करने वाले तीनों आरोपी नाबालिग हैं और बच्ची के स्कूल में ही पढ़ते हैं। तीनों आरोपियों की उम्र 9, 11 और 14 वर्ष की है। 14 वर्षीय आरोपी विशेष समुदाय का है और फिलहाल फरार है। अन्य दो आरोपियों को पुलिस संरक्षण में लिया गया है। स्कूली बच्चियों के साथ आए दिन दुराचार की वारदातों से देश शर्मसार हो रहा है लेकिन वारदात थमने का नाम नहीं ले रही हैं। कोयंबटूर जिले की महिला पुलिस ने अलंदुरई के पास एक सरकारी हाई स्कूल में बिना स्टैथोस्कोप के जांच करते समय 12 छात्राओं को गलत इरादे से छूने के आरोप में एक डॉक्टर को गिरफ्तार किया है।गिरफ्तार डॉक्टर की पहचान तिरुपथुर जिले के एस. सरवनमूर्ति (33) के रूप में हुई है। पुलिस ने कहा कि वह एक निजी संगठन में काम कर रहा था जो जिले में स्कूली बच्चों के लिए मुफ्त जांच शिविर आयोजित करता है। पिछले दिनों तमिलनाडु के सिरुमुगाई से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां रूटीन विजिट पर निकले बाल संरक्षण अधिकारी उस समय हैरान रह गए जब उन्होंने पाया कि टीचर द्वारा ही कथित तौर पर 9 छात्राओं का यौन उत्पीड़न किया गया। इस दौरान जब स्टूडेंट्स से उन्होंने बातचीत की तो अधिकारी ये देखकर हैरान रह गई कि स्कूल में शिक्षक के रूप में कार्यरत नटराजन द्वारा कक्षा 7 और 8 की नौ छात्राओं का कथित तौर पर यौन उत्पीड़न किया गया था. इस मामले में पॉक्सो एक्ट के तहत पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। वहीं उत्तर प्रदेश के पीलीभीत के रहने वाले एक मौलवी ने उत्तराखंड में मदरसे की 5 से 9 साल की 5 बच्चियों के साथ रेप किया। उन्हें धमकाता कि किसी को बताया तो जिन्न छोड़कर तुम्हारे मां-बाप को मरवा दूंगा। पुलिस ने आरोपी मौलवी को गिरफ्तार कर लिया है।पुलिस ने मौलवी को गिरफ्तार किया ये बच्चियां हिंदी-इंग्लिश मीडियम स्कूलों में पढ़ने जाती थीं। दोपहर में स्कूल खत्म करने के बाद पेरेंट्स इन्हें मौलवी के पास उर्दू सीखने के लिए भेज देते थे।मौलवी दो महीने से बच्चियों के साथ रेप कर रहा था। महाराष्ट्र के बदलापुर और अकोला में भी ऐसा ही मामला बता दें कि महाराष्ट्र के बदलापुर में भी दो स्कूली बच्चियों से यौन शोषण का मामला सामने आया था. यहां सरकारी स्कूल का टीचर छात्राओं को अश्लील वीडियो दिखाता था. इस मामले में एफआईआर दर्ज कर ली गई है. आरोप है कि टीचर करीब चार महीनों से ये हरकत कर रहा था। छात्राओं ने बाल कल्याण समिति को कॉल किया और पूरी बात बताई। कर्नाटक के कालाबुरागी जिले में कक्षा में 11 वर्षीय स्कूली छात्रा के साथ बलात्कार के प्रयास के आरोप में पुलिस ने एक शिक्षक को गिरफ्तार किया है, अधिकारियों ने बुधवार को कहा। यह घटना जिले के आलंद तालुक के निंबार्गा पुलिस स्टेशन की सीमा में स्थित एक सरकारी स्कूल से सामने आई है। पुलिस ने यौन अपराधों से बच्चों की रोकथाम अधिनियम (पोक्सो) और भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

मीटिंग-मीटिंग का खेल

सुरेश मिश्रा

बिहार की धरती पर, एक बार फिर अजीब मंजर देखने को मिला। जब आसमान से बड़ी-बड़ी बातें होती हैं, तो हमारे महकमे की चाय का कुल्ला ही शुरू होता है। तूफान आया, चकाचक, लेकिन अरे! किसे खबर थी? सब तैयार बैठे थे, चाय की चुस्कियों में खोए। पोस्ट-मॉर्टम की मीटिंग बुलाई गई, जैसे पहले ही सबने यह तय कर लिया हो कि बात तो करनी है, बाद में। बात सुनिए, बिहार में अगर बारिश हो जाए तो लोग बिन मौसम मौज में आ जाते हैं। खुदा की कसम! जब सूरज निकलता है, तब पीली बत्ती जांचने जाते हैं। लेकिन जब तूफान की बात आई, तो सबने दिमाग बंद कर दिए। "क्यों देखें पहले, जो होगा, देखा जाएगा!" यही था उनका नारा। फसलें उगाने की चिंता नहीं, नेताओं की चाय की प्याली से ज्यादा महत्वपूर्ण हो गई। इधर, गाँव के लोग कह रहे थे, बाबा, पहले क्यों नहीं बताया? हम तो ट्रैक्टर में धूप का मजा ले रहे थे! पर कोई सुनने वाला था? पोस्ट-मॉर्टम मीटिंग में सारा ध्यान इस बात पर था कि "किसकी गलती थी?" सब चुप्पी साधे हुए थे। जैसे मौसम का कहर उनकी सोच से भी बड़ा हो। ठीक उसी दिन, जब तूफान घर-द्वार सब उड़ाकर ले गया, हमारे अधिकारी लोग बिलकुल सुकून में थे। अरे, भैया! आराम से चलो, मीटिंग में बातें करेंगे। सब जानते हैं, मौसम अपने हिसाब से चलता है। बचेंगी तो फसलें, नहीं तो न सही। पर मीटिंग तो होनी चाहिए। चाय के बिना तो नेता भी नहीं बोलते। उस मीटिंग में सभी ने एक-दूसरे की तारीफें कीं। "हमने तो मौसम का ध्यान रखा था, पर इस बार कुछ होना था!" लहरें उठ रही थीं, और नेता अपने जहाज पर तैर रहे थे। अंत में, तूफान ने कह दिया, अच्छा, तो आप सब चाय पीते रहो, मैं अपनी लीला दिखा रहा हूँ! और चलो, चाय का स्वाद छोडकर सब बर्बाद हुआ सो हुआ। अब चर्चा हुई उस प्लान पर - जो अगले तूफान की तैयारी में काम आएगा। सवाल यह था कि जब तूफान आया, तब कहाँ थी हमारी तैयारी? और जब शाम ढली, तो जिम्मेदार लोग घर चले गए। कुछ ने तो सोचा भी नहीं कि अगली सुबह क्या होगी। पर गाँव वालों की आँखों में आँसू थे। फसलें बह गईं, घरों के चूल्हे बुझ गए। हमें बस पॉजिटिव सोच चाहिए, न कि तूफान की सचाई। लोग अब भी मुँह चिढ़ाते हुए कह रहे थे, "अच्छा हुआ न, अब मीटिंग कर सकते हैं।" लेकिन सच्चाई यह थी कि मीटिंग में तो सब ठीक था, लेकिन असल जिंदगी में सब कुछ खो गया था। तो, भाई, जब तक चाय की प्याली में गरमागरम बातें होंगी, तब तक तूफान आते रहेंगे। यही है हमारी योजना, और इसी पर हम आगे बढ़ते रहेंगे। पर यह मत भूलिएगा, बरसात के बाद सब ठीक नहीं होता है।

दगडूशेठ हलवाई गणपति मंदिर

श्रीमंत दगडूशेठ हलवाई और उनकी पत्नी लक्ष्मीबाई पुणे में बसे एक व्यापारी और मिठाई निर्माता थे। उनकी मूल हलवाई की दुकान अभी भी पुणे में दत्त मंदिर के पास ₹दगडूशेठ हलवाई स्वीट्स₹ के नाम से मौजूद है। अंततः वे एक सफल मिठाई विक्रेता और एक अमीर व्यवसायी बन गए। 1800 के दशक के उत्तरार्ध में, उन्होंने अपने इकलौते बेटे को प्लेग महामारी में खो दिया। एक दयालु ऋषि ने उनसे संपर्क किया और उन्हें पुणे में एक गणेश मंदिर बनाने की सलाह दी। बाद में, क्योंकि उनके कोई उत्तराधिकारी नहीं थे, दगडूशेठ ने अपने भतीजे गोविंदशेठ (जन्म 1865) को गोद लिया, जो उनकी मृत्यु के समय ९ वर्ष का था। गोविंदशेठ का जन्म १८९१ में पुणे में हुआ था। उन्होंने पहली गणेश मूर्ति को एक नई से बदल दिया, पहली मूर्ति अभी भी अकरा मारुति चौक में मौजूद है। एक दयालु और उदार व्यक्ति, उन्होंने पहलवानों के प्रशिक्षण केंद्र में एक और गणेश मूर्ति स्थापित की, जिसे जगोबा दादा तालीम कहा जाता है। यह तालीम दगडूशेठ के स्वामित्व में थी क्योंकि वह एक पूर्व कुश्ती प्रशिक्षक भी थे। पुणे में एक चौक (क्षेत्र) का नाम उनके नाम पर गोविंद हलवाई चौक रखा गया है। अपनी मां के साथ, गोविंदशेठ ने गणेश उत्सव, दत्त जयंती और अन्य उत्सव जैसे सभी कार्यक्रमों को संभाला।

गोविंदशेठ की मृत्यु 1943 में हुई। उनके बेटे दत्तात्रेय गोविंदशेठ हलवाई, जिनका जन्म 1926 में हुआ, ने दूसरी गणेश मूर्ति की जगह तीसरी गणेश मूर्ति स्थापित की। यह मूर्ति, जिसे नवसाचा गणपति के नाम से जाना जाता है, आज दगडूशेठ मंदिर में मौजूद है। यह भारतीय इतिहास में एक युगांतरकारी घटना साबित हुई। मंदिर एक सुंदर निर्माण है और 100 से अधिक वर्षों का समृद्ध इतिहास समेटे हुए है। जय और विजय, संगमरमर से बने दो प्रहरी शुरू से ही सभी का ध्यान आकर्षित करते हैं। निर्माण इतना सरल है कि मंदिर में होने वाली सभी गतिविधियाँ और सुंदर गणेश मूर्ति बाहर से भी देखी जा सकती हैं। गणेश की मूर्ति 2.2 मीटर लंबी और 1 मीटर चौड़ी है। इसे लगभग 40 किलो सोने से सजाया गया है। दैनिक पूजा, अभिषेक और गणेश की आरती देखने लायक होती है। गणेश उत्सव के दौरान मंदिर की लाइटिंग अद्भुत होती है। श्रीमंत दगडूशेठ गणपति ट्रस्ट मंदिर के रख-रखाव का काम देखता है। मंदिर शहर के केंद्र में स्थित है, स्थानीय खरीदारी बाजार भी पास का मंदिर है। ट्रस्ट द्वारा संगीत समारोह, भजन और अथर्वशीर्ष पाठ जैसी विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं।

पुणे के बुधवार पेठ में स्थित श्री दत्त मंदिर उनका आवासीय भवन था। दगडूसेठ के पोते गोविंदसेठ भी अपनी दयालुता और उदारता के लिए प्रसिद्ध थे। पुणे में गोविंद हलवाई चौक उनके नाम से प्रसिद्ध है।

सत्य गणपति मंदिर में भक्त नंगे पांव करने आते हैं दर्शन

नांदेड़ के सत्या गणपति पूरे राज्य में प्रसिद्ध हैं, जिन्हें भक्त अपनी मनोकामनाएं पूरी करने वाले गणेश के रूप में पूजते हैं। इस मंदिर में महाराष्ट्र के अलावा तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, और कर्नाटक जैसे राज्यों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं। अर्धपुर तालुका के दाभाड गांव में स्थित सत्य गणपति मंदिर भक्ति और चमत्कार की अनूठी कहानी से जुड़ा है।

सत्या गणपति मंदिर, नांदेड़

मंदिर के पुजारी मंथन महाराज के अनुसार, सत्य गणपति की मूर्ति पीपल के पेड़ के नीचे प्रकट हुई थी, और यह मन्नत मांगने वाले गणेश जी के रूप में विख्यात हैं। लगभग 30-35 साल पहले इस मूर्ति को मंदिर में स्थापित किया गया था। कहा जाता है कि गांव के पास पीपल के पेड़ के नीचे भगवान गणेश की स्वनिर्मित पत्थर की मूर्ति मिली थी, जिसे गांववाले पूजने लगे। धीरे-धीरे सत्य गणपति की ख्याति आसपास के क्षेत्रों में फैल गई, और अब यहां भक्तों की भीड़ उमड़ती है।

हम अपनी सोच बदलकर अपना जीवन बदल सकते हैं। सोच नहीं बदलेंगे तो जीवन में कभी बदलाव नहीं आएगा।

भक्त नंगे पैर करने आते हैं दर्शन

पुजारी नागोराव महाराज ने बताया कि इस पीपल वृक्ष पर पीपल और वट के पत्ते निकलते हैं, और बीच में एक कड़वे नींबू का टुकड़ा दिखाई देता है, जिसे लोग चमत्कार मानते हैं। सत्य गणपति, जो तीन पेड़ों के नीचे स्थित हैं, को साक्षात विष्णु का रूप माना जाता है। खासकर गणेश चतुर्थी पर, हजारों भक्त नंगे पैर यहां दर्शन करने आते हैं।

धैर्य और मेहनत के साथ साहस भी जरूरी है, क्योंकि साहस के बिना असफल होने के बाद फिर से प्रयास नहीं कर सकते हैं।

मोहासुर को खत्म करने के लिए प्रकट हुए थे महोदर

अभी गणेश उत्सव चल रहा है और इन दिनों में की गई विशेष गणेश पूजा से घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहती है। ऐसी मान्यता है। शास्त्रों के मुताबिक, विष्णु जी और शिव जी की तरह ही भगवान गणेश ने भी अलग-अलग अवतार लिए हैं। इन अवतारों ने हमारी बुराइयों के प्रतीक राक्षसों को पराजित किया था। गणेश जी ने विकट, महोदर, विघ्नेश्वर जैसे अवतार लिए हैं। इन अवतारों ने जिन राक्षसों को पराजित किया, वे हमारे दोषों के प्रतीक हैं। ये दोष हैं - काम, क्रोध, मद, लोभ, ईर्ष्या, मोह, अहंकार। जानिए गणेश जी के अवतारों से जुड़ी कथाएं...

वक्रतुंड गणेश

मत्सरासुर नाम के असुर ने गुरु शुक्राचार्य की आज्ञा से देवताओं को पराजित कर दिया था। मत्सरासुर के दो पुत्र भी थे सुंदरप्रिय और विषयप्रिय। ये दोनों भी अत्याचारी थे। देवताओं की रक्षा के लिए गणेश जी ने वक्रतुंड अवतार लिया था।

गणपति ने वक्रतुंड रूप में मत्सरासुर के दोनों पुत्रों का वध कर दिया और मत्सरासुर को भी पराजित कर दिया। बाद में मत्सरासुर गणेश जी का भक्त बन गया था।

संदेश - मत्सर यानी ईर्ष्या, जलन की भावना। गणेश जी की पूजा से हमारे मन से ईर्ष्या की भावना दूर होती है।

एकदंत गणेश

च्यवन ऋषि ने अपने तप से मद नाम के राक्षस की रचना की थी। मद ने दैत्यों के गुरु शुक्राचार्य से दीक्षा ली। बाद में मदासुर ने सभी देवताओं को पराजित कर दिया था।

देवताओं ने मदासुर के आतंक को खत्म करने के लिए गणेश जी से मदद मांगी। तब भगवान गणेश एकदंत रूप में प्रकट हुए और उन्होंने मदासुर को खत्म किया।

संदेश - मदासुर यानी मद, नशा। गणेश जी की पूजा से नशा करने की बुराई दूर हो सकती है।

महोदर गणेश

कार्तिकेय स्वामी ने तारकासुर का वध कर दिया था। इसके बाद मोहासुर नाम का असुर देवताओं के लिए संकट बन गया। मोहासुर के अंत के लिए देवताओं ने गणेश जी से प्रार्थना की, तब गणेश ने महोदर अवतार लिया।

महोदर गणेश को देखते ही मोहासुर भगवान का भक्त बन गया और उसने देवताओं को सताना बंद कर दिया।

संदेश - मोहासुर यानी मोह। गणेश जी की पूजा से हमारे मोह दूर हो सकते हैं।

विकट गणेश

सभी देवता जालंधर नाम के असुर का अंत नहीं कर पा रहे थे, क्योंकि उसके साथ उसकी पत्नी तुलसी के सतीत्व की शक्ति थी। तब भगवान विष्णु ने अपनी माया से तुलसी का सतीत्व भंग कर दिया था और शिव जी ने जालंधर का वध किया। तुलसी का सतीत्व भंग होने से कामासुर नाम का असुर प्रकट हुआ।

कामासुर ने शिव जी से वरदान पा लिया था। इसके बाद उसने देवताओं के स्वर्ग पर अधिकार कर लिया। तब देवताओं ने गणेश जी का ध्यान किया।

देवताओं की रक्षा के लिए भगवान गणपति ने विकट रूप में अवतार लिया। विकट गणेश ने कामासुर को पराजित किया और देवताओं की परेशानी दूर की।

संदेश - कामासुर यानी कामभावना। गणेश जी पूजा से हमारे मन से कामवासना की भावनाएं दूर हो सकती हैं।

लंबोदर गणेश

क्रोधासुर नाम का एक असुर था। उसने सूर्य से वरदान प्राप्त किया था। क्रोधासुर की वजह से सभी देवता दुखी हो गए थे।

देवताओं की रक्षा के लिए गणपति जी ने लंबोदर रूप में अवतार लिया था। गणेश जी के लंबोदर स्वरूप को देखकर क्रोधासुर सब कुछ छोड़कर पाताल लोक में चला गया।

संदेश - क्रोधासुर यानी गुस्सा। गणेश जी के भक्त शांत रहते हैं और वे गुस्से पर काबू रखते हैं।

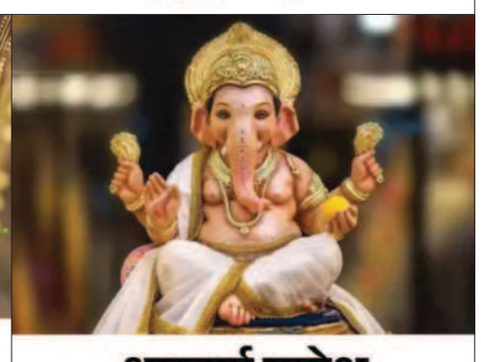

धूम्रवर्ण गणेश

मान्यता है कि सूर्य देव की छींक से एक दैत्य की उत्पत्ति हुई थी। उसका नाम था अहम। अहम का एक नाम अहंतासुर था। शुक्राचार्य की प्रेरणा से उसने खुद का एक राज्य बसा लिया था। उसने भी तीनों लोकों में बहुत अत्याचार किया।

अहंतासुर के अंत के लिए गणेश जी ने धूम्रवर्ण अवतार लिया था। धूम्रवर्ण अवतार ने अहंतासुर को पराजित कर दिया। बाद में वह गणेश का भक्त बन गया।

संदेश - अहंतासुर यानी अहंकार। गणेश जी की पूजा से हमारे मन से अहंकार की भावना खत्म हो सकती है।

मुश्किल में मैं कभी 'हिम्मत' नहीं हारी : मौनी राय

मौनी राय को लोगों ने हमेशा छरहरा ही देखा है। छोटे पर्दे की 'नागिन' के नाम से घर-घर में मशहूर होने वाली मौनी अपनी एक्टिंग, बॉडी फिटनैस और ग्लैमरस अंदाज के लिए जानी जाती है। मौनी के करोड़ों चाहने वाले हैं, वह जहां भी जाती है, लोग उसे खूब प्यार और अपनापन देते हैं।

मौनी आज सफलता के जिस मुकाम पर है, वहां पहुंचना कई लोगों का सपना होता है लेकिन उसका यह सफर जरा भी आसान नहीं रहा। हाल ही में उसने बताया कि एक वक्त ऐसा था, जब उसे 3 महीने बिस्तर पर लेटे हुए काटने पड़े थे। कम्प्लीट बैड-रैस्ट की वजह से बॉडी एक्टिविटी में कमी और दवाओं के साइड इफैक्ट ने मौनी का हुलिया ही बिगाड़ दिया था।

3 महीने में 30 किलो बढ़ा वजन

मौनी ने कहा कि 3 महीने तक बिस्तर पर लेटे रहने के कारण उसका वजन 30 किलो तक बढ़ गया था। उसने बताया, 7 से 8 साल पहले की बात है, उस वक्त मैं लाइमलाइट का ज्यादा हिस्सा नहीं थी। तब मुझको 'एल4-एल 5 स्लिप डिस्क' और कैल्शियम स्टोन हो गया था। एक साथ कई बीमारियों की वजह से मैं लंबे समय तक बिस्तर पर ही लेटी रहती थी। इस दौरान मेरे शरीर के कई हिस्सों में भयंकर दर्द होता था, जिसको मैनेज करने के लिए मुझको बहुत सारी दवाइयां और पेन किलर्स खानी पड़ती थीं। लगातार दवाएं खाने, बीमारी और बिस्तर पर लेटे रहने की वजह से 3 महीने में मेरा वजन लगभग 30 किलो तक बढ़ गया था। मैं समझ नहीं पा रही थी कि आखिरकार मुझको क्या करना चाहिए। मौनी ने आगे बताया कि जब उसका वजन बढ़ गया था, तब उसे ऐसा लग रहा था कि सब कुछ खत्म हो चुका है, लेकिन इसके बावजूद उसने हिम्मत नहीं हारी और फिर अपने वजन को कम करने सिर्फ जूस के सहारे काटे 2 से 4 दिन उसने बताया कि जब उसकी दवाइयां पूरी तरह से बंद हो गईं, तब उसने वजन घटाने के बारे में सोचा। मौनी ने कहा, वजन घटाने के लिए मैंने खाना बिल्कुल ही बंद कर दिया था। दिन में कई बार केवल पानी या जूस पीकर ही रह जाती थी। कई बार तो ऐसा भी हुआ, जब मैंने 2 से 4 दिन केवल जूस ही पिया। मुझको उस वक्त लगता था कि कम खाना खाकर वजन घटाया जा सकता है लेकिन मैं बिल्कुल गलत थी। भूखे रहने के कारण मुझे बहुत ज्यादा गुस्सा आता था। उसने कहा, मैं खाना छोड़कर मन ही मन काफी दुखी थी। फिर एक दिन मुझको एहसास हुआ कि मुझे खाना तो चाहिए ही। इसके बाद मैं न्यूट्रिशनिस्ट के पास गई और फिर हैल्दी खाना खाते हुए कैसे वजन कम किया जा सकता है, इसको फॉलो किया। मौनी ने कहा कि अब वह एक हैल्दी डाइट प्लान और एक्सरसाइज पैटर्न को गम्भीरता के साथ फॉलो करती है। इसकी वजह से उसे अपनी बॉडी को 'टोन्ड' रखने में मदद मिलती है।

बताई कुछ खास बातें

मौनी ने बताया कि दवाओं का सेवन बंद करने के बाद बॉडी में पानी का आधा वजन कम हो गया था। इसके बाद उसने अपना वजन कम करने के लिए सबसे पहले अपनी डाइट पर कंट्रोल किया। उसने अपनी डाइट में भारी भोजन को सीमित किया। एक बार में नहीं खाकर, थोड़ा-थोड़ा खाया। मौनी ने पूरे दिन में 6 बार भोजन किया और योग तथा व्यायाम की मदद से अपने वजन को कंट्रोल किया।

उसने यह भी बताया कि बॉडी को हैल्दी रखने के लिए अब वह संतुलित आहार का सेवन करती है और सब कुछ खाती है। वह बॉडी के लिए जरूरी पोषण अपनी संतुलित डाइट से ही लेती है। उसका कहना है कि चावल और आलू अच्छे कार्ब्स हैं। प्रोटीन के लिए दाल और अंडा खाती है। आयरन के लिए साग खाती है। पूरे शरीर तथा विभिन्न अंगों को स्वस्थ रखने के लिए मौनी डॉक्टर द्वारा सुझाए कुछ 'मल्टीविटामिन्स' का सेवन भी करती है। उसका मानना है कि अब घर का बना भोजन भरपेट खाना ही उसकी अच्छी सेहत का राज है।

सिद्धार्थ मल्होत्रा ने कैप्टन विक्रम बत्रा को दी श्रद्धांजलि बोले-'वही थे असली शेरशाह'

सिद्धार्थ ने साल 2021 में आई फिल्म 'शेरशाह' में विक्रम बत्रा का किरदार निभाया था। पोस्ट साझा कर सिद्धार्थ ने लिखा है कि असली शेरशाह वही थे।

सोशल मीडिया पर साझा किया पोस्ट

आज यानी 9 सितंबर को सिद्धार्थ मल्होत्रा ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल से एक पोस्ट साझा किया है। इसमें उन्होंने परमवीर चक्र से सम्मानित विक्रम बत्रा को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी है। इस पोस्ट के साथ सिद्धार्थ ने एक फोटो भी शेयर की है। इस फोटो में सिद्धार्थ कैप्टन विक्रम बत्रा के सामने हाथ जोड़कर खड़े नजर आ रहे हैं। श्रद्धांजलि देते हुए एक्टर ने लिखा,' कैप्टन विक्रम बत्रा (पीवीसी) यानी असली शेरशाह को उनकी 50वीं जयंती पर याद करते हुए। मैं आभारी हूं कि मुझे स्क्रीन पर उनका किरदार निभाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उनकी बहादुरी और जज्बा हम सभी को प्रेरित करता रहेगा'।

'लॉलीपॉप लागेलू' गाकर छा गए आयुष्मान खुराना, सुर्खियां बटोर रहा वीडियो

आयुष्मान खुराना हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के बहुमुखी कलाकार हैं। अभिनेता के साथ वह अच्छे गायक भी हैं। हाल ही में आयुष्मान खुराना को एक कार्यक्रम के दौरान अलग अंदाज में देखा गया। दरअसल, बिहार में अभिनेता ने भोजपुरी गीत 'लॉलीपॉप लागेलू' पर प्रस्तुति देकर समा बांध दिया।

सोशल मीडिया पर अभिनेता का यह वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। आयुष्मान ने इस गाने पर पटना के एम्स के कॉलेज फेस्ट के दौरान प्रस्तुति दी। खुद आयुष्मान ने भी अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट से इस कार्यक्रम के क्लिप फैंस के साथ साझा किए हैं। वीडियो में उन्हें पूरा ऊर्जा के साथ भोजपुरी गीत गाते और थिरकते हुए देखा जा सकता है।

वहां मौजूद फैंस भी उनके इस गाने से काफी खुश नजर आए। वीडियो में भीड़ को उत्साहपूर्वक नाचते और प्रस्तुति का आनंद लेते हुए देखा जा सकता है। आयुष्मान को अभिनय के साथ संगीत से भी काफी ज्यादा लगाव है। इस बात को वह कई साक्षात्कार में भी बता चुके हैं। गायन के साथ वह गिटार, कीबोर्ड, पर्क्यूशन, माउथ ऑर्गन और ड्रम सहित विभिन्न संगीत वाद्ययंत्र

बजाने में भी दक्ष है।

आयुष्मान ने अब तक कई लोकप्रिय गीतों को अपनी आवाज दी है। उन्होंने पानी दा रंग, साडी गली आजा , मिट्टी दी खुशबू, नज्म नज्म, और मेरे लिए तुम काफी हो जैसे शानदार गाने गाए हैं। उनके इन गानों को दर्शकों का भरपूर प्यार मिला है। वर्क फ्रंट की बात करें तो आयुष्मान जल्द ही वैम्पायर्स ऑफ विजय नगर में नजर आने वाले हैं।

फिल्म में उनके साथ रश्मिका मंदाना भी होंगी। इसके निर्देशन की कमान अमर कौशिक के हाथों में है। हाल ही में अमर की फिल्म स्त्री 2 रिलीज हुई थी। बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म ने अब तक 500 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर डाली है।

मैं ऐसा 'प्यार' नहीं चाहती जहां वजूद साबित करना पड़े : पलक तिवारी

इन दिनों अपनी सहेलियों के साथ गोवा में छुट्टियों का लुत्फ उठा रही पलक तिवारी छोटे पर्दे की लोकप्रिय अभिनेत्री श्वेता तिवारी और उसके पूर्व पति राजा चौधरी की बेटी है। अपनी मां की बदकिस्मत लव लाइफ, जिसकी दो असफल शादियां रही हैं, ने पलक के प्यार और शादी के विचार को प्रभावित नहीं किया है। पलक ने कहा कि उसका मानना है कि सच्चा प्यार मौजूद है और वह उस तरह का प्यार नहीं चाहती, जहां उसे अपने साथी के लिए अपना औचित्य (वजूद) साबित करना पड़े।

उसने कहा, मैंने हमेशा अपनी मां को एक अच्छी पत्नी के रूप में देखा है। मैंने अपनी नानी को भी देखा है इसलिए, मुझे पता है कि प्यार मौजूद है और प्यार व शादी के बारे में मेरा विचार प्रभावित नहीं हुआ है लेकिन मैंने यह भी महसूस किया है कि, शादी में जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। पलक से जब पूछा गया कि क्या उसकी मां ने अभिनय के क्षेत्र में आने के लिए उसका समर्थन किया तो उसने कहा, मुझे टी. वी. इंडस्ट्री में कई फायदे हो सकते थे, क्योंकि मेरी मां के वहां कई जानने वाले हैं लेकिन मैंने उन्हें ठुकरा दिया। वास्तव में मेरी मां ने हमेशा मुझसे कहा है कि, वह मेरी बहुत मदद करना चाहती हैं लेकिन मैं अपने दम पर ही कुछ करना चाहती हूं। मेरे जीवन में जो कुछ भी मेरे पास है, वह मेरी मां की वजह से है। अब मैं ऐसे मुकाम पर हूं जहां मैं चाहती हूं कि, वह बस आराम करें और मेरी मेरी चिंता न करें। महिलाएं सबसे ज्यादा संघर्ष करती हैं और मैंने ऐसा केवल अपनी मां के साथ ही नहीं, बल्कि दुनिया भर की महिलाओं के साथ देखा है। कम से कम उस तरह का प्यार मुझे नहीं चाहिए।

गायकी के बाद अभिनय से 'दिल' जीतेगी ध्वनि भानुशाली

अपने चार्टबस्टर गानों से लोगों के दिलों पर राजकरने वाली गायिका ध्वनि भानुशाली फिल्म' कहां शुरू कहां खत्म' से हिन्दी फिल्म इंडस्ट्री में बतौर अभिनेत्री कदम रखने जा रही है। यह एक पारिवारिक मनोरंजक फिल्म है जिसमें उसके साथ अशीम गुलाटी नजर आएगा। गायिकी के बाद अभिनय की दुनिया में कदम रखना ध्वनि के करियर में एक बड़ी छलांग मानी जा रही है। फिल्म का निर्देशन सौरभ दासगुप्ता ने किया है। है। वहीं, 'लुका छुपी' और 'मिमी' जैसी प्रशंसित फिल्में बना चुके लक्ष्मण उटेकर ने इसे ऋषि विरमानी के साथ मिलकर लिखा है। बताया जा रहा है कि इस फिल्म में दर्शकों को कॉमेडी और ड्रामा का मिश्रण देखने को मिलेगा। फिल्म 20 सितंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

ध्वनि ने चंदेरी में इस फिल्म की शूटिंग के दौरान की यादों को ताजा करते हुए बताया कि शूटिंग के वक्त उसे घर की बहुत याद आई थी। ध्वनि ने बताया कि उसने चंदेरी में 40 दिनों तक शूटिंग की।

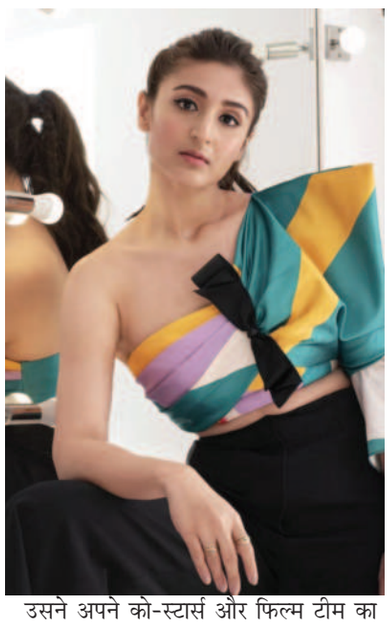

उसने अपने को-स्टार्स और फिल्म टीम का जिक्र करते हुए कहा, यह पहली बार था, जब मैं अपने माता-पिता से दूर रही। शूटिंग के दौरान मुझे घर की याद आती रही लेकिन, इस दौरान ही मुझे एक नया परिवार मिला।

उसने यह भी बताया कि एक्टिंग में आने का फैसला कैसे किया। उसने कहा, लॉकडाऊन के दौरान, मैंने एक्टिंग में आगे बढ़ने का निर्णय लिया। मैंने बहुत मेहनत से तैयारी शुरू की, कोचों से सीखा और थिएटर में जुट गई। उसने कहा कि उसने राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के छात्रों से बहुत कीमती जानकारी हासिल की। अपने रोल और फिल्म के लिए कई वर्कशॉप्स में हिस्सा लिया, जिससे उसे बहुत फायदा हुआ। उसने बताया, मैंने लक्ष्मण और सौरभ सर से कई बार मुलाकात की। 3 मिनट का डांस वीडियो बनाने और पूरी फिल्म पर काम करने के बीच का अंतर बहुत महत्वपूर्ण है। मैंने इस प्रोजैक्ट के लिए खुद को पूरी तरह से समर्पित कर दिया और यह सुनिश्चित करने के लिए अथक प्रयास किया कि मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूं।

हमेशा 'अलर्ट' रहती हूं : मालविका मोहनन

मालविका मोहनन इन दिनों सिद्धांत चतुर्वेदी के साथ। फिल्म 'युधरा' को लेकर सुर्खियों में बनी हुई है। फिल्म को लेकर काफी उत्साहित नजर आने वाली मालविका कहती है, मैंने सिद्धांत चतुर्वेदी के साथ जो फिल्म की है, वह मेरी पिछली फिल्म 'धंगलन' के मुकाबले पूरी तरह से एक अलग दुनिया है और मेरे लिए इसमें काम करना काफी दिलचस्प रहा है। मेरी हालिया सभी फिल्में और भूमिकाएं एक-दूसरे से इतनी अलग हैं और एक एक्ट्रैस होने के नाते इतनी सारी अलग-अलग तरह की फिल्मों का हिस्सा चनना अच्छा लगता है।

शूटिंग की यादें

30 साल की मालविका का ज्यादातर शूटिंग लंबे शैड्यूल में कोलार में हुई। शूटिंग के बाद उसे कम से कम 5 डॉक्टरों के पास जाना पड़ा, जिसमें स्किन औ और आंख के डॉक्टर भी शामिल थे। उसे मेकअप के लिए 4 से 5 घंटे तक बैठना पड़ता था। 10 घंटे तक मेकअप में रहने से उसे रैशेज भी हो गए थे। इतना ही नहीं, उसको लगातार धूप में काफी सारे सीन शूट करने पड़े, जिससे उसकी त्वचा झुलस गई।

मालविका बताती है, एक सीन के लिए डायरैक्टर पा. रंजीत ने अचानक से मुझे भैंसे पर बैठने को बोल दिया। मुझे लगा कि वह मजाक कर रहे हैं। जब उन्होंने मुझसे फिर कहा तो मैं मना नहीं कर पाई और भैंसे पर बैठ गई लेकिन अचानक ऐसा सीन करने पर मैं डर गई थी।

फिल्म का रिलीज किया गया पहला गाना' साथिया' एक खूबसूरत लव सॉन्ग है। सिद्धांत और मालविका की जोड़ी इसका खास हिस्सा है। दोनों एक-दूसरे के साथ काफी रोमांटिक होते नजर आ रहे हैं। गाने को शंकर एहसान लॉय द्वारा कम्पोज किया गया है जबकि प्रतिभा सिंह बघेल और विशाल मिश्रा ने अपनी आवाजों से इसकी खूबसूरती को और भी बड़ा दिया है। करना चाहती है वेब सीरीज

वह कुछ साल पहले वैब सीरीज 'मसाचा मसाबा' में आई थी लेकिन उसके बाद उसने वैब सीरीज से दूरी-सी बना ली। इस बारे में पूछने पर उसका कहना था, ₹वैब सीरीज की बात करें तो इनसे मैंने दूरी नहीं बनाई। फिल्मों की तुलना में मुझे वैब सीरीज में काम करना ज्यादा अच्छा लगता है लेकिन मैं फिल्मों की तरह वैब सीरीज के अपने किरदारों को लेकर भी काफी अलर्ट रहती हूं। मुझे अच्छे रोल्स वाली वैब सीरीज का इंतजार है।

हिन्दी फिल्म इंडस्ट्री में वह किस एक्टर के साथ काम करना चाहती है, पर उसने कहा, ₹मैं चाहती हूं कि यहां हर बड़े-छोटे एक्टर के साथ काम करूं लेकिन मैं अक्षय कुमार की बहुत बड़ी फैन रही हूं, इसलिए चाहती हूं कि उनके साथ कम से कम एक फिल्म अवश्य करू।

अक्षय कुमार । साल में कम से कम 4-5 फिल्में करता है जबकि उसने 9 साल में केवल 8 फिल्में ही की हैं, इस पर उसका कहना था, ₹मैं केवल फिल्में करने के लिए ही फिल्में नहीं करती। मैं काफी सिलेक्टिव हूं। जब तक मुझे नहीं लगता कि जो फिल्म मैं करने जा रही हूं उसमें मेरा किरदार कुछ खास है, तब तक मैं उसके लिए हां नहीं कहती।

मालविका ने ईशान खट्टर के साथ प्रसिद्ध ईरानी निर्देशक माजिद मजीदी की फिल्म 'वियॉन्ड द क्लाऊड्स' में भी काम किया था। हालिया फिल्में 15 अगस्त को ही उसकी साऊथ की फिल्म ' बंगलन' रिलीज हुई। हमेशा की तरह अपने अभिनय से इस फिल्म में भी वह कमाल करती नजर आई है। साऊथ सिनेमा के सुपरस्टार प्रभास के साथ उसकी अगली फिल्म 'राजा साब' अभी से सुर्खियों में है।

पर्दे पर वापसी करने वाली हैं सोनम कपूर

सोनम कपूर हिंदी सिनेमा की जानी-पहचानी अभिनेत्री हैं। उन्हें 'रांझणा', 'नीरजा' आदि फिल्मों के लिए जाना जाता है। अभिनेत्री लंबे समय से फिल्मी पर्दे से दूर हैं। उन्होंने गर्भावस्था और मातृत्व वाले ब्रेक के बाद से किसी भी फिल्म का हिस्सा नहीं बनी हैं। वह आखिरी बार साल 2023 की फिल्म 'ब्लाइंड' में नजर आई थीं। इस फिल्म को भी उन्होंने गर्भधारण से पहले शूट किया था। अब, एक बार फिर अभिनेत्री अपने बेटे वायु के जन्म के बाद कैमरे का सामना करने के लिए तैयार हैं। हाल में ही उन्होंने अपने आगामी प्रोजेक्ट्स को लेकर उत्सुकता जाहिर की और अभिनय के प्रति अपने प्यार का इजहार किया।

सोनम कपूर जल्द ही एक बार फिर पर्दे पर नजर आने वाली हैं। उन्होंने हाल में ही अपने पहले प्रोजेक्ट की शूटिंग को लेकर अपनी भावनाओं को व्यक्त किया है। उन्होंने कहा, मैं अपनी प्रेगनेंसी के बाद फिर से कैमरे का सामना करने के लिए बहुत उत्साहित हूं। मुझे एक अभिनय पसंद है और मुझे अपने पेशे के माध्यम से इतने सारे दिलचस्प

किरदार जीना अच्छा लगता है। सोनम ने कहा वह अलग अलग तरह के इंसानों से प्रेरित होती हैं और उन्हें अपनी अलग अलग भूमिकाएं निभाना पसंद आता है। इस दौरान उन्होंने कहा कि वह अपने आगामी प्रोजेक्ट का बेसब्री से इंतजार कर रही हैं।

अभिनेत्री ने खुलासा किया कि वह साल 2025 की शुरुआत में इसके लिए शूटिंग शुरू करेंगी। उन्होंने कहा कि आधिकारिक घोषणा होने तक वह इस प्रोजेक्ट के बारे में ज्यादा बात नहीं कर पाएंगी। अभिनेत्री ने आगे कहा, यह एक बड़ा प्रोजेक्ट है। अभी मैं इतना ही कह सकती हूं। अभिनेत्री के इस आगामी प्रोजेक्ट की विस्तृत जानकारी अभी गुप्त रखी गई है। हालांकि, कयास लगाए जा रहे हैं कि यह एक ओटीटी पर स्ट्रीम होने वाली बड़े बजट की सीरीज होगी। अभिनेत्री अक्सर अपने पति और बच्चे के साथ तस्वीरें साझा करती है। बेटे वायु के दूसरे जन्मदिन पर उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक खास पोस्ट भी साझा की थी। अभिनेत्री और उनके पति आनंद आहूजा ने 20 अगस्त, 2024 को अपने बेटे वायु का दूसरा जन्मदिन मनाया था। उन्होंने इस मौके पर अपने बेटे वायु के लिए एक दिल छू लेने वाली पोस्ट साझा की थी। इस पोस्ट में उन्होंने लिखा था, मेरा बच्चा आज दो साल का हो गया। हमारे प्यारे, प्यारे वायु को दूसरे जन्मदिन की शुभकामनाएं। अभिनेत्री ने आगे लिखा था, तुम्हारी मां बनना मेरे लिए अब तक का सबसे बड़ा उपहार है। तुमने हमारे जीवन को बहुत खुशी, हंसी और आश्चर्य से भर दिया है। तुमने हमारी दुनिया में बहुत रोशनी और खुशी लाई है, जिससे हर पल और अधिक सुंदर और हर रिश्ता मजबूत हुआ है।

अक्सर होती रहती है सांस लेने में दिक्कत? हो जाइए सावधान, कहीं आपको ये गंभीर बीमारियां तो नहीं

शरीर स्वस्थ रहे और सभी अंगों को बेहतर तरीके से ऑक्सीजन मिलती रहे इसके लिए जरूरी है कि सांस लेने में सहायक सभी अंग ठीक तरीके से काम करते रहें। हालांकि अक्सर कई लोगों को सांस फूलने और सांस लेने में दिक्कत बनी रहती है। हमारा दिल और फेफड़े शरीर के सभी ऊतकों तक रक्त के माध्यम से ऑक्सीजन पहुंचाते हैं और कार्बन डाइऑक्साइड को बाहर निकालते हैं। इसमें आने वाली किसी भी प्रकार की बाधा के कई तरह के दुष्प्रभाव हो सकते हैं।

सांस फूलने की समस्या को डिस्पेनिया के नाम से जाना जाता है जिसमें फेफड़ों को पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिल पाती। इसमें ऐसा महसूस हो सकता है जैसे आपकी छाती में जकड़न है, सांस लेने के लिए हांफ रहे हैं या आपको सांस लेने के लिए अधिक मेहनत करनी पड़ रही है। दिल और फेफड़ों की बीमारियों में ये दिक्कत सामान्य है पर अगर अक्सर आप इस तरह की समस्या से परेशान रहते हैं तो खास तौर पर सावधान हो जाने की जरूरत है।

गंभीर समस्याओं का हो सकता है संकेत

डॉक्टर बताते हैं, सांस की तकलीफ कई मामलों में अस्थमा, एलर्जी या चिंता जैसी अन्य स्थितियों का भी संकेत हो सकती है। तीव्र व्यायाम या सर्दी-जुकाम होने से भी आपको सांस लेने में दिक्कत हो सकती है। हालांकि क्रोनिक यानी लंबे समय से बनी रहने वाली सांस की समस्या कई बार गंभीर स्थितियों का भी संकेत मानी जाती है, जिसपर गंभीरता से ध्यान देते रहने की जरूरत होती है।

गंभीर श्वसन रोगों की समस्या

लंबे समय से सांस की तकलीफ बनी हुई है तो ये गंभीर श्वसन रोगों का संकेत हो सकता है। अस्थमा की बीमारी जो फेफड़ों में वायुमार्ग को प्रभावित करती है, इसमें भी आपको सांस की दिक्कत हो सकती है। इसी तरह सीओपीडी (क्रोनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज) की स्थिति जो फेफड़ों में वायु प्रवाह को अवरुद्ध करने वाली बीमारियों का एक समूह है, ऐसे रोगियों को भी सांस फूलने की समस्या महसूस होती है। इन बीमारियों में त्वरित और लंबे समय तक चलने वाले उपचार की आवश्यकता होती है। इसलिए समय रहते इसका निदान और इलाज बहुत आवश्यक माना जाता है।

हृदय रोगों का भी जोखिम

कमजोर या क्षतिग्रस्त हृदय के कारण भी ठीक से रक्त पंप कर पाना कठिन हो जाता है, जिससे फेफड़ों में तरल पदार्थ भरने लगता है और सांस लेने में दिक्कत हो सकती है। हार्ट फेलियर इसका एक प्रमुख कारण है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, अक्सर सांस लेने में बनी रहने वाली समस्या कई गंभीर हृदय रोगों जैसे कार्डियोमायोपैथी (हृदय की मांसपेशियों में समस्या), हार्ट फेलियर या पेरीकार्डिटिस (हृदय के आस-पास के ऊतकों की सूजन) का संकेत हो सकती है। इसपर समय पर ध्यान न देना जानलेवा हो सकती है।

पैनिक अटैक या स्ट्रेस की समस्या

मानसिक तनाव या घबराहट के कारण भी अचानक सांस फूलने की समस्या हो सकती है। पैनिक अटैक में सामान्य से तेज और सांस में उतार-चढ़ाव की दिक्कत बढ़ जाती है। स्ट्रेस और एंग्जाइटी या फिर डिप्रेशन जैसी गंभीर मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के कारण भी सांस लेने में तकलीफ देखी जाती है। इन स्थितियों का समय पर निदान और उपचार करना बहुत जरूरी हो जाता है।

इन घरेलू उपायों को अपनाकर गैस से निजात पाएं

गुनगुना पानी पिएं

गैस से निजात पाने के लिए गुनगुना यानी हल्का गर्म पानी पिएं। इससे गैस पास होगी और राहत मिलेगी। यूरोपियन जर्नल ऑफ फार्मास्यूटिकल एंड मेडिकल रिसर्च के एक अध्ययन के मुताबिक, नियमित रूप से और खासकर सुबह के समय हल्का गुनगुना पानी पीने से पाचन तंत्र सही काम करता है। इससे कब्ज, गैस या अन्य किसी भी समस्या से निजात मिल सकती है।

गुनगुने पानी में नींबू या जीरा डालकर पिएं

गैस होने पर पेट फूलने की समस्या आम होती है। कई बार खट्टी डकारें भी आती हैं। ऐसे में हल्के गर्म पानी में नींबू का रस डालकर पी सकते हैं। या आधे चम्मच जीरे को पानी में उबालकर भी इसे पी सकते हैं। गैस में राहत मिलेगी।

अजवाइन का सेवन करें

अजवाइन हर किचन में पाई जाती है। ये फाइबर, एंटीऑक्सीडेंट और मिनरल्स से भरपूर होने के कारण पौष्टिक होती है। लंबे समय से पारंपरिक भारतीय चिकित्सा पद्धतियों में इसका उपयोग होता रहा है। गैस बनने या पेट फूलने पर थोड़ी अजवाइन को सेंधा नमक के साथ मिलाकर चबाएं और फिर हल्का गरम पानी पिएं। गैस में आराम मिलेगा।

सौंफ का सेवन करें

सौंफ में एंटी माइक्रोबियल गुण होते हैं, जो पेट में गैस, जलन, दर्द और पेट फूलने की समस्या को दूर करते हैं। इसके सेवन से भी आपको गैस में राहत मिलेगी।

दही का सेवन करें

दही डायजेस्टिव सिस्टम को ठीक रखने के लिए बहुत फायदेमंद है। यह पाचन में मददगार है। अगर पेट में गैस बन रही है तो दही खाएं। इसे छांस या लस्सी के रूप में भी ले सकते हैं।

काली मिर्च और सूखी अदरक

खाना खाने के एक घंटे बाद 1 चम्मच काली मिर्च पाउडर और 1 चम्मच अदरक पाउडर को आधे गिलास पानी में मिलाकर पी जाएं। अदरक के साथ हींग और सेंधा नमक मिलाकर पीने से भी गैस में राहत मिलती है

केले का सेवन करें

केले में आयरन और पोटैशियम होता है। ये पेट में हो रही जलन और ब्लोटिंग को कम करने में मदद करता है। साथ ही पेट फूलने या गैस की समस्या को भी दूर करता है। इसे सुबह में नाश्ते में लेना सबसे अच्छा है। केला आसानी से पचने वाला फल है। इसमें फैट कम होता है और ढेर सारे खनिज और विटामिन होते हैं। पेट के रोग, गठिया, दस्त, बवासीर आदि में केला खाना फायदेमंद होता है।

सुबह के समय सेब खाने से होने वाले फायदे ?

इन दिनों कई लोगों का कोलेस्ट्रॉल अनियंत्रित होता है। बैड कोलेस्ट्रॉल का स्तर बढ़ने से दिल से जुड़ी बीमारी होने का खतरा बढ़ता है। कोलेस्ट्रॉल का स्तर बढ़ने से कम उम्र में ही लोग हृदय रोग की चपेट में आ रहे हैं।

कब्ज में दिलाए राहत

कब्ज और गैस की परेशानी से जूझ रहे मरीजों के लिए सेब का सेवन लाभकारी हो सकता है।

दांतों को रखे स्वस्थ

दांतों को हेल्दी बनाए रखने में सेब का काफी योगदान हो सकता है। दरअसल, सेब में फाइबर होता है, जो दांतों को मजबूत बनाए रखने में आपकी मदद करता है।

अस्थमा रोगियों के लिए असरकारी

अस्थमा रोगियों के लिए सेब का सेवन फायदेमंद होता है। कई रिसर्च में इस बात का खुलासा हुआ है कि सेब का सेवन करने से अस्थमा अटैक को कम किया जा सकता है।

पाचन तंत्र को करे मजबूत

पाचन तंत्र को मजबूत बनाए रखने में सेब फायदेमंद हो सकता है। दरअसल, सेब अल्कालिनिटी लीवर को शरीर के शोधन में मदद कर सकता है।

हड्डियों को करे मजबूती

सेब में फाइबर के साथ-साथ कैल्शियम भी भरपूर रूप से मौजूद होता है। अगर आप प्रतिदिन सेब का सेवन करते हैं, तो आपकी हड्डियां मजबूत हो सकती है।

पथरी से करे बचाव

किडनी स्टोन की समस्या से बचने के लिए आप रोजाना सुबह सेब का सेवन कर सकते हैं। यह आपके लिए बहुत ही लाभकारी साबित हो सकता है। रोजाना एक सेब आपको पथरी के खतरे से बचा सकता है।

वजन कम करने में मददगार

सुबह के वक्त सेब का सेवन करने से आपके शरीर का वजन कम हो सकता है। दरअसल, सेब में फाइबर भरपूर रूप से होता है। ऐसे में जब आप सुबह इसका सेवन करते हैं, तो इससे आपको बार-बार भूख नहीं लगती है।

डायबिटीज के शिकार हैं तो भूलकर भी न करें ये गलतियां

डायबिटीज वैश्विक स्तर पर बढ़ती गंभीर स्वास्थ्य समस्या है। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी उम्र के लोग इसका शिकार हो सकते हैं। यही कारण है कि कम उम्र से इसकी रोकथाम और बचाव को लेकर सावधानी बरतते रहना जरूरी है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, डायबिटीज ऐसी बीमारी है जिसका सही प्रबंधन आपके जीवन की गुणवत्ता को बढ़ा सकता है। इसमें बरती गई किसी भी तरह की लापरवाही से कई अन्य जटिलताएं उत्पन्न हो सकती हैं। जो लोग मधुमेह के शिकार हैं या जिनमें इसका जोखिम हो सकता है उन्हें कुछ बातों को लेकर खास सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है।

कई आदतें ऐसी हैं जो डायबिटीज की स्थिति को और खराब कर सकती हैं। ज्यादातर लोग इससे अनजान होते हैं। मधुमेह में क्या नहीं करना चाहिए इस बारे में जानकारी और उपायों का गंभीरता से पालन करना आपको गंभीर खतरों से सुरक्षित रखने के लिए जरूरी है।

सिर्फ चीनी ही नहीं ये चीजें भी नुकसानदायक

चीनी से बनी चीजें ब्लड शुगर को तेजी से बढ़ाती हैं। डायबिटीज में मीठी चीजों से परहेज करना जरूरी है। पर सिर्फ इतना ही काफी नहीं है। ज्यादातर लोग अनजान होते हैं कि फास्ट फूड, जैसे बर्गर, पिज्जा, और प्रोसेस्ड स्नैक्स में अत्यधिक मात्रा में

वसा और शर्करा होती है, जो शुगर को असामान्य रूप से बढ़ा सकती है। अगर आप इन चीजों का अधिक सेवन करते हैं तो भी मधुमेह का खतरा बढ़ सकता है। डायबिटीज रोगियों को समय पर भोजन की आदत बनाना भी जरूरी है।

व्यायाम न करने की आदत नुकसानदायक

शारीरिक गतिविधि की कमी डायबिटीज के प्रबंधन को मुश्किल बना देती है। नियमित व्यायाम से शरीर की इंसुलिन सेंसिटिविटी बढ़ती है और ब्लड शुगर बेहतर तरीके से नियंत्रित होता है। व्यायाम न करना डायबिटीज की जटिलताओं को बढ़ा सकती है। आपको डायबिटीज हो या न हो फिर भी नियमित रूप से 30 मिनट व्यायाम की आदत जरूर बनाएं।

ज्यादा स्ट्रेस (तनाव) ठीक नहीं

अत्यधिक तनाव लेने की आदत भी डायबिटीज रोगियों के लिए नुकसानदायक है, इससे भी ब्लड शुगर बढ़ सकता है। तनाव की स्थिति में शरीर में स्ट्रेस हार्मोन (कॉर्टिसोल) का स्तर बढ़ जाता है, जो इंसुलिन की प्रभावशीलता को कम करता है। इसलिए तनाव कम करने के उपाय जैसे योग, ध्यान, और सही नींद लेना महत्वपूर्ण है। अच्छी और पर्याप्त नींद तनाव और डायबिटीज दोनों को कंट्रोल रखने का तरीका हो सकती है।

चाहते हैं स्वस्थ रहें बच्चे, बेहतर तरीके से हो विकास तो अपनाएं ये टिप्स

स्वस्थ बचपन को बेहतर भविष्य का आधार माना जाता है। यही कारण है कि स्वास्थ्य विशेषज्ञ बच्चों के आहार पर विशेष ध्यान देते रहने की सलाह देते हैं। नवजात को मां के दूध और दो साल से अधिक उम्र के बच्चों को नियमित रूप से आहार का माध्यम से तमाम प्रकार के विटामिन्स-मिनरल्स और अन्य पोषक तत्वों की जरूरत होती है। पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थ बच्चों के विकास के साथ भविष्य में उन्हें कई प्रकार की गंभीर बीमारियों से सुरक्षित रखने में मददगार हो सकते हैं।

ऐसा होना चाहिए आहार

पोषण विशेषज्ञ पारुल शर्मा एक पोस्ट में लिखती हैं, शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाने की शुरुआत बचपन से ही हो जाती है। इसलिए जरूरी है कि रोजाना आहार में हरी पत्तेदार सब्जियां, मौसमी फल जरूर शामिल हों। रंग-बिरंगी सब्जियां, साबुत अनाज जैसे कि गेहूं की रोटी, दलिया, पॉपकॉर्न, क्विनोआ को आहार का हिस्सा बनाएं। रोजाना दूध और दही बच्चों को जरूर दें।

ये पोषक तत्व बहुत जरूरी

बच्चों के शरीर में ऊतकों के निर्माण और मरम्मत के लिए प्रोटीन आवश्यक होता है। यह मांसपेशियों, त्वचा, बाल, और नाखूनों के विकास में मदद करता है। इसके लिए दालें, दूध, दही, अंडे, मांस, मछली और नट्स का जरूर सेवन किया जाना चाहिए। प्रोटीन की ही तरह कैल्शियम वाली चीजें भी अच्छी सेहत के लिए जरूरी मानी जाती हैं। कैल्शियम हड्डियों और दांतों की मजबूती के लिए जरूरी होता है। यह बच्चों के शारीरिक विकास और लंबाई बढ़ने में भी सहायता करता है।

मस्तिष्क और पाचन कैसे रखें ठीक

बच्चों के मस्तिष्क के विकास के लिए ओमेगा-3 बहुत जरूरी है। ओमेगा-3 फैटी एसिड के लिए मछलियों और नट्स को आहार में शामिल करें। यह बच्चों के मस्तिष्क को स्वस्थ रखने, सीखने और याददाश्त को बेहतर बनाने में मदद करता है। मानसिक स्वास्थ्य और तंत्रिका तंत्र की बीमारियों के खतरे से बचाने के लिए भी ये जरूर है। इसी तरह आयरन वाली चीजें बच्चों के रक्त में हीमोग्लोबिन के निर्माण में मदद करती हैं, इससे एनीमिया का खतरा कम होता है।

हड्डियों की मजबूती कैसे बढ़ाएं

कैल्शियम हड्डियों और दांतों की मजबूती के लिए जरूरी होता है। शरीर में कैल्शियम को अवशोषित करने में मदद के लिए विटामिन-डी वाली चीजें भी जरूरी हैं। विटामिन-डी की कमी से बच्चों में रिकेट्स हो सकता है। रोजाना धूप में कुछ समय बिताने के साथ मछली, अंडे और नट्स बच्चों को जरूर दें।

मुझे बार-बार सर्दी, खांसी, जुकाम हो जाता हैं, उपचार बताएं

प्रश्न : मेरी उम्र 25 वर्ष है। टांसिल बढ़ गए हैं, जिसके कारण गले में दर्द, निगलने में दर्द, बुखार और पूरे शरीर में दर्द होने लगता है। आयुर्वेदिक उपचार बताएं।

- चंद्र मोहन शर्मा, सिद्दीपेट

उत्तर : टॉन्सिल के बढ़ने को 'टॉन्सिलाइटिस' या 'तुंडीकेरीशोथ' कहते हैं। टॉन्सिल एक प्रकार की लसीका ग्रंथि हैं, जो गले के प्रवेश द्वार के दोनों और मांस की गांठ की तरह होती है। यह अन्नवह स्रोतस की प्रथम रक्षा पंक्ति है। अधिक ठंडा, अधिक खट्टा, चटपटा, आलू -चीनी के पदार्थ खाने, दूषित वातावरण में रहने से यह बढ़ जाती है। इसके बढ़ने से गले में दर्द, बदबूदार श्वास, जीभ पर मैल, सिरदर्द, बदनदर्द, स्वरभंग, बेचैनी, सुस्ती व बुखार भी आ जाता है।

घरेलू इलाज में आप इन नुस्खों को आजमा सकते हैं।

* एक गिलास पानी में पान का पत्ता, दो लौंग, मुलेठी का चूर्ण एक चम्मच व पिपरमेंट के 4 दाने डालकर इसका काढ़ा बनाएं और पिएं।

* गर्म पानी में चुटकी भर फिटकरी, इतना ही नमक डालकर गरारे करें।

* एक चम्मच अजवाइन को एक गिलास पानी में डालकर उबालें और गुनगुना होने पर इस पानी से कुल्ला करें।

* रात को सोते समय दो चुटकी पिसी हल्दी, आधी चुटकी पिसी काली मिर्च, अदरक का ताजा रस एक चम्मच -इन सबको मिलाकर गुनगुना करें और शहद (मात्रा एक से दो चम्मच) मिलाकर पी जाएं। यह दवा दो-तीन दिनों में ही टांसिल की सूजन को कम कर देती है।

आयुर्वेदिक औषधि में ऊंझा कांचनार गुग्गुलु दो-दो गोली, औरा एलेक्झी टिकिया एक- एक गोली गुनगुने पानी से दिन में तीन बार भोजन के बाद लेने से लाभ होता है।

* ऊंझा तालीसदी चूर्ण 2 ग्राम, कफकेतु रस दो गोली , अभ्रक भस्म 100पुटी 120 मिलीग्राम- तीनों मिलाकर खुराक बनाएं। ऐसी खुराक शहद में मिलाकर दिन में तीन बार लेने से जल्दी आराम मिलता है।

* ऊंझा कंठसुधार वटी या ऊंझा खदिरादि वटी दिन में आठ से दस गोली चूसने से आराम मिलता है।

ज्यादा ठंडी, मीठी, तीखी, तेज मसालेदार चीजें ना खाएं । मूली, टमाटर, गाजर, पालक आदि न लें। हल्का, संतुलित, ताजा आहार ही लेवें। अवश्य आराम मिलेगा।

प्रश्न : मेरी उम्र 75 वर्ष है। शरीर वैसे स्वस्थ है, पर पिछले एक माह से रक्तचाप बढ़ा हुआ है। भोजन में कौन सी चीजें खाने और कौन सी चीजें कम करनी चाहिए ? साथ ही सरल उपचार बताएं।

- श्रीमती के लता राममोहन, वारंगल

उत्तर : आहार का रक्तचाप से गहरा संबंध है । वैसे आपकी आयु में सामान्यतः बीपी 140/90 एम एम हेचजी रहना चाहिए। इस स्तर से बढ़ने पर भोजन में परिवर्तन और हल्की दवा-दोनों का ही प्रयोग करना चाहिए।

मौसमी ताजी सब्जियां और फलों का प्रयोग करें। नमक की मात्रा को कम से कम कर दे । अचार, चटनियां, पापड़ व नमकीन पर रोक लगाएं। तले पदार्थ बंद करें। दूध फुल क्रीम लेने के बजाय डबल टोंड लेवें। स्नैक्स के बजाय सलाद लेवें। नित्य हल्के-फुल्के व्यायाम और प्राणायाम का अभ्यास करें। दिनभर की सक्रियता में से कुछ समय समुचित विश्राम किया करें। किसी भी प्रकार के तनाव से बचें। ईश्वर में पूरा विश्वास रखें। अपनी सोच सकारात्मक रखें। औषधियों में सर्पगंधा घनवटी टिकियां और औरा टेंसट्रीम टिकियां रात सोते समय गाय के दूध से लेकर आराम करें। भोजन के बाद ऊंझा अर्जुनारिष्ट एवं पुनर्नवासव 10-10 मिलीलीटर की मात्रा में लेकर दो गुना पानी मिलाकर सेवन करें। शवासन का प्रयोग भी शरीर की थकान मिटा कर शरीर को ताजा एवं सक्रिय रखता है।

प्रश्न : मेरी आयु 45 वर्ष है। मुझे बार-बार सर्दी खांसी की शिकायत हो जाती है। इसका आयुर्वेदिक उपचार बताएं।

- विद्यासागर नायडू, करीमनगर

उत्तर : लगता है आपकी रोगप्रतिरोधक शक्ति कमजोर है। इसे ही इम्युनिटी कहते हैं । आज के इस करोना काल में इम्यूनिटी का मजबूत होना जरूरी है। इम्यूनिटी के कमजोर होने के कारण सर्दी, खांसी, जुखाम, हल्के बुखार पाचन तंत्र का कमजोर होना, शरीर में कमजोरी का महसूस होना होता है। अतः आप हर रोज सुबह - शाम ऊंझा रजवाड़ीप्राश 5 से 10 ग्राम की मात्रा में खूब चबाकर खाएं। अनुपान में गुनगुना दूध पिएं। भोजन करने के बाद औरा गिलोय घनवटी, औरा तुलसी घनवटी एवं अश्वगंधा घनवटी का प्रयोग करें। भोजन करने के बाद ऊंझा पंचासव या औरा ग्रेप्सविन 20 मिलीलीटर की मात्रा में आधे कप गुनगुने पानी में मिलाकर सेवन करें।

ऐसा करने से आप की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ने लगेगी और बार-बार सर्दी जुकाम का होना, शरीर में कमजोरी महसूस होना खत्म हो जाएगा। पथ्य में- सीधा-साधा, ताजा, संतुलित भोजन लेवें। गरिष्ठ भोजन से बचें। मौसम के फल और सब्जियों का प्रयोग अवश्य करें। हर रोज कसरत जरूर करें। यदि दिन में सोने की आदत है तो उसे बंद करें।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email : purushottambidada@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी

स्वतंत्र वार्ता

396, लोअर टैंक बंड, हैदराबाद-80

गौतम अडानी का बांग्लादेश को अल्टीमेटम

जल्द चुकाओ 4200 करोड़ का पेमेंट

नई दिल्ली, 9 सितंबर्त (एजेंसियां)। अरबपति उद्योगपति गौतम अडानी का कारोबार दुनिया के कई देशों में फैला है. भारत के पड़ोसी मुल्क बांग्लादेश में भी वह कई इंफ्रास्ट्रक्चर और पावर प्रोजेक्ट्स पर काम करते हैं. ऐसे में बांग्लादेश में छाई राजनीतिक अस्थिरता के बीच गौतम अडानी ने वहां की अंतरिम सरकार ने उनका 50 करोड़ डॉलर (करीब 4,200 करोड़ रुपए) का पेमेंट जल्द करने के लिए कहा है. बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना को अपदस्थ करने के बाद वहां नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद युनूस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार बनी है. गौतम अडानी ने इसी सरकार को चेतावनी दी है कि वह पावर प्रोजेक्ट के बकाया पेमेंट का जल्द भुगतान कर दें.

चुकाना है कर्ज देने वालों की किस्त

फाइनेंशियल टाइम्स की एक खबर में अडानी ग्रुप की ओर से जारी बयान के आधार पर कहा गया है कि वित्तीय चुनौती बढ़ने के बावजूद वह बांगलादेश को पावर सप्लाई देने के लिए

प्रतिबद्ध है. अडानी ग्रुप, बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के साथ लगातार बातचीत कर रहा है.

अडानी ग्रुप का कहना है कि वहां की अंतरिम सरकार को इस प्रोजेक्ट की चुनौती (अनसस्टेनबिलिटी) से अवगत करा दिया गया है, क्योंकि हमें सिर्फ पावर सप्लाई को ही पूरा नहीं करना है बल्कि जिनसे कर्ज लिया है उनकी किस्त भी चुकानी है. ये काफी मुश्किल हो गया है क्योंकि बांग्लादेश की ओर से पेमेंट बकाया पड़ा है. अडानी ग्रुप, भारत में गोड्डा पावर प्लांट से बांग्लादेश को बिजली की सप्लाई करता है. ये 1600 मेगवाट क्षमता का कोयला पावर प्लांट है. वहीं बांग्लादेश की नई अंतरिम सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के समय किए गए इंफ्रास्ट्रक्चर समझौतों के महंगा होने का आरोप लगाया है.

बांग्लादेश को वर्ल्डबैंक से मदद की उम्मीद

मौजूदा वक्त में बांग्लादेश के अंदर बिजली संकट बढ़ रहा है. इसकी वजह उसकी बिजली से जुड़ी वित्तीय देनदारी का बढ़ना है. बांग्लादेश के ऊपर इस समय बिजली से जुड़ा कर्ज 3.7 अरब डॉलर (करीब 31,000 करोड़ रुपए) को पार कर चुका है।

मुहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार में चीफ एनर्जी एडवाइजर मुहम्मद फौजूल कबीर खान का कहना है कि बांग्लादेश को अपनी इकोनॉमी को स्थिर करने के लिए वर्ल्ड बैंक और अन्य वैश्विक संस्थाओं से वित्तीय मदद की उम्मीद है. अंतरिम सरकार इसके लिए कोशिश कर रही है।

धार्मिक यात्रा करने वालों के लिए सस्ती होगी हेलीकॉप्टर सेवा, घट गया जीएसटी

नई दिल्ली, 9 सितंबर्त (एजेंसियां)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता वाली जीएसटी काउंसिल ने सोमवार की बैठक में धार्मिक यात्रा करने वालों को बड़ी खुशखबरी दी है. बैठक के दौरान यह निर्णय लिया गया है कि अब धार्मिक यात्रा करने वालों को हेलीकॉप्टर सेवा लेने पर 18 फीसदी की बजाय सिर्फ 5 फीसदी जीएसटी ही देना पड़ेगा. उत्तराखंड के वित्त मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने यह जानकारी दी है. प्रेमचंद अग्रवाल ने बताया कि उनकी ओर से यह मांग की गई थी. इस पर जीएसटी काउंसिल ने आज मुहर लगा दी है. इससे उत्तराखंड जैसे पहाड़ी राज्यों को काफी फायदा पहुंचेगा. साथ ही धार्मिक पर्यटन में भी इजाफा होगा. उन्होंने बताया कि केदारनाथ और बद्रीनाथ जैसे दुर्गम इलाकों तक पहुंचने के लिए वृद्ध जनों को काफी मुसीबत का सामना करना पड़ता है. उसकी सुविधा के लिए हेलीकॉप्टर सेवा शुरू की गई थी. अब तक इस पर 18 फीसदी जीएसटी लगाया जा रहा था. हालांकि, अब सिर्फ 5 फीसदी जीएसटी हो जाने से लोगों को हेलीकॉप्टर से यात्रा करने में कम पैसा देना होगा.उन्होंने कहा कि शैक्षणिक संस्थाओं को रिसर्च के लिए मिलने वाली ग्रांट पर जीएसटी का मसला फिलहाल फिटमेंट कमेटी को भेज दिया गया है. कमेटी की रिपोर्ट मिलने के बाद जीएसटी काउंसिल इस पर फैसला लेगी.

इसके अलावा ऑनलाइन पेमेंट पर जीएसटी का मामला भी फिटमेंट कमिटी पर भेज दिया गया है. यह मसला पिछले काफी दिनों से चर्चा में है. जीएसटी काउंसिल की 54वीं बैठक में हुए फैसलों की जानकारी बाद में दी जाएगी. जीएसटी काउंसिल की पिछली बैठक 22 जून, 2024 को हुई थी।

ज्वेलरी खरीदने वालों के लिए अवसर सोने की कीमत में बड़ी गिरावट

नई दिल्ली, 9 सितंबर्त (एजेंसियां)। अगर आप गोल्ड खरीदने का मूड बना रहे हैं तो यही सही समय है. सप्ताह के पहले कारोबारी दिन दिल्ली के बाजारों में गोल्ड की कीमत में बड़ी गिरावट देखने को मिली है. जिसके बाद कीमतें 74 हजार रुपए प्रति दस ग्राम से नीचे आ गई हैं. वहीं दूसरी ओर चांदी की कीमत में भी बड़ी गिरावट देखी गई और दिल्ली में कीमतें 2000 रुपए प्रति किलोग्राम धड़ाम हो गईं. विदेशी बाजारों में गोल्ड की कीमतें पूरी तरह से फ्लैट देखने को मिल रही है. जानकारों की मानें तो निवेशकों के मन में भ्रम पैदा हो गया है कि अमेरिकी सेंट्रल बैंक जॉब डाटा आने के बाद ब्याज दरों में कटौती संभव नहीं है. अगर होती भी है तो अनुमान से कम होंगी. जिसकी वजह से गोल्ड की कीमतों में गिरावट देखने को मिल रही है.ऑल इंडिया सराफा एसोसिएशन के अनुसार, देश की राजधानी दिल्ली में सोमवार को सोने की कीमत 700 रुपए गिरकर 73,500 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई. पीली धातु शुक्रवार को पिछले बंद में 74,200 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी. इस बीच, 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना भी 500 रुपए गिरकर 73,350 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गया, जो पिछले बंद में 73,850 रुपए था. वहीं

दूसरी ओर औद्योगिक इकाइयों और सिक्का निर्माताओं की ओर से कमजोर उठान के कारण सोने की तरह, चांदी की कीमतें भी सोमवार को 2,000 रुपए गिरकर 83,800 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गईं. पिछले सत्र में चांदी धातु 85,800 रुपए प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी. घरेलू स्तर पर, व्यापारियों ने पीली धातु की कीमतों में गिरावट का कारण विदेशों में कमजोर रुख के बीच स्थानीय आभूषण विक्रेताओं की ओर से कमजोर मांग को बताया.वहीं दूसरी ओर ग्लोबल मार्केट में गोल्ड और सिल्वर की कीमतें फ्लैट देखने को मिल रही हैं. कॉमेक्स के आंकड़ों के अनुसार गोल्ड फ्यूचर मात्र 2 डॉलर की तेजी के साथ 2,526.70 डॉलर प्रति ओंस पर कारोबार कर रहा है. वहीं दूसरी ओर गोल्ड स्पॉट के दाम 1.89 डॉलर प्रति ओंस की तेजी के साथ 2,499.30 डॉलर प्रति ओंस पर कारोबार कर रहा है. वहीं दूसरी ओर चांदी की कीमतों में भी एक फीसदी से भी कम की गिरावट देखने को मिल रही है।

निवेश-बचत: आसान कर्ज के जाल में न फंसें

बरतें सावधानी; अचानक बदलाव से होता है वित्तीय असर

नई दिल्ली, 9 सितंबर्त (एजेंसियां)। इंदौर का 37 वर्षीय महिपाल नौकरी की तलाश में जब बड़े शहर की ओर बढ़ा तो उसे गुरुग्राम में एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में नौकरी मिली। अकाउंटिंग में स्नातक महिपाल अपने गृहनगर में जितना सोचा था, अब उससे कहीं अधिक कमा रहा था। उसकी नौकरी के शुरुआती वर्ष बहुत रोमांचक थे। वह इस कदम से खुश था। वह कुछ दोस्तों के साथ रहा और भावनात्मक व वित्तीय साझेदारी ने उनके रोजाना के जीवन को दिलचस्प बना दिया। वह अपने वेतन का आधे से अधिक हिस्सा बचाने और इसे अपनी छोटी बहन की कॉलेज की शिक्षा के लिए घर भेजने और किसान पिता का समर्थन करने में सक्षम था। जब तक उसके घर में किसी की शादी नहीं होनी थी, तब तक सब ठीक था।

अचानक बदलाव से होता है

वित्तीय असर

अचानक उसके जीवन में बड़ा बदलाव आया। उसे किराया साझा करने के लिए एक नए दोस्त की तलाश थी। या फिर अपने दोस्त के साथ ज्यादा किराया देकर रहने की। या फिर अपने दोस्त को उसकी नवविवाहिता पत्नी के साथ रहने दे और खुद घर से बाहर निकल जाए। इस स्थिति से उसे जीवन में बदलते हालात और इसका वित्तीय प्रभाव समझ में आया। महिपाल का परिवार उसके पैसे पर निर्भर होता जा रहा था। जैसे-जैसे वह उम्र के 30 वर्ष के करीब पहुंच रहा था, उसे लगा कि उसके अधिकांश साथी शादीशुदा हो गए हैं या शादी करने वाले हैं। वह अपने विवाह से पहले 23 वर्षीय बहन की शादी का इंतजार कर रहा था। अब जब वह दोस्तों का साथ छोड़कर अकेले रहने निकला तो उसे वित्तीय बोझ का अहसास होना शुरू हुआ। हालांकि, उसे दो नए दोस्त मिल गए। उसे पहली बार अपनी बहन की शादी के लिए कर्ज लेने का सामना करना पड़ा। 2017 में उसने जो 5 लाख उधार लिया था, उसे लेकर वह अब भी परेशान था। यह एक पर्सनल लोन था जो बहुत ज्यादा ब्याज पर लिया गया था। साथ ही, उसे अपने माता-पिता के स्वास्थ्य के इलाज के लिए भी पैसे देने होते थे।

शादी के बाद बदला जीवन, बढ़ गए कर्ज

उसे नोएडा में एक बड़ी कंपनी में नौकरी मिल गई। लगा कि उसके सपने धीरे-धीरे सच हो रहे हैं। उसने अपने लिए एक साथी को भी तलाश लिया जिससे कुछ महीने बाद वह शादी करने वाला था। 30 साल की उम्र में शादी कर ली। पत्नी के साथ सुखमय जीवन शुरू करने के लिए फिर से उधार लिया। नई मोटरसाइकल, बड़ा टीवी और फ्लैट के लिए फर्नीचर की खरीद की। हालांकि, ये ऐसे खर्च थे, जिनके लिए कुछ समय तक इंतजार किया जा सकता था। हिमाचल में हनीमून पर हुए खर्च ने भी महिपाल को प्रभावित किया। ये सब कुछ किस्त पर था और उसको लग रहा था कि सारे कर्ज का भुगतान आराम से हो जाएगा।

हर माह 20-25 तारीख तक उधार की नौबत

महिपाल को 4-5 वर्षों के बाद ऐसी स्थिति का सामना करना पड़ा, जब उसके वेतन का 30 फीसदी हिस्सा कर्ज चुकाने में जा रहा था। शादी के दो साल के भीतर एक बच्चे का जन्म हुआ। इसे संभालने के लिए फिर से उधार लेना पड़ा।

भारत का सपना होगा पूरा, 2030 तक एक्सपोर्ट किंग बनने का है लक्ष्य

नई दिल्ली, 9 सितंबर्त (एजेंसियां)। भारत तमाम देशों से अपनी रणनीतिक साझेदारी बढ़ा कर निर्यात को मजबूत करने का प्रयास कर रहा बावजूद बीते वर्षों में दूसरे दशों में एक्सपोर्ट के आकड़े में गिरावट आई है. देश में बैंकों की स्थिती अस्थिर होने के कारण और दुनिया के कई हिस्सों में जारी युद्ध से प्रभावित ग्लोबल सप्लाई चेन का भी सरकार के इस लक्ष्य पर बुरा प्रभाव पड़ा है.बीते दो सालों में निर्यातकों को मिलने वाले मुनाफे में 5 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है. यह गिरावट मार्केट में दूसरे सेक्टर के बदलाव से बिल्कुल विपरीत हैं. यह आंकड़ा इसलिए भी चिंता का विषय है क्योंकि यह गिरावट निर्यात क्षेत्र के प्रमुख डीविजन में देखने को मिली हैं, जो 19,861 के लाभ के बाद 41% की गिरावट के साथ 11,721 करोड़ रुपए पर आकर थम गई.भारत ने 2030 तक 168 लाख करोड़ के निर्यात का लक्ष्य रखा है, इसलिए ऋण संकट को दूर करना समय की मांग है.

क्रेडिट की कमी के कारण कॉमर्स डिपार्टमेंट ने बैंकों की रेगुलेटरी बॉडी रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया और वित्त मंत्रालय को सवालों के घेरे में लाकर खड़ा कर दिया है.कमोडिटी की बढ़ती कीमत, माल ढुलाई दरों में वृद्धि सरकार के इस वीजन में एक रूकावट बनी हुआ है. फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशन (एफआईईओ) ने इन मुद्दों को निर्यातकों के लिए एक बड़ी बाधा के रूप में उजागर किया है. इसके अलावा, पश्चिम एशिया से लेकर लाल सागर तक निर्यातक जियो-पॉलिटिकल टेंशन के कारण बढ़ते दबाव का सामना कर रहे हैं।

अभी सस्ता नहीं होगा आपका इंश्योरेंस, जीएसटी परिषद में टल गया फैसला

नई दिल्ली, 9 सितंबर्त (एजेंसियां)।माल एवं सेवाकर से जुड़े मामलों पर अंतिम फैसला लेने वाली जीएसटी काउंसिल की 54वीं बैठक में सोमवार को एक बड़ा निर्णय लिया गया. इस बार की बैठक का सबसे मुख्य एजेंडा हेल्थ और लाइफ इंश्योरेंस के प्रीमियम पर लगने वाले 18 प्रतिशत जीएसटी टैक्स से छूट देने का रहा. काउंसिल की बैठक के लेटेस्ट अपडेट के मुताबिक आपका इंश्योरेंस फिलहाल सस्ता होने नहीं जा रहा है, क्योंकि इस मसले पर अंतिम फैसले को अगली बैठक तक टाल दिया गया है.जीएसटी काउंसिल की अध्यक्षता देश की वित्त मंत्री निर्मला सीमारमण करती हैं. इसमें सभी राज्यों के वित्त मंत्री या उनके प्रतिनिध शामिल होते हैं. इसलिए जीएसटी काउंसिल ही जीएसटी से जुड़े सारे फैसले करती है.जीएसटी काउंसिल की जारी बैठक के बीच से आई खबरों के आधार पर मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि जीएसटी परिषद में इंश्योरेंस प्रीमियम पर टैक्स में छूट को लेकर एक राय नहीं बन सकी है, इसलिए इसकी घोषणा करने को लेकर अभी फैसला नहीं हो सकता है. इस मुद्दे पर जीएसटी काउंसिल की अगली बैठक में फिर से विचार विमर्श किया जा सकता है.कुछ एक्सपर्ट का कहना है कि कुछ राज्यों में अभी चुनाव आचार संहिता लगी हुई है. इसलिए भी सरकार इस तरह की घोषणा से बच सकती है. वहीं इस पर फैसला विधानसभा चुनावों के बाद भी किया जा सकता है.हेल्थ इंश्योरेंस के प्रीमियम पर 18 प्रतिशत जीएसटी का मुद्दा काफी वक्त से चर्चा में है. केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने वित्त मंत्री को एक पत्र लिखकर इस टैक्स से राहत देने की अपील की थी, तब से ही विपक्ष इस मुद्दे को राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बनाए हुए है।

बैंकिंग स्टॉक्स में खरीदारी से बाजार में लौटी रौनक

शानदार तेजी के साथ बंद हुआ सेंसेक्स-निफ्टी

नई दिल्ली, 9 सितंबर्त (एजेंसियां)। हफ्ते का पहला कारोबारी सत्र भारतीय शेयर बाजार के लिए बेहद शानदार रहा. सुबह के उठापटक के बाद एफएमसीजी और बैंकिंग स्टॉक्स में जोरदार खरीदारी लौटने के चलते बाजार तेजी के साथ बंद हुआ है. हालांकि मिड-कैप और स्मॉल-कैप स्टॉक्स के इंडेक्स गिरकर बंद हुए पर ये भी निचले लेवल से रिकवर करने में कामयाब रहा है. बाजार बंद होने पर बीएसई सेंसेक्स 375 अंकों की तेजी के साथ 81,559 और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निउ्टी 84 अंकों के उछाल के साथ 24,936 अंकों पर बंद हुआ है.

गिरने और चढ़ने वाले स्टॉक्स

तेजी वाले शेयरों पर नजर डालें तो एचयूएल 2.84 फीसदी, आईसीआईसीआई बैंक 2.03 फीसदी, आईटीसी 1.95 फीसदी, कोटक महिंद्रा बैंक 1.59 फीसदी, इंडसइंड बैंक 1.40 फीसदी, एक्सिस बैंक 0.76 फीसदी, नेस्ले

0.55 फीसदी, अल्ट्राटेक सीमेंट 0.53 फीसदी, महिंद्रा एंड महिंद्रा 0.50 फीसदी, एचडीएफसी बैंक 0.50 फीसदी, बजाज फाइनेंस 0.37 फीसदी के उछाल के साथ बंद हुआ है. गिरने वाले शेयरों में टेक महिंद्रा 2.54 फीसदी, टाटा स्टील 1.16 फीसदी, एनटीपीसी 1.10 फीसदी, टाटा मोटर्स 0.71 फीसदी, पावर ग्रिड 0.41 फीसदी, टाइटन 0.41 फीसदी, एचसीएल टेक 0.35 फीसदी, जेएसडब्ल्यु स्टील 0.29 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है.

बाजार में तेजी पर मार्केट कैप फ्लैट

भारतीय शेयर बाजार शानदार तेजी के साथ बंद हुआ है. लेकिन मिड-कैप और स्मॉल-कैप के अलावा आईटी शेयरों में गिरावट के चलते मार्केट कैप फ्लैट क्लोज हुआ है. बीएसई पर लिस्टेड स्टॉक्स का मार्केट कैप 460.39 लाख करोड़ रुपये पर क्लोज हुआ है जो पिछले सत्र में 460.18 लाख करोड़ रुपये रहा था. यानि आज के सत्र में मार्केट कैप में केवल 21000 करोड़ रुपये का उछाल देखने को मिला है.

सेक्टोरल अपडेट

आज के ट्रेड में एफएमसीजी सेक्टर्स के शेयर्स स्टॉर परफॉर्मर्स रहे. निफ्टी का एफएमसीजी इंडेक्स 1290 अंकों के उछाल के साथ 64,465 अंकों परर क्लोज हुआ है. इसके अलावा बैंकिंग, फाइनेंशियल सर्विसेज, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स के शेयरों में तेजी रही. जबकि ऑटो, आईटी, फार्मा, हेल्थकेयर, एनर्जी, मेटल्स, ऑयल एंड गैस, रियल एस्टेट और मीडिया स्टॉक्स गिरकर बंद हुए।

दावा-एलन मस्क 2027 तक दुनिया के पहले खरबपति बन सकते हैं

गौतम अदाणी ट्रिलिनेयर सूची में दूसरे स्थान पर होंगे

नई दिल्ली, 9 सितंबर्त (एजेंसियां)।अरबपतियों की संपत्ति पर नजर रखने वाली संस्था इन्फॉर्मा कनेक्ट अकादमी की एक रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क 2027 तक दुनिया के पहले खरबपति बन सकते हैं। एकेडमी के अनुसार, इलेक्ट्रिक कार निर्माण कंपनी टेस्ला, निजी रॉकेट कंपनी स्पेसएक्स और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) के मालिक मस्क की संपत्ति में औसतन 110% सालाना की वृद्धि हुई है । ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के अनुसार मस्क 237 बिलियन डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के सबसे अमीर लोगों की सूची में शीर्ष पर बने हुए हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि ट्रिलियनेयर का दर्जा पाने वाले दूसरे उद्यमी भारत के व्यवसायी गौतम अदाणी होंगे। औद्योगिक समूह अदाणी समूह के संस्थापक और अध्यक्ष गौतम अदाणी की संपत्ति औसतन 123% वार्षिक दर से बढ़ रही है और यदि यह कुछ और वर्षों तक इसी गति से बढ़ती रही, तो 2028 तक अदाणी ट्रिलियनेयर सूची में दूसरे स्थान पर होंगे। अब तक दुनिया में केवल आठ कंपनियां ट्रिलियन डॉलर के बाजार पूंजीकरण को पार करने में सफल रही हैं, जिनमें माइक्रोसॉफ्ट, एपल, एनवीडिया, अल्फाबेट, अमेजन, सऊदी अरामको, मेटा और हाल ही सूची में शामिल

हुई वॉरेन बफेट की कंपनी बर्कशायर हैथवे है। संभावित खरबपतियों की सूची में तीसरे नंबर पर आश्चर्यजनक रूप से चिप और सेमीकंडक्टर दिग्गज एनवीडिया के सीईओ जेन्सेन हुआंग का नाम शामिल है। वे दुनिया के अमीरों की सूची में 18वें स्थान पर हैं और उनकी कुल संपत्ति 90 बिलियन डॉलर से अधिक है। मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग भी इस सूची में शामिल हैं और रिपोर्ट में संकेत दिया गया है कि इसमें छह साल का समय लगेगा, अर्थात 2030 तक, जब जुकरबर्ग ट्रिलियनेयर सूची तक पहुंच जाएंगे। इस बीच, मस्क ने हाल ही में नवंबर में होने वाले आगामी अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को अपना समर्थन देने की घोषणा की है और अब अमेरिकी राष्ट्रपति पद की होड़ काफी दिलचस्प होगी क्योंकि दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति ने रिपब्लिकंस का साथ देने का एलान किया है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह	स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	सिंह	मे	सिंह-	04-30 बजे
चंद्र-	वृश्चिक	मे	कन्या-	06-37 बजे
मंगल	मिथुन	मे	तुला-	08-43 बजे
बुध-	सिंह	मे	वृश्चिक-	10-53 बजे
गुरु-	वृष	मे	धनु-	13-06 बजे
शुक्र-	कन्या	मे	मकर...	15-13 बजे
शनि-	कुंभ.	मे	कुंभ-	17-03 बजे
राहु-	मीन	मे	मीन-	18-41 बजे
केतु-	कन्या	मे	मेष--	20-17 बजे
			वृष..	22-02 बजे
			मिथुन..	00-02 बजे
			कर्क..	02-15 बजे

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत्- 1946 सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -शरद
महावीर निर्वाण संवत् -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 06-06 सूर्यास्त. - 18-21
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल -- उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
तिथि- सप्तमी 23-12 तक उपरान्त अष्टमी
मास - भाद्रपद शुक्ल , मंगलवार 10 September
नक्षत्र - अनुराधा 20-03 तक उपरान्त ज्येष्ठा
योग - विष्कुंभ 00-30 तक उप प्रिति
करण- गर 10-38 तक उप वणिज
विशेष:- व्रत -त्योहार - संतान सप्तमी

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए ।

राहुकाल 15:17 से 16:49 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
रोग	06:07 - 07:37 अशुभ	काल	18:18 - 19:49 अशुभ
उत्पात	07:37 - 09:09 अशुभ	लाभ	19:49 - 21:17 शुभ
चंचल	09:09 - 10:41 शुभ	उत्पात	21:17 - 22:45 अशुभ
लाभ	10:41 - 12:13 शुभ	शुभ	22:45 - 00:13 शुभ
अमृत	12:13 - 13:45 शुभ	अमृत	00:13 - 0:41 शुभ
काल	13:45 - 15:17 अशुभ	चंचल.	01:41 - 03:09 शुभ
शुभ	15:17 - 16:49 शुभ	रोग	03:09 - 04:37 अशुभ
रोग	16:49 - 18:18 अशुभ	काल	04:37 - 06:07 अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

चीजें आपके अनुसार कार्य नहीं कर रही है जैसे की अपने योजना बनाई थी , लेकिन आपको इस कारण से आक्रामक नहीं होना चाहिए क्योंकि इससे आपके सारे प्रयास बर्बाद हो सकते हैं। कार्य में प्रगति के लिए आपको धैर्य की आवश्यकता होगी लेकिन ये इतनी आसानी से आपको नहीं मिलेगा ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

आपके कार्य क्षेत्र या करियर में परिवर्तन आने के संकेत हैं। अगर आप अपनी नौकरी बदलने के बारे में सोच रहे है, तो आज आपके अंतिम कदम उठाने की संभावना है। हो सकता है की आप अपना प्रशिक्षण संस्थान भी खोले जो की आप लंबे समय से करना चाहते थे । इस प्रक्रिया में, आपको कुछ जोखिम भी लेने पड़ सकते है।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

आज उत्तरार्द्ध में एक व्यापारिक यात्रा आपको करनी पड़ सकती है । यह बौद्धिक विवेक को बढ़ाने के लिए एक महान अवसर होगा। अगर आप अपने आप को बोझिल महसूस कर रहे है , तो पूर्वाद्ध में अवकाश लेकर अपने आप को तैयार करे की किस तरह से आप अपने आप को औरो के सामने प्रस्तुत करेंगे ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

आप अपने कार्यों को पूरा करने के लिए थोड़ा रुकने की जरुरत है एवं आपको कुछ समय निकालने की जरुरत है , ताकि आप अपने अतीत के अनुभवों पर विचार कर सके । आप अपने अतीत का मूल्यांकन करें की किस चीज़ को आपको बदलने की जरुरत है और किस चीज को ग्रहण करने की जरुरत है।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

अपना बेहतर प्रयास डाले । आपने दुसरो का समर्थन किया है परन्तु वे अपने बारे में अच्छा नहीं सोचते न जानते और आपके प्रयासों की सराहना करना वे भूल गए । आप ऐसे लोगों के बारे में चिंता न करे और अपने प्रयास जारी रखे ! अपनी कार्य के प्रति अपनी भावनाओ को लगाये न की उन लोगो के लिए जो आपको महत्व नहीं देते ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

आज आपको अपनी आय और व्यय का संतुलन करना मुश्किल होगा । आज अपनी आय की वृद्धि के लिए एक दूसरी नौकरी की तलाश शुरू करने के लिए भी ये सबसे अच्छा दिन है। आपको अपनी पसंद के हिसाब से कुछ कार्य मिल सकता है और यह अगले कुछ वर्षों में आपके प्राथमिक कार्य बनने की क्षमता रखता है ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आज आपको नयी नौकरी का प्रस्ताव मिल सकता है जो की आपके क्षेत्र से अलग होगा । आपको दोनों क्षेत्रो को आपस में तोलना होगा ताकि आप सही करियर का निर्णय ले सके , हालाँकि ये आपके लिए काफी चुनौतीपूर्ण होगा पर आप पूरी तरह से अपना कार्य क्षेत्र को न बदले । आप अपने परिवार या अपनी जीवन संगिनी का मत भी ले सकते है की कौन सा कार्य क्षेत्र आपके लिए उपयुक्त रहेगा ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

आज आपके लिए एक भाग्यशाली दिन है। आप किसी भी बैठक या बातचीत में शीर्ष पर रहेंगे। आप बहुत आसानी से किसी भी घुमावदार स्थिति से बाहर आ जाएंगे । आपके प्रयासों की सराहना की जाएगी। अगर आप एक संपत्ति में आज निवेश करने की योजना बना रहे हैं, तो आपको एक अच्छा सौदा मिल सकता है।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

आज का दिन अपने प्रयासों को तेज करने और अपनी महत्वाकांक्षाओं को आगे बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए सबसे अच्छा समय है । आप अपनी परियोजना के सफलतापूर्वक अंतः के लिए प्रतिबद्ध है जिसके लिए आप कड़ी मेहनत करेंगे । आपका संकल्प और अच्छे प्रयास बर्बाद नहीं होंगे और आप निकट भविष्य में अच्छे फल की उम्मीद कर सकते है ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

आज का दिन अपने विरोधियों को आमंत्रित करने एवं अपने बुनियादी ढांचे और अपनी ताक़त को दिखाने का एक सही दिन है। इसकी वजह से आपके धुर विरोधी बोली से पहले ही हार जाएंगे या किसी परियोजना पर आप अपने हस्ताक्षर कर पायेंगे जो की आपके व्यवसाय को आगे की और ले जाएगा ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

कार्यस्थल पर आपका ध्यान भटक सकता है जो की आपकी उत्पादकता को कम कर सकता हैं। कार्यालय में प्रेम प्रसंग की एक संभावना आपको अपने कार्य से दूर ले जा सकती है हालांकि, आपको वापस अपनी एकाग्रता लाने की जरूरत है। ऐसी कोई भी कार्रवाई करने से बचें जो आपके सहयोगियों को परेशान या आक्रामक बनाये ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

इस बात के काफी मजबूती से संकेत मिल रहे है की आप को अपनी नौकरी की वजह से विदेश जाना पड़ सकता है । जिन विद्यार्थियों ने वीसा के लिए आवेदन किया हुआ है उनका काम आज पूर्ण होने के आसार बन रहे है । आपका कार्य स्थान का परिवर्तन ऐसी जगह हो सकता है जिससे आप अनजान हो ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

कश्मीरी क्रिकेट बैट इंडस्ट्री आईसीयू में

व्यापारी बोले- पेड़ ही नहीं बचे, 2-3 साल में सब खत्म

अनंतनाग, 9 सितंबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। कभी बैट इंडस्ट्री कश्मीर की शान हुआ करती थी। जब से सचिन तेंदुलकर यहां आए तब से कश्मीरी विलो क्रिकेट बैट की डिमांड काफी बढ़ गई, लेकिन कश्मीरी विलो के पेड़ कम हो रहे हैं। इस बार विधानसभा चुनाव में कश्मीरी विलो पेड़ की तरफ ध्यान देने का मुद्दा भी काफी गरमाया हुआ है।

कश्मीर में एमजे स्पोर्ट्स नाम से बैट फैक्ट्री चलाने वाले जावेद अहमद बढ़ी डिमांड से तो खुश हैं, लेकिन कश्मीरी विलो पेड़ की घटती संख्या को लेकर तनाव में हैं। बैट इंडस्ट्री से जुड़े अनंतनाग के फौजुल कबीर भी ऐसा ही सोचते हैं। वे विधानसभा चुनाव के बाद चुनी हुई सरकार से उम्मीद करते हैं कि वो इस इंडस्ट्री को बचाने के लिए बड़े कदम उठाए।

वे कहते हैं, 'इस कश्मीरी बैट की पहचान पूरी दुनिया में है। इससे ना सिर्फ हिंदुस्तान की पहचान है, बल्कि लाखों लोगों का रोजगार भी जुड़ा है। अगर यही हालात रहे तो 2-3 साल में इंडस्ट्री खत्म न हो जाए।' अनंतनाग बैट इंडस्ट्री का हब है। लिहाजा यहां चुनाव में ये बड़ा मुद्दा भी है। जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव के लिए 3 फेज में इसी महीने वोटिंग होनी है। अनंतनाग में पहले फेज में 18 सितंबर को वोट डाला जाएगा।

श्रीनगर से करीब 38 किमी दूर चेरसो इलाके में हाईवे के किनारे बैट बनाने वाली फैक्ट्रियों की कतार है। इन्हीं में से एक दुकान के चारों तरफ क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर के बड़े-बड़े पोस्टर लगे हैं। इसी बैट फैक्ट्री में फरवरी 2024 में सचिन तेंदुलकर परिवार के साथ घूमने आए थे। तब कश्मीरी विलो क्रिकेट बैट काफी चर्चा में आया।

इस विधानसभा चुनाव को लेकर जावेद कहते हैं, 'कश्मीर में इलेक्शन में हम वोट डालेंगे। सरकार चुनी जाएगी। यहां पीडीपी वाले आए थे। नेशनल कॉन्फ्रेंस वाले भी आए थे। सब पार्टियां अच्छी हैं। पिछली बार सरकार की तरफ से लोग आए थे। वो कहे थे कि किसी तरह की दिक्कत नहीं आएगी, लेकिन हमें कोई खास फैसिलिटी नहीं मिली।' कश्मीर से कन्याकुमारी जाने वाले नेशनल हाईवे पर चेरसो से करीब 13 किमी दूर अनंतनाग के बिजबेहरा इलाके में दर्जनों क्रिकेट बैट फैक्ट्री हैं। ये इलाका अनंतनाग विधानसभा क्षेत्र में आता है।

4 सालों में कश्मीरी विलो क्रिकेट बैट ने बनाई खास पहचान

अनंतनाग में कश्मीर में जीआर 8 स्पोर्ट्स कंपनी अकेली आईसीसी एप्रूव्ड क्रिकेट बैट बनानी वाली यूनिट है। ओनर और एमडी फौजुल कबीर कहते हैं, 'हम एक आईसीसी एप्रूव्ड क्रिकेट बैट कंपनी हैं। पिछले 4 साल से हम क्रिकेट की दुनिया को कश्मीरी विलो बैट दे रहे हैं। ये पूरी तरह से मेड इन इंडिया प्रोडक्ट है।'

आखिर कश्मीरी विलो से बना बैट खास क्यों है? ये इंग्लिश विलो से कैसे अलग है? कबीर बताते हैं, 'पूरी दुनिया में विलो लकड़ी दो ही जगहों पर होती है। एक इंग्लैंड और दूसरी कश्मीर। इंग्लैंड में विलो क्रिकेट बैट की इंडस्ट्री काफी आगे बढ़ चुकी है। जिसकी वजह साफ थी कि उनके पास ब्रांडिंग और टेक्नोलॉजी थी।'

'हम इसलिए पीछे रह गए क्योंकि हमारे पास स्पेशल बैट बनाने की नॉलेज नहीं थी। हमने ये नहीं सीखा था कि इंटरनेशनल स्टैंडर्ड के क्रिकेट बैट कैसे तैयार किए जाते हैं। करीब 10 साल हमें ये सीखने में लग गए कि इंटरनेशनल क्रिकेट बैट बनाए कैसे जाते हैं। 2010 में हम इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल यानी आईसीसी पहुंचे। इंटरनेशनल प्लेयर्स से मिले। उनसे फीडबैक लिया। उनकी जरूरतों और पैमानों को समझकर कश्मीरी विलो से अंतरराष्ट्रीय दर्जे का बैट बनाया। फिर आईसीसी से एप्रूव्ड सर्टिफिकेट भी हासिल किया।

'इसके लिए हमने अपनी टेक्नोलॉजी डेवलप की। हमने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का सहारा लिया। इसके लिए हमने पेटेंट्स भी हासिल किए। हमारे पास बैट कंप्रेसर मशीन और वेट लूजिंग कैपेसिटी की ह्यूमिडिफायर मशीन का भी पेटेंट है।'

कबीर कश्मीरी विलो क्रिकेट बैट एसोसिएशन के चीफ स्पोक्सपर्सन भी हैं। वे कहते हैं, 'कश्मीरी विलो क्रिकेट बैट इंडस्ट्री का रॉ मटेरियल पेड़ से आने वाली लकड़ी होती है। कश्मीर में विलो के पेड़ खत्म होते जा रहे हैं। '3-4 साल पहले हमें विलो लकड़ी जिस कीमत पर मिलती थी, अब उसकी कीमत 4 गुना तक बढ़ गई है। लकड़ी की चिराई का काम करने वाली फैक्ट्रियों की संख्या भी कम हो गई है, क्योंकि लकड़ी की सप्लाई घटती जा रही है।'

'बैट बनाने वाली कुछ फैक्ट्रीज बंद हो चुकी हैं। हमें लगता है कि कश्मीर क्रिकेटिंग बैट इंडस्ट्री ICU में है। ये इंडस्ट्री अब डेथ बेड पर है। इस सिलसिले में हम LG से भी मिले हैं। उनसे हमने कश्मीर में खत्म होते विलो पेड़ की परेशानी पर बातचीत की। बैट बनाने की फैक्ट्री चलाने वाले इसरार अहमद कहते हैं, 'हमें अपने काम के लिए सरकारी मदद लेने में भी कई दिक्कतें आती हैं। जैसे प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम यानी जपीएसईजीपीPMEGP के जरिए बैंक जाते हैं, तो दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। आसानी से लोन नहीं मिलता, इसे आसान बनाना चाहिए।'

'रॉ मटेरियल की दिक्कत तो है ही। इसके लिए हमने LG से बात की है। हमारी एसोसिएशन ने लिखित में जानकारी भी दी है। कुछ मांगें पूरी हुई हैं, जबकि कुछ बाकी हैं। अब जो नई सरकार आएगी तो उससे हम चाहेंगे कि हमारी बैट इंडस्ट्री का प्रचार पूरी दुनिया में हो। इंग्लिश विलो बैट से कश्मीरी विलो बैट 10 गुना ज्यादा अच्छे हैं, लेकिन दुनिया इसके बारे नहीं जानती। इसमें हमें सरकार से मदद चाहिए।

आज से 100 साल पहले इंग्लैंड से लाकर विलो का पौधा कश्मीर में लगाया गया। कश्मीर में आने के बाद इंग्लैंड के विलो में कुछ म्यूटेशन (बदलाव) हुए। जिसकी वजह से इसके कलर में बदलाव आया। इंग्लैंड का विलो थोड़ा हरे शेड के साथ पीले रंग का होता है। वहीं कश्मीरी विलो सफेदी लिए हुए भूरे रंग का होता है।

इंग्लिश विलो ब्रिटल होता है। वो आराम से टूट जाता है। उसकी लाइफ कम होती है। कश्मीरी विलो सख्त होता है और इसकी लाइफ भी ज्यादा होती है।

कश्मीर विलो से जो क्रिकेट बैट इंडस्ट्री तैयार हुई है, उसमें करीब 400 फैक्ट्रियां हैं। इस इंडस्ट्री से डेढ़ लाख लोगों को नौकरियां मिली हैं। अब रॉ मटेरियल को लेकर खड़े हुए संकट के बाद इनकी नौकरियों पर भी खतरा मंडरा रहा है। हम पूरी दुनिया की 80% क्रिकेट बैट की डिमांड को पूरा करते हैं। हम दुनिया के सामने एक क्रिकेट बैट विकल्प के रूप में बनकर उभरे हैं। कश्मीरी विलो बैट इंडस्ट्री करीब 750 करोड़ रुपए का सालाना टर्नओवर देती है।

जम्मू कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस के चीफ स्पोक्सपर्सन इमरान अली कहते हैं, 'विलो क्रिकेट बैट इंडस्ट्री को बचाना और आगे बढ़ाना हमारे मेनिफेस्टो में शामिल है। कश्मीरी विलो हमारी इकोनॉमी की रीढ़ बन सकता है। जिस तरह इस विलो ट्री को टारगेट करने की कोशिश की गई, इसके पीछे कुछ वेस्टर्न इंटरेस्ट है। जब नेशनल कॉन्फ्रेंस की सरकार आएगी, तब हमारी प्राथमिकता विलो को बढ़ाने की होगी।' 'हमारे यहां इतनी क्षमता है कि हम पूरे देश में विलो ट्री सप्लाई कर सकते हैं। इस विलो ट्री को बढ़ाने के लिए कश्मीर से अच्छा मौसम कहीं नहीं मिल सकता है। हमारी इकोनॉमी के लिए ये गेमचेंजर बन सकता है। इसके जरिए हम सिर्फ इंडिया ही नहीं बल्कि दूसरे देशों में भी कश्मीरी विलो क्रिकेट बैट की सप्लाई कर सकते हैं।

पूर्व मंत्री मो. अकबर समेत चार के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज

बालोद, 9 सितंबर (एजेंसियां)। पांच सितंबर को शिक्षक दिवस के दिन बालोद जिले के डोंडी ब्लॉक के ग्राम ओडगांव के प्राथमिक शाला के हेडमास्टर देवेंद्र कुमार ठाकुर (57) ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी और उस शिक्षक ने अपने मौत के साथ एक चिट्ठी भी छोड़ी थी अब उस चिट्ठी के आधार पर बालोद जिले के डोंडी थाने में पूर्व वन मंत्री मोहम्मद अकबर सहित अन्य 3 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और मामले में जांच की जा रही है आपको बता दें कि सभी के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज हुआ है।

सुसाइड नोट के आधार पर एफआईआर

सुसाइड नोट के आधार पर मामले में डौंडी थाने में बीएनएस की धारा 108 के तहत मामला दर्ज किया गया है वहीं इसी मामले में अन्य 3 लोगो के खिलाफ नौकरी के नाम पर ठगी का मामला दर्ज किया गया है मामले में 40 से अधिक लोगो से 3

करोड़ 70 लाख से ज्यादा का ठगी करने की बात सामने आ रही है पूरे मामले को लेकर आगे की जांच में बालोद पुलिस ड्यूटी हुई है मामले में और भी कई खुलासे हो सकते हैं।

आपको बता दें कि हेडमास्टर देवेंद्र कुमार ठाकुर ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या की थी जो कि डौंडी विकास खण्ड के ओड़गाँव स्कूल में हेडमास्टर के पद पर पदस्थ था मृतक देवेंद्र कुमेटी पुलिस ने मौके से सुसाइड नोट किया बरामद सुसाइड नोट में अपनी मौत का जिम्मेदार चार लोगों को ठहराया था और नौकरी के नाम पर लाखों रुपए की ठगी करने की बाते सुसाइड नोट में कही थी नौकरी लगाने के नाम पर लाखों रुपए का लेनदेन होने की बाते सामने आ रही थी प्रारंभिक जांच के बाद अब मामला दर्ज कर लिया गया है।

'नीति-निर्माताओं की उदासीनता से पिछड़ी मूल आबादी'

सीएम सोरेन का आरोप- झारखंड को नहीं दिया महत्व

चाईबासा, 9 सितंबर (एजेंसियां)। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने आरोप लगाया कि राज्य के नीति निर्माताओं की उदासीनता ने स्थानीय आबादी को पिछड़ा बना दिया है। उन्होंने कहा कि झारखंड को 'सोने की चिड़िया' के नाम से जाना जाता था। यहां प्रचुर मात्रा में खनिज भंडार हैं, लेकिन स्थानीय आदिवासी और मूलवासी पीछे रह गए। उन्होंने आरोप लगाया कि नीति निर्माताओं ने कभी भी झारखंड को महत्व नहीं दिया और स्थानीय लोगों को मजदूरों के रूप में काम करने के लिए छोड़ दिया, जिससे आजीविका की तलाश में वे पलायन करने को मजबूर हो गए।

सीएम ने दावा किया कि झारखंड का 1.36 लाख करोड़ रुपये अभी भी केंद्र के पास बकाया है। कहा, 'अगर हमें राशि मिल जाती तो हम राज्य की किस्मत और दिशा बदल देते।'

सीएम सोरेन पश्चिमी सिंहभूम जिले के नोवामुंडी में एक कार्यक्रम में बोल रहे थे, जहां उन्होंने 201.83 करोड़ रुपये से अधिक की 96 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। लाभार्थियों के बीच 103.41 करोड़ रुपये की संपत्ति वितरित की। इससे पहले, उन्होंने 1980 में इसी दिन गुआ में बिहार पुलिस की गोलीबारी में मारे गए राज्य आंदोलनकारियों को समर्पित एक शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की।

गुआ गोलीबारी की घटना का जिक्र करते हुए सीएम ने कहा, 'हम इस दिन को कभी नहीं भूले हैं, क्योंकि हमारे शहीद हमारे मार्गदर्शक रहे हैं और हम उनके नक्शेकदम पर चलते हुए सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।' उन्होंने कहा, झारखंड योद्धाओं की भूमि रही है और आदिवासियों ने हमेशा अन्याय, शोषण और अत्याचार के खिलाफ लड़ाई लड़ी है।

उन्होंने कहा, 'हमने लंबे समय तक अलग राज्य के लिए लड़ाई लड़ी है और कई लोगों ने इस उद्देश्य के लिए अपने जीवन का बलिदान दिया है...आदिवासी खून की हर बूंद हमें मजबूत बनाती है। हम अपने अधिकारों के लिए लड़ते रहेंगे। सीएम ने कहा, जब से झामुमो के नेतृत्व वाली सरकार सत्ता में आई है, उसे शुरुआती दो वर्षों में वैश्विक महामारी और अब पिछले दो वर्षों से सूखे के खतरे सहित चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। दावा किया कि तमाम विपरीत परिस्थितियों के बावजूद उनकी सरकार ने जनता के हित में विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं को लागू करना जारी रखा है।

'मतदाताओं को लुभाने के लिए सरकारी खजाने का इस्तेमाल कर रही सोरेन सरकार', आजसू पार्टी प्रमुख का आरोप

रांची, 9 सितंबर (एजेंसियां)। 'ऑल झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन' (आजसू) पार्टी के प्रमुख सुदेश महतो ने हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली सरकार पर विधानसभा चुनाव से पहले मतदाताओं को लुभाने के लिए 'राजकोष का इस्तेमाल' करने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने अपने वादे पूरे नहीं करके राज्य के युवाओं और महिलाओं को धोखा दिया है।

रांची के प्रभात तारा मैदान में

'झारखंड नवनिर्माण संकल्प रैली' को संबोधित करते हुए महतो ने आरोप लगाया, ''सरकार राज्य में विधानसभा चुनाव से पहले मतदाताओं को लुभाने के लिए विभिन्न योजनाओं के नाम पर अपने खजाने का इस्तेमाल कर रही है।''

रैली में राज्य के विभिन्न जिलों से हजारों युवाओं ने हिस्सा लिया। महतो ने कहा, ''सरकार ऐसे समय में योजनाएं शुरू कर रही है, जब चुनाव में बस एक या दो महीने बचे हैं। अगर सरकार राज्य के लोगों के प्रति ईमानदार होती, तो वह इन योजनाओं को वर्षों पहले शुरू कर देती।''

उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने युवाओं को नौकरी और बेरोजगारी भत्ता न देकर धोखा दिया है। महतो ने कहा कि अगर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सत्ता में आया तो वह समाज के हर वर्ग, खासकर युवाओं और महिलाओं को ध्यान में रखते हुए राज्य के लिए नीतियां लागू करेगा। आजसू पार्टी राज्य में भाजपा की सहयोगी है।

शिवराज सिंह ने झामुमो सरकार पर बोला हमला

कहा- वोट के लिए चलाया गया आबकारी कांस्टेबल भर्ती अभियान

रांची, 9 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय कृषि मंत्री और भाजपा के झारखंड चुनाव प्रभारी ने हेमंत सोरेन सरकार पर हमला बोला। शिवराज सिंह ने कहा कि हेमंत सोरेन ने वोट के लिए आबकारी कांस्टेबल भर्ती अभियान चलाया था। जिसमें 12 लोगों की मौत हो गई। विधानसभा चुनावों की तैयारियों का जायजा लेने रांची पहुंचे केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि सीएम हेमंत सोरेन ने पांच लाख नौकरियों का वादा किया था। वह समझ गए यह पूरा नहीं किया जा सकता। इसलिए चुनाव को देखते हुए उन्होंने युवाओं को 10 किमी तक दौड़ाया। इससे 12 युवाओं की मौत हो गई। उन्होंने कहा कि 10 किलोमीटर की दौड़ कहीं नहीं हुई। शिवराज सिंह ने कहा कि बिना उचित व्यवस्था के हेमंत सोरेन सरकार ने वोट के लालच में युवाओं को गुमराह करने की साजिश रची। इसमें कई युवाओं की जान चली गई। चौहान ने आरोप लगाया कि सोरेन जानते थे कि इस वक्त भर्ती नहीं की जा सकती, चाहे कितने भी साक्षात्कार आयोजित कर लिए जाएं। उन्होंने आरोप लगाया

कि युवाओं की मौत महज हादसा नहीं वोट के लालच में की गई हत्या है। झारखंड के युवा सरकार को कभी माफ नहीं करेंगे।

झामुमो ने आरोप लगाया कि 2016 में भाजपा शासन में मूल्यांकन नियम में संशोधन किया था। पार्टी के एक पदाधिकारी ने कहा कि झारखंड आबकारी कांस्टेबल कैडर (भर्ती और सेवा शर्तें) नियम 2013 में एक उम्मीदवार को 1.6 किमी या छह मिनट में एक मील दौड़ने का प्रावधान किया गया था। .

झारखंड में 12 अगस्त को शुरू हुई आबकारी कांस्टेबल भर्ती शारीरिक परीक्षण अभियान को 12 युवाओं की मौत के बाद रोक दिया गया है।

लापता नाबालिग लखनऊ में मिली

ट्रक चालक ने किया दुष्कर्म, दो गिरफ्तार

रांची, 9 सितंबर (एजेंसियां)। पिछले महीने लापता हुई रांची की 13 वर्षीय लड़की को उत्तर प्रदेश के लखनऊ से बचाया गया। पुलिस ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया। लड़की के परिवारवालों ने बताया कि वह 16 अगस्त को स्कूल से अपने घर वापस नहीं लौटी थी, जिसके बाद उन्होंने पुलिस में लापता होने की शिकायत दर्ज कराई थी।

लड़की ने बताया कि उसे 16 अगस्त को एक युवक उसे बुंडू बस स्टैंड ले गया था, वहां से एक दूसरा युवक उसे पटना ले गया। तमाड़ थाना प्रभारी रौशन कुमार ने बताया कि लड़की को पटना में एक ट्रक में बैठाने के बाद युवक गायब हो गया। ट्रक चालक ने लड़की से दुष्कर्म किया और उसे लखनऊ में छोड़ दिया। उन्होंने आगे कहा, हमने दर्ज की गई एफआईआर के आधार पर दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पीड़िता के बयान में कई कड़ियां गायब हैं। हम इन कड़ियों को एक-एक कर जोड़ने की कोशिश कर रहे हैं।

पॉक्सो एक्ट के अलावा दुष्कर्म और मानव तस्करी की धारा के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस उपाधीक्षक रतिभान सिंह ने कहा, हमने जांच शुरू कर दी है। हम एफआईआर में पीड़िता के दावों की जांच में जुटे हैं। बाल अधिकार कार्यकर्ता बैद्यनाथ कुमार ने दावा किया कि लड़की को पटना में एक ट्रक चालक को बेच दिया गया था। उन्होंने कहा कि लड़की लोकल पुलिस को 20 अगस्त को मिली थी। उन्होंने बिना एफआईआर दर्ज किए लड़की को लखनऊ में राजकीय बालिका गृह के हवाले कर दिया।

दो साल के मासूम की तारपिन का तेल पीने से हुई मौत

बड़े भाई के साथ खेल रहा था मयंक, परिजनों में पसरा मातम

कोरबा, 9 सितंबर (एजेंसियां)। कोरबा में कोतवाली थाना क्षेत्र के तहत पुरानी बस्ती में दो साल के मासूम बच्चे की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि सूरज नीलू का परिवार निवास करता है पत्नी और दो बच्चे हैं एक 11 साल राजू और दूसरा मयंक कुमार सोमवार दोपहर 1 बजे मयंक और राजू दोनों भाई घर में खेल रहे थे उसके पिता सूरज कम पर गया हुआ था वही मां घर के आंगन में बर्तन धो रही थी इस दौरान खेल-खेल में 2 साल का मासूम मयंक ने एक प्लास्टिक के बोतल में रखें तारपीन तेल को पी गया इसके बाद बड़े भाई सूरज की नजर पड़ी और इसकी सूचना उसने अपनी मां को दी जहां तत्काल उसे जिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल लेकर पहुंचे जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया।

मृत मासूम के पिता सूरज नीलू ने बताया कि कोरबा स्थित कपड़े दुकान में काम करता है और रोज की तरह सुबह 10:00 बजे दुकान काम करने चला गया उसे फोन पर जानकारी मिली कि उसके बेटे ने तारपीन पी ली है जब अस्पताल पहुंचा तो उसकी मौत हो चुकी थी। सूरज ने बताया कि दो भाइयों में मयंक सबसे छोटा और लाडला था इस घटना के बाद परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

जिला अस्पताल चौकी प्रभारी दाऊद कुजूर ने बताया कि जिला मेडिकल कॉलेज से मिले मेमो के आधार पर परिजनों का बयान दर्ज किया गया है वही आगे की जांच कार्यवाही की जा रही है।

सीएम हाउस का घेराव करेगी कांग्रेस

12 सितंबर को सभी जिलों में धरना देंगे कांग्रेसी

रायपुर, 9 सितंबर (एजेंसियां)। इन दिनों छत्तीसगढ़ कांग्रेस फुल फार्म है। लगातार धरना प्रदर्शन कर राज्य सरकार पर दबाव बना रही है। अब महिला सुरक्षा को लेकर 10 सितंबर को महिला कांग्रेस मुख्यमंत्री निवास का घेराव करेगी। 11 सितंबर को पूरे प्रदेश में प्रेसवार्ता कर सरकार की कमियों को जनता से गिनायेगी। इसी तरह 12 सिंतबर को फिर इसी मुद्दे को लेकर जिला मुख्यालयों में भाजपा सरकार के खिलाफ धरना प्रदर्शन करेगी। इन दोनों कार्यक्रमों को लेकर कांग्रेस संगठन में जोरों पर तैयारी चल रही है।

कांग्रेस का कहना है कि जिस तरह से सरकार की कमियों को लेकर लगातार सरकार के सांसद, दो बार के सांसद सरकार को पत्र लिखे हैं कि हमने जुमला पत्र में बिन्दुवार उल्लेख किया है, लेकिन पूरा नहीं हुआ है। सरकार को चेतावनी भी दी है कि ये मांग को तत्काल पूरा करें। सरकार के वर्तमान विधायक बढ़ते अपराध को लेकर सरकार को चिट्ठी लिखते हैं कि अपराध बढ़ रहे हैं। अपराधियों का मनोबल बढ़ा हुआ है, इसलिये मेरे क्षेत्र में सीसीटीवी लगाया जाये। अपराध चरम पर है। इस सरकार को पत्र लिखने को मजबूर हैं। सरकार में मंत्री रहे वर्तमान सांसद है बृजमोहन अग्रवाल मीटिंग में और पूर्व मंत्री राजेश मूणत ने भी भरी मीटिंग में सरकार से अपराध को लेकर सवाल किया है।

कांग्रेस संचार विभाग के चेयरमैन सुशील आनंद शुक्ला ने बताया कि दो दिन पहले वर्तमान सांसद बृजमोहन अग्रवाल मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर बताया कि सरकार को प्रदेश में सीमेंट का रेट 50 रुपये बढ़ाया गया है, उसे वापस लेना चाहिये। सिर्फ कांग्रेस नहीं सरकार पक्ष के सांसद और विधायक ने भी सरकार से कानून व्यवस्था को लेकर प्रश्न चिन्ह खड़ा कर रहे हैं। एक तरफ तो सरकार दावा करती है कि इतने लाख लोगों हमने प्रधानमंत्री आवास स्वीकृति किये। दूसरी तरफ आम जनता गरीब जनता को लूटने का काम कर रही है। मैं पूछना चाहता हूं इस सरकार से क्या हमारे पास सीमेंट बनाने के लिये रॉ मटेरियल दूसरे प्रदेशों से लाना पड़ता है कि आप मनमाने तरीके से रेट बढ़ा रहे हैं। जबकि हमारे प्रदेश में रॉ मटेरियल की कमी नहीं है सीमेंट बनाने के लिये। बिजली हम यही पैदा करते हैं। कच्चा माल हमारे पास उपलब्ध है उसके बाद भी 50 रुपये सरकार ने किस लिए बढ़ाया? इसका जवाब सरकार से आना चाहिये।

उन्होंने कहा कि सरगुजा जिले के अंबिकापुर में एल्युमिनियम प्लांट में हाफर गिरने से 10 मजदूर दब गये हैं। ऐसी सूचना आयी है।

यूक्रेन का रूस पर आग उगलने वाले ड्रोन से हमला

लावा से रूस के जंगलों में आग लगी

कीव, 9 सितंबर (एजेंसियां)। यूक्रेन ने रूसी हमले का जवाब देने के लिए खतरनाक 'ड्रैगन ड्रोन' का इस्तेमाल शुरू कर दिया है। यूक्रेनियन डिफेंस मिनिस्ट्री ने बुधवार को सोशल मीडिया पर कई वीडियो पोस्ट किए हैं। वीडियो में दिख रहा है कि ड्रोन पेड़ों के ऊपर उड़ रहा है। वह लावा फेंक रहा है जिसकी वजह से जंगल में आग लग गई है। यूक्रेनी सेना ने पेड़ों की ओट में छिपे रूसी सैनिकों को खत्म करने के लिए इसका इस्तेमाल किया है। इस ड्रोन में थर्माइट का इस्तेमाल हुआ है जो एल्युमिनियम पाउडर और आयरन ऑक्साइड का एक मिश्रण है। यह 4 हजार डिग्री फारेनहाइट तापमान पर जलता है। यह ड्रोन जब उड़ता है तो इससे आग का लावा निकलता है जो कि पौराणिक कथाओं के ड्रैगन जैसा दिखाई देता है। यही वजह है कि इसे ड्रैगन ड्रोन कहा जाता है। इस ड्रोन से निकलने वाला लावा पेड़ ही नहीं बल्कि स्टील को भी पिघला सकता है।

रिपोर्ट के मुताबिक रूस और यूक्रेन दोनों ही देश इसका इस्तेमाल कर रहे हैं। रूस ने 2023 में पूर्वी यूक्रेनी शहर वुहलदार पर थर्माइट बम का इस्तेमाल किया। जलता हुआ थर्माइट जल्दी नहीं बुझाया जा सकता है इसलिए इसकी जद में आने वाले भारी वाहन हों या हथियार सभी बर्बाद हो जाते हैं।

अब यूक्रेन की 60वीं मैकेनाइज्ड ब्रिगेड इसका इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि ये ड्रोन इतने सटीक हैं कि कोई भी दूसरा इसका मुकाबला नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि जब हमारा 'विदार' उड़ेगा तो रूसी महिलाओं को नींद नहीं आएगी। विदार पुराने समुद्री लड़ाके वाइकिंग्स के देवता हैं जो बदला लेने के लिए जाने जाते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक थर्माइट को पहली बार 1890 में एक जर्मन केमिस्ट ने तैयार किया था। इसका इस्तेमाल मूल रूप से रेल की पटरियों को आपस में जोड़ने के लिए किया जाता था। लेकिन बाद में इसका इस्तेमाल जंग में भी होने लगा।

पहली बार युद्ध में जर्मनी ने इसका इस्तेमाल किया। उन्होंने ब्रिटेन पर एक जेप्लिन से इसे गिराया। जेप्लिन एक प्रकार का गुब्बारा होता है। इसके बाद दूसरे विश्व युद्ध में अमेरिका ने टोक्यो में इसका इस्तेमाल किया था। अमेरिकी सेना ने वियतनाम में भी इसका बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया था।

रिपोर्ट के मुताबिक सेना के खिलाफ इसके इस्तेमाल पर प्रतिबंध नहीं है मगर आम नागरिकों को इससे निशाना नहीं बनाया जा सकता है। संयुक्त राष्ट्र निरस्त्रीकरण कार्यालय के अनुसार आग लगाने वाले हथियार बड़े पैमाने पर विनाश और पर्यावरण को नुकसान पहुंचाते हैं और ऐसी आग पैदा करते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी सेना ने भी ग्रेनेड में थर्माइट का इस्तेमाल किया है। अमेरिकी सेना ने 1960 से 2014 तक थर्माइट वाले ग्रेनड को उत्पादन किया। यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद अमेरिका ने फिर से इसे बनाना शुरू कर दिया है।

बांग्लादेश सरकार ने आखिर क्यों मांगी हिंदू अधिकारियों की सूची! बड़े पदों से हटाने की तैयारी तो नहीं

ढाका, 9 सितंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने एक ऐसी चिट्ठी जारी की जिससे यहां रह रहे हिंदू अधिकारियों और कर्मचारियों में भय का माहौल पैदा हो गया है। दरअसल बांग्लादेश की अंतरिम सरकार की ओर से सभी मंत्रालयों में काम कर रहे हिंदू अधिकारियों की पूरी सूची मांगी है। इस सूची में देश के सभी मंत्रालयों और विभागों में काम करने वाले हिंदू धर्म से संबंधित समान रैंक के अधिकारी और उससे ऊपर के संयुक्त सचिवों तथा अन्य कर्मचारियों का पूरा ब्योरा मांगा गया है। बांग्लादेश में हाल के दिनों में हुए बड़े राजनीतिक घटनाक्रम के दौरान हिंदू संगठनों ने इस पर चिंता जताई है। अमर उजाला डॉट कॉम से बात करते हुए फ्रीडम फॉर हिंदू राइट्स इन बांग्लादेशी ऑर्गेनाइजेशन ने कहा कि बीते कुछ दिनों के भीतर बांग्लादेश में कई विभागों में हिंदुओं को नौकरी से इस्तीफा देना पड़ा है। इसलिए बांग्लादेश के अंतिम सरकार की ओर से आए इस आदेश को लेकर हिंदू अधिकारियों में दहशत है।

दरअसल बांग्लादेश के अंतरिम सरकार की ओर से 27 अगस्त को एक आदेश सभी अलग-अलग मंत्रालयों को भेजा गया। इस आदेश के मुताबिक मंत्रालयों से कहां गया कि सितंबर के पहले सप्ताह तक सभी हिंदू अधिकारियों की पूरी सूची सरकार को सौंपी जाए। हालांकि यह आदेश बहुत सीक्रेट तरीके से सभी मंत्रालयों को भेजा गया। अमर उजाला डॉट कॉम के पास बांग्लादेश सरकार के उस आदेश की कॉपी मौजूद है। फिलहाल इस आदेश के बाद बांग्लादेश के उन सभी मंत्रालयों में हड़कंप मच गया जहां पर हिंदू अधिकारी कार्यरत हैं। जानकारी के मुताबिक जो चिट्ठी अलग-अलग मंत्रालयों को जारी हुई है उसमें अंतरिम सरकार की ओर से कहा गया है की अधिकारियों और कर्मचारियों की पूरी रैंक के साथ जानकारी सितंबर के पहले सप्ताह तक उपलब्ध करा दी जाए।

इसके लिए बाकायदा बांग्लादेश सरकार ने न सिर्फ एक विशेष ईमेल आईडी जारी की है। बल्कि संबंधित मंत्रालय के अधिकारियों को सॉफ्ट और हार्ड कॉपी के तौर पर पूरी डिटेल उपलब्ध कराने का आदेश दिया है। अमर उजाला डॉट कॉम से बात करते हुए फ्रीडम फॉर हिंदू राइट्स इन बांग्लादेशी ऑर्गेनाइजेशन के सोमेश बनर्जी कहते हैं कि बांग्लादेश सरकार की चिट्ठी से यहां काम करने वाले हिंदू कर्मचारियों में दहशत का माहौल है। उनका कहना है कि जिस तरीके के हालात बांग्लादेश में इस समय बने हुए हैं उसमें हिंदुओं के लिए विशेष तौर पर मांगी गई जानकारी डर पैदा करती है की क्या उनकी नौकरियां या उनके पद सुरक्षित हैं या नहीं। दरअसल उनका तर्क है कि 5 अगस्त के बाद बांग्लादेश के अलग-अलग विश्वविद्यालय से तकरीबन पचास हिंदू शिक्षकों को नौकरी से निकाल दिया गया है। कई अलग अलग जगह पर इस तरीके की धमकियां हिंदुओं को दी जा रही हैं। अब ऐसे हालातों में सरकार की ओर से जुटाए जाने वाली जानकारी से डर का माहौल बन रहा है।

बनर्जी कहते हैं उनके संगठन ने चिट्ठी के जारी होने के बाद सरकार के नुमाइंदों से बात की तो उनको एक अलग ही बात बताई गई। वह कहते हैं उनको कहा गया कि यह सूची आने वाले दिनों में सरकार की ओर से हिंदू रीति रिवाज और त्योहार पर आमंत्रित किए जाने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को बुलाने के लिए तैयार की गई है। हालांकि फ्रीडम फॉर हिंदू राइट्स इन बांग्लादेशी ऑर्गेनाइजेशन का कहना है कि वह सरकार की दलील को नहीं मानते। क्योंकि जिस तरीके से बांग्लादेश में तख्तापलक के बाद हिंदुओं के साथ अत्याचार हो रहा है उसमें इस तरीके की चिट्ठी का जारी होना सिर्फ भय का माहौल ही पैदा करता है।

सूडान में गोलीबारी में 21 की मौत, 67 घायल

पोर्ट सूडान , 9 सितंबर (एजेंसियां)। दक्षिण-पूर्व सूडान से बड़ी खबर आई। यहां सेन्नार में एक बाजार में रविवार को भीषण गोलाबारी हुई। इस दौरान 21 लोगों की मौत हो गई और करीब 70 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूत्रों के मुताबिक, हमले के लिए अर्धसैनिक बलों को जिम्मेदार ठहराया गया है। सूडान डॉक्टर्स नेटवर्क ने भी हमले की पुष्टि की है। इस नेटवर्क को अप्रैल 2023 में युद्ध की शुरुआत के बाद स्थापित किया गया था। उनकी ओर से कहा गया कि घायलों की संख्या 70 से अधिक है। गोलाबारी के लिए अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्स (आरएसएफ) जिम्मेदार है। मोहम्मद हमदान डाग्लो के नेतृत्व में आरएसएफ देश के वास्तविक शासक अब्देल फत्ताह अल-बुरहान के अधीन सूडानी सेना से लड़ रहा है।

इससे पहले पिछले महीने पूर्वी सूडान में भारी बारिश के कारण एक बांध के टूटने से कम से 60 लोगों की मौत हो गई थी और दर्जनों लोग घायल हो गए थे। उत्तर अफ्रीकी देश में इन दिनों तरह-तरह की त्रासदियों से जूझ रहा है, जो पिछले एक साल से अधिक समय से गृहयुद्ध की चपेट में है।

सूडान के लिए ताजे पानी एक प्रमुख स्त्रोत था

खबरों के मुताबिक, अरबात बांध पास के लाल सागर के शहर पोर्ट सूडान के लिए ताजे पानी एक प्रमुख स्त्रोत था। चश्मदीदों ने बताया था कि इसके टूटने के बाद कई लोग लापता हैं। बांध टूटने से कई घर नष्ट हो गए। वाहन बह गए और लोगों को ऊंची जगहों पर जाने के लिए मजबूर होना पड़ा था। सूडान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बयान में बताया था कि पूर्वी लाल सागर में बना बांध बारी बारिश के कारण ढह गया। राज्य के मुख्य सिंचाई अधिकारी अमर ईसा ताहिर ने कहा था कि नुकसान बड़े पैमाने पर हुआ है।

ईरान ने रूस को भेजी सैकड़ों बैलिस्टिक मिसाइलें

इजरायल खुश और यूक्रेन परेशान

तेहरान, 9 सितंबर (एजेंसियां)। ईरान ने रूस को सैकड़ों की संख्या में बैलिस्टिक मिसाइलें भेजी हैं। यह दावा यूक्रेन के अधिकारियों ने किया है। उन्होंने कहा कि यह कदम यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के लिए ईरान के समर्थन में भारी वृद्धि को दर्शाता है। हालांकि, इसे इजरायल के लिए खुशी की बात बताया जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि इससे यह माना जा सकता है कि ईरान हाल फिलहाल में इजरायल पर हमला करने की नहीं सोच रहा। वहीं, यूक्रेन के लिए इसे खतरे का संकेत बताया जा रहा है। रूस इन बैलिस्टिक मिसाइलों से यूक्रेन में हमलों को बढ़ा सकता है। रूस ने फरवरी 2022 में यूक्रेन पर आक्रमण किया था और तब से अब तक जंग जारी है।

इस मामले से परिचित वरिष्ठ यूक्रेनी अधिकारियों के अनुसार, इस सप्ताह रूस के कैस्पियन सागर बंदरगाह पर 200 से अधिक फथ-360 शॉर्ट-रेंज बैलिस्टिक मिसाइलें पहुंचीं। यूक्रेनी अधिकारियों के अनुसार, सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइलों की रेंज 120 किमी तक है। आशंका है कि रूस इस मिसाइल का इस्तेमाल अपनी सीमा के करीब स्थित यूक्रेनी शहरों खारकीव और सुमी के बुनियादी ढांचे औ सीमावर्ती क्षेत्र में सैन्य ठिकानों पर हमला करने के लिए कर सकता है। यूक्रेनी अधिकारियों ने कहा कि ईरानी कम दूरी की मिसाइलों की डिलीवरी से रूस को अपनी लंबी दूरी की हाइपरसोनिक किंजल मिसाइल को तैनात करने में अधिक सुविधा होगी। किंजल रूस की कुछ सबसे अडवांस हथियारों में से एक है। ऐसे में रूस किंजल मिसाइल का इस्तेमाल यूक्रेन के अंदर काफी दूर मौजूद लक्ष्यों को साधने के लिए कर पाएगा।

इजराइल को हथियार देने पर रोक लगाने वाली याचिका खारिज

एससी बोला- विदेश नीति में दखल नहीं देंगे; आरोप-गाजा में बरसाए गए भारत के बम

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार, 9 सितंबर को इजराइल को हथियार देने पर रोक की मांग करने वाली याचिका को खारिज कर दिया है। इसमें याचिका में मांग की गई थी कि भारत की तरफ से इजराइल को हथियारों की सप्लाई पर रोक लगाई जाए। सुप्रीम कोर्ट ने विदेश नीति में हस्तक्षेप न करने का हवाला देते हुए याचिका को खारिज कर दिया है। याचिका में कहा गया था कि कई अंतरराष्ट्रीय नियम और संधियां हैं, जो वॉर क्राइम करने वाले देशों को हथियार सप्लाई करने से रोकती हैं।

सीनियर एडवोकेट प्रशांत भूषण और 10 अन्य लोगों ने यह याचिका दायर की थी। इसमें रक्षा मंत्रालय को पार्टी बनाया गया था। याचिका में वॉर क्राइम का हवाला दिया गया था।

इंटरनेशनल कोर्ट ऑफ जस्टिस ने 26 जनवरी को गाजा में हमले को लेकर इजराइल के खिलाफ कुछ नियम जारी करते हुए अस्थायी उपाय करने को कहा था। इन अस्थायी उपायों में फिलीस्तीनी लोगों पर इजराइल की तरफ से किए जा रहीं सभी हत्याओं और बर्बादी को रोकना भी शामिल था।

इस फैसले के आधार पर संयुक्त राष्ट्र के एक्सपर्ट्स ने एक स्टेटमेंट जारी करके इजराइल को हथियार और सैन्य उपकरण मुहैया कराने के खिलाफ वॉर्निंग दी थी। संयुक्त राष्ट्र ने कहा था कि अगर इजराइल को हथियार मुहैया कराए जाएंगे तो इसे मानवाधिकार और अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का उल्लंघन माना जाएगा और इसे जनसंहार समेत अंतरराष्ट्रीय अपराधों में गिना जाएगा।

इजराइल और हमास के बीच जारी जंग में मरने वाले फिलिस्तीनियों लोगों का आंकड़ा 40 हजार के पार हो गया है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने गुरुवार 15 अगस्त को इसकी जानकारी दी। गाजा पर इजराइली हमलों में अब तक 90 हजार से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। मंत्रालय की तरफ से जारी किए आंकड़ो में हमास के आतंकवादियों को भी शामिल किया गया है। मरने वालों की संख्या इससे भी अधिक हो सकती है। अभी भी कई शव मलबे में दबे हुए हैं।

भारत के जेम्स बॉन्ड अजीत डोभाल रुकवाएंगे यूक्रेन की जंग? पीएम मोदी का संदेश लेकर जा रहे मॉस्को

मॉस्को, 9 सितंबर (एजेंसियां)। भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल इसी सप्ताह 10-11 सितम्बर को रूस यात्रा पर जाने वाले हैं। वे वहां ब्रिक्स देशों के एनएसए की बैठक में हिस्सा लेंगे। डोभाल की यात्रा ऐसे समय हो रही है, जब कुछ दिन पहले ही रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने अपने बयान में यूक्रेन संघर्ष हल करने के लिए भारत और चीन पर भरोसा जताया था। चीन के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार वांग यी भी इस बैठक में मौजूद रहने वाले हैं। बैठक में यूक्रेन का संघर्ष एजेंडे में शीर्ष पर रहने वाला है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसी जुलाई में रूस की यात्रा की थी। इसके अगले महीने ही अगस्त में पीएम मोदी यूक्रेन पहुंचे। इसके बाद आए पुतिन के बयान ने साफ कर दिया है कि संघर्ष को रोकने में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका होने वाली है। यूक्रेन की यात्रा और राष्ट्रपति जेलेंस्की से मुलाकात के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने 27 अगस्त को राष्ट्रपति पुतिन से फोन पर बात की थी। रूस की तरफ से कहा गया कि फोन काल के दौरान पीएम मोदी ने पुतिन को अपनी हाल की कीव यात्रा के बारे में बताया। इस दौरान पीएम मोदी ने राजनीतिक और कूटनीतिक तरीकों से यूक्रेन समझौता करने की भारत की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। सूत्रों के अनुसार, इस फोन काल के दौरान ही यह तय किया गया कि एनएसए डोभाल मॉस्को जाएंगे। खास बात यह है कि जेलेंस्की से मुलाकात के बाद पीएम मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन से भी बात की थी, जो यूक्रेन का महत्वपूर्ण सहयोगी है।

ऐसा माना जा रहा है कि पीएम मोदी ने कीव यात्रा के दौरान राष्ट्रपति जेलेंस्की के साथ संघर्ष के हल को लेकर बात की थी। हिंदुस्तान टाइम्स ने एक वरिष्ठ अधिकारी के हवाले से बताया है कि 'भारत और दुनिया चाहती है कि यूक्रेन युद्ध समाप्त हो और इस संदर्भ में पीएम मोदी सभी पक्षों से बात कर रहे हैं। रूस और यूक्रेन के बीच मध्यस्थ बनने की उनकी कोई इच्छा नहीं है, लेकिन युद्ध को रोकने के लिए सभी पहलों का समर्थन करते हैं ताकि बच्चों और महिलाओं को मिसाइलों, रॉकेट और गोलियों का निशाना न बनाया जाए।'

एनएसए अजीत डोभाल रूस यात्रा के दौरान चीन और ब्राजील समेत अपने ब्रिक्स समकक्षों से मिलेंगे और इस बात पर चर्चा करेंगे कि कैसे यह समूह संघर्ष को समाप्त करने में पहल कर सता है। राष्ट्रपति पुतिन और पीएम मेलोनी दोनों ने पहले ही भारत और चीन से संघर्ष समाधान में भूमिका निभाने का आग्रह किया है। पीएम मोदी के रूस और यूक्रेन के नेताओं के साथ घनिष्ठ संबंध हैं। राष्ट्रपति पुतिन और पीएम मोदी के बीच अटूट दोस्ती है। पुतिन पीएम मोदी पर भरोसा करते हैं, तो भारतीय नेता ने जेलेंस्की को भी उन पर अविश्वास करने का आधार नहीं दिया है।

अपनी स्वतंत्र विदेश नीति के कारण भारत खुद को रूस और यूक्रेन के बीच शांति स्थापित करने में सक्षम होने की अनूठी स्थिति में पाता है। भारत ने संघर्ष के चलते बच्चों की मौत को लेकर खुले तौर पर दुख जताया है और इसे रोकने की अपील की है। वहीं, उसने सैन्य अभियान को लेकर सार्वजनिक तौर पर मॉस्को की सीधी निंदा भी नहीं की है।

जापान के प्रिंस हिसाहितो 18 साल के हुए

टोक्यो, 9 सितंबर (एजेंसियां)। जापान के प्रिंस हिसाहितो 6 सितंबर को 18 साल के हो गए हैं। वे शाही परिवार से पिछले 4 दशकों में व्यस्क होने वाले अकेले पुरुष हैं। प्रिंस हिसाहितो शाही परिवार के सबसे युवा सदस्य हैं। 17 सदस्य वाले शाही परिवार में सिर्फ 4 पुरुष हैं। हिसाहितो जापान के क्राउन प्रिंस अकिशिनो और क्राउन प्रिंसेस किको के बेटे और जापान के सम्राट नारुहितो के भतीजे हैं।

सम्राट नारुहितो और क्राउन प्रिंस अकिशिनो के बाद प्रिंस हिसाहितो ही जापान के राजसिंहासन के उत्तराधिकारी होंगे। 39 साल बाद शाही परिवार का कोई सदस्य व्यस्क हुआ है। हिसाहितो से पहले उनके पिता 1985 में वयस्क हुए थे। तब व्यस्क होने की आयु 20 साल थी। बाद में व्यस्क होने की आयु को 18 साल कर दिया गया था।

भारत के साथ खेल क्यों कर रहा अमेरिका

'उड़ता टैंक' देने में कर रहा देरी, अपाचे हेलिकॉप्टर का इंतजार कब खत्म होगा

वॉशिंगटन, 9 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय सेना को अमेरिकी बोइंग अपाचे अटैक हेलिकॉप्टरों का पहला बैच इस साल के अंत तक या अगले साल की शुरुआत में मिल सकता है। इस हेलिकॉप्टर की मारक क्षमता के चलते इसे उड़ता टैंक भी कहा जाता है। लंबे इंतजार और कई असफलताओं के बाद यह होने जा रहा है, जिसने भारत के रक्षा बलों की परिचालन तत्परता को प्रभावित किया है। द संडे गार्जियन ने रक्षा प्रतिष्ठान के सूत्रों के हवाले से बताया है कि शुरुआत बैच में तीन अपाचे हेलिकॉप्टर शामिल होने की उम्मीद है। बाकी तीन हेलिकॉप्टर पहले बैच की डिलीवरी के तीन से चार महीने बाद भारत आने का अनुमान है। हालांकि, बोइंग के इतिहास को देखते हुए इस डिलीवरी की सफलता को लेकर भारतीय अधिकारी उम्मीद के साथ सतर्क भी हैं। फरवरी में 2020 में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भारत यात्रा के दौरान इन हेलिकॉप्टरों की खरीद को लेकर डील फाइनल हुई थी। सौदे पर हस्ताक्षर के समय बोइंग ने फरवरी 2024 तक सभी छह हेलिकॉप्टरों की डिलीवरी करने की प्रतिबद्धता जताई थी, जो कि पूरी हो चुकी है। अब नई समयसीमा में भी काफी देरी होने की संभावना है। अगर बोइंग फरवरी 2025 की नई वादा की गई डिलीवरी तिथि को पूरा करने के लिए तेजी से काम नहीं करती, तो हेलिकॉप्टरों के मूल समयसीमा के कम से कम एक साल बाद तक पहुंचने की संभावना नहीं है।

हेलिकॉप्टर देरी से मिलना झटका

इन एडवांस हेलिकॉप्टरों के देरी से पहुंचने को भारत के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है। ऐसे में समझौतों में डिलीवरी पर देरी के लिए जुर्माने का प्रावधान किया जाता है। हालांकि, इस मामले में यह साफ नहीं है कि समयसीमा को पूरा न कर पाने के लिए बोइंग पर कोई आर्थिक दंड लगाया जाएगा या नहीं। द संडे गार्जियन ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि डिलीवरी में एक साल की देरी बोइंग के साथ भविष्य के खरीद अनुबंधों को प्रभावित कर सकती है।

भारत को पहले मिल चुके हैं 22 अपाचे

भारतीय सेना ने राजस्थान के जोधपुर में नए स्थापित 451 एविएशन स्क्वाड्रन के साथ इन हेलीकॉप्टरों को तैनात करने की योजना बनाई थी। इस स्क्वाड्रन को मार्च 2024 में इन हेलीकॉप्टरों को हासिल करने की उम्मीद के साथ बनाया गया था। भारतीय वायु सेना ने सितंबर में अपाचे हेलिकॉप्टरों को लेकर एक अलग सौदा किया था। इसके तहत भारत को 22 अपाचे मिल चुके हैं, जिसमें आखिरी हेलिकॉप्टर जुलाई 2021 में डिलीवर किया गया था।

अपाचे हेलिकॉप्टरों का इस्तेमाल मिस्र, ग्रीस, भारत, इंडोनेशिया, इजरायल, जापान, कोरिया, कुवैत, नीदरलैंड, कतर, सऊदी अरब, सिंगापुर, संयुक्त अरब अमीरात और यूनाइटेड किंगडम समेत 18 देश शामिल हैं।

भारत इन हेलिकॉप्टरों का संचालन करने वाला 16वां देश था। पिछले महीने पोलैंड अपाचे हेलिकॉप्टर हासिल करने वाला नवीनतम देश बन गया। इसके साथ ही अमेरिका ने हाल ही में दक्षिण कोरिया को अपाचे हेलिकॉप्टरों के लिए मंजूरी दे दी।

पाकिस्तान-अफगानिस्तान के बीच गोलाबारी में 8 तालिबानी लड़ाके मारे गए

2 कमांडर भी शामिल; पाक डिप्टी पीएम बोले- एक कप चाय की कीमत चुका रहे

इस्लामाबाद, 9 सितंबर (एजेंसियां)। तालिबान के कब्जे वाले अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच रविवार रात भारी गोलीबारी हुई। पाकिस्तानी वेबसाइट जियो न्यूज के मुताबिक इसमें कम से कम 8 तालिबानी लड़ाके मारे गए। वहीं, 16 घायल हुए हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि खोस्त प्रोविंस में बॉर्डर पर रात 9 बजे दोनों तरफ से गोलीबारी शुरू हुई जो चार घंटे तक चली।

सीमा सुरक्षा कर्मियों से जुड़े सूत्रों ने बताया कि मारे गए लोगों में अफगान तालिबान के 2 वरिष्ठ कमांडर खलील और जान मुहम्मद भी शामिल हैं। भिड़ंत में पाकिस्तान के कितने सैनिक हताहत हुए हैं इसकी जानकारी नहीं है।

इससे पहले भी पाकिस्तान-तालिबान के बीच 4 सितंबर की रात गोलाबारी हुई थी। दरअसल तालिबान सरकार पाकिस्तान से जुड़े सीमावर्ती इलाकों में नई चौकियों का निर्माण कर रही है। यही वजह है कि दोनों पक्षों के बीच आए दिन झड़प हो रही है।

पाकिस्तान और अफगानिस्तान को एक काल्पनिक डूरंड रेखा अलग करती है, लेकिन अफगानिस्तान ने इसे मान्यता नहीं दी है। अफगानिस्तान का मानना है कि ये रेखा जानबूझ कर ब्रिटिश अफसरों ने खींची थी ताकि पश्तो समुदाय का बंटवारा किया जा सके।

यही वजह है कि दोनों देशों के बीच इसे लेकर विवाद रहता है। जानकारों के मुताबिक पाकिस्तान को उम्मीद थी कि तालिबान शासन डूरंड लाइन को मान्यता देगा लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

दोबारा सत्ता में आने के बाद तालिबान ने पुरानी सरकार के रूख पर कायम रहते हुए सीमावर्ती इलाकों पर अपना दावा ठोक दिया। इसके इलावा तालिबान सरकार ने इन इलाकों में नई चौकियों को तैयार करना शुरू कर दिया।

इस बीच ब्रिटेन दौरे पर गए पाकिस्तान के उप-प्रधानमंत्री ने इस हालत का जिम्मेदार इमरान खान को बताया है। डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक इशाक डार ने कहा कि इमरान सरकार ने तालिबान का समर्थन करने और अशरफ गनी की सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए कई ऐसे आतंकियों को रिहा कर दिया जो आज देश के लिए मुसीबत बन चुके हैं। उन्होंने कहा कि ये आतंकी ही बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सैनिकों को निशाना बना रहे हैं।

डार ने लंदन स्थित पाकिस्तानी उच्चायोग में शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में बिना नाम लिए एक तीन सितारा जनरल का जिक्र किया। डिप्टी पीएम ने कहा कि एक कप चाय पीने के लिए काबुल गए एक श्री स्टार जनरल के फैसलों ने देश को काफी नुकसान पहुंचाया है। हम उस एक कप चाय की कीमत चुका रहे हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक तब जनरल हमीद काबुल दौरे पर गए थे। उन्हें एक वीडियो में चाय पीते हुए देखा गया था। पत्रकार के सवाल पूछने पर उन्होंने कहा था कि 'सब ठीक हो जाएगा'।

धरती की तरफ बढ़ रहा 'तबाही का देवता'

एस्टेरॉयड अफोफिस के खतरे पर मिली नई जानकारी, वैज्ञानिक परेशान

वॉशिंगटन, 9 सितंबर (एजेंसियां)। 'तबाही का देवता' के नाम से मशहूर विशाल एस्टेरॉयड 99942 अपोफिस एक बार फिर से चर्चा में हैं। एस्टेरॉयड को लेकर नए अध्ययन से पता चलता है कि यह पृथ्वी से टकराने की तरफ बढ़ रहा है, जिसने वैज्ञानिकों की चिंता बढ़ा दी है। वैज्ञानिकों ने पहले इसके पृथ्वी से टकराने की संभावना को खारिज किया था, लेकिन कनाडा के खगोलविद पॉल वीगर्ट ने एक ऐसी स्थिति के बारे में पता लगाया है जो हमारे गर्ह के लिए बड़ा खतरा पैदा कर रही है। कनाडाई विशेषज्ञ पॉल वीगर्ट के हालिया शोध ने अपोफिस के संभावित खतरे की चर्चाओं को फिर से हवा दे दी है। तबाही के देवता के नाम से मशहूर इस क्षुद्रग्रह के 2029 में पृथ्वी के करीब आने का अनुमान है।

क्या है 99942 अपोफिस?

99942 अपोफिस पृथ्वी के निकट करीब 1100 फीट व्यास (335 मीटर) का एस्टेरॉयड है। किट पीक नेशनल ऑब्जर्वेटरी के खगोलविदों ने इसे पहली बार 2004 में खोजा था। शुरुआत में इसे पृथ्वी के करीब सबसे खतरनाक निकटवर्ती पिंडों में से एक माना गया था। एस्टेरॉयड के 13 अप्रैल 2029 को पृथ्वी के बेहद करीब पहुंचने का अनुमान लगाया गया है। इसने संभावित टकराव की आशंका को बढ़ा दिया है। द प्लैनेटरी साइंस जर्नल में प्रकाशित एक हालिया अध्ययन में कहा गया है कि क्षुद्रग्रह से टकराने वाली एक 'छोटी वस्तु' भी नाटकीय रूप से इसे बदल सकती है। अध्ययन के लेखक पॉल वीगर्ट ने अध्ययन में अपोफिस से टकराने वाले किसी अन्य क्षुद्रग्रह की संभावनाओं की जांच की। अध्ययन के निष्कर्षों के अनुसार, 3.4 मीटर की एक छोटी वस्तु अगर 510 मीटर प्रति सेकंड से अपोफिस से टकराती है, तो यह एस्टेरॉयड की हमारे ग्रह से टक्कर का कारण बन सकती है। हालांकि, उन्होंने बताया कि ऐसी घटना होने और क्षुद्रग्रह के पृथ्वी की ओर जाने के मार्ग को बदलने की संभावना लगभग दो अरब में एक है। वीगर्ट ने अपने अध्ययन में आगे बताया है कि इस टक्कर से एस्टेरॉयड अपना रास्ता बदल सकता है, लेकिन इसके पृथ्वी की ओर मुड़ने की संभावना 5 प्रतिशत है। अध्ययन के मुताबिक, बाद में क्षुद्रग्रह के पृथ्वी से टकराने की संभावना दस लाख में एक से भी कम है, लेकिन वीगर्ट ने कहा कि प्रभाव का जोखिम बना हुआ है। वीगर्ट इसकी एक प्रमुख वजह बताते हुए कहते हैं कि मई 2021 से अपोफिस पर दूरबीनों के जरिए बड़े पैमाने पर निगरानी नहीं रखी गई है। पृथ्वी और सूर्य के सापेक्ष इसकी स्थिति के चलते 2027 तक ऐसा ही रहेगा। वैज्ञानिक इसके टकराव की संभावना बहुत कम बता रहे हैं, लेकिन यह हाल के इतिहास में पृथ्वी के इतने करीब से गुजरने वाले सबसे बड़े एस्टेरॉयड में से एक बना हुआ है।

आरपीएससी के पूर्व सदस्य कटारा-राईका को अजमेर लेकर आई एसओजी, अब खुलेंगे कई राज

अजमेर, 9 सितंबर (एजेंसियां)। उपनिरीक्षक भर्ती परीक्षा में पेपर लीक मामले में बड़ा अपडेट सामने आया है। डीआईजी पारिश देशमुख के नेतृत्व में एसओजी की टीम पेपर लीक के आरोपियों को अजमेर लेकर आई है।

जहां आरपीएससी कार्यालय में आमने-सामने बिठाकर पूछताछ की जा रही है। माना जा रहा है कि ऐसे में कई राज खुलने की संभावना है। साथ ही इस प्रकरण में आज शाम तक और भी गिरफ्तारी हो सकती है।

जानकारी के मुताबिक एसओजी की टीम आज दोपहर आरपीएससी के पूर्व सदस्य रामूराम राईका, उसके बेटे देवेश राईका, बेटी शोभा राईका और बाबूलाल कटारा को कड़ी सुरक्षा की बीच जयपुर से अजमेर लाया गया। जहां से सभी आरोपियों को आरपीएससी कार्यालय ले जाया गया। यहां चारों आरोपियों से आमने-सामने बिठाकर पूछताछ की जा रही है। ऐसे में शाम तक कई राज खुलने के बाद और भी गिरफ्तारियां हो सकती है।

कटारा के सीलबंद चैंबर को पुनः खुलवाया

सूत्रों के अनुसार बाबूलाल कटारा के सीलबंद चैंबर को पुनः खुलवाया गया है। अजमेर एसडीएम की मौजूदगी में कमरा खुलवाया गया है। वहीं, आरपीएससी के बाहर सिविल लाइन थाना पुलिस भी तैनात की गई है। बता दें कि चारों आरोपी 10 सितंबर तक एसओजी के रिमांड पर है और कोर्ट में पेशी से एक दिन पहले अजमेर में पूछताछ के लिए लाया गया है।

राजस्थान लोक सेवा आयोग के पूर्व सदस्य बाबूलाल कटारा, रामूराम राईका, देवेश राईका और शोभा राईका 10 सितंबर तक रिमांड पर चल रहे है। ऐसे में लगातार इन लोगों से पूछताछ की जा रही है। वरिष्ठ शिक्षक भर्ती परीक्षा पेपर लीक मामले में कटारा पहले से ही जेल में बंद था।

एसओजी ने प्रोडक्शन वारंट पर उसे एसआई भर्ती परीक्षा पेपर लीक मामले में गिरफ्तार किया था। वहीं, देवेश राईका और शोभा राईका की गिरफ्तारी के बाद पिता रामूराम राईका को एसओजी ने लंबी पूछताछ के बाद अरेस्ट किया था। आरोप है कि पिता रामूराम राईका ने ही बेटे और बेटी को परीक्षा से सात दिन पहले ही सॉल्वड पेपर दिया था।

आदिवासी समाज की हुंकार, हम हिंदू हैं, न कटेंगे-न बंटेंगे

जनजाति गौरव कार्यशाला में विशाल जनसमुदाय को संबोधित किया

उदयपुर, 9 सितंबर (एजेंसियां)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने अपने उदयपुर दौरे के दौरान पार्टी के सदस्यता अभियान की समीक्षा बैठक ली और आदिवासी गौरव बिरसा मुंडा जनजाति गौरव कार्यशाला में विशाल जनसमुदाय को संबोधित किया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ एक दिवसीय प्रवास पर उदयपुर पहुंचे और मैराथन बैठकों के माध्यम से कार्यकर्ताओं में जोश, उत्साह और नवसंचार का संचालन किया। उन्होंने भाजपा पदाधिकारियों के साथ सदस्यता अभियान की समीक्षा बैठक की, साथ ही भगवान बिरसा मुंडा जनजाति गौरव कार्यशाला में विशाल जनसमूह को संबोधित भी किया।

सुखाड़िया विश्वविद्यालय के गेस्ट हाउस में सदस्यता अभियान की समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा के सभी पदाधिकारियों के साथ कार्यकर्ताओं को सदस्यता अभियान में अपनी सक्रिय भूमिका निभानी है और सदस्यता अभियान के बारे में जानकारी देते हुए सदस्यता दिलवानी है। राठौड़ ने

कहा कि भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता, नेता और पदाधिकारी विभिन्न सामाजिक संगठनों से संपर्क कर भाजपा की विचारधारा वाले लोगों को सदस्यता ग्रहण करवाएं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के जनकल्याणकारी कार्यों से भी आमजन को अवगत करवाएं।

धर्मांतरण के खिलाफ एकजुट हुआ जनजाति समाज

आदिवासी गौरव समिति की ओर से सुखाड़िया विश्वविद्यालय के विवेकानंद सभागार में आयोजित बिरसा मुंडा जनजातीय गौरव कार्यशाला के जरिए जनजाति समाज ने अपनी संस्कृति व अधिकारों पर हमला करने वालों के खिलाफ आंदोलन का बिगुल बजा दिया। इस कार्यशाला में मेवाड़-वागड़ क्षेत्र के जनजाति समाज के जनप्रतिनिधियों समेत प्रबुद्धजनों, संत समाज, सेवारत व सेवानिवृत्त अधिकारी, कर्मचारी, युवा, विद्यार्थी व महिला वर्ग की प्रभावी उपस्थिति रही।

कार्यशाला के मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेशाध्यक्ष व राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने कहा कि क्षेत्र में जो समाज विरोधी ताकतें उठ खड़ी हुई हैं, उनसे सावधान रहने की जरूरत है। यदि आज चुप बैठे रहे तो इसकी आंच आपके घरों तक भी आएगी। छोटी-मोटी घटनाओं को समझें। कार्यशाला में सभी ने एक स्वर में कहा कि हम हिंदू हैं, न कटेंगे और नहीं बंटेंगे।

राठौड़ ने कार्यशाला के दौरान कहा कि जब अंग्रेज व मुगल आक्रांताओं ने भारत के एक राज्य पर आक्रमण किया तो उस समय पास के ही अन्य राजा बेपरवाह रहे। नतीजतन धीरे-धीरे उनके राज्यों पर भी आक्रमण हो गए वे भी पराधीन हो गए। आदिवासी समाज को भी अपनी संस्कृति की रक्षा के लिए अंग्रेजों की फूट डालो राज करो की नीति पर चलने वाले राजनीतिक दलों व उनके नेताओं को मुंहतोड़ जवाब देने की आवश्यकता है।

कार्यक्रम में सांसद मन्नालाल रावत, पूर्व सांसद महेंद्रजीत सिंह मालविया ने भी संबोधित किया। प्रदेश के जनजाति मंत्री बाबूलाल खराड़ी ने सावधानी हटी, दुर्घटना घटी विषय पर बोलते हुए कहा कि क्षेत्र में अंग्रेजों की नीति थी कि इधर मरे या उधर मरे, भारतीय ही मरें। उसी नीति को आगे बढ़ाने वाली बाप पार्टी के नेता भी आदिवासियों को ही मारने का काम कर रहे हैं।

प्रदेश अध्यक्ष राठौड़ ने लंबे समय से अस्वस्थ चल रहे पूर्व सांसद अर्जुनलाल मीणा से मिलकर उनकी कुशलक्षेम जानी। इसके बाद वे पूर्व सभापति युधिष्ठिर कुमावत के निवास पर भी पहुंचे और कुमावत की पत्नी सुंदर देवी के आकस्मिक निधन पर शोक संवेदना व्यक्त की। राठौड़ सुखाड़िया विश्वविद्यालय के पूर्व अध्यक्ष पंकज बोराणा के पिताजी एवं भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता राजेंद्र बोराणा के निधन पर उनके निवास पर भी पहुंचे और शोक संवेदना व्यक्त करते हुए परिवार को सांत्वना प्रदान की।

100 बीघा जमीन पर बनेगी टेंट सिटी

गुजरात की तर्ज पर होगा विकास

जयपुर, 9 सितंबर (एजेंसियां)। देश-दुनिया में टूरिज्म सिटी के नाम से विख्यात जयपुर जिले में अब लेक टूरिज्म शुरू होगा। विश्वविख्यात सांभर झील क्षेत्र में झपोक बांध के आस-पास 100 बीघा जमीन पर गुजरात के रण ऑफ कच्छ की तर्ज पर टेंट सिटी विकसित करने की योजना पर पर्यटन निगम ने काम शुरू कर दिया है। टेंट सिटी को पीपीपी मॉडल पर विकसित करने की योजना है। 100 बीघा जमीन के आवंटन के लिए पर्यटन निगम ने राज्य सरकार को प्रस्ताव भेजा है।

पर्यटक बढ़ने की उम्मीद

पर्यटन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, पौराणिक व ऐतिहासिक महत्व के सांभर कस्बे के पास देश की सबसे बड़ी खारे पानी की झील को देखने देश-विदेश से पर्यटक आते हैं। अक्टूबर से मार्च तक के पर्यटन सीजन में डेढ़-दो लाख पर्यटक झील देखने आते हैं। पर्यटन निगम के अधिकारियों का कहना है कि टेंट सिटी विकसित होने पर यहां लेक टूरिज्म बढ़ेगा और पर्यटकों की संख्या कई गुना बढ़ने की उम्मीद है।

फेस्टिवल शुरू, पर्यटकों को ठहराने के लिए टेंट सिटी

पर्यटन निगम के अधिकारियों ने बताया कि रण ऑफ कच्छ की तर्ज पर यहां सात दिवसीय फेस्टिवल का आयोजन शुरू किया है। लाखों की संख्या में आने वाले पर्यटकों के ठहरने व अन्य सुविधाओं को विकसित करने के लिए टेंट सिटी विकसित करने की योजना बनी।

शिक्षा मंत्री का बड़ा ऐलान

5 सालों में सभी को बनाएंगे साक्षर

कहा- निरक्षरता है राजस्थान के माथे पर कलंक!

जयपुर, 9 सितंबर (एजेंसियां)। अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के मौके पर शिक्षा मंत्री मदन दिलावर) ने कोटा में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में कहा कि अगले 5 सालों में राज्य सरकार पूर्ण रूप से साक्षरता लाकर रहेगी।

उन्होंने कहा कि अगले पांच सालों में शिक्षक की एक भी पोस्ट खाली नहीं रहेगी। निरक्षरता देश व प्रदेश के माथे पर कलंक है। करीब 80 लाख लोग अभी भी शिक्षा से वंचित हैं, उन्हें आने वाले पांच सालों में साक्षर बनाना है। बता दें, राजस्थान की वर्तमान साक्षरता दर 66.1 प्रतिशत है।

केंद्र सरकार की ओर से लोकसभा में दी गई जानकारी के मुताबिक, राजस्थान की वर्तमान साक्षरता दर 66.1 प्रतिशत है। कम साक्षरता दर के मामले में राजस्थान पूरे देश में तीसरे नंबर है। कम साक्षरता दर के मामले में बिहार और

अरुणाचल प्रदेश राजस्थान से आगे है।

केंद्र सरकार चलाती है ये योजना

केंद्र सरकार द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर साक्षरता दर और शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए कई सारी योजनाएं चलाई जा रही हैं। इनमें राष्ट्रीय साक्षरता मिशन, सर्व शिक्षा अभियान, पढ़े भारत-बढ़े भारत, बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, राष्ट्रीय कौशल विकास, प्रधानमंत्री ग्रामीण डिजिटल साक्षरता अभियान आदि शामिल है।

राजस्थान सरकार चला रही है ये योजना

राज्य सरकार द्वारा महिलाओं को डिजिटल रूप से साक्षर e) बनाने के लिए इसी वर्ष ई-सखी योजना शुरू किया गया है। बालिकाओं की स्कूल में उपस्थिति बढ़ाने के लिए भी राज्य सरकार द्वारा कई सारी योजनाएं चलाई जा रही हैं। वहीं निरक्षरों को अक्षर ज्ञान कराने के लिए राज्य ने चार वर्ष पहले बंद पडे.पढ़ना लिखना अभियान को शुरू किया। वहीं राज्य में बेटियों के लिए मुख्यमंत्री राजश्री योजनाएं भी चलाई जा रही हैं। इसका उद्देश्य है कि बेटियां माता-पिता पर बोझ न बनें।

जिस नदी पर 18 दिन पहले सहेलियों ने ली थी सेल्फी उसी नदी में डूबने से हुई मौत

धौलपुर, 9 सितंबर (एजेंसियां)। ऋषि पंचमी का दिन बोथपुरा गांववासियों को दर्द देकर चला गया। जहां गांव की चार बालिकाएं पार्वती नदी में शाही स्नान करने के दौरान गहरे पानी में समा गईं। पानी में डूबने से पहले उन चारों ने अपनी जान बचाने को काफी जद्दोजहद की और लोगों को पुकारा। मगर घाट पर मौजूद लोगों ने उनकी पुकार नहीं सुनी और चारों बालिकाएं देखते ही देखते पानी में बह गई।

घटना के बाद गांव में चहुंओर मातम फैल गया। हर किसी की आंखें नम हो रही थीं। तब से ही बालिकाओं की तलाश में एसडीआरएफी की टीम लगी हुई थी अब दूसरे दिन जाकर आज सोमवार को चारों लड़कियों का शव बरामद हुआ है। घटना से गांव में मातम पसरा हुआ है। स्थानीय पुलिस ने चारों शव कब्जे

में लेकर अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिए हैं।

मनियां के बोथपुरा गांव में हृदय विदारक घटना ने सभी की आंखें पानी से छलका दीं। ऋषि पंचमी होने के कारण गांव की चार बालिकाएं गांव की ही अन्य महिलाओं के साथ पार्वती नदी में ऋषि पंचमी पर स्नान करने को गई थीं। जहां नदी का जलस्तर बढ़ने से बालिकाओं को गहराई का पता नहीं चला और पानी में समा गईं। पानी में डूबने से पहले चारों बालिकाओं ने घाट पर मौजूद लोगों को पुकारा लेकिन उनकी आवाज किसी के कानों तक नहीं पहुंची।

बालिकाओं के डूबने की जानकारी जब गांव के लोगों को लगी तो वह नदी की तरफ दौड़ पड़े और उनको ढूंढने की काफी जद्दोजहद की गई। थाड़ी देर बाद एसडीआरएफ की टीम को बुला लिया गया। देर रात तक उन बालिकाओं का कोई सुराग नहीं लगा। चारों बालिकाओं में अंजली (19), तनु (15), मोहिनी (18) और प्रिया (16) वर्ष शामिल हैं। इनमें तनु और अंजलि दोनों सगी बहनें बताई जा रही हैं।

गांववालों ने बताया कि चारों लड़कियां पढ़ाई में होनहार थी। इसमें तनु पुत्री कमल सिंह 9वीं कक्षा, अंजलि पुत्री कमल सिंह ने बीते साल 12वीं पास कर चुकी है।

दर्दनाक हादसा, स्कूली गाड़ी पलटी, 2 बच्चों की मौत, 14 घायल

जोधपुर, 9 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान से इस वक्त एक दुखद खबर सामने आ रही है। दरअसल फलोदी जिले के रणीसर गांव में हुए एक हादसे में दो स्कूली बच्चों की मौत हो गई। हादसा मोरिया से पड़ियाल मार्ग पर हुआ। हादसे में 14 बच्चों के घायल होने की भी सूचना है।

बता दें कि एक प्राइवेट स्कूल के बच्चों को लेकर जा रही लोडिंग गाड़ी कैंपर सोमवार सुबह पलट गई। प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि बारिश के कारण सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे हो चुके थे। इसके कारण ड्राइवर ने गाड़ी पर से नियंत्रण खो दिया और गाड़ी पलट गई। गाड़ी के नीचे दबने से दो बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई। अन्य बच्चों को भी मामूली चोटें आई हैं। 10 बच्चों को सरकारी अस्पताल भेजा गया है, वहीं 4 बच्चों को प्राथमिक उपचार के लिए प्राइवेट अस्पताल ले जाया गया है। वहीं हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। ग्रामीणों ने बताया कि गाड़ी अनियंत्रित होकर पहले सड़क किनारे झाड़ियों में घुसी फिर पेड़ से टकराकर पलट गई, जिसके नीचे बच्चे दब गए। ग्रामीणों ने बड़ी मुश्किल से बच्चों को गाड़ी से निकाला। वहीं हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस और एंबुलेंस भी मौके पर पहुंची और घायल बच्चों को अस्पताल भिजवाया गया। बता दें कि गाड़ी मरुस्थल पब्लिक स्कूल की बताई जा रही है।

सात दोस्तों ने पहले ठेके से ली शराब

फिर पोंड में लगाई छलांग; पैर फिसलने से एक की मौत

सीकर, 9 सितंबर (एजेंसियां)। सीकर-सालासर रोड पर कुमास जागीर गांव में एक शराब ठेके पर शराब लेने के बाद सात दोस्त खेत में बने फॉर्म पोंड (तालाब) में नहाने लगे। तैरना नहीं आने के कारण युवक डूबने लगे। खेत मालिक की तत्परता से दो युवकों को डूबने से बचा लिया लेकिन एक युवक डूब गया। युवक के डूबने की सूचना नेछवा पुलिस को दी गई। थानाधिकारी रामकिशन यादव मौके पर पहुंचे और तुरंत उन्होंने पौंड में छलांग लगा दी।

इसके बाद थानाधिकारी ने लोगों की मदद से युवक को फार्म पौंड से बाहर निकाला। युवक को तत्काल नेछवा के उप जिला चिकित्सालय पहुंचाया गया। जहां चिकित्सकों ने युवक को मृत घोषित कर दिया।

नेछवा थानाधिकारी रामकिशन यादव ने बताया कि मृतक युवक अरशद खान (28) पुत्र मोहिद्दीन खां कायमखानी जाजोद गांव का रहने वाला था। अरशद अपने साथियों के साथ दो गाड़ियों में हर्ष पर्वत पर घूमने जा रहा था। कुमास जागीर में हाईवे के समीप बने शराब ठेके पर सभी युवकों ने उतरकर शराब ली। घूमते-घूमते युवकों को ठेके के पास ही एक फार्म पौंड बना हुआ मिल गया। युवकों ने नहाने की योजना बनाई, लेकिन उनमें से किसी को तैरना नहीं आता था।

खेत मालिक राम सिंह ने बताया कि युवकों को नहाने-कूदते देख वह दौड़कर तालाब के पास गया। मना करने पर चार युवक बाहर आ गए। लेकिन तीन युवक तालाब के अंदर ही नहाने लगे। अचानक तीनों के पैर फिसल गए और तीनों तालाब में डूबने लगे। युवकों को अंदर डूबता देख राम सिंह ने अपने बेटे हरि सिंह को रस्सी लाने के लिए बोला। तालाब में रस्सी डाली तो दो युवक रस्सी के सहारे बाहर आ गए। लेकिन एक युवक अरशद रस्सी नहीं पकड़ पाया और अंदर ही रह गया।

कोई उपाय नहीं सूझा तो फौरन नेछवा पुलिस को सूचना दी। बाद में थाना अधिकारी ने आकर अरशद को बाहर निकाला। जानकारी के अनुसार खेत मालिक राम सिंह ने वाटरशेड की योजना से हाल ही में खेत में सिंचाई के लिए फॉर्म पौंड बनवाया था।

थानाधिकारी ने बताया कि जाजोद निवासी सातों दोस्त गांव से दो गाड़ियों में हर्ष घूमने निकले थे। अरशद व शरीफ, संजय, अमित नहाने तालाब में गए। अरशद के डूबने के बाद अन्य वहां से डर के मारे भाग निकले। मृतक अरशद दो भाई हैं, अरशद व उसके पिता विदेश रहते हैं। मृतक शादीशुदा था और उसके एक बच्ची है।

रिश्वत लेते ई-मित्र संचालक को रंगे हाथों पकड़ा, तहसीलदार के लिए मांग रहा था घूस

कोटा, 9 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के कोटा में एसीबी ने बड़ी कार्रवाई की है। एसीबी ने ई-मित्र संचालक को पांच हजार रुपए रिश्वत लेते पकड़ा है। दरअसल भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की कोटा इकाई ने आज कार्यवाही करते हुए कोटा के चेचट से तहसीलदार के लिए 5 हजार रुपए की रिश्वत राशि लेते ई-मित्र संचालक हरीश मण्डोत को गिरफ्तार कर लिया। ट्रैप की कार्रवाई से चेचट तहसील में हड़कंप मच गया।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि 'परिवादी ने एसीबी में शिकायत दी थी। जिसमें बताया कि उसकी बहन के मकान की गिफ्ट डीड की रजिस्ट्री करवाने की एवज में आरोपी हरीश मण्डोत तहसीलदार के लिए 7 हजार रुपए रिश्वत की मांग करके परेशान कर रहा था। जिस पर एसीबी टीम ने कार्यवाही की और ई-मित्र संचालक को रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। अब आरोपी से पूछताछ चल रही है और मामले की जांच की जा रही है।'

डाई नदी के बहाव में कंटेनर बहा, ड्राइवर सुरक्षित, हादसे के बाद प्रशासन ने रास्ता बंद करवाया

अजमेर, 9 सितंबर (एजेंसियां)। प्रदेश के केकड़ी जिले में पिछले तीन दिनों से रुक-रुककर हो रही बारिश के कारण जिले के धुंवालिया के पास डाई नदी की रपट पर पानी के तेज बहाव के कारण एक कंटेनर बह गया। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद कंटेनर ड्राइवर को सुरक्षित बचा लिया।

हादसे के बाद हरकत में आए प्रशासन ने रपट पर कंटीली झाड़ियां डालकर रास्ते को बंद किया। ज्ञात रहे कि इससे पहले भी एक ट्रक पानी

के तेज बहाव में फंसा था, जिसे कड़ी मशक्कत से निकाला गया था। बावजूद इसके प्रशासन ने समय रहते रास्ता बंद नहीं किया, जिसके कारण वाहन चालक अपनी जान जोखिम में डालकर तेज बहाव से वाहन निकालने का प्रयास करते रहते हैं और इस तरह के हादसे हो रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि कंटेनर चालक को रपट पर कंटेनर नहीं चलाने के लिए भी चेतावनी दी थी मगर कंटेनर चालक ने किसी की नहीं सुनी और वह रपट पर कंटेनर को आगे की ओर ले गया। इसी दौरान संतुलन बिगड़ने के कारण कंटेनर बारिश के पानी में बहने लगा। हादसा होते देख ग्रामीणों ने सूझबूझ के साथ तुरंत ड्राइवर को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

एलजी ने लेह में एसएलडीसी सह नवीकरणीय ऊर्जा निगरानी केंद्र की आधारशिला रखी

लेह, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज निवास, लेह में आज आयोजित एक भव्य समारोह में, एलजी ब्रिगेडियर (डॉ) बी डी मिश्रा (सेवानिवृत्त) ने एडवोकेट ताशी ग्यालसन, अध्यक्ष/मुख्य कार्यकारी पार्षद, एलएएचडीसी, लेह, डॉ. पवन कोतवाल, आईएएस उपराज्यपाल लद्दाख, के सलाहकार, आर.के. त्यागी, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, नवीन श्रीवास्तव, निदेशक (प्रचालन), पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटे , राम नरेश तिवारी, चेतन बंसीलाल कांकरिया, स्वतंत्र निदेशक पावरग्रिड और विक्रम सिंह मलिक, आईएएस, प्रशासनिक सचिव, पावर डेवलपमेंट विभाग की गरिमामयी उपस्थिति में लद्दाख के राज्य भार प्रेषण केंद्र (एसएलडीसी) सह नवीकरणीय ऊर्जा निगरानी केंद्र (आरईएमसी) की आधारशिला रखी।

इस अवसर पर पावरग्रिड के राजेश कुमार, कार्यपालक निदेशक,उत्तरी क्षेत्र -II, विक्रम सिंह भाल, कार्यपालक निदेशक सीएमजी समन्वय, दमन यादव, कार्यपालक निदेशक (जीए एंड सी), के साथ साथ लद्दाख जिला प्रशासन, पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, पावर डेवलपमेंट डिपार्टमेंट यूटी लद्दाख और अन्य महत्वपूर्ण विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। यह लद्दाख के ऊर्जा बुनियादी ढांचे को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होने वाला है।

अत्याधुनिक स्काडा/ईएमएस प्रणाली और नवीकरणीय ऊर्जा प्रबंधन केंद्र से लैस यह नया राज्य भार प्रेषण नियंत्रण केंद्र न केवल बिजली पारेषण और वितरण की विश्वसनीयता और दक्षता बढ़ाने के लिए बल्कि टिकाऊ ऊर्जा के भविष्य को भी अपनाने के लिए भारत सरकार की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। लद्दाख जैसे क्षेत्र में, जहां ऊर्जा परिदृश्य अद्वितीय है और कठोर मौसम, भारी बर्फबारी और कम आबादी वाले और दूरदराज के आवासीय प्रतिष्ठानों जैसी चुनौतियां मौजूद हैं, उक्त योजना विश्वसनीय और कुशल बिजली प्रबंधन सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। जबकि अक्षय ऊर्जा प्रबंधन केंद्र स्वच्छ और टिकाऊ ऊर्जा स्रोतों के एकीकरण करेगा। 532 किलोमीटर (28 लिंक) के ऑप्टिकल ग्राउंड वायर (ओपीजीडब्ल्यू) पर आधारित उन्नत संचार प्रणालियों का एकीकरण मजबूत, सुरक्षित और वास्तविक समय की कनेक्टिविटी सुनिश्चित करेगा, जिससे अधिक परिचालन दक्षता और लचीलापन को बढ़ावा मिलेगा।

एसएलडीसी सह आरईएमसी केंद्र गुणवत्ता, सुरक्षा और विश्वसनीयता सुनिश्चित करके लद्दाख संघ शासित प्रदेश के वास्तविक समय ग्रिड प्रबंधन, नवीकरणीय ऊर्जा प्रबंधन के पूर्वानुमान और समय-निर्धारण द्वारा नवीकरणीय ऊर्जा प्रबंधन, लद्दाख के पावर नेटवर्क की वास्तविक समय दृश्यता और उत्तरी लोड डिस्पैच सेंटर, नई दिल्ली के साथ एकीकरण में सहायक होगा। पावरग्रिड को विद्युत मंत्रालय (एमओपी) द्वारा राज्य भार प्रेषण केन्द्र (एसएलडीसी) सह नवीकरणीय ऊर्जा प्रबंधन केन्द्र (आरईएमसी) की स्थापना के लिए परियोजना कार्यान्वयन एजेंसी (पीआईए) की भूमिका सौंपी गई है। एसएलडीसी सह आरईएमसी को प्रणाली की पूर्ण संस्थापना और कमीशनिंग के बाद एलपीडीडी को सौंप दिया जाएगा।

(डॉ) बीडी मिश्रा ने सलाह दी कि एसएलडीसी सह आरईएमसी का निर्माण लद्दाख के पावर इंफ्रा-स्ट्रक्चर में प्रमुख स्तंभ के रूप में किया जाए और लद्दाख के भार प्रबंधन में इसके महत्व पर जोर दिया और कहा कि परियोजना को समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए। ताशी ग्यालसन ने लद्दाख के भार के प्रबंधन में एसएलडीसी की महत्वपूर्ण भूमिका के साथ-साथ लद्दाख के नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के कुशल प्रबंधन में आरईएमसी की भूमिका को भी दोहराया।

आर. के. त्यागी ने लद्दाख के बिजली बुनियादी ढांचे के विकास के लिए पावरग्रिड की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने इस तथ्य पर जोर दिया कि पावरग्रिड यह सुनिश्चित कर रहा है कि इस खूबसूरत क्षेत्र के हर कोने में विश्वसनीय और गुणवत्तापूर्ण बिजली तक पहुंच हो। पावरग्रिड अंतर-राज्यीय बल्क पावर ट्रांसमिशन में लगी हुई है। पावरग्रिड में 177,790 सीकेएम ट्रांसमिशन लाइन, 278 सब-स्टेशन और 532,446 एमवीए से अधिक ट्रांसफॉर्मेशन क्षमता है। नवीनतम तकनीकी उपकरणों और तकनीकों को अपनाने, स्वचालन और डिजिटल समाधानों के बढ़ते उपयोग के साथ, पावरग्रिड औसत ट्रांसमिशन सिस्टम की उपलब्धता 99 प्रतिशत बनाए रखने में सक्षम रहा है। विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार के साथ हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन में निर्धारित बहुत कठिन मापनीय मानकों को प्राप्त करके पावरग्रिड का प्रदर्शन लगातार उत्कृष्ट रहा है।

एक शाम गौमाता का जागरण 11 को

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद बीरमगुडा अमीनपुर स्थित श्री ब्रमराबा मल्लीकार्जुन स्वामी गौशाला में एक शाम गौमाता के नाम जागरण 11 सितंबर को हैं। प्रेस विज्ञप्ति में राजुराम कुमावत ने कहा एक शाम गौमाता का जागरण में विशाल भजन संध्या कार्यक्रम आयोजित होगा। मुख्य अतिथि राजा सिंह गौशामहल विधायक, राजस्थान प्रसिद्ध भजन गायक गजेन्द्र राव व शैतान सिंह, मंच संचालक ओम विश्नोई द्वारा भजन प्रस्तुत किये जायेगा। आयोजक मारवाड़ी मित्र मंडल श्री राम नगर कोण्डापुर, निवेदन श्री ब्रमरांबा मल्लीकार्जुन स्वामी गौशाला एवं गैर मंडली व प्रेम नगर, हाफीसपेट, माधापुर, टी एन कालोनी मनिकोंण्डा मस्जिद मंडा, गोवलिडोडी, हैदराबाद समस्त गौभक्त ने दान पुण्य का लाभ लेवे।

टी-हब ने लैब-2 मार्केट कार्यक्रम के शुभारंभ की घोषणा

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। स्टार्टअप इनक्यूबेटर टी-हब ने सोमवार को एआईसी टी-हब लैब-2 मार्केट कार्यक्रम शुरू करने की घोषणा की, जो एक नई पहल है जिसे अभूतपूर्व अनुसंधान को बाजार-तैयार नवाचारों में बदलने के लिए डिजाइन किया गया है।

यह कार्यक्रम शोधकर्ताओं और नवप्रवर्तकों को दो प्रमुख उद्देश्यों पर ध्यान केंद्रित करके अपने विचारों को व्यावसायिक सफलता में बदलने के लिए एक अनूठा मार्ग प्रदान करता है। लैब-2 मार्केट कार्यक्रम में भाग लेने वाले स्टार्टअप्स को उत्पाद विकास, बाजार रणनीतियों और व्यवसाय मॉडल परिशोधन पर केंद्रित इंटरैक्टिव समूह शिक्षण सत्रों सहित व्यापक, अनुरूप समर्थन प्राप्त होगा।

बंडी संजय ने हाइड्रा की आलोचना की

करीमनगर, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय ने कांग्रेस सरकार पर विधानसभा चुनाव में लोगों से किए गए वादों को लागू नहीं करने के लिए विपक्ष को लोगों से दूर करने के लिए 'हाइड्रा' के नाम पर बड़ा नाटक करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दिनों में हाइड्रा जिस तरह से व्यवहार कर रहा है, उससे उनका विश्वास खत्म हो रहा है। उन्होंने कहा, आम आदमी को भी परेशान किया जा रहा है। संजय ने कहा कि उन्होंने सबसे पहले हाइड्रा का समर्थन तब किया था जब शक्तिशाली लोगों द्वारा अवैध रूप से बनाए गए भवनों, विला और फार्महाउस को ध्वस्त किया गया था और उन्होंने कहा कि अब वे हाइड्रा अधिकारियों द्वारा गरीबों के घरों को ध्वस्त करने की हरकतों से नाराज हैं। अब चुप रहने का कोई सवाल ही नहीं है। हाइड्रा जिस तरह से व्यवहार कर रहा है वह सही नहीं है। ये हाई ड्रामा क्यों? एफटीएल और बफर जोन में अवैध इमारतों, घरों के निर्माण की अनुमति क्यों दी गई? उन्होंने कहा कि सरकार को जवाब देना चाहिए कि अब वे क्यों गिर रहे हैं। उन्होंने आदिलाबाद विधायक पायला शंकर, जिला अध्यक्ष गंगाडी कृष्ण रेड्डी, पूर्व विधायक बोडिगे शोभा, भाजपा विधि प्रकोष्ठ के राज्य नेता एंटनी रेड्डी के साथ भाजपा की करीमनगर जिला इकाई द्वारा आयोजित सदस्यता अभियान में भाग लिया। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा ही एकमात्र पार्टी है जो देश और समाज के लिए काम करती है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने 18 करोड़ सदस्य बनाकर विश्व रिकॉर्ड बनाया है। उन्होंने कहा कि हाईकमान ने इस बार 10 करोड़ लोगों को सदस्य बनाने का फैसला किया है। उन्होंने कहा, तेलंगाना में लोकसभा चुनाव में 77 लाख लोगों ने वोट डाला। उन सभी को भाजपा के सदस्य के रूप में शामिल करने की जरूरत है। इसी तरह, करीमनगर संसदीय क्षेत्र सदस्यता पंजीकरण में सबसे ऊपर होना चाहिए। ऐसा होने के लिए, प्रत्येक मतदान केंद्र में सबसे अधिक सदस्यता पंजीकृत होनी चाहिए। मैं उन मतदान केंद्र समितियों को सम्मानित करूंगा, जिन्होंने सबसे अधिक सदस्यता पंजीकृत की है। उन्होंने कहा, सर्वाधिक सदस्यता की मांग की गई।

चावल तस्करों के लिए वरदान बनी सिंगरेनी मेमू एक्सप्रेस

मंचेरियल, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। महाराष्ट्र के भद्राचलम रोड और बलहारशाह के बीच रोजाना चलने वाली सिंगरेनी मेमू एक्सप्रेस जाहिर तौर पर सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) चावल तस्करों के लिए वरदान बन गई है। यह ट्रेन तेलंगाना और महाराष्ट्र दोनों के कोयला बेल्ट क्षेत्रों के आर्थिक रूप से कमजोर यात्रियों के लिए है।

दोपहर में जब बल्हारशाह जाने वाली एक्सप्रेस रवींद्रखानी स्टेशन पर एक मिनट से भी कम समय के लिए रुकती है, तो दर्जनों पुरुष और महिलाएं तेजी से चावल के कम से कम चार बैग ट्रेन में चढ़ा देते हैं। आम यात्री इस बात से हैरान रह जाते हैं कि वे कितनी तेजी से बैग ट्रेन में चढ़ाते हैं। इसके बाद अगले कुछ मिनटों में बैग गायब हो जाते हैं।

रवींद्रखानी और मंदामरी कस्बों के तस्कर सरकारी रेलवे पुलिस (जीआरपी) के कर्मियों को धोखा देकर प्रतिदिन आसानी से महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले के विरूर तक एक्सप्रेस से अनाज की तस्करी करने में सफल हो जाते हैं। तस्कर, जिनमें ज़्यादातर महिलाएं हैं, ट्रेन के रविंद्रखानी में कुछ समय के लिए रुकने पर 20 किलो से लेकर 50 किलो तक अनाज से भरे बैगों को इधर-उधर कर देते हैं। फिर वे रेलवे पुलिस द्वारा अनाज जब्त किए जाने से बचने के लिए खराब शौचालयों में बैग छिपा देते हैं। वे खुद को यात्री बताते हैं और अगर पुलिस डिब्बों की जांच करती है तो वे खेप का दावा नहीं करते।

तस्कर विरूर में व्यापारियों को अनाज बेचते हैं और एक घंटे के भीतर अपने अनाज के पैसे वसूल लेते हैं। वे उसी दिन इसी तरह की एक्सप्रेस सेवा से आसानी से अपने गृह नगर लौट सकते हैं। एक सूत्र ने बताया कि दुकानें विरुर रेलवे स्टेशन से करीब 500 मीटर की दूरी पर स्थित हैं। तस्कर बलहा2रशाह से वापस आने तक एक्सप्रेस पकड़ सकते हैं।

तस्कर गांवों में घूमकर खाद्य सुरक्षा योजना के लाभार्थियों से 12 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से अनाज खरीदते हैं और व्यापारियों को 22 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से बेचते हैं। अतिरिक्त कलेक्टर एस मोतीलाल ने कहा कि तस्करों के खिलाफ मामला दर्ज करके पीडीएस चावल के डायवर्जन को नियंत्रित करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि रवींद्रखानी और मंदामरी के तस्कर रेलवे स्टेशनों के पास स्टॉक पर छापेमारी करने वाले अधिकारियों पर हमला करने के लिए कुख्यात हैं। हालांकि, आदतन अपराधियों पर नजर रखी जा रही है।

कांग्रेस नेता का जन्मदिन मनाने वाले एसआई का तबादला

संगारेड्डी, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सत्तारूढ़ पार्टी के नेताओं के प्रति अपनी वफादारी दिखाते हुए एक पुलिस उपनिरीक्षक ने रविवार दोपहर वटपल्ली पुलिस स्टेशन में मंडल कांग्रेस अध्यक्ष का जन्मदिन मनाया।

घटना की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल होने और आलोचना होने के बाद, मल्टीजोन-II के आईजी वी सत्यनारायण ने एसआई को स्थानांतरित कर पुलिस मुख्यालय से संबद्ध कर दिया।

यह जानते हुए कि रविवार को कांग्रेस मंडल अध्यक्ष प्रताप रमेश जोशी का जन्मदिन था, एसआई लक्ष्मण ने उन्हें थाने में आमंत्रित किया और कांस्टेबलों को जन्मदिन का केक लाने का निर्देश दिया। लक्ष्मण और रमेश जोशी ने जन्मदिन मनाने के लिए केक काटा। उन्होंने सभी कांस्टेबलों को केक भी बांटा।

हिंदी पखवाड़ा का शुभारंभ

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रासायनिक क्षेत्र की राष्ट्रीय प्रयोगशाला सीएसआईआर-आईआईसीटीहैदराबाद में हिंदी पखवाड़ा का शुभारंभ डॉ.ए. गंगाग्नि राव, मुख्य वैज्ञानिक, आनंद कुमार, प्रशासन नियंत्रक, डॉ.के. राजेंदर रेड्डी, मुख्य वैज्ञानिक, डॉ.एम. चंद्रशेखरम, सेवानिवृत्त मुख्य वैज्ञानिक एवं प्रशासनिक अधिकारी श्री चंद्रमोहन टूडू एवं वाई. श्रीनिवास राव के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें संस्थान के वैज्ञानिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, शोधार्थियों ने भाग लिया।

इस अवसर पर डॉ.ए. गंगाग्नि राव ने कहा कि गलती की परवाह किए बगैर हिंदी बोलनी चाहिए। हैदराबाद ऐसी जगह है जहां हिंदी सहजता से बोली, समझी लिखी जाती है अत: आप सभी कामकाज में हिंदी का बेहिचक प्रयोग करें। प्रशासन नियंत्रक श्री एम. आनंद कुमार ने प्रतिभागियों को आनंद-आनंद में ज्ञान अर्जित करने का माध्यम बताया। वहीं प्रशासनिक अधिकारी चंद्रमोहन टुडू ने हिंदी पखवाड़ा को हिंदी का महाकुंभ कहा।

हिंदी अधिकारी डॉ. सौरभ कुमार ने कहा कि हम हिंदी के माध्यम से अपने विचार, कार्यों को लोगों के सामने रख सकते हैं। ये प्रतियोगिताएं आपकी क्षमता संवर्धन के लिए है। वहीं कनिष्ठ हिंदी अनुवादक आदर्श कुमार ने प्रतिभागियों को हिंदी प्रतियोगिताओं में सुगमतापूर्वक भाग लेने के तरीके बताते हुए सभी का आभार व्यक्त किया।

मच्छी मार्केट के मुद्दे पर जीएचएमसी आयुक्त से शिकायत

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। गोसामहल बीआरएस नेता एम आनंद कुमार गौड़ ने आज जीएचएमसी मुख्यालय में आयोजित एक सार्वजनिक भाषण कार्यक्रम में बेगमबाजार मच्छी मार्केट के मुद्दे पर जीएचएमसी आयुक्त आम्रपाली से शिकायत की। उन्होंने कहा कि पिछली बीआरएस सरकार के दौरान 10 करोड़ रुपये की लागत से उन्नत सुविधाओं के साथ बेगमबाजार मच्छी मार्केट का निर्माण किया गया था। पिछले साल तत्कालीन मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने इसकी पहल की थी, लेकिन नगर निगम अधिकारी उन दुकानों का आवंटन करने में लापरवाही कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वहां के व्यापारी सड़कों पर मछलियां बेच रहे हैं। इलाके में दुर्गंध और गंदा पानी है और वहां रहने वाले लोगों का जीना मुहाल हो गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि वहां करोड़ों रुपये का कारोबार होता है लेकिन जिम्मेदार अधिकारी रिश्वत लेकर मनमानी कर रहे हैं। उन्होंने कमिश्नर से बेगमबाजार मच्छी मार्केट आकर मामले का निरीक्षण करने की मांग करते हुए कहा कि इस मामले को लेकर वे कितनी बार अधिकारियों से मिल चुके हैं। कमिश्नर ने आश्वासन दिया कि वे स्वयं आकर वहां निरीक्षण करेंगे और दुकानें आवंटित कराना सुनिश्चित करेंगे। आनंद कुमार गौड़ ने चेतावनी दी कि अगर आयुक्त ने 10 दिनों के भीतर निरीक्षण नहीं किया तो बेगमबाजार के लोगों द्वारा जीएचएमसी कार्यालय का घेराव किया जाएगा। इस कार्यक्रम में जम्बुग डिवीजन अल्पसंख्यक अध्यक्ष अहमद भाई ने भी भाग लिया।

पोदुमुरु गांव में कुत्तों का आतंक

पागल कुत्ते ने नौ लोगों पर किया हमला

मुलुगु, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के मंगापेट मंडल के पोदुमुरु गांव में एक पागल कुत्ते ने सोमवार को बुजुर्ग महिलाओं सहित नौ लोगों पर हमला कर दिया। रिपोर्ट के अनुसार, कुत्ते ने गांव के एरावुला सम्मय्या, कोप्पुला लालय्या, दादानी, सैदा बी, घोरे और तीन अन्य लोगों पर हमला कर उन्हें घायल कर दिया। सभी घायलों का मंगापेट सरकारी अस्पताल में इलाज चल रहा है। एक बुजुर्ग महिला पर इतना भयानक हमला किया गया कि उसके चेहरे पर, खास तौर पर माथे पर और दाहिनी आंख के पास गंभीर चोटें आईं। इसी तरह, हमले में एक व्यक्ति के दाहिने पैर पर गहरा घाव हो गया।

बताया जा रहा है कि कुत्ते ने सबसे पहले कोप्पुला लालैया पर हमला किया, जो किराने की दुकान से वापस आ रहे थे। फिर उसने पास में मौजूद एक अन्य व्यक्ति पर भी हमला किया। इस बीच, ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि नगर निगम के अधिकारी गांव में कुत्तों के आतंक को रोकने की ओर कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि गली के कुत्ते गांवों में खुलेआम घूम रहे हैं और लोगों पर हमला कर रहे हैं। ग्रामीण अधिकारियों से मांग कर रहे हैं कि वे आवारा कुत्तों को उनके गांव से दूर रखने के लिए कदम उठाएं।

बारिश से कोयले की आपूर्ति बाधित

तेलंगाना, आंध्र प्रदेश में बिजली उत्पादन प्रभावित

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। लगातार बारिश के कारण सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) में कोयला उत्पादन प्रभावित हुआ है, जिससे राज्य और पड़ोसी आंध्र प्रदेश के ताप विद्युत संयंत्रों को कम आपूर्ति हो रही है। अधिकारियों के अनुसार, थर्मल प्लांटों को पर्याप्त कोयला उपलब्ध कराने के लिए एससीसीएल को प्रतिदिन कम से कम 2.20 लाख टन कोयला उत्पादन की आवश्यकता है लेकिन, वर्तमान में यह केवल 1.10 लाख टन कोयला उत्पादन ही कर पा रहा है, जिससे प्लांटों के लिए समस्याएं पैदा हो रही हैं।

हैदरागुडा स्थित एमएलए क्वार्टर में नव निर्वाचित तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष महेश गौड से मुलाकात कर प्रदेश कांग्रेस ट्रेडर्स सेल के पूर्व चेयरमैन गौतम जैन के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने मिल कर राजनीतिक गतिविधियों से उन्हें अवगत कराया। उनके साथ कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, पी. राजेंद्र यादव, मणिलाल शाह, एम नरसिंह राव आदि भी उपस्थित थे।

वेमुलवाड़ा राज राजेश्वर मंदिर विस्तार में तेजी

वेमुलवाड़ा, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में, "दक्षिण काशी" के रूप में प्रसिद्ध वेमुलवाड़ा श्री राज राजेश्वर स्वामी मंदिर का भव्य विस्तार किया जाएगा। सरकारी सचेतक और वेमुलवाड़ा विधायक आदी श्रीनिवास, मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) के अधिकारियों और मंदिर अधिकारियों के साथ, सोमवार को मठ के पूजनीय प्रमुखों से आशीर्वाद और मार्गदर्शन लेने के लिए श्रृंगेरी पीठम गए। आदि श्रीनिवास और उनके प्रतिनिधिमंडल, जिसमें ओएसडी वेमुला श्रीनिवासुलु और मंदिर के ईओ विनोद रेड्डी शामिल थे, ने श्रृंगेरी की तीर्थयात्रा की।

उनकी यात्रा का उद्देश्य राजराजेश्वर मंदिर की प्रस्तावित विस्तार योजनाओं को श्रृंगेरी पीठम के पुरोहित श्रीश्रीश्री जगद्गुरु भारती तीर्थ महास्वामीजी और श्रीश्रीश्री विधुशेखर भारती स्वामीजी के समक्ष प्रस्तुत करना था। पीठम की अपनी पिछली यात्रा के दौरान, मठ प्रमुखों ने तेलंगाना सरकार को समीक्षा के लिए विस्तृत वास्तुशिल्प योजनाएं प्रस्तुत करने की सलाह दी थी।

अरेकापुडी गांधी को लोक लेखा समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। विधानसभा अध्यक्ष गद्दाम प्रसाद कुमार ने सोमवार को एक आदेश जारी कर सेरिलिंगमपल्ली के विधायक अरेकापुडी गांधी को विधानसभा की लोक लेखा समिति (पीएसी) का अध्यक्ष नियुक्त किया। विधानसभा सचिव वी नरसिम्हा चार्युलु द्वारा यहां जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, कोदंडा विधायक नलमाडा पद्मावती रेड्डी को प्राक्कलन समिति का अध्यक्ष और शादनगर विधायक के शंकरैया को सार्वजनिक उपक्रम समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। प्रत्येक समिति में अध्यक्ष और अध्यक्ष सहित 13 सदस्य होते हैं। विज्ञप्ति में यह भी कहा गया है कि तेलंगाना विधानमंडल के सभी सदस्यों को सूचित किया गया है कि तेलंगाना विधानसभा के साथ-साथ विधान परिषद में प्रक्रिया और कार्य संचालन के नियमों के अनुसार, सदस्यों को वित्तीय वर्ष 2024-2025 के लिए क्रमशः तीन वित्तीय समितियों के लिए चुना गया है और उक्त नियमों के अनुसार भी।

दासोजू ने स्पीकर को अयोग्यता याचिकाओं पर कार्रवाई करने का निर्देश देने के लिए उच्च न्यायालय की प्रशंसा की

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के वरिष्ठ नेता डॉ. श्रवण दासोजू ने तेलंगाना विधानसभा अध्यक्ष गड्डाम प्रसाद को दानम नागेंद्र, कडियम श्रीहरि और तेलम वेंकट राव के खिलाफ दायर अयोग्यता याचिकाओं पर त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश देने वाले ऐतिहासिक फैसले के लिए तेलंगाना उच्च न्यायालय के प्रति आभार व्यक्त किया। श्रवण दासोजू ने कहा, यह महत्वपूर्ण फैसला भारत रत्न राजीव गांधी को एक सच्ची श्रद्धांजलि है, जो दूरदर्शी नेता थे जिन्होंने हमारे प्रतिनिधि लोकतंत्र की अखंडता को बनाए रखने के लिए दलबदल विरोधी कानून का समर्थन किया। उन्होंने आगे कहा, यह भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की जिम्मेदारी है कि वह यह सुनिश्चित करे कि तेलंगाना में कांग्रेस पार्टी के नेता रेवंत रेड्डी न्यायिक प्रक्रिया का सम्मान करें और ऐसे कार्यों से बचें जो राजीव गांधी की विरासत को कमजोर कर सकते हैं, जिन्होंने दलबदल विरोधी कानून के माध्यम से हमारे लोकतांत्रिक संस्थानों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

उत्तम ने नरलापुर जलाशय विस्थापित परिवारों की चिंताओं पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने आश्वासन दिया है कि नरलापुर जलाशय विस्थापित परिवारों की चिंताओं को दूर करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

पर्यटन मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव के नेतृत्व में नरलापुर जलाशय के विस्थापित परिवार के सदस्यों ने सोमवार को यहां जालसौधा में सिंचाई मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी से मुलाकात की और अपनी समस्याओं से उन्हें अवगत कराया। जुपल्ली कृष्ण राव ने बताया कि पालमुरु रंगा रेड्डी परियोजना के तहत जलमग्न होने के कारण निवासियों ने अपनी जमीन और घर खो दिए हैं और अनुरोध किया कि बोडाबांडा थांडा ग्राम पंचायत के सुन्नापु थांडा, डूल्यानायक थांडा, अंजनागिरी थांडा और वड्डे गुडशेलु गांवों के 117 विस्थापित परिवारों को जी.ओ. 123 के बजाय जी.ओ. 120 के तहत मुआवजा दिया जाए, क्योंकि जी.ओ. 123 से पीड़ितों को वित्तीय नुकसान होगा। जूपल्ली ने कहा कि परियोजना से प्रभावित एलुर और नरलापुर के निवासियों को सुरक्षित क्षेत्रों में स्थानांतरित करने के बावजूद उन्हें अभी तक उनका मुआवजा नहीं मिला है। उन्होंने जोर देकर कहा कि उन्हें उनका बकाया भुगतान सुनिश्चित करने के लिए तत्काल कार्रवाई की जानी चाहिए।

पर्यटन मंत्री ने यह भी बताया कि राज्य सरकार ने पहले नरलापुर जलाशय के नीचे एक पुनर्वास कॉलोनी के निर्माण के लिए एलुर राजस्व में सर्वेक्षण संख्या 622 और 623 आवंटित की थी। हालांकि, पिछले प्रशासन ने परियोजना को सर्वेक्षण संख्या 371-376 में स्थानांतरित कर दिया। उन्होंने अनुरोध किया कि कॉलोनी को उसके मूल स्थान पर बहाल किया जाए। इसके अलावा, जुपल्ली कृष्ण राव ने बोडाबांडा थांडा से बचे हुए परिवारों को सुरक्षित क्षेत्रों में स्थानांतरित करने और उन्हें अन्य विस्थापित व्यक्तियों की तरह पुनर्वास पैकेज प्रदान करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने बोल्लारम वन भूमि में निवासियों के लिए आवास अधिकार की भी मांग की और वन विभाग को वैकल्पिक भूमि आवंटन के लिए कहा। मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी, त्वरित कार्रवाई का आश्वासन दिया और सिंचाई के विशेष सचिव प्रशांत जीवन पाटिल को विस्थापित परिवारों की चिंताओं को दूर करने के लिए आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

चेन्नई में लगेगा टीम इंडिया का कैंप

12 सितंबर से काम शुरू करेंगे गौतम गंभीर, बांग्लादेश को हराने का बनेगा प्लान

चेन्नई, 9 सितंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए टीम इंडिया के ऐलान के बाद अब बारी है, तैयारियों की, जिसके लिए मिल रही जानकारी के मुताबिक 12 सितंबर से चेन्नई में कैंप लगने वाला है. मतलब ये कि इसी दिन से हेड कोच गौतम गंभीर भी अगली सीरीज को अंजाम देने के काम पर लग जाएंगे. रिपोर्ट्स के मुताबिक इस कैंप में बांग्लादेश से लोहा लेने के लिए चुने गए सारे खिलाड़ी चेन्नई में जुटेंगे. विराट कोहली के भी उस दिन तक लंदन से चेन्नई पहुंचने की खबर है.

घरेलू जमीन पर हेड कोच गंभीर की पहली सीरीज

हेड कोच गौतम गंभीर का वैसे तो ये तीसरा असाइनमेंट होगा. लेकिन, घरेलू जमीन पर उनके हेड कोच बनने के बाद ये पहली सीरीज होगी.

जाहिर है घर में गंभीर अपना विजयी आगाज चाहेंगे और इसके लिए वो ना सिर्फ टीम की तैयारियों को दुरुस्त करेंगे बल्कि परफेक्ट प्लान भी बनाने में जुटेंगे. भले ही बांग्लादेश ने अब तक भारत के खिलाफ कोई भी टेस्ट मैच नहीं जीता है. लेकिन, इसके बावजूद गंभीर उसे हल्के में नहीं लेंगे. ऐसा इसलिए क्योंकि हाल ही में बांग्लादेश, पाकिस्तान को उसके घर में टेस्ट सीरीज हराकर भारत आ रही है.

5 दिन के कैंप में इन पर होगा फोकस

रिपोर्ट्स के मुताबिक चेन्नई में रोहित शर्मा की कप्तानी वाली टीम इंडिया का कैंप 5 दिन चलेगा. उसके बाद टेस्ट मैच की शुरुआत हो जाएगी. कैंप में भारतीय टीम का मकसद अपनी तैयारियों को परखना और कमजोरियों को दुरुस्त करने का होगा. इसके अलावा लंबे समय से क्रिकेट से दूर रहने के बाद मैदान पर उतर रहे खिलाड़ी आपस की बॉन्डिंग और ट्यूनिंग को भी मजबूत करना चाहेंगे.

बांग्लादेश ने भी मीरपुर में लगाया कैंप

टीम इंडिया का कैंप तो 12 सितंबर से चेन्नई में लगने वाला है. उधर, बांग्लादेश ने भी भारत दौरे के लिए अपना कैंप मीरपुर में लगा दिया है.

पाकिस्तान को हराने के बाद बांग्लादेश के हौसले 7वें आसमान पर है और अब वो भारतीय जमीन पर भी उसी कामयाबी को दोहराना चाहता है. बांग्लादेश टीम के इस इरादे का पता उसके खिलाड़ियों के बयानों से भी चलता है. तेज गेंदबाज शोरीफुल इस्लाम ने कहा कि पूरी टीम का कॉन्फिडेंस बढ़ा हुआ है. इसी विश्वास के साथ अब हम भारत में भी जीत के साथ शुरुआत करना चाहेंगे.

मोहम्मद शमी ने आकाशदीप को क्या दिया था गुरुमंत्र?

9 विकेट लेकर गेंदबाज ने खोला राज

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। तेज गेंदबाज आकाशदीप ने दलीप ट्रॉफी 2024 में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने इंडिया ए के लिए खेलते हुए कमाल का प्रदर्शन किया और इंडिया बी के बल्लेबाजों की धज्जियां उड़ा दी। आकाश ने दलीप ट्रॉफी 2024 के अपने पहले मैच में 9 विकेट झटके थे। हालांकि वह अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके। लेकिन उन्हें भारतीय टीम में मौका मिला है। आकाश ने अपने शानदार प्रदर्शन का श्रेय सीनियर तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को दिया है। साथ ही उन्होंने बताया है कि शमी की सलाह मानने पर उन्हें कैसे 9 विकेट लेने में मदद मिली है।

शमी ने दिया था गुरुमंत्र

दलीप ट्रॉफी में आकाशदीप ने पहली पारी में 4 विकेट, जबकि दूसरी पारी में उन्होंने 5 विकेट झटके। मैच के बाद उन्होंने अपने शानदार प्रदर्शन का श्रेय मोहम्मद शमी को दिया। उन्होंने कहा कि 'मैं शमी से सीखता हूं। क्योंकि मेरा और उनका एक्शन लगभग एक जैसा है। मैंने उनसे पूछा कि बाएं हाथ के बल्लेबाज को राउंड द विकेट से कैसे आउटस्विंग डाल सकते हैं। शमी ने मुझसे कहा कि जबरदस्ती मत करो। क्योंकि ये एक स्वाभाविक रूप से होगा।'

शमी और आकाशदीप अपना घरेलू क्रिकेट बंगाल के लिए ही खेलते हैं। ऐसे में दोनों के बीच एक खास बॉन्ड है।

मिला टीम इंडिया में मौका

आकाशदीप ने अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर भारतीय टेस्ट टीम में जगह बनाई। उन्हें बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली 2 टेस्ट मैच की सीरीज के पहले मुकाबले के लिए चुना गया है। आकाश को साल की शुरुआत में खेली गई इंग्लैंड के खिलाफ भी टेस्ट सीरीज में मौका मिला था। अपने पहले मैच में उन्होंने 3 विकेट अपने नाम किया था। हालांकि अब एक बार फिर उन्हें टीम मैनेजमेंट ने मौका दिया है। आकाश, बांग्लादेश के खिलाफ जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज के साथ गेंदबाज़ी करते हुए नज़र आएंगे।

आईपीएल 2025 की नीलामी में इन 3 खिलाड़ियों पर बरसेगा पैसा

मुंबई, 9 सितंबर (एजेंसियां)। 8 सितंबर को दिल्ली प्रीमियर लीग 2024 का फाइनल मुकाबला खेला गया। ईस्ट दिल्ली राइडर्स ने साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स को 3 रनों से हराकर खिताब पर कब्जा जमा लिया। खेले गए पहले संस्करण में दिल्ली के खिलाड़ियों की ओर से दमदार प्रदर्शन देखनो को मिला। कई खिलाड़ियों ने आईपीएल 2025 के लिए अपनी हुंकार भी भर दी। ऐसे में माना जा रहा है कि दिल्ली के तीन खिलाड़ियों पर आईपीएल 2025 ऑक्शन में फ्रेंचाइजियां खूब पैसे लुटा सकती हैं।

प्रियांश आर्य

बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने दिल्ली प्रीमियर लीग में बवाल काट दिया है। उन्होंने इस प्रतियोगिता में 6 गेंद में लगातार 6 छक्के जड़ कर सुर्खियां बिखेरी थी। प्रियांश ने सीजन में 2 शतक भी अपने नाम किया। उन्होंने खेले गए 10 मैच में 67.56 की शानदार औसत और 198.69 के स्ट्राइक रेट के साथ 608 रनों को अपने नाम किया था। ऐसे में आईपीएल 2025 ऑक्शन में प्रियांश के उपर पैसा बरस सकता है। कई फ्रेंचाइजी उनके उपर बोली लगा सकती हैं।

आयुष बदोनी

साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स की कमान संभलाने वाले 24 वर्षीय आयुष बदोनी ने डीपीएल के पहले ही सीजन में भौकाल काट दिया है। अपनी शानदार कप्तानी से उन्होंने अपनी टीम को फाइनल में पहुंचाया। हालांकि टीम को खिताबी मुकाबले में ईस्ट दिल्ली से हारना पड़ा। लेकिन बदोनी ने पूरी प्रतियोगिता के दौरान बेहतरीन बल्लेबाजी का परिचय पेश किया। उन्होंने 9 मैच में 58 की औसत के साथ 522 रनों को अपने नाम किया। साल 2022 से लखनऊ सुपर जायंट्स का हिस्सा रहे बदोनी को इस बार मोटी रकम में रिटेन किया जा सकता है। अगर वह ऑक्शन में आते हैं तो कई फ्रेंचाइजियां उनके पीछे पड़ सकती हैं।

हिम्मत सिंह

दिल्ली प्रीमियर लीग 2024 में हिम्मत सिंह ने सर्वाधिक रन बनाने के मामले में तीसरा स्थान हासिल किया। हिम्मत ने अपनी टीम ईस्ट दिल्ली को चैंपियन भी बनाया।

वहीं बल्ले से भी वह अपनी टीम के लिए पूरे सीजन रन बनाते रहे। उन्होंने 10 मैच में 381 रनों को अपने नाम किया। इस दौरान उन्होंने 4 अर्धशतक भी जड़े थे। हिम्मत पहले भी आरसीबी का हिस्सा रह चुके हैं। लेकिन उन्हें अंतिम एकादश में खेलने का मौका नहीं मिला। लेकिन इस बार फ्रेंचाइजियां हिम्मत पर मोटी रकम खर्च कर सकती हैं।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम का विजय अभियान जारी

चीन के बाद जापान को हराकर दर्ज की लगातार दूसरी जीत

हुलुनबुइर, 9 सितंबर (एजेंसियां)। हरमनप्रीत सिंह की अगुआई वाली भारतीय पुरुष हॉकी टीम का एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में विजय अभियान सोमवार को भी जारी रहा। मेजबान चीन को हराने के बाद गत चैंपियन भारतीय टीम ने जापान को 5-1 से मात दी और ग्रुप चरण में लगातार दूसरी जीत दर्ज की। भारत की इस जीत में सुखजीत ने अहम योगदान दिया जिन्होंने दो गोल किए।

सुखजीत ने दूसरे और 60वें मिनट में गोल किए, जबकि अभिषेक (तीसरे), संजय (17वें) और उत्तम सिंह (54वें) अन्य भारतीय गोल करने वाले खिलाड़ी रहे। मात्सुमोतो काजुमासा ने 41वें मिनट में जापान के लिए एकमात्र गोल किया। रविवार को अपने शुरुआती लीग मैच में चीन को 3-0 से हराने वाली चार बार की चैंपियन भारतीय टीम को दो पेनल्टी कॉर्नर मिले, जबकि जापान की टीम ने पांच पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए।

भारत का अब मलेशिया से होगा सामना

हरमनप्रीत सिंह की अगुआई वाली टीम बुधवार को पिछले चरण की उपविजेता टीम मलेशिया से भिड़ेगी। मंगलवार को आराम का दिन है। छह टीमों के बीच राउंड-रॉबिन लीग के बाद शीर्ष चार टीमें 16 सितंबर को खेले जाने वाले सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई करेंगी। फाइनल 17 सितंबर को होगा।

मुक्केबाज दीपाली थापा बनीं पहली एशियाई स्कूली चैंपियन छात्रा

अल ऐन, 9 सितंबर (एजेंसियां)। भारत ने रविवार को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के अल ऐन में चल रही एशियाई चैंपियनशिप में सात महिला खिताब जीते। युवा मुक्केबाज दीपाली थापा ने 33 किग्रा वर्ग में प्रतिस्पर्धा करते हुए सेमीफाइनल में कजाकिस्तान की एनेलीया ऑर्डाबेक को हराया और फाइनल में यूक्रेन की लियुडमिला वासिलचेंको पर हावी होकर खिताब जीतने के लिए बेहतर तकनीक और नियंत्रण का प्रदर्शन किया।

इस खिताब को जीतने के बाद दीपाली पहली स्कूली चैंपियन छात्रा बनीं। अब भारत के नाम एशियाई चैंपियनशिप में सात महिला खिताब हो गए हैं। दीपाली के अलावा भूमि ने 35 किग्रा भार वर्ग में कजाकिस्तान की एस्सेल जालिमबेकोवा को हराकर जीत हासिल की। वहीं, निश्चल शर्मा ने यूक्रेन की मारिया मत्सिउरा पर रणनीतिक जीत के साथ 37 किग्रा वर्ग में भारत की तालिका में इजाफा किया। राखी ने 43 किग्रा वर्ग में यूक्रेन की वेरोनिका होलब को हराकर भारत को चौथी जीत दिलाई।

रंगारंग समारोह के साथ पैरालंपिक का समापन; भारत की झोली में रिकॉर्ड 29 पदक

पेरिस, 9 सितंबर (एजेंसियां)। पेरिस पैरालंपिक के समापन समारोह में परेड के दौरान भारतीय दल की तरफ से तीरंदाज हरविंदर और स्प्रिंट रनर प्रीति पाल ध्वजवाहक बने। अब चार साल के बाद खेलों के इस महाकुंभ का आयोजन अमेरिका करेगा। फ्रांस की तरफ से मेजबानी अमेरिका को सौंपे जाने के बाद समारोह औपचारिक रूप से समाप्त हो गया। भारतीय दल ने सात स्वर्ण, नौ रजत और 13 कांस्य पदकों के साथ अपना सफर 18वें पायदान के साथ समाप्त किया। पिछली बार भारत 24वें नंबर पर रहा था।

पेरिस गया सबसे बड़ा दल

पैरालंपिक में भारतीय अभियान के लिए इस बार बड़ा दल शामिल था। भारतीय खिलाड़ियों की 84 सदस्यीय टीम के साथ 95 अधिकारी भी पेरिस गए थे। इनमें खिलाड़ियों की विशेष जरूरतों को देखते हुए उनके साथ जाने वाले निजी कोच और सहायक भी शामिल रहे। भारत के दल में कुल 179 सदस्य शामिल रहे। 95 अधिकारियों में से 77 अलग-अलग टीमों के अधिकारी थे। नौ दल के चिकित्सा अधिकारी और नौ अन्य दल अधिकारी भी शामिल थे। पेरिस पैरालंपिक 2024 के समापन समारोह में फ्रांस की गायिका की मंत्रमुग्ध करने वाली प्रस्तुति का दर्शकों ने भरपूर आनंद उठाया। इसके अलावा डीजे की धुनों पर भी खिलाड़ी के साथ-साथ समारोह स्थल पर मौजूद लोगों को झूमते देखा गया। बारिश की फुहारों के बीच रेनकोट पहने लोग ऐतिहासिक और अविस्मरणीय लम्हों को अपनी स्मृतियों में कैद करने को बेताब दिखे। पेरिस पैरालंपिक के समापन समारोह में तकनीक का भी भरपूर इस्तेमाल देखा गया। फ्रांस के झंडे के रंग में आकर्षक रौशनी और आतिशबाजी की गई।

पेरिस पैरालंपिक 2024 के समापन समारोह में लेजर लाइट का शो भी हुआ। इसमें दुनियाभर से आए एथलीट के योगदान की सराहना करते हुए उनकी उपलब्धि को दिखाने का यादगार प्रयास किया गया। पेरिस पैरालंपिक के समापन समारोह का स्तब्ध करने वाला एक लम्हा ऐसा भी रहा जब खिलाड़ियों के साथ-साथ खेल प्रशंसकों की भावनाओं का ज्वार भी उमड़ा। अब चार साल के बाद अमेरिकी शहर लॉस एंजेलिस में ओलंपिक और पैरालंपिक का आयोजन किया जाएगा।

भारतीय समयानुसार पेरिस पैरालंपिक का समापन समारोह आठ सितंबर की रात करीब साढ़े 11 बजे शुरू हुआ। प्रतिभागी देशों के एथलीट बारिश के बावजूद पूरे उत्साह के साथ परेड में शामिल हुए। इंटरनेशनल पैरालंपिक कमेटी के प्रमुख एंड्रयू पारसंस ने जब पेरिस के वॉलंटियर्स और सफल आयोजन से जुड़ी देश की जनता की खेल भावना और जज्बे की सराहना की तो भावपूर्ण लम्हे में लगभग एक मिनट तक तालियां बजती रहीं। समापन समारोह के अंतिम लम्हों में पेरिस की मेयर ने पैरालंपिक ध्वज अंतरराष्ट्रीय कमेटी के अध्यक्ष को सौंपा। इसके बाद इंटरनेशनल पैरालंपिक कमेटी के प्रमुख एंड्रयू पारसंस ने अमेरिका से पेरिस पहुंचीं लॉस एंजेलिस की महिला पदाधिकारी को मेजबानी सौंप दी।

पूर्व भारतीय कोच स्टिमक और एआईएफएफ के बीच हुआ समझौता, अब महासंघ देगा मुआवजा

नई दिल्ल, 9 सितंबर (एजेंसियां)। इगोर स्टिमक और अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के बीच समझौता हो गया है। इसके तहत पूर्व पुरुष राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच को नौकरी से निकाले जाने के मुआवजे के रूप में 400,000 अमेरिकी डॉलर (लगभग 3.36 करोड़ रुपये) दिए जाएंगे।

दरअसल, फीफा विश्व कप 2024 क्वालिफायर में टीम इंडिया का प्रदर्शन निराशाजनक रहा था। इसके बाद एआईएफएफ ने स्टिमैक को हेड कोच पद से बर्खास्त कर दिया था। भारतीय टीम ने दूसरे राउंड में कुवैत से ड्रॉ खेला था, जबकि कतर से अहम मुकाबले में हार गई थी। टीम इंडिया ने पहली बार फीफा विश्व कप क्वालिफायर के तीसरे दौर में जगह बनाने का मौका गंवा दिया था। ऐसे में स्टिमक और महासंघ के बीच ठन गई थी। दिग्गज ने हेड कोच पद से बर्खास्त किए जाने के बाद एआईएफएफ को चेतावनी दी थी कि 10 दिन में उनका बकाया भुगतान नहीं किया गया तो वह फीफा ट्रिब्यूनल में उसके खिलाफ शिकायत करेंगे।

महासंघ ने दी भुगतान की मंजूरी

अब दोनों पक्षों के बीच समझौता हो गया है। मामले से जुड़े एक सूत्र ने पीटीआई को बताया, ₹एआईएफएफ के शीर्ष अधिकारियों ने महासंघ के साथ स्टिमक के मामले को सुलझाने के लिए मुआवजे के तौर पर 400,000 अमेरिकी डॉलर के भुगतान को मंजूरी दे दी है।₹ इससे पहले एआईएफएफ ने उनकी बर्खास्तगी के बाद मुआवजे के तौर पर तीन महीने का वेतन देने की पेशकश की थी, लेकिन स्टिमक ने इनकार कर दिया था और पिछले महीने फीफा से देश की शीर्ष फुटबॉल संस्था से दो साल के वेतन के तौर पर 920,000 अमेरिकी डॉलर (लगभग 7.72 करोड़ रुपये) की मांग की थी।

स्टिमक की जगह मार्केज को बनाया गया कोच

एआईएफएफ ने स्टिमक को 2019 में मुख्य कोच नियुक्त किया था। पिछले साल अक्टूबर में उनका कार्यकाल 2026 तक बढ़ाया था। हालांकि, शर्त रखी थी कि अगर टीम एशियाई कप के क्वार्टर फाइनल में पहुंचती है तो ही उनका कार्यकाल बढ़ाया जाएगा। लेकिन टीम ऐसा नहीं कर सकी। अब स्टिमक की जगह मनोलो मार्केज को भारतीय पुरुष टीम का कोच बनाया गया है। स्टिमक ने पहले एआईएफएफ के पांच और फिर 10 महीने के वेतन पर समझौता करने के प्रस्ताव को ठुकरा दिया था।

वनडे और टी20 सीरीज के लिए साउथ अफ्रीका टीम का ऐलान

2 अलग-अलग खिलाड़ियों को मिली कप्तानी

केप टाउन, 9 सितंबर (एजेंसियां)। साउथ अफ्रीका क्रिकेट टीम सितंबर में अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे और आयरलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज खेलेगी। अफगानिस्तान के खिलाफ 3 मैच की वनडे सीरीज खेली जाएगी, जिसका पहला मुकाबला 18 सितंबर को खेला जाएगा। वहीं आयरलैंड के खिलाफ 3 मैच की टी-20 सीरीज और 3 मैच की वनडे सीरीज खेली जाएगी। अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज का आगाज 27 सितंबर से होने वाला है। वनडे और टी-20 टीम के लिए अलग-अलग कप्तान चुने गए हैं।

वनडे के लिए इस खिलाड़ी को मिला जिम्मा

अफगानिस्तान के खिलाफ 3 वनडे मैच की सीरीज के लिए टेम्बा बावुमा को कप्तान बनाया गया है। उनके अलावा ट्रिस्टन स्टब्स, नांद्रे बर्गर और रीजा हेंड्रिक्स जैसे खिलाड़ियों को मौका मिला है।

टी-20 सीरीज के लिए इस खिलाड़ी को मिली कमान

आयरलैंड के खिलाफ होने वाली 3 मैच की टी-20 सीरीज के लिए एडेन मार्करम को जिम्मा दिया गया है। टी-20 टीम में भी नांद्रे बर्गर के अलावा ट्रिस्टन स्टब्स को मौका दिया गया है। ये खिलाड़ी लगातार अफ्रीका टीम का हिस्सा बन रहे हैं।

अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे टीम

टेम्बा बावुमा (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, नांद्रे बर्गर, टोनी डी ज़ोरज़ी, ब्योर्न फोर्टुइन, रीज़ा हेंड्रिक्स, एडेन मार्करम, वियान मुल्डर, लुंगी एनगिडी, एंडिले फेहलुकवायो, नकाबायोमज़ी पीटर, एंडिले सिमलेन, जेसन स्मिथ, ट्रिस्टन स्टब्स, काइल वेरिन, लिज़ाद विलियम्स।

आयरलैंड के खिलाफ टी-20 टीम

एडेन मार्करम (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, नांद्रे बर्गर, ब्योर्न फोर्टुइन, रीज़ा हेंड्रिक्स, पैट्रिक क्रुगर, वियान मुल्डर, लुंगी एनगिडी, नकाबा पीटर, रयान रिकेलटन, एंडिले सिमलेन, जेसन स्मिथ, ट्रिस्टन स्टब्स, लिजाड विलियम्स

आरलैंड के खिलाफ वनडे टीम

टेम्बा बावुमा (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, नांद्रे बर्गर, टोनी डी ज़ोरज़ी, ब्योर्न फोर्टुइन, वियान मुल्डर, लुंगी एनगिडी, एंडिले फेहलुकवायो, नकाबा पीटर, रयान रिकेलटन, जेसन स्मिथ, ट्रिस्टन स्टब्स, रासी वैन डेर डुसेन, काइल वेरिन, लिज़ाद विलियम्स।

सरकार जल्द ही 30 करोड़ रुपये के हथकरघा ऋण माफ करेगी : सीएम रेवंत

बुनकरों को हर साल 1.30 करोड़ साड़ियों के निर्माण का ऑर्डर देने का निर्णय

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने घोषणा की है कि राज्य सरकार जल्द ही तेलंगाना में बुनकरों द्वारा लिए गए 30 करोड़ रुपये के हथकरघा ऋण माफ करेगी। उन्होंने कहा कि मेरी सरकार किसानों और बुनकरों को समान प्राथमिकता दे रही है। मैं पूरे बुनकर समुदाय का बड़े भाई की तरह समर्थन करूंगा। मुख्यमंत्री ने सोमवार को यहां ललिता कलातोरनम में भारतीय हथकरघा प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईएचटी) का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर बोलते हुए रेवंत रेड्डी ने आरोप लगाया कि पिछली सरकार ने फिल्मी सितारों के साथ अभियान चलाकर हथकरघा को बढ़ावा देने का खूब प्रचार किया, लेकिन बुनकरों की दयनीय स्थिति जस की तस बनी हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा, पिछली सरकार ने भी बतुकम्मा साड़ियों के भुगतान के लिए बकाया राशि जारी करने में देरी की थी। लेकिन, कांग्रेस ने बिना किसी राजनीति के 290 करोड़ रुपये का बकाया जारी किया और सिरसिला श्रमिकों सहित संकटग्रस्त बुनकर समुदाय को बड़ी राहत दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि तेलंगाना में 63 लाख स्वयं सहायता समूह सदस्य पंजीकृत हैं, उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने प्रत्येक समूह सदस्य को हर साल दो साड़ियां वितरित करने का निर्णय लिया है और अधिकारियों को अच्छी डिजाइन और गुणवत्ता वाली साड़ियां तैयार करने के निर्देश पहले ही दिए जा चुके हैं।

राज्य सरकार ने बुनकरों को हर साल 1.30 करोड़ साड़ियों के निर्माण का ऑर्डर देने का निर्णय लिया है। रेवंत रेड्डी ने खुलासा किया कि अधिकारियों को सहकारी संघों (सामक्या संघलु) के चुनाव कराने के लिए कार्य योजना तैयार करने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में छात्रों को कौशल प्रशिक्षण देने के लिए कौशल विश्वविद्यालय पहले ही खोला जा चुका है और अगले साल कौशल विश्वविद्यालय में आईआईएचटी परिसर स्थापित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। चुनाव, चयन और संग्रह को बलिदान नहीं माना जाता है।

तेलंगाना आंदोलन के नेता कोंडा लक्ष्मण बापूजी ने तेलंगाना के लिए पदों का बलिदान दिया और वे बलिदानों के लिए आदर्श बन गए। मुख्यमंत्री ने आगे बताया कि राज्य सरकार ने नव स्थापित आईआईएचटी का नाम कोंडा लक्ष्मण बापूजी के नाम पर रखने का फैसला किया है और इस संबंध में सरकारी आदेश (जीओ) जारी करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के छात्रों को आईआईएचटी में अध्ययन करने के लिए ओडिशा और आंध्र प्रदेश राज्यों में जाना होगा, उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली बीआरएस सरकार पिछले 10 वर्षों के दौरान तेलंगाना में हथकरघा प्रौद्योगिकी संस्थान स्थापित करने में विफल रही है। रेवंत रेड्डी ने बताया, मेरी सरकार ने केंद्र सरकार से अपील की है कि वह इस मुद्दे को ध्यान में लाते ही तेलंगाना में आईआईटीएच की स्थापना के लिए कदम उठाए। मैंने इस मामले को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और संबंधित केंद्रीय मंत्री के ध्यान में लाया है ताकि तेलंगाना में संस्थान की स्थापना की जा सके।

केंद्र ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है और संस्थान की स्थापना को मंजूरी दी है। अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे इसी साल हथकरघा प्रौद्योगिकी संस्थान की स्थापना के लिए काम शुरू करें। इस अवसर पर मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव, विधायक, सरकार की मुख्य सचिव शांतिकुमारी और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

विधायकों के दलबदल पर हाईकोर्ट का फैसला कांग्रेस के लिए करारा तमाचा : हरीश राव

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। विधायकों के दलबदल पर हाईकोर्ट के फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए पूर्व मंत्री और विधायक हरीश राव ने आज कहा, हम दलबदल करने वाले विधायकों की अयोग्यता के संबंध में तेलंगाना हाईकोर्ट के फैसले का स्वागत करते हैं। यह फैसला कांग्रेस की अलोकतांत्रिक प्रथाओं के लिए एक बड़ा झटका है। यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि जिन लोगों ने दल बदल लिया है, वे अयोग्यता से बच नहीं सकते हैं। हाईकोर्ट का फैसला लोकतंत्र की जीत है और हमारे संविधान के मूल्यों को कायम रखने में एक मजबूत कदम है। परिणामस्वरूप, इन निर्वाचन क्षेत्रों में उपचुनाव अपरिहार्य हैं, और हमें विश्वास है कि बीआरएस विजयी होगी। हमें विश्वास है कि विधान सभा के अध्यक्ष न्यायालय के निर्देश का पालन करते हुए, अगले चार सप्ताह के भीतर निर्णय लेकर लोकतंत्र की रक्षा के लिए तत्परता से कार्य करेंगे।

गति शक्ति विश्वविद्यालय और आर्मी व वायु सेना के बीच समझौते पर हस्ताक्षर

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह एवं रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव की मौजूदगी में समझौता

सैन्य कर्मियों को लॉजिस्टिक्स ऑपरेशन के लिए दिया जाएगा प्रशिक्षण

नई दिल्ली/हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सैन्य कर्मियों को लॉजिस्टिक्स ऑपरेशन में प्रशिक्षित करने और उनकी क्षमता बढ़ाने के मकसद से आज भारतीय सेना, वायु सेना और रेल मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले गति शक्ति विश्वविद्यालय के बीच एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।

इस दौरान केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह एवं केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव भी मौजूद रहे। गौरतलब है कि इस समझौते से जहां आर्मी और एयर फोर्स को लॉजिस्टिक्स के मामले में विशेषज्ञता हासिल करने में मदद मिलेगी, वहीं लॉजिस्टिक्स ऑपरेशन यानी रसद संचालन के विभिन्न पहलुओं में क्षमता निर्माण करने और प्रभावशाली रसद प्रणाली विकसित करने में भी सहायता मिलेगी। यह समझौता पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान 2021 और राष्ट्रीय रसद नीति 2022 को भी मजबूती देने वाला साबित होगा। इसके अलावा यह समझौता भारत को रक्षा क्षेत्र में "आत्मनिर्भर" बनाने के लक्ष्य को भी पूरा करेगा। इस अवसर पर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने विश्वास जताया कि गति शक्ति विश्वविद्यालय अत्याधुनिक लॉजिस्टिक संबंधी शिक्षा, अनुसंधान एवं नवाचार के साथ सशस्त्र बलों को सशक्त बनाने की प्रक्रिया में एक महत्वपूर्ण भागीदार के रूप में काम करेगा।

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने कहा, इस समझौते से रक्षा क्षेत्र में 'आत्मनिर्भरता' के दृष्टिकोण के अनुरूप सशस्त्र बलों की लॉजिस्टिक्स संबंधी जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी। लॉजिस्टिक्स अब केवल सशस्त्र बलों का एक सहायक कार्य नहीं है, बल्कि यह सैन्य अभियानों और राष्ट्रीय सुरक्षा के एक महत्वपूर्ण घटक के रूप में उभर रहा है। एक कुशल लॉजिस्टिक्स प्रणाली सुरक्षा बलों को तेजी से जुटाने और कम समय में संसाधनों को सही जगह पर पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। जिन परिस्थितियों में हमारी सेनाएं काम करती हैं, उन्हें ध्यान में रखते हुए, हमें सैनिकों, उपकरणों एवं आपूर्ति की निर्बाध आवाजाही की आवश्यकता है। जानकारी, नवाचार और सहयोग के जरिए हमारी सेनाओं की जरूरतों को पूरा करने के नजरिए से यह समझौता बेहद महत्वपूर्ण साबित होगा।

जाहिर है इस समझौते के तहत गति शक्ति विश्वविद्यालय सशस्त्र बलों के कर्मियों के नेतृत्व, प्रबंधन और संचालनात्मक अनुभव के माध्यम से, लॉजिस्टिक्स विशेषज्ञों और प्रबंधकों की एक ऐसी नई पीढ़ी को आकार देने में मदद करेगा, जो आधुनिक युद्ध की बहुआयामी आवश्यकताओं को पूरा करेगा। इस अवसर पर सीडीएस, वायुसेना प्रमुख, सेना प्रमुख, रक्षा सचिव, रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष और गतिशक्ति विश्वविद्यालय के कुलपति सहित रक्षा मंत्रालय और रेल मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

लंगर हाउस में एक व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार तड़के लंगर हौज में एक सुनसान स्थान पर अज्ञात व्यक्तियों ने एक व्यक्ति की हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार, ड्रीम वेलफेयर कॉलोनी निवासी मुख्तार अहमद (35) के सिर पर पत्थरों से हमला किया गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जांचकर्ताओं को संदेह है कि पीड़ित हमलावरों के साथ एकांत स्थान पर गया था और शराब पीने वाली पार्टी में शामिल हुआ था। बाद में, एक बहस हुई और उसे पीट-पीटकर मार डाला गया। स्थानीय निवासियों ने सोमवार सुबह शव देखा और पुलिस को सूचना दी। लैंगर हौज पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और पीड़िता के शव को पोस्टमार्टम के लिए उस्मानिया जनरल अस्पताल के मुर्दाघर में भेज दिया है।

4 सप्ताह में निर्णय लें स्पीकर : हाई कोर्ट

दलबदलू विधायकों की अयोग्यता का मामला

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने सोमवार को विधानसभा सचिव को निर्देश दिया कि वह विधानसभा अध्यक्ष द्वारा कांग्रेस में शामिल हुए विधायकों की अयोग्यता याचिकाओं पर सुनवाई और उनका निपटारा करने के लिए समय निर्धारित करें। कांग्रेस में शामिल हुए विधायकों तेलम वेंकट राव, कडियम श्रीहरि और दानम नागेंद्र को अयोग्य ठहराने की मांग को लेकर बीआरएस द्वारा दायर मामले की सुनवाई करते हुए उच्च न्यायालय ने विधानसभा सचिव को चार सप्ताह के भीतर इस पर स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने को कहा है। ऐसा न करने पर न्यायालय स्वतः संज्ञान लेकर मामले को पुनः खोलेगा।

बीआरएस द्वारा दायर रिट याचिका का निपटारा करते हुए न्यायालय ने पाया कि अप्रैल माह में रिट याचिका दायर करने के समय से लेकर अगस्त तक अयोग्यता आवेदनों के बारे में न्यायालय को कोई जानकारी नहीं दी गई।

ऐसे में याचिकाकर्ता राहत पाने के हकदार हैं। इसके बाद अदालत ने विधानसभा सचिव को निर्देश दिया कि वे अयोग्यता संबंधी आवेदनों को अध्यक्ष के समक्ष रखें ताकि उन पर सुनवाई और निपटान के लिए समय निर्धारित किया जा सके।

हैदराबाद में हल्की बारिश की संभावना

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में मंगलवार को हल्की बारिश के साथ ठंडी, बादल छाए रहने और नमी वाली स्थिति बनी रहने की उम्मीद है। शहर में शाम और रात के समय कुछ स्थानों पर मध्यम बारिश होने की संभावना है। इस बीच, तेलंगाना के पूर्वोत्तर जिलों आसिफाबाद, मंचेरियल, भूपलपल्ली, मुलुगु और भद्राद्री-कोत्तागुडेम में दबाव के क्षेत्र के कारण लगातार मध्यम से भारी वर्षा हो रही है। ऑरेंज अलर्ट के तहत राज्य के उत्तरी भाग के जिलों में भारी बारिश होगी, जबकि तेलंगाना के बाकी हिस्सों में मध्यम बारिश होगी। जारी वर्षा का कारण बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना दबाव है, जिसके कारण मूसलाधार बारिश हो रही है तथा पूर्वोत्तर तेलंगाना, उत्तरी आंध्र प्रदेश और ओडिशा के कुछ हिस्सों में बाढ़ की चेतावनी जारी की गई है। मौसम विशेषज्ञों का संकेत है कि वर्तमान भारी वर्षा 10 सितम्बर तक कम हो सकती है, जिसके बाद पूरे क्षेत्र में मानसून के कमजोर पड़ने की उम्मीद है तथा 10 से 16 सितम्बर के बीच अस्थायी मानसून अवकाश का पूर्वानुमान है।

लोक प्रसारण आवेदनों के समाधान पर हो फोकस : आम्रपाली काटा

प्रजावाणी के लिए 126 लोगों ने दिए आवेदन पत्र

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी आयुक्त आम्रपाली काटा ने अधिकारियों को प्रजावाणी में विभिन्न मुद्दों पर प्राप्त आवेदनों के समाधान पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया है। विभिन्न मुद्दों के समाधान के लिए सोमवार को जीएचएमसी मुख्यालय में आयोजित जनसुनवाई में शहर भर से लोग उमड़ पड़े। कमिश्नर आम्रपाली को काटा के लोगों से मिली। इस मौके पर कमिश्नर ने कहा कि सुझाव दिया गया कि जनसामान्य से प्राप्त आवेदनों पर संबंधित विभाग के अधिकारी विशेष ध्यान दे। उन्होंने कहा कि समस्या का अविलंब समाधान कर संबंधित आवेदकों को सूचित किया जाये और समाधान नहीं होने पर कारण बताया जाये।

फोन-इन कार्यक्रम के माध्यम से 7 अनुरोध प्राप्त हुए और समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को भेजे गए। जीएचएमसी मुख्यालय में आयोजित सार्वजनिक सुनवाई में, 49 अनुरोध प्राप्त हुए, जिनमें से टाउन प्लानिंग के लिए 31, टैक्स के लिए 4, एलडब्ल्यू के लिए 4, इलेक्ट्रिकल के लिए 4, पशु चिकित्सा के लिए 2, एंटोमोलॉजी, एस्टेट, स्पोर्ट्स, सीएमओएच के लिए 2 प्राप्त हुए। इंजीनियरिंग और प्रशासन विभाग से अनुरोध प्राप्त हुए हैं। जीएचएमसी के तहत छह क्षेत्रों में कुल 70 आवेदन प्राप्त हुए। उन्होंने कहा कि कुकटपल्ली से 28, सेरिलिंगमपल्ली से 16, सिकंदराबाद से 11, एलबीनगर जोन से 9, चारमीनार जोन से 4 और खैरताबाद जोन से दो आवेदन प्राप्त हुए। इस कार्यक्रम में अतिरिक्त आयुक्त नलिनी पद्मावती, वेणुगोपाल रेड्डी, चंद्रकांत रेड्डी, रघु प्रसाद, सत्यनारायण, अतिरिक्त सीसीपी गंगाधर, संयुक्त आयुक्त महेश कुलकर्णी, एससी पनासा रेड्डी, सिंचाई एसई नारायण, संपदा अधिकारी श्रीनिवास रेड्डी, संबंधित विभागों के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

सिटीसाइड चेक-इन, बैगेज ड्रॉप की सुविधा शुरू

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एयर इंडिया ने सोमवार को घोषणा की कि वह एयर इंडिया, विस्तारा और एयर इंडिया एक्सप्रेस के साथ उड़ान भरने वाले अपने यात्रियों के लिए एक सहज और निर्बाध यात्रा अनुभव सुनिश्चित करने के लिए हैदराबाद के राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (आरजीआईए) पर सिटीसाइड चेक-इन और बैगेज ड्रॉप सुविधा प्रदान करेगी। ग्राउंड लेवल पर पार्किंग क्षेत्र के करीब स्थित यह नई सेवा यात्रियों को आसानी से प्रवेश प्रदान करती है और प्रस्थान स्तर तक सामान ले जाने की आवश्यकता को समाप्त करती है। यह चेक-इन विकल्प यात्रियों को पार्किंग और बस स्टेशन के करीब किसी स्थान पर अपना बैग छोड़ने की सुविधा देता है। यात्रियों के पास अब अपनी उड़ान के निर्धारित प्रस्थान से 6 घंटे पहले और 90 मिनट पहले तक चेक-इन करने और अपना सामान जमा करने का विकल्प होगा। यह पहल अधिक लचीलापन और सुचारू चेक-इन प्रक्रिया प्रदान करती है, जिससे यात्रियों को समय की बचत होती है और उन्हें अपना सामान साथ ले जाने की आवश्यकता नहीं होती तथा वे हवाई अड्डे पर आराम से रह सकते हैं। यह सेवा वर्तमान में केवल घरेलू उड़ानों के लिए उपलब्ध है और यह सामान्य आकार के सामान की सुविधा प्रदान करती है। बड़े आकार या अतिरिक्त सामान के साथ यात्रा करने वाले यात्रियों को हवाई अड्डे के टर्मिनल के अंदर चेक-इन काउंटर का उपयोग करना होगा। इस सुविधा का मुख्य लाभ यह है कि यात्रियों को सुविधा होगी, क्योंकि वे पार्किंग और बस स्टेशनों के नजदीक ही भूतल पर चेक-इन कर सकते हैं, तथा उन्हें प्रस्थान स्तर तक अपना सामान ले जाने की आवश्यकता नहीं होगी। इससे यात्रियों को समय की बचत होगी तथा उन्हें अपनी सीट चुनने, फ्लाइंग रिटर्न विवरण अपडेट करने तथा सेल्फ बैग ड्रॉप (एसबीडी) मशीनों पर अपना सामान डालने से पहले चेक-इन कियोस्क से बैगेज टैग प्रिंट करने में मदद मिलेगी।

जन कवि कालोजी नारायण राव को श्रद्धांजलि

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामा राव, पूर्व मंत्री टी हरीश राव और कई अन्य पार्टी नेताओं ने सोमवार को जन कवि और तेलंगाना कार्यकर्ता कालोजी नारायण राव को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने राज्य के लोगों को कालोजी की जयंती के अवसर पर मनाए जाने वाले तेलंगाना भाषा दिवस की शुभकामनाएं भी दीं। रामा राव ने याद दिलाया कि कालोजी बेजुबानों की आवाज रहे हैं और अपने लेखन को हथियार के रूप में इस्तेमाल करते हुए निरंकुशता, अराजकता और असमानता के निर्भीक आलोचक रहे हैं। उन्होंने कहा कि तेलंगाना की स्थानीय भाषा में निहित कालोजी की रचनाएं आम आदमी की सशक्त आवाज और राज्य के लिए गौरव का स्रोत हैं। उन्होंने कहा कि कालोजी ने आम आदमी के अधिकारों और कल्याण के लिए लड़ाई लड़ी, जबकि एक स्वतंत्रता सेनानी और तेलंगाना कार्यकर्ता के रूप में राज्य के लिए उनका योगदान अद्वितीय है।

उन्होंने कहा कि के. चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में पिछली बीआरएस सरकार ने कालोजी के नाम पर एक चिकित्सा विश्वविद्यालय की स्थापना करके और वारंगल में कालोजी कलाक्षेत्र का निर्माण करके उन्हें सम्मानित किया। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि कालोजी की जयंती को आधिकारिक तौर पर तेलंगाना भाषा दिवस के रूप में मनाया जाता है और तेलंगाना के लेखकों और कवियों को सम्मानित करने के लिए उनके नाम पर एक पुरस्कार की स्थापना की गई है। पूर्व मंत्री टी हरीश राव ने कहा कि कालोजी की कविताएं आज भी उतनी ही प्रासंगिक हैं जितनी उनके जीवनकाल में थीं। उन्होंने कालोजी के शब्दों और विरासत से प्रेरणा लेते हुए तेलंगाना के हितों के लिए लड़ने की बीआरएस की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। उन्होंने कालोजी की कविताओं को याद करते हुए कहा कि वे आज की वास्तविकता को प्रतिबिंबित करती हैं।

उन्होंने तेलंगाना भाषा दिवस पर शुभकामनाएं दीं और कालोजी नारायण राव के जीवन और योगदान का स्मरण किया, जिनका कार्य तेलंगाना के लोगों को प्रेरित करता रहता है।

वेतन की मांग को लेकर कर्मचारियों का प्रदर्शन

सरकारी अस्पताल में हुई नारेबाजी

नागरकुरनूल, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सरकार से वेतन भुगतान की मांग को लेकर मरीज देखभालकर्ताओं, सफाई, सुरक्षा और अन्य वर्गों के कर्मचारियों ने सोमवार को अपने कर्तव्यों का बहिष्कार किया और यहां कलवाकुर्ती स्थित सरकारी जनरल अस्पताल के सामने विरोध प्रदर्शन किया। सरकार के खिलाफ नारे लगाते हुए विभिन्न विभागों के कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि पिछले छह महीने से उनका वेतन बकाया है।

इसके अलावा, उन्होंने आरोप लगाया कि जब वेतन की मांग की जा रही थी, तो ठेकेदार उन्हें असुविधा में डाल रहा था। इसके अलावा, ठेकेदार वेतन मांगने वाले कर्मचारियों को उनके काम से निलंबित करने की धमकी भी दे रहा था। कर्मचारियों ने कहा कि उन्हें छह महीने से वेतन नहीं मिलने के कारण गुजारा करना मुश्किल हो रहा है। कर्मचारियों ने कहा कि जब तक हमारा वेतन नहीं मिल जाता, हम हड़ताल जारी रखेंगे। सरकार को तुरंत कदम उठाना चाहिए और हमारे वेतन का भुगतान करना चाहिए।

बस ने लॉरी को मारी टक्कर, 25 यात्री घायल

संगारेड्डी, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार सुबह सदाशिवपेट मंडल के मद्दिकुटा में एनएच-65 पर एक लॉरी से टकराने के बाद कर्नाटक आरटीसी बस में सवार कई यात्री घायल हो गए। यात्रियों ने बस चालक को दुर्घटना के लिए जिम्मेदार ठहराया क्योंकि उसने कथित तौर पर बस को लापरवाही से चलाया और लॉरी को पीछे से टक्कर मार दी। घायलों को इलाज के लिए सदाशिवपेट के सरकारी अस्पताल ले जाया गया। बाद में, उन्हें आगे के इलाज के लिए विभिन्न निजी अस्पतालों में ले जाया गया। मामला दर्ज किया गया।

पीआरएसआई की नई कार्यकारिणी ने कार्यभार संभाला

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पब्लिक रिलेशंस सोसाइटी ऑफ इंडिया (पीआरएसआई) हैदराबाद चैप्टर ने पत्रकारिता शिक्षक और वरिष्ठ संचार पेशेवर डॉ.एस. रामू की अध्यक्षता वाली उसी संस्था को तेलंगाना में जनसंपर्क और कॉर्पोरेट संचार पेशेवरों की सेवा के लिए दो और वर्षों के लिए फिर से चुना है। 2022-23 के लिए राष्ट्रीय सर्वश्रेष्ठ अध्यक्ष पुरस्कार के विजेता डॉ.एस. रामू और उनकी ईसी सदस्यों की टीम को पोट्टी श्रीरामुलु तेलुगु विश्वविद्यालय में आयोजित पीआरएसआई की वार्षिक आम सभा की बैठक में सर्वसम्मति से फिर से चुना गया। डॉ. बीआर अंबेडकर मुक्त विश्वविद्यालय में सहायक प्रोफेसर के. यादगिरी को लगातार तीसरी बार सचिव चुना गया है। डॉ. रामू और यादगिरी ने कहा, हम पेशेवरों को लगातार बदलती तकनीकी प्रगति के साथ अपने कौशल को बेहतर बनाने में मदद करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम केंद्र और तेलंगाना सरकारों के कार्यक्रमों और योजनाओं के प्रचार में सबसे आगे हैं।

उन्होंने पत्रकारों के लंबे समय से लंबित मुद्दों को हल करने के लिए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और सूचना मंत्री पी. श्रीनिवास रेड्डी की सराहना की और कहा कि पीआर पेशेवर, पत्रकारों के जुड़वां होने के नाते, भविष्य में भी सरकार के समर्थन की आवश्यकता है। बी. महेश (स्पीड इंफ्रा) वी. भुजंगा राव (कॉटन एसोसिएशन) को क्रमशः उपाध्यक्ष और कोषाध्यक्ष के रूप में फिर से नियुक्त किया गया है। सेंट जोसेफ डिग्री और पीजी कॉलेज की एक संकाय सदस्य अपर्णा राजहंस संयुक्त सचिव हैं। अन्य कार्यकारी समिति के सदस्यों में राजेश कल्याण, पीआरओ, दक्षिण मध्य रेलवे, चौधरी श्रीनिवास राव (एनएमडीसी), डॉ.वी सुधाकर (पीआरओ, पीजेटीएस कृषि विश्वविद्यालय), पी लिंगा रेड्डी (टी-सैट्स), पीएसआर मूर्ति (बैंकिंग) और डॉ. साजिदा खान (टीवी और फिल्म उद्योग) शामिल हैं। पीआरएसआई की राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजीत पाठक, सचिव पीएलके मूर्ति और उपाध्यक्ष (दक्षिण) यूएस सरमा ने नई टीम को बधाई दी।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.